



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 11, 1992/पौष 21, 1913
No. 2] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 11, 1992/PAUSA 21, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—अप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सार्वधिक्रम आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India (other than the
Ministry of Defence)

विधि एवं स्थाय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

(विशेष अनुभाग)

सूचनाएं

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर 1991

का. प्रा. 72.—नोटरीज नियम, 1959 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री शरद ए. सुले एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे नवसारी (जिला बलसर) गुजरात में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आशेष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिनों के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(131)/91-न्या.]

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

(Judicial Section)

NOTICES

New Delhi, the 17th December, 1991

S.O. 72.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under

Rule 4 of the said Rules, by Sh. Sharad A. Sule Advocate for appointment as a Notary to practise in Navsari Dist. Valsad Gujarat.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(131)/9-Judl.]

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर, 1991

का. प्रा. 73.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री बी. सी. चटर्जी एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे कलकत्ता व पश्चिम बंगाल में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आशेष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिनों के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(132)/91-न्या.]

पी. सी. कण्ठन, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 18th December, 1991

S.O. 73.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. P. C. Chatterjee Advocate

for appointment as a Notary to practise in Calcutta and West Bengal.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(132)91-Judl.]

P. C. KANAN, Competent Authority

वित्त मंत्रालय

राजस्व विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर, 1991

स्टाम्प

का. आ. 71--भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा स. एन. के. एक सिगरिंस इंडिया लि. बम्बई को तीन लाख पचाहत्तर हजार रुपये मात्र के समतुल्य स्टाम्प शुल्क का भुगतान करने की अनुमति प्रदान करती है जो कि कम्पनी द्वारा जारी किये जाने वाले पाँच करोड़ रुपये मात्र के कुल मूल्य के 100-100- रुपये (एक-एक सौ रुपये मात्र) के अंकित मूल्य के 1 से 5,00,000 तक की क्रमिक संख्या वाले 5,00,000, 14% भुविनि विनिर्देश आगिवर्तनीय ऋण पत्रों (छठा श्रेणी) पर स्टाम्प शुल्क के कारण प्रदात है।

[सं. 49/91--स्टाम्प का सं. 33/58/91--वि. क.]

राष्ट्रिय दल, जनसंघ

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 17th December, 1991

STAMPS

S.O. 74.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits M/s. S.K.F. Bearings India Limited, Bombay to pay consolidated stamp duty of rupees Three lakhs seventy-five thousand only, chargeable on account of the stamp duty on 5,00,000, 14 per cent secured redeemable non-convertible debentures (Sixth Series) bearing serial numbers 1 to 5,00,000 of the face value of rupees 100 (rupees One hundred only) each of the aggregate value of rupees five crores only to be issued by the said company.

[No. 49/91-Stamps/F. No. 33/58/91-ST]

THAUR DATI, Dy. Secy.

आर्थिक कार्य विभाग

(बीमा प्रभाग)

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर, 1991

का. आ. 75--जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा निदेश देती है कि भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबंध निदेशक, श्री के. पी. नरसिम्हन, प्रबंध निदेशक के रूप में अपने कार्यभार के अतिरिक्त, 14 दिसम्बर, 1991 से चलने वाले वर्षों तक श्री एम. जी. दीवान के स्थान पर उस निगम के अध्यक्ष का वर्तमान पदभार संभालेंगे, और वे उस निगम के अध्यक्ष की समस्त शक्तियों और कार्यों का प्रयोग करेंगे।

[फा. सं. 102(1) बीमा-4/91]

डा. पी. बी. थोमस, निदेशक (बीमा)

Department of Economic Affairs

(Insurance Division)

New Delhi, the 6th December, 1991

S.O. 75.—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956) the Central Government hereby directs that Shri K. P. Narasimhan, Managing Director of the Life Insurance Corporation of India will hold current charge of the Chairman of that Corporation vice Shri M. G. Diwan with effect from 14th November, 1991 till further orders, in addition to his duties as Managing Director, and he shall exercise all the powers and the functions of the Chairman of the said Corporation.

[No. F. 102(1)/Ins.-4/91]

Dr. P. V. THOMAS, Director (Insurance)

वित्त मंत्रालय

(हज मेल)

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 1991

का. आ. 76--लोक सभा अध्यक्ष, हज समिति अधिनियम, 1959 (1959 का 51) की धारा 4 और 5 के साथ पठित धारा 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री शकीरुल रहमान और श्री कमाबुद्दीन अहमद के स्थान पर श्री सैयद शहाबुद्दीन, सदस्य लोक सभा और श्री श्री बी. अकबर पाशा, सदस्य लोक सभा को बम्बई हज समिति के लिए मनोनीत करते हैं।

[संख्या एम (हज)/118-1/2/89]

के. पी. फेबियन, संयुक्त सचिव (जी डी/हज)

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

(Haj Cell)

New Delhi, the 24th December, 1991

S.O. 76.—In exercise of the powers conferred under Section 3, read with Sections 4 and 5 of the Haj Committee Act, 1959 (51 of 1959) the Speaker, Lok Sabha has nominated Shri Syed Shahabuddin, Member, Lok Sabha and Shri B. Akbar Pasha, Member, Lok Sabha to the Haj Committee, Bombay vice Shri Shakeelur Rahman and Shri Kamaluddin Ahmed.

[M(Haj)-118-1/2/89]

K. P. FABIAN, Jt. Secy. (GD)(Haj)

वाणिज्य मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1991

का. आ. 77--केन्द्रीय सरकार ने निर्णीत (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संसदीय प्रस्ताव भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 2967 तारीख 6 अक्टूबर, 1979 का विमोचन करने के लिए कतिपय प्रस्ताव बनाए थे और उन्हें निर्णीत (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश तारीख 29 अप्रैल, 1991 के अधीन भारत के राजपत्र तारीख 18 मई, 1991 में प्रकाशित किया गया था।

और ऐसे सभी व्यक्तियों से जिनके प्रभावित होने की संभावना थी, उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से वैधानिक विधियों के भीतर आदेश और मुद्राव मंगे गए थे।

और उक्त राजपत्र आदेश जनता को 30 मई, 1991 को उपलब्ध करा दिया गया था।

और उक्त प्रस्तावों संबंध में जनता से कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः अत्र, केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्यात निरीक्षण परिषद् से परामर्श करने के पश्चात् भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 2967 तारीख 6 अक्टूबर, 1973 का विखंडन करता है।

[फाईल सं. 6/4/90-ई आई एण्ड ई पी।]

मूल आदेश वाणिज्य मंत्रालय की सं. का. आ. 2967 तारीख 6 अक्टूबर, 1973 द्वारा प्रकाशित किया गया।

MINISTRY OF COMMERCE

ORDER

New Delhi, the 20th December, 1991

S.O. 77.—Whereas, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government had formulated certain proposals to rescind the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 2967 dated 6th October, 1973 relating to Sulphuric Acid and published in the Gazette of India, dated 18th May, 1991 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, dated 29th April, 1991 as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

And whereas objections and suggestions were invited within forty five days of the publication of the said order in the Official Gazette from all persons likely to be affected thereby;

And whereas the said Gazette order was made available to the public on 30th May, 1991;

And whereas no objections or suggestions were received from the public on the said proposal;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council and being of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby rescinds the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 2967, dated the 6th October, 1973.

[F. No. 6/4/90-EI&EP]

FOOT NOTE.—The principal Order was published vide Ministry of Commerce No. S.O. 2967, dated 6th October, 1973.

आदेश

का. आ. 78 -- केन्द्रीय सरकार ने, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एकरूप प्रकाश से संबंधित भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 2138 तारीख 22 जुलाई 1978 को विखंडित करने के लिए कतिपय प्रस्ताव बनाए थे और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप नियम (2) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश तारीख 29 अप्रैल, 1991 के अधीन भारत के राजपत्र तारीख 18 मई, 1991 में प्रकाशित किया गया था;

ऐसे सभी व्यक्तियों से जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी, उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन के भीतर आपत्तियां तथा सुझाव मांगे गए थे ;

उक्त राजपत्रित आदेश जनता की 30 मई, 1991 को उपलब्ध करा दिया गया था;

उक्त प्रस्तावों पर जनता से कोई आपत्तियां या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्यात निरीक्षण परिषद् से परामर्श करने के पश्चात् भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 2138 तारीख 22 जुलाई, 1978 को विखंडित करता है।

[फाईल सं. 6/4/90-ई आई एण्ड ई पी।]

पाद टिप्पण मूल आदेश वाणिज्य मंत्रालय के सं. का. आ. 2138 तारीख 22 जुलाई, 1978 द्वारा प्रकाशित किया गया था।

ORDER

S.O. 78.—Whereas, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government had formulated certain proposals to rescind the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 2138 dated 22nd July, 1978 relating to Flashlights and published in the Gazette of India, dated 18th May, 1991 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, dated 29th April, 1991 as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

And whereas objections and suggestions were invited within forty five days of the publication of the said Order in the Official Gazette from all persons likely to be affected thereby;

And whereas the said Gazette Order was made available to the public on 30th May, 1991;

And whereas no objections or suggestions were received from the public on the said proposals;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, hereby rescinds the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 2138 dated the 22nd July, 1978.

[F. No. 6/4/90-EI&EP]

FOOT NOTE.—The principal order was published vide Ministry of Commerce No. S.O. 2138 dated the 22nd July, 1978.

आदेश

का. आ. 79 -- केन्द्रीय सरकार ने, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, घरेलू रेफ्रिजरेटरों से संबंधित भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 2350 तारीख 14 सितम्बर, 1979 का विखंडन करने के लिए कतिपय प्रस्ताव बनाए थे और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप नियम (2) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश तारीख 29 अप्रैल, 1991 के अधीन भारत के राजपत्र तारीख 18 मई, 1991 में प्रकाशित किया था।

ऐसे सभी व्यक्तियों से जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से पैंतालीस दिन के भीतर आपत्तियां तथा सुझाव मांगे गए थे,

उक्त राजपत्रित आदेश जनता की 20 मई, 1991 को उपलब्ध करा दिया गया था,

उक्त प्रस्तावों पर जनता से कोई आपत्तियाँ या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं।
अतः केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्यात निरीक्षण परिषद् से परामर्श करने के पश्चात् भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 2350 तारीख 1 सितम्बर, 1974 का एतद् विखण्डित करता है।

[फाईल सं. 6/4/90-ईआईएण्ड ईपी]

पाद टिप्पणः मूल आदेश वाणिज्य मंत्रालय के सं. का. आ. 2350 तारीख 19 सितम्बर, 1974 द्वारा प्रकाशित किया गया था।

ORDER

S.O. 79.—Whereas, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government had formulated certain proposals to rescind the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 2350 dated 14th September, 1974 relating to Domestic Refrigerators and published in the Gazette of India, dated 18th May, 1991 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, dated 29th April, 1991 as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

And, whereas, objections and suggestions were invited within forty five days of the publication of the said Order in the Official Gazette from all persons likely to be affected thereby;

And, whereas, the said Gazette Order was made available to the public on 30th May, 1991;

And, whereas, no objections or suggestions were received from the public on the said proposal;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, hereby rescinds the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 2350, dated the 14th September, 1974.

[F. No. 6/4/90-EI&EP]

Foot Note : The Principal Order was published vide Ministry of Commerce No. S.O. 2350, dated the 14th September, 1974.

आदेश

का. आ. 80 .—केन्द्रीय सरकार ने, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कक्ष वातातुकूलकों से संबंधित भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 2354 तारीख 14 सितम्बर, 1974 को विखण्डित करने के लिए कतिपय प्रस्ताव बनाए थे और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षाानुसार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश तारीख 29 अप्रैल, 1991 के अधीन भारत के राजपत्र तारीख 18 मई, 1991 में प्रकाशित किया था;

ऐसे सभी व्यक्तियों से जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी, उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन के भीतर आपत्तियाँ तथा सुझाव माँगे गए थे;

उक्त राजपत्रित आदेश जना को 30 मई, 1991 को उपलब्ध करा दिया गया था;

उक्त प्रस्तावों पर जनता से कोई आपत्तियाँ या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्यात निरीक्षण परिषद् से परामर्श करने के पश्चात्

भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 2354 तारीख 14 सितम्बर, 1974 को विखण्डित करता है।

[फाईल सं. 6/4/90-ईआईएण्ड ईपी]

पाद टिप्पणः

मूल आदेश वाणिज्य मंत्रालय के सं. का. आ. 2354 तारीख 14 सितम्बर, 1974 द्वारा प्रकाशित किया गया था।

ORDER

S.O. 80. Whereas, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government had formulated certain proposals to rescind the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 2354 dated 14th September, 1974 relating to Room Air Conditioners and published in the Gazette of India, dated 18th May, 1991 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, dated 29th April, 1991 as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

And, whereas, objections and suggestions were invited within forty five days of the publication of the said Order in the Official Gazette from all persons likely to be affected thereby;

And, whereas, the said Gazette Order was made available to the public on 30th May, 1991;

And, whereas, no objections or suggestions were received from the public on the said proposal;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, hereby rescinds the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 2354, dated the 14th September, 1974.

[F. No. 6/4/90-EI&EP]

Foot Note : The Principal Order was published vide Ministry of Commerce No. S.O. 2354 dated the 14th September, 1974.

आदेश

का. आ. 81 .—केन्द्रीय सरकार ने, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विस्तारित घातु हवाय को यंत्रों से संबंधित भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 4574 तारीख 19 दिसम्बर, 1967 का विखण्डन करने के लिए कतिपय प्रस्ताव बनाए थे, और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षाानुसार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश तारीख 29 अप्रैल, 1991 के अधीन भारत के राजपत्र तारीख 18 मई, 1991 में प्रकाशित किया था;

ऐसे सभी व्यक्तियों से जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से पैंतालीस दिन के भीतर आपत्तियाँ तथा सुझाव माँगे गए थे,

उक्त राजपत्रित आदेश जनता को 30 मई, 1991 को उपलब्ध करा दिया गया था;

उक्त प्रस्तावों पर जनता से कोई आपत्ति या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं।
अतः केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्यात निरीक्षण परिषद् से परामर्श करने के पश्चात्, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 4574 तारीख 19 दिसम्बर, 1967 को विखण्डित करती है।

[फाईल सं. 6/4/90-ईआईएण्ड ईपी]

पाद टिप्पणः

मूल अधिसूचना, वाणिज्य मंत्रालय के सं. का. आ. 4574 तारीख 19 दिसम्बर, 1967 द्वारा प्रकाशित की गई थी।

ORDER

S.O. 81.—Whereas, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government had formulated certain proposals to rescind the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 4574 dated 19th December, 1967 relating to Expanded Metal Steel Sheets and published in the Gazette of India, dated 18th May, 1991 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, dated 29th April, 1991, as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

And, whereas, objections and suggestions were invited within forty five days of the publication of the said Order in the Official Gazette from all persons likely to be affected thereby;

And, whereas, the said Gazette Order was made available to the public on 30th May, 1991;

And, whereas, no objections or suggestions were received from the public on the said proposal;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, hereby rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 4574, dated the 19th December, 1967.

[F. No. 6/4/90-EI&EP]

Foot Note : The principal notification was published vide the Ministry of Commerce No. S.O. 4574, dated the 19th December, 1967.

आदेश

का. प्रा. 82 .—केन्द्रीय सरकार ने, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, रोकिन से संबंधित भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. प्रा. 575 तारीख 25 फरवरी, 1978 को विखण्डित करने के लिए कनिष्ठ प्रस्ताव बनाए थे, और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश तारीख 29 अप्रैल, 1991 के अर्वांत भारत के राजपत्र तारीख 18 मई, 1991 में प्रकाशित किया था;

ऐसे सभी व्यक्तियों से जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी, उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से पैंतानोस दिनों के भीतर आपत्तियां तथा सुझाव मांगे गए थे;

उक्त राजपत्रित आदेश जनता की 30 मई, 1991 को उपलब्ध करा दिया गया था,

उक्त प्रस्तावों पर जनता से कोई आपत्तियां या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं।

अतः केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्यात निरीक्षण परिषद् से परामर्श करने के पश्चात् भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. प्रा. 575 तारीख 25 फरवरी, 1978 को विखण्डित करती है।

[फाईल सं. 6/4/90-ई आई एण्ड ई पी]

पाद टिप्पण :

मूल आदेश वाणिज्य मंत्रालय के सं. का. प्रा. 575 तारीख 25 फरवरी, 1978 द्वारा प्रकाशित किया गया था।

ORDER

S.O. 82.—Whereas, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection)

Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government had formulated certain proposals to rescind the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 575 dated 25th February, 1978 relating to Rosin and published in the Gazette of India, dated 18th May, 1991 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, dated 29th April, 1991 as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

And, whereas, objections and suggestions were invited within forty five days of the publication of the said Order in the Official Gazette from all persons likely to be affected thereby;

And, whereas, the said Gazette Order was made available to the public on 30th May 1991;

And, whereas, no objections or suggestions were received from the public on the said proposal;

Now(therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, hereby rescinds the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 575, dated the 25th February, 1978.

[F. No. 6/4/90-EI&EP]

Foot Note.—The principal Order was published vide Ministry of Commerce No. S.O. 575, dated 25th February, 1978.

आदेश

का. प्रा. 83 .—केन्द्रीय सरकार ने, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कपड़े धोने के साबुन से संबंधित भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. प्रा. 1771 तारीख 7 जून 1966 को विखण्डित करने के लिए कनिष्ठ प्रस्ताव बनाए थे और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश तारीख 29 अप्रैल, 1991 के अर्वांत भारत के राजपत्र तारीख 18 मई, 1991 में प्रकाशित किया था;

ऐसे सभी व्यक्तियों से जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी, उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से पैंतानोस दिनों के भीतर आपत्तियां तथा सुझाव मांगे गए थे;

उक्त राजपत्रित आदेश जनता की 30 मई, 1991 को उपलब्ध करा दिया गया था;

उक्त प्रस्तावों पर जनता से कोई आपत्तियां या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्यात निरीक्षण परिषद् से परामर्श करने के पश्चात् भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. प्रा. 1171 तारीख 7 जून, 1966 को विखण्डित करती है।

[फाईल सं. 6/4/90-ईआईएण्डईपी]

पाद टिप्पण :

मूल अधिसूचना वाणिज्य मंत्रालय के सं. का. प्रा. 1771 तारीख 7 जून, 1966 द्वारा प्रकाशित की गयी थी।

ORDER

S.O. 83.—Whereas, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government had formulated certain proposals to rescind the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 1771 dated 7th June, 1966 relating to Laundry Soaps and published in the Gazette of India, dated 18th May, 1991 under the Order of the Government of India in the Ministry of Com-

merce, dated 29th April, 1991 as required by sub-rule (2) of Rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

And, whereas, objections and suggestions were invited within forty five days of the publication of the said order in the Official Gazette from all persons likely to be affected thereby;

And, whereas, the said Gazette Order was made available to the public on 30th May, 1991;

And, whereas, no objections or suggestions were received from the public on the said proposal;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, hereby rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 1771, dated the 7th June, 1966.

[F. No. 6/4/90-EI&EP]

Foot Note: The principal notification was published vide Ministry of Commerce No. S.O. 1771, dated the 7th June, 1966.

आदेश

का. आ. 84. —केन्द्रीय सरकार ने, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जल प्रशीतकों से संबंधित भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 2352 तारीख 14 सितंबर, 1974 को विच्छिन्न करने के लिए कतिपय प्रस्ताव बनाए थे, और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश तारीख 29 अप्रैल, 1991 के अधीन भारत के राजपत्र तारीख 18 मई, 1991 प्रकाशित किया था;

ऐसे सभी व्यक्तियों से जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी, उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से पैंतालीस दिन के भीतर आपत्तियां तथा सुझाव मांगे गए थे;

उक्त राजपत्र आदेश जनता को 30 मई, 1991 को उपलब्ध करा दिया गया था;

उक्त प्रस्ताव पर जनता से कोई आपत्ति या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्यात निरीक्षण परिषद् से परामर्श करने के पश्चात्, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 2352 तारीख 14 सितंबर, 1974 को विच्छिन्न करती है।

[फाइल सं. 6/4/90-ईआईएंडईपी]

पाद टिप्पणः

मूल अधिसूचना वाणिज्य मंत्रालय के सं. का. आ. 2352 तारीख 14 सितंबर, 1974 द्वारा प्रकाशित की गयी थी।

ORDER

S.O. 84.—Whereas, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government had formulated certain proposals to rescind the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 2352 dated 14th September, 1974 relating to Water Coolers and published in the Gazette of India dated 18th May, 1991 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, dated 29th April, 1991 as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

And, whereas, objections and suggestions were invited within forty five days of the publication of the said Order in the Official Gazette from all persons likely to be affected thereby;

And, whereas, the said Gazette Order was made available to the public on 30th May, 1991;

And, whereas, no objections or suggestions were received from the public on the said proposal;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, hereby rescinds the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 2352 dated the 14th September, 1974.

[F. No. 6/4/90-EI&EP]

Foot Note: The principal notification was published vide Ministry of Commerce No. S.O. 2352, dated the 14th September, 1974.

आदेश

का.आ. 85. —केन्द्रीय सरकार ने निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सुरक्षा माचिस से संबंधित भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 1221 तारीख 28 मार्च, 1984 का विच्छिन्न करने के लिए कतिपय प्रस्ताव बनाए थे और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय आदेश तारीख 29 अप्रैल, 1991 के अधीन भारत सरकार के राजपत्र तारीख 18 मई, 1991 प्रकाशित किया गया।

और ऐसे सभी व्यक्तियों से जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी, उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से पैंतालीस दिन के भीतर आपत्तियां और सुझाव मांगे गए थे;

और उक्त आदेश, राजपत्र जनता को 30 मई, 1991 को उपलब्ध करा दिया गया था;

और उक्त प्रस्ताव के संबंध जनता से कोई आपत्ति या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्यात निरीक्षण परिषद् से परामर्श करने के पश्चात् भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 1221 तारीख 28 मार्च, 1984 का विच्छिन्न करती है।

[फाइल सं. 6/4/90-ईआईएंडईपी]

पाद टिप्पणः

मूल आदेश वाणिज्य मंत्रालय की सं. का. आ. 1221 तारीख 28 मार्च, 1984 द्वारा प्रकाशित किया गया।

ORDER

S.O. 85.—Whereas, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government had formulated certain proposals to rescind the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 1221 dated 28th March, 1984 relating to Safety Matches and published in the Gazette of India, dated 18th May, 1991 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, dated 29th April, 1991 as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

And, whereas, objections and suggestions were invited within forty five days of the publication of the said Order in the Official Gazette from all persons likely to be affected thereby;

And, whereas, the said Gazette Order was made available to the public on 30th May, 1991;

And, whereas, no objections or suggestions were received from the public on the said proposals;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council and being of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby rescinds the order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 1221, dated the 28th March, 1984.

[F. No. 6/4/90-EI&EP]

Foot Note: The principal order was published vide Ministry of Commerce No. S.O. 1221, dated the 28th March, 1984.

आदेश

का.प्रा. 86 -- केन्द्रीय सरकार ने, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पाकेपण लाईन टावरों से संबंधित भारत सरकार के भूतपूर्व विदेश व्यापार मंत्रालय के आदेश सं.का.प्रा. 5576 तारीख 25 दिसंबर, 1971 को विखंडित करने के लिए, कतिपय प्रस्ताव बनाए थे, और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम, 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश तारीख 29 अप्रैल, 1991 के अंतर्गत भारत के राजपत्र तारीख 18 मई, 1991 में प्रकाशित किया था,

ऐसे सभी व्यक्तियों से जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी, उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से पैंतालीस दिन के भीतर आपत्तियां तथा सुझाव मांगे गए थे;

उक्त राजपत्रित आदेश जनता को 30 मई, 1991 को उपलब्ध करा दिया गया था;

उक्त प्रस्तावों पर जनता से कोई आपत्तियां या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्यात निरीक्षण परिषद् से परामर्श करने के पश्चात् भारत सरकार के भूतपूर्व विदेश व्यापार मंत्रालय की अधिसूचना सं.का.प्रा. 5576 तारीख 25 दिसंबर, 1971 को विखंडित करती है।

[फाईल सं. 6/4/-90ईआईएंड ईपी]

पाठ टिप्पणी :

मूल अधिसूचना भूतपूर्व विदेश व्यापार मंत्रालय की सं.का.प्रा. 5576 तारीख 25 दिसंबर, 1971 द्वारा प्रकाशित की गयी थी।

ORDER

S.O. 86.—Whereas, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government had formulated certain proposals to rescind the Order of the Government of India in the erstwhile Ministry of Foreign Trade, No. S.O. 5576 dated 25th December, 1971 relating to Transmission Line Towers and published in the Gazette of India, dated 18th May, 1991 under the Order of the Government of India, in the Ministry of Commerce, dated 29th April, 1991 as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

And, whereas, objections and suggestions were invited within forty five days of the publication of the said order in the Official Gazette from all persons likely to be affected thereby;

And, whereas, the said Gazette Order was made available to the public on 30th May, 1991;

And, whereas, no objections or suggestions were received from the public on the said proposal;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting

the Export Inspection Council, hereby rescinds the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Foreign Trade No. S.O. 5576, dated the 25th December, 1971.

[F. No. 6/4/90-EI&EP]

Foot Note: The principal notification was published vide the erstwhile Ministry of Foreign Trade No. S.O. 5576, dated the 25th December, 1971.

आदेश

का.प्रा. 87 -- केन्द्रीय सरकार ने, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नाशक जीव मार तथा उसकी विनिमिनियों से संबंधित भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं.का.प्रा. 3310 तारीख 7 अक्टूबर, 1970 में संशोधन करने के लिए, कतिपय प्रस्ताव बनाए थे और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का.प्रा. 1358 तारीख 29 अप्रैल, 1991 के अंतर्गत भारत के राजपत्र, भाग-II, खंड-3, उप खंड- (ii) तारीख 18 मई, 1991 में प्रकाशित किया था;

ऐसे सभी व्यक्तियों से जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी, उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से पैंतालीस दिनों के भीतर आपत्तियां तथा सुझाव मांगे गए थे;

उक्त राजपत्रित आदेश जनता को 30 मई, 1991 को उपलब्ध करा दिया गया था;

उक्त प्रस्तावों पर जनता से कोई आपत्तियां या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्यात निरीक्षण परिषद् से परामर्श करने के पश्चात् भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.प्रा. 3310 तारीख 7 अक्टूबर, 1970 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:--

(1) उक्त अधिसूचना के उपाबंध-1 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:--

अनुबंध-1

1. बीएचसी तकनीकी तथा परिष्कृत।
2. बीएचसी (एचसीएच) धूलन चूर्ण।
3. बीएचसी (एचसीएच) जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र।
4. डीडीटी तकनीकी।
5. डीडीटी धूलन चूर्ण।
6. डीडीटी जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र।
7. मच्छर डिम्बनाशी तैल।
8. गामा--बीएचसी (लिण्डेन) पायसीकणीय सांद्र।
9. डीडीटी पायसीकणीय सांद्र।
10. गामा--बीएचसी (लिण्डेन)।
11. एथिलीन डायक्लोराईड कार्बन टेट्राक्लोराईड मिश्रण।
12. सूना गंधक धोल।
13. पयरेथ्रम निष्कार्ष।
14. निकोटिन सल्फेट धोल।
15. जिक फास्फाइड तकनीकी।
16. एल्ड्रिन तकनीकी।
17. एल्ड्रिन पायसीकणीय सांद्र।
18. एल्ड्रिन धूलन चूर्ण।
19. एल्ड्रिन तकनीकी।
20. एथिलीन डायक्लोराईड।

21. मैथिल बीमाइड ।
22. कॉपर ऑक्सीक्लोराइड तकनीकी ।
23. गामा—बोण्ड, सी (लिप्थेन) धुआ जनित्र ।
24. कॉपर ग्राफसीक्लोराइड धूलन चूर्ण ।
25. कॉपर ग्राफसीक्लोराइड जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र ।
26. क्यूपरस आयमाइड जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र ।
27. क्यूपरस ग्राफसाइड धूलन चूर्ण ।
28. क्यूपरस आक्साइड तकनीकी (फसूयनाशी श्रेणी)
29. कीटनाशी स्थानिक छिड़काव ।
30. मैलेथियन तकनीकी ।
31. डायजिनॉन तकनीकी ।
32. फिनाईल मर्करी एसोटेट, तकनीकी ।
33. स्थायी मैथोवसी एथिल मर्करी क्लोराइड सांद्र ।
34. पैराथियान एथिल तकनीकी ।
35. फिनाईल मर्करी क्लोराइड तकनीकी ।
36. एथिल मर्करी क्लोराइड, तकनीकी ।
37. स्थायी मैथोवसी एथिल मर्करी क्लोराइड सांद्र पर आधारित विनिमित्तियां ।
38. मैलेथियन पायसीकरणीय सांद्र ।
39. मैलेथियन धूलन चूर्ण ।
40. मैलेथियन जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र ।
41. मिथाईल पैरेथियन, तकनीकी ।
42. क्लोराइड पायसीकरणीय सांद्र ।
43. डायजिनॉन ।
44. डायजिनॉन जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र ।
45. क्लोरडेन तकनीकी ।
46. क्लीरडेन धूलन चूर्ण ।
47. मैथाइल पैराथियन पायसीकृत सांद्र ।
48. ओरगेनो मरक्यूलि डाईमीड ड्रेसिंग विनिमित्तियां ।
49. क्लेवनीय गंधक चूर्ण ।
50. जिनेब तकनीकी ।
51. जिनेब जल परिक्षेपणीय चूर्ण ।
52. जिरम तकनीकी ।
53. जिरम जल परिक्षेपणीय चूर्ण ।
54. डाईमैथोट तकनीकी ।
55. डायमैथोट पायसीकरणीय सांद्र ।
56. थियोमेटोन सांद्र ।
57. थियोमेटोन पायसीकरणीय सांद्र ।
58. थाइरम तकनीकी ।
59. एंडोसल्फन धूलन चूर्ण ।
60. एंडोसल्फन पायसीकरणीय सांद्र ।
61. एंडोसल्फन जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र ।
62. एंडोसल्फन तकनीकी ।
63. थाइरम जल परिक्षेपणीय चूर्ण ।
64. थाइरम सीड ड्रेसिंग विनिमित्तियां ।
65. पायरेथ्रम पायसीकरणीय सांद्र ।
66. डायक्लोरोबस तकनीकी ।
67. फासफेमीडीन तकनीकी ।
68. डायक्लोरोबस पायसीकरणीय सांद्र ।
69. डायकोफोल तकनीकी ।
70. डाइकोफोल पायसीकरणीय सांद्र ।
71. फैनीट्रोथियन तकनीकी ।
72. फैनीट्रोथियन पायसीकरणीय सांद्र ।
73. बार्फेन धारा सांद्र ।
74. बार्फेन सोडियम, तकनीकी ।
75. बार्फेन तकनीकी ।
76. पायरेथ्रम आधारित पायसीकरणीय डिम्बनाशी तेल सांद्र ।
77. फासफेमीडीन धूलन जल विलेय सांद्र ।
78. पायरेथ्रम धूलन चूर्ण ।
79. हैप्टाक्लोरो धूलन चूर्ण ।
80. हैप्टाक्लोरो तकनीकी ।
81. एन्युमिनियम फास्फाईड विनिमित्ति ।
82. कारबेरील धूलन जल परिक्षेपणीय सांद्र ।
83. कारबेरील धूलन चूर्ण ।
84. फैनीट्रोथियन धूलन चूर्ण ।
85. डाइसोबोरिंग नियोथमिटेट (थानाइट) तकनीकी ।
86. बार्फेन सोडियम मथण जल विलेय चूर्ण ।
87. ट्राइक्लोरोफोम धूलन चूर्ण ।
88. क्वीनटोजन धूलन चूर्ण ।
89. ट्राइक्लोरोफोन तकनीकी ।
90. फेनथियन पायसीकरणीय सांद्र ।
91. क्वीनटोजन जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र ।
92. फेनथियन तकनीकी ।
93. फोरेट, तकनीकी ।
94. क्वीनटोजन, तकनीकी ।
95. फोरमिथियन तकनीकी धोल ।
96. फोरमोमथियन पायसीकरणीय सांद्र ।
97. क्वीनलफोस पायसीकरणीय सांद्र ।
98. क्वीनलफोस धूलन चूर्ण ।
99. क्वीनलफोस तकनीकी ।
100. फेनथोएट पायसीकरणीय सांद्र ।
101. फेनाथोएट तकनीकी ।
102. फोसालोन पायसीकरणीय सांद्र ।
103. फोसालोन तकनीकी ।
104. फोसालोन धूलन चूर्ण ।
105. डियूरोन तकनीकी ।
106. डियूरोन जल परिक्षेपणीय सांद्र ।
107. एडिफैतफोस तकनीकी ।
108. एडिफैतफोस पायसीकरणीय सांद्र ।
109. फ्लूक्लोरोलीन तकनीकी सांद्र ।
110. फ्लूक्लोरोलीन पायसीकरणीय सांद्र ।
111. मैथाइल पैराथियन धूलन चूर्ण ।
112. क्लोरोफोरीफोस तकनीकी ।
113. निकल क्लोराइड, टैक्साहाईड्रेट नाशकभार श्रेणी ।
114. सोडियम साइनाइड नाशकभार श्रेणी ।
115. बूटाक्लोरो, तकनीकी ।
116. बूटाक्लोरो पायसीकरणीय सांद्र ।
117. फोरेट बाने संपुटित ।
118. बूटाक्लोरो, बाने ।
119. फेनथियन बाने ।
120. ट्राइक्लोरोफेन बाने ।
121. फैनीट्रोथियन बाने ।
122. क्वीनलफोस बाने ।
123. डायसल्फोटोन बाने, संपुटित ।
124. कारबेरील बाने ।
125. डायजिनोन बाने ।
126. थिअडेन बाने ।
127. एल्डीकार्बोन बाने संपुटित ।
128. मैथाइल, पैराथियन, तकनीकी सांद्र ।
129. ट्राइडेमार्क पायसीकरणीय सांद्र ।
130. प्रॉपोकसर पायसीकरणीय सांद्र ।
131. ट्राइडेमोर्फ तकनीकी ।
132. एण्डोसल्फन सदाने ।

133. नाइट्रोजन दाने।
134. फैनथोएट दाने।
135. क्लोरफोनवफीस, तकनीकी।
136. पैरिक्वेट डाइमिथाइल सल्फेट जल विलेय सांद्र।
137. फेनोटीडीथियन जल परिक्षेपणीय चूर्ण।
138. कैपटाफोल जल परिक्षेपणीय चूर्ण।
139. कैपटाफोल तकनीकी।
140. एथियन पायसीकरणीय सांद्र।
141. कॉपर एसिटोअसनाइट।
142. एथियन तकनीकी।
143. निकोटीन सल्फेट।
144. एल्यूमिनियम फॉस्फाइड।

(ii) उक्त श्रृंखला के उपाबंध (ii) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा:—

उपाबंध-II

नाशक जीवमार तथा उसकी विनिमितियों के लिए विनिर्देश

क्रम सं. नाशकमार तथा उसकी विनिमितियों के मानक संस्थान द्वारा नाम जारी किए गए सुसंगत विनिर्देश

| 1 | 2 | 3 |
|-----|---|---------------------|
| 1. | बीएचसी तकनीकी तथा परिरूकृत | भा. मा. : 560--1980 |
| 2. | बीएचसी (एचसीएच) धूलन चूर्ण | भा.मा. : 561--1978 |
| 3. | बीएचसी (एचसीएच) जल परिक्षेपणीय सांद्र | भा.मा. : 562--1978 |
| 4. | डीडीटी, तकनीकी | भा.मा. : 563--1973 |
| 5. | डीडीटी धूलन चूर्ण | भा.मा. : 564--1984 |
| 6. | डीडीटी जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र। | भा. मा. : 565--1984 |
| 7. | मच्छर डिम्बनाशी तेल | भा.मा. : 588--1978 |
| 8. | गामा-बीएचसी (लिडेन) पायसीकरणीय सांद्र | भा.मा. : 632--1978 |
| 9. | डीडीटी पायसीकरणीय सांद्र | भा.मा. : 633--1985 |
| 10. | गामा-बीएचसी (लिडेन) | भा.मा. : 882--1984 |
| 11. | एथिलीन डायक्लोराईड कार्बन टेट्राक्लोराईड मिश्रण | भा.मा. : 634--1965 |
| 12. | चूना गंधक घोल | भा.मा. : 1050--1984 |
| 13. | पायरैथ्रम निष्कर्ष | भा.मा. : 1051--1980 |
| 14. | निकोटीन सल्फेट घोल | भा.मा. : 1055--1985 |
| 15. | जिक फास्फाइड, तकनीकी | भा.मा. : 1251--1984 |
| 16. | एल्ट्रीन, तकनीकी | भा.मा. : 1306--1974 |
| 17. | एल्ट्रीन पायसीकरणीय सांद्र | भा.मा. : 1307--1982 |
| 18. | एल्ट्रीन धूलन चूर्ण | भा.मा. : 1308--1984 |
| 19. | एल्ट्रीन, तकनीकी | भा.मा. : 1309--1974 |
| 20. | एथिलीन डाब्रोमाइड | भा.मा. : 1311--1966 |
| 21. | मैथिल ब्रोमाइड | भा.मा. : 1312--1980 |
| 22. | कॉपर आक्सीक्लोराइड, तकनीकी | भा.मा. : 1486--1178 |
| 23. | गामा-बीएचसी (लिडेन) धुआँ जनित्र | भा.मा. : 1505--1968 |
| 24. | कॉपर ऑक्सीक्लोराइड धूलन चूर्ण | भा.मा. : 1506--1977 |
| 25. | कॉपर ऑक्सीक्लोराइड जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र | भा.मा. : 1507--1977 |
| 26. | क्यूपरस ऑक्सीडाइड जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र | भा.मा. : 1655--1977 |
| 27. | क्यूपरस ऑक्सीडाइड धूलन चूर्ण | भा.मा. : 1669--1960 |
| 28. | क्यूपरस अलिसाइड, तकनीकी (फफूंदनाशी श्रेणी) | भा.मा. : 1682--1973 |
| | | भा.मा. : 1682--1973 |
| 29. | कोटनाशी स्थानिक छिड़काव | भा.मा. : 1824--1978 |
| 30. | मैलेथियन तकनीकी | भा.मा. : 1832--1978 |

| (1) | (2) | (3) |
|-----|---|---------------------|
| 31. | डायजीनोन, तकनीकी | भा.मा. : 1833--1980 |
| 32. | क्लोराइल मर्करी एसिटाइड, तकनीकी | भा.मा. : 2126--1978 |
| 33. | स्थायी मिथिलेसी एथिल मर्करी क्लोराइड सांद्र वा वा | भा.मा. : 2127--1984 |
| 34. | पैराथिन एथिल, तकनीकी | भा.मा. : 2148--1978 |
| 35. | पैराथिन एथिल, तकनीकी | भा.मा. : 2353--1963 |
| 36. | स्थायी मिथिलेसी एथिल मर्करी क्लोराइड सांद्र आधारित विनिमितियां | भा.मा. : 2353--1963 |
| 37. | एथिल मर्करी क्लोराइड, तकनीकी | भा.मा. : 2354--1963 |
| 38. | मैलेथियन पायसीकरणीय सांद्र | भा.मा. : 2567--1978 |
| 39. | मैलेथियन धूलन चूर्ण | भा.मा. : 2568--1978 |
| 40. | मैलेथियन जल परिक्षेपणीय चूर्ण | भा.मा. : 2569--1978 |
| 41. | मैथिल पैराथियन, तकनीकी | भा.मा. : 2570--1980 |
| 42. | क्लोरेडन पायसीकरणीय सांद्र | भा.मा. : 2682--1984 |
| 43. | डायजिनॉन पायसीकरणीय सांद्र | भा.मा. : 2861--1980 |
| 44. | डायजिनॉन जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र | भा.मा. : 2862--1984 |
| 45. | क्लोरेडन, तकनीकी | भा.मा. : 2863--1968 |
| 46. | क्लोरेडन, धूलन चूर्ण | भा.मा. : 2864--1984 |
| 47. | मिथाइल पैराथियन पायसीकरणीय सांद्र | भा.मा. : 2865--1978 |
| 48. | ओरगेनोमरक्यूरियल ड्राई सोड ड्रसिंग विनिमितियां | भा.मा. : 3284--198 |
| 49. | क्लेडनोय गंधक चूर्ण | भा.मा. : 3383--1982 |
| 50. | जिनेत्र तकनीकी | भा.मा. : 3898--1981 |
| 51. | जिनेत्र जल परिक्षेपणीय चूर्ण | भा.मा. : 3899--1981 |
| 52. | जिरम, तकनीकी | भा.मा. : 3900--1975 |
| 53. | जिरम जल परिक्षेपणीय चूर्ण | भा.मा. : 3901--1 |
| 54. | डाइमिथोएट तकनीकी | भा.मा. : 3902--1975 |
| 55. | डायमिथोएट पायसीकरणीय सांद्र | भा.मा. : 3903--1984 |
| 56. | थियोमेटो सांद्र | भा.मा. : 3904--1984 |
| 57. | थियोमेटो पायसीकरणीय सांद्र | भा.मा. : 3905--1966 |
| 58. | राइरम तकनीकी | भा.मा. : 4320--1932 |
| 59. | एंडोसल्फन धूलन चूर्ण | भा.मा. : 4322--1967 |
| 60. | एंडोसल्फन पायसीकरणीय सांद्र | भा.मा. : 4323--1980 |
| 61. | एंडोसल्फन जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र | भा.मा. : 4324--1967 |
| 62. | एंडोसल्फन, तकनीकी | भा.मा. : 4324--1978 |
| 63. | थाइरम परिक्षेपणीय चूर्ण | भा.मा. : 4766--1982 |
| 64. | थाइरम सोड ड्रसिंग विनिमितियां | भा.मा. : 4783--1982 |
| 65. | पायरैथ्रम पायसीकरणीय सांद्र | भा.मा. : 4808--1982 |
| 66. | डायक्लोरो ब्रोम तकनीकी | भा.मा. : 4929--1978 |
| 67. | फास्फोमिडन, तकनीकी | भा.मा. : 4929--1982 |
| 68. | डायक्लोरोब्रोम पायसीकरणीय सांद्र | भा.मा. : 5277--1978 |
| 69. | डायक्लोरो, तकनीकी | भा.मा. : 5278--1969 |
| 70. | डायक्लोरो पायसीकरणीय सांद्र | भा.मा. : 5279--1969 |
| 71. | फेनोटीडीथियन, तकनीकी | भा.मा. : 5280--1969 |
| 72. | फेनोटीडीथियन, पायसीकरणीय सांद्र | भा.मा. : 5281--1979 |
| 73. | वाफैरिन चारा सांद्र | भा.मा. : 5549--1970 |
| 74. | वाफैरिन सोडियम तकनीकी | भा.मा. : 5551--1970 |
| 75. | वाफैरिल तकनीकी | भा.मा. : 5552--1970 |
| 76. | पाइरेप्रमने आधारित पायसीकरण डिम्बनाशी | भा.मा. : 6014--1978 |
| 77. | तेल फास्फोमिडन जल विलेयसां | भा.मा. : 6177--1981 |
| 78. | पाइरेप्रमने धूलन चूर्ण | भा.मा. : 6178--1982 |
| 79. | हेप्टाक्लोर धूलन चूर्ण | भा.मा. : 6429--1981 |
| 80. | हेप्टाक्लोर, तकनीकी | भा.मा. : 6432--1972 |
| 81. | एल्यूमिनियम फास्फाइड विनिमितियां | भा.मा. : 6438--1980 |
| 82. | कार्बेरिल जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र | भा.मा. : 7121--1973 |
| 83. | कार्बेरिल धूलन चूर्ण | भा.मा. : 7122--1984 |

| (1) | (2) | (3) | (1) | (2) | (3) |
|---|---------------------|-----|---|---------------------|-----|
| 84. फेनीट्रोथियन धूलन चूर्ण | भा.मा. : 7126-1973 | | 136. पैराक्वेट डाई-थाइल मन्कृत जल परिक्षेप- | | |
| 85. साइसोबोरिन विषोपाहनीएसिटेड (ब.न.इ.ट.) | | | णीय मां | भा.मा. : 10294-1982 | |
| (तकनीकी) | भा.मा. : 7158-1973 | | 237. फेनीट्रोथियन कृष परिक्षेपणीय चूर्ण | भा.मा. : 10295-1982 | |
| 86. बाफेरिन सोडियम लवण जल विलेय चूर्ण | भा.मा. : 7168-1973 | | 138. कैपटाफॉल चूर्ण | भा.मा. : 10296-82 | |
| 87. ट्राइक्लोरफोन धूलन चूर्ण | भा.मा. : 7943-1976 | | 139. कैपटाफॉल तकनीकी | भा.मा. : 10300-1982 | |
| 88. क्लिनटोजीन चूर्ण | भा.मा. : 7944-1976 | | 140. एथियन पायसीकरणीय सांद्र | भा.मा. : 10319-1982 | |
| 89. ट्राइक्लोरफोन तकनीकी | भा.मा. : 7948-1976 | | 141. कार्बोएथियोप्रॉपेनॉईट | भा.मा. : 10355-1982 | |
| 90. फेनोथियन पायसीकरणीय सांद्र | भा.मा. : 7947-1976 | | 142. एथियन तकनीकी | भा.मा. : 10369-1982 | |
| 91. क्लिनटोजीन जल पतक्षेपणीय चूर्ण सांद्र | भा.मा. : 7949-1976 | | 143. निकोटीन सल्फेट धोल | भा.मा. : 1055-1984 | |
| 92. फेनोथियन, तकनीकी | भा.मा. : 7950-1976 | | 144. एन्थ्रैमिनिम फास्फाईड विनिमिर्वा | भा.मा. : 6438-1980 | |
| 93. फोरेट, तकनीकी | भा.मा. : 7976-1976 | | | | |
| 94. क्लिनटोजीन तकनीकी | भा.मा. : 7985-1976 | | | | |
| 95. फोरमोथियन तकनीकी धोल | भा.मा. : 8024-1976 | | | | |
| 96. फोरमोथियन पायसीकरणीय दाने | भा.मा. : 8026-1976 | | | | |
| 97. क्लिनटोजीन पायसीकरणीय सांद्र | भा.मा. : 8029-1976 | | | | |
| 98. क्लिनटोजीन धूलन चूर्ण | भा.मा. : 8029-1985 | | | | |
| 99. क्लिनटोजीन तकनीकी | भा.मा. : 8072-1984 | | | | |
| 100. फेनथोपेट पायसीकरणीय सांद्र | भा.मा. : 8291-1976 | | | | |
| 101. फेनथोपेट, तकनीकी | भा.मा. : 8293-1976 | | | | |
| 102. फोरमोथियन पायसीकरणीय सांद्र | भा.मा. : 8487-1977 | | | | |
| 103. फोसलीन, तकनीकी | भा.मा. : 8488-1977 | | | | |
| 104. फोसलीन, धूलन चूर्ण | भा.मा. : 8489-1977 | | | | |
| 105. ड्यूरोन, तकनीकी | भा.मा. : 8702-1978 | | | | |
| 106. ड्यूरोन जल परिक्षेपणीय सांद्र | भा.मा. : 8703-1978 | | | | |
| 107. एडिफनफोस, तकनीकी | भा.मा. : 8954-1978 | | | | |
| 108. एडिफनफोस, पायसीकरणीय सांद्र | भा.मा. : 8955-1978 | | | | |
| 109. फूक्लोरीन, तकनीकी सांद्र | भा.मा. : 8958-1978 | | | | |
| 110. फूक्लोरीन पायसीकरणीय सांद्र | भा.मा. : 8959-1978 | | | | |
| 111. मैथाइलपैराथियोन धूलन चूर्ण | भा.मा. : 8860-1978 | | | | |
| 112. क्लोरपीफोस, तकनीकी | भा.मा. : 8963-1978 | | | | |
| 113. निकल क्लोराइड, हेक्साहाइड्रेट, पैस्टीसाइडल | | | | | |
| श्रेणी | भा.मा. : 9351-1980 | | | | |
| 114. सोडियम साइनाइड, कीटनाशी श्रेणी | भा.मा. : 9352-1980 | | | | |
| 115. बूटाक्लोरे, तकनीकी | भा.मा. : 9355-1980 | | | | |
| 116. बूटाक्लोरे, पायसीकरणीय सांद्र | भा.मा. : 9356-1980 | | | | |
| 117. फोरेट दाने संयुक्त | भा.मा. : 9359-1980 | | | | |
| 118. बूटाक्लोरे दाने | भा.मा. : 9362-1980 | | | | |
| 119. फेसिनि योन दाने | भा.मा. : 9363-1980 | | | | |
| 120. ट्राइक्लोरफोन दाने | भा.मा. : 9364-1980 | | | | |
| 121. फेनीट्रोथियन दाने | भा.मा. : 9365-1980 | | | | |
| 122. क्लिनटोजीन दाने | भा.मा. : 9366-1980 | | | | |
| 123. डायसल्फोरोन दाने, संयुक्त | भा.मा. : 9367-1980 | | | | |
| 124. करबेथियन दाने | भा.मा. : 9368-1980 | | | | |
| 125. डायजिनिन दाने | भा.मा. : 9369-1980 | | | | |
| 126. लिण्डेन दाने | भा.मा. : 9370-1980 | | | | |
| 127. एन्थ्रैमिनिम दाने, संयुक्त | भा.मा. : 9371-1980 | | | | |
| 128. मैथाइलपैराथियोन तकनीकी सांद्र | भा.मा. : 9372-1980 | | | | |
| 129. ट्राइडेमाक पायसीकरणीय सांद्र | भा.मा. : 9656-1980 | | | | |
| 130. प्रोपीक्सर पायसीकरणीय सांद्र | भा.मा. : 9665-1981 | | | | |
| 131. ट्राइडेमाक तकनीकी | भा.मा. : 9667-1981 | | | | |
| 132. एन्थ्रैमिनिम दाने | भा.मा. : 1065-1982 | | | | |
| 133. नाइट्रोफेन दाने | भा.मा. : 10266-1982 | | | | |
| 134. फेनथोपेट दाने | भा.मा. : 10267-1982 | | | | |
| 135. क्लोरफेनवीनफोस तकनीकी | भा.मा. : 10268-1982 | | | | |

[फाईल सं 6/4/90-ईआईएन एंड ईपी]

पाठ (अपवाद) मूल अधिसूचना सं. का.मा. 3310 तारीख 7 अक्टूबर, 1970 द्वारा प्रकाशित की गई थी।

ORDER

S.O. 87.—Whereas, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government had formulated certain proposals for amending the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 3310, dated the 7th October, 1970 relating to Pesticides and their formulations and published in the Gazette of India Part II, Section 3, sub-section (ii) dated the 18th May, 1991 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 1358, dated the 29th April, 1991 as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964 ;

And, whereas objections and suggestions were invited within forty five days of the publication of the said Order in the Official Gazette from all persons likely to be affected thereby ;

And, whereas, copies of the said Gazette were made available to the public on 30th May, 1991 ;

And, whereas, no objections or suggestions were received from the public on the said proposal ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 3310, dated the 7th October, 1970, namely :—

(i) For Annexure-I to the said notification, the following shall be substituted, namely :—

“ANNEXURE I

1. BHC Technical and refined
2. BHC (HCH) dusting powers
3. BHC (HCH) water dispersible powder concentrates
4. DDT Technical
5. DDT dusting powders
6. DDT water dispersible powder concentrates
7. Mosquito larvicidal oil
8. Gamma-BHC (Lindane) emulsifiable concentrates
9. DDT emulsifiable concentrates
10. Gamma-BHC (Lindane)
11. Ethylene dichloride carbon tetrachloride mixture
12. Lime sulphur solution
13. Pyrethrum extracts
14. Nicotine sulphate solution

15. Zinc phosphide, technical
16. Aldrin, technical
17. Aldrin emulsifiable concentrates
18. Aldrin dusting powders
19. Endrin, technical
20. Ethylene dibromide
21. Methyl bromide
22. Copper oxychloride, technical
23. Gamma-BHC (lindane) smoke generators
24. Copper oxychloride dusting powders
25. Copper oxychloride water dispersible powder concentrates
26. Cuprous oxide water dispersible powder concentrates
27. Cuprous oxide dusting powders
28. Cuprous oxide, technical (fungicidal grade)
29. Insecticidal space spray
30. Malathion, technical
31. Diazinon technical
32. Phenyl mercury acetate, technical
33. Stabilized methoxy ethyl mercury chloride concentrates
34. Parathion ethyl, technical
35. Phenyl mercury chloride, technical
36. Ethyl mercury chloride, technical
37. Formulations based on stabilised methoxy ethyl mercury chloride concentrates
38. Malathion emulsifiable concentrates
39. Malathion dusting powders
40. Malathion water dispersible powder concentrates
41. Methyl parathion, technical
42. Chlordane emulsifiable concentrates
43. Diazinon emulsifiable concentrates
44. Diazinon water dispersible powder concentrates
45. Chlordane, technical
46. Chlordane, dusting powders
47. Methyl parathion emulsifiable concentrates
48. Organo mercurial dry-seed-dressing formulations
49. Wettable sulphur powder
50. Zineb technical
51. Zineb water dispersible powders
52. Ziram technical
53. Ziram water dispersible powder
54. Dimethoate technical
55. Dimethoate emulsifiable concentrates
56. Thiometon concentrates
57. Thiometon emulsifiable concentrates
58. Thiram technical
59. Endosulfan dusting powders
60. Endosulfan emulsifiable concentrates
61. Endosulfan water dispersible powder concentrates
62. Endosulfan, technical
63. Thiram water dispersible powder
64. Thiram seed dressing formulations
65. Pyrethrum emulsifiable concentrates
66. Dichlorvos technical
67. Phosphemidon technical
68. Dichlorvos emulsifiable concentrates
69. Dicofol, technical
70. Dicofol, emulsifiable concentrates
71. Fenitrothion, technical
72. Fenitrothion, emulsifiable concentrates
73. Warfarin bait concentrates
74. Warfarin sodium, technical
75. Warfarin, technical
76. Emulsifiable larvicidal oil pyrethrum based
77. Phosphamidon water soluble concentrates
78. Pyrethrum dusting powders
79. Heptachlor dusting powders
80. Heptachlor, technical
81. Aluminium phosphide formulation
82. Carbaryl water dispersible concentrates
83. Carbaryl dusting powders
84. Fenitrothion dusting powders
85. Isobornyl thiocynacetate (Thanite) technical
86. Warfarin sodium salt water soluble powder
87. Trichlorfon dusting powders
88. Quintozene dusting powders
89. Trichlorfon, technical
90. Fenthion emulsifiable concentrates
91. Quintozene water dispersible powder concentrates
92. Fenthion, technical
93. Phorate, technical
94. Quintozene, technical
95. Formothion technical solution
96. Formothion emulsifiable concentrates
97. Quinalphos emulsifiable concentrates
98. Quinalphos dusting powders
99. Quinalphos technical
100. Phenthoate emulsifiable concentrates
101. Phenthoate, technical
102. Phosalone emulsifiable concentrates
103. Phosalone, technical
104. Phosalone, dusting powders
105. Diuron technical
106. Diuron water dispersible concentrates
107. Edifenphos, technical
108. Edifenphos emulsifiable concentrates
109. Fluchloralin, technical concentrates
110. Fluchloralin emulsifiable concentrates
111. Methyl parathion dusting powders
112. Chlorpyrifos, technical
113. Nickel chloride, hexa hydrate, pesticidal grade
114. Sodium cyanide, pesticidal grade
115. Butachlor, technical
116. Butachlor emulsifiable concentrates
117. Phorate granules, encapsulated
118. Butachlor granules
119. Fenthion granules
120. Trichlorfon granules
121. Fenitrothion granules
122. Quinalphos granules
123. Disulfoton granules, encapsulated
124. Carbaryl granules
125. Diazinon granules
126. Lindane granules
127. Aldicarb granules encapsulated
128. Methyl parathion, technical concentrates
129. Tridemorph emulsifiable concentrates
130. Propoxur emulsifiable concentrates
131. Tridemorph, technical
132. Endosulfan granules
133. Nitrofan granules
134. Phenthoate granules
135. Chlorfenvinphos, technical
136. Paraquate dimethyl sulphate water soluble concentrates
137. Fenitrothion water dispersible powders
138. Captafol water dispersible powders
139. Captafol technical
140. Ethion emulsifiable concentrates
141. Copper aceto-arsenite
142. Ethion technical
143. Nicotine sulphate
144. Aluminium Phosphide."

(ii) For Annexure-II to the said notification, the following shall be substituted, namely:—

ANNEXURE—II

Specifications for pesticides and their Formulations

| Sl. No. | Name of the Pesticides and their formulations | Relevant Specification issued by the Indian Standards Institution |
|---------|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | HBC technical and refined | IS: 560—1980 |
| 2. | BHC (HCH) dusting powders | IS: 561—1978 |
| 3. | BHC (HCH) water dispersible powder concentrates | IS: 562—1978 |
| 4. | DDT technical | IS: 563—1973 |
| 5. | DDT dusting powders | IS: 564—1984 |
| 6. | DDT water dispersible powder concentrates | IS: 565—1984 |
| 7. | Mosquito larvicidal oil | IS: 588—1978 |
| 8. | Gamma BHC (Lindane) Emulsifiable concentrates | IS: 632—1978 |
| 9. | DDT Emulsifiable concentrates | IS: 633—1985 |
| 10. | Gamma BHC (Lindane) | IS: 882—1985 |
| 11. | Ethylene dichloride carbon tetrachloride mixutre | IS: 634—1965 |
| 12. | Lime Sulphur solution | IS: 1050—1984 |
| 13. | Pyrethrins extracts | IS: 1051—1980 |
| 14. | Nicotine sulphate solution | IS: 1055—1984 |
| 15. | Zinc phosphide, technical | IS: 1251—1984 |
| 16. | Aldrin, technical | IS: 1306—1974 |
| 17. | Aldrin, emulsifiable concentrates | IS: 1307—1982 |
| 18. | Aldrin dusting powder | IS: 1308—1984 |
| 19. | Endrin, technical | IS: 1309—1974 |
| 20. | Ethylene dibromide | IS: 1311—1956 |
| 21. | Methyl bromide | IS: 1312—1980 |
| 22. | Copper Oxchloride, technical | IS: 1486—1978 |
| 23. | Gamma, BHC (Lindane) smoke generators | IS: 1505—1968 |
| 24. | Copper oxychloride dusting powders | IS: 1506—1977 |
| 25. | Copper oxychloride water dispersible powder concentrates | IS: 1507—1977 |
| 26. | Cuprous oxide water dispersible powder concentrates | IS: 1665—1977 |
| 27. | Cuprous oxide dusting powders | IS: 1669—1960 |
| 28. | Cuprous oxide, technical (fungicidal grade) | IS: 1682—1973 |
| 29. | Insecticidal space spray | IS: 1824—1978 |
| 30. | Malathion, technical | IS: 1832—1978 |
| 31. | Diazinon, technical | IS: 1833—1980 |
| 32. | Phenyl mercury acetate, technical | IS: 2126—1973 |
| 33. | Stabilized methoxy ethyl mercury chloride concentrates | IS: 2127—1984 |
| 34. | Parathion ethyl, technical | IS: 2128—1978 |
| 35. | Phenyl mercury chloride, technical | IS: 2353—1963 |
| 36. | Formulations based on stabilised methoxy ethyl mercury chloride concentrates. | IS: 2358—1963 |

| 1 | 2 | 3 |
|-----|--|---------------|
| 37. | Ethyl mercury chloride, technical | IS: 2354—1963 |
| 38. | Malathion emulsifiable concentrates | IS: 2567—1973 |
| 39. | Malathion dusting powders | IS: 2568—1978 |
| 40. | Malathion water dispersible powder concentrates | IS: 2569—1978 |
| 41. | Methyl parathion, technical | IS: 2570—1980 |
| 42. | Chlordane emulsifiable concentrates | IS: 2682—1984 |
| 43. | Dizinon emulsifiable concentrates | IS: 2861—1980 |
| 44. | Dizinon water dispersible powder, concentrates | IS: 2862—1984 |
| 45. | Chlordane, technical | IS: 2863—1968 |
| 46. | Chlordane, dusting powders | IS: 2864—1984 |
| 47. | Methyl parathion emulsifiable concentrates | IS: 2865—1978 |
| 48. | Organo mercurial dry seed dressing formulations | IS: 3284—1984 |
| 49. | Wettable sulphur powder | IS: 3383—1982 |
| 50. | Zineb, technical | IS: 3898—1981 |
| 51. | Zineb water dispersible powders | IS: 3899—1981 |
| 52. | Ziram, technical | IS: 3900—1975 |
| 53. | Ziram water dispersible powder | IS: 3901—1975 |
| 54. | Dimethoate technical | IS: 3902—1975 |
| 55. | Dimethoate emulsifiable concentrates | IS: 3903—1984 |
| 56. | Thiometon concentrates | IS: 3904—1966 |
| 57. | Thiometon emulsifiable concentrates | IS: 3905—1966 |
| 58. | Thiram technical | IS: 4320—1982 |
| 59. | Endosulfan dusting powders | IS: 4322—1967 |
| 60. | Endosulfan emulsifiable concentrates | IS: 4323—1980 |
| 61. | Endosulfan water dispersible powder concentrates | IS: 4324—1967 |
| 62. | Endosulfan, technical | IS: 4344—1978 |
| 63. | Thiram water dispersible powder | IS: 4766—1982 |
| 64. | Thiram seed dressing formulations | IS: 4783—1982 |
| 65. | Pyrethrum emulsifiable concentrates | IS: 4808—1982 |
| 66. | Dichlorvos technical | IS: 4929—1978 |
| 67. | Phosphamidon, technical | IS: 4958—1968 |
| 68. | Dichlorvos emulsifiable concentrates | IS: 5277—1978 |
| 69. | Dicofol, technical | IS: 5278—1969 |
| 70. | Dicofol emulsifiable concentrates | IS: 5279—1969 |
| 71. | Fenitrothion, technical | IS: 5280—1969 |
| 72. | Fenitrothion, emulsifiable concentrates | IS: 5281—1979 |
| 73. | Warfarin bait concentrates | IS: 5549—1970 |
| 74. | Warfarin sodium technical | IS: 5551—1970 |
| 75. | Warfarin, technical | IS: 5552—1970 |
| 76. | Emulsifiable larvicidal oil pyrethrum bases | IS: 6014—1978 |
| 77. | Phosphamidon water soluble concentrates | IS: 6177—1981 |
| 78. | Pyrethrum dusting powder | IS: 6178—1982 |
| 79. | Heptachlor dusting powders | IS: 6429—1981 |
| 80. | Heptachlor, technical | IS: 6432—1972 |

| 1 | 2 | 3 |
|------|--|---------------|
| 81. | Aluminium phosphide formulation | IS: 6438—1980 |
| 82. | Carbaryl water dispersible powder concentrates | IS: 7121—1973 |
| 83. | Carbaryl dusting powders | IS: 7122—1984 |
| 84. | Fenitrothion dusting powders | IS: 7126—1973 |
| 85. | Isobornyl thiocyanacetate (Thanite) technical | IS: 7158—1973 |
| 86. | Warfarin sodium salt water soluble powder | IS: 7168—1973 |
| 87. | Trichlorfon dusting powders | IS: 7943—1976 |
| 88. | Quintozone dusting powders | IS: 7944—1976 |
| 89. | Trichlorfon, technical | IS: 7945—1975 |
| 90. | Fenthion emulsifiable concentrates | IS: 7948—1976 |
| 91. | Quintozone water dispersible powder concentrates | IS: 7949—1976 |
| 92. | Fenthion, technical | IS: 7950—1976 |
| 93. | Phorate, technical | IS: 7976—1976 |
| 94. | Quintozone, technical | IS: 7985—1976 |
| 95. | Formothion technical solution | IS: 8024—1976 |
| 96. | Formothion emulsifiable concentrates | IS: 8026—1976 |
| 97. | Quinalphos emulsifiable concentrates | IS: 8028—1976 |
| 98. | Quinalphos dusting powder | IS: 8029—1985 |
| 99. | Quinalphos technical | IS: 8072—1984 |
| 100. | Phenthoate emulsifiable concentrates | IS: 8291—1976 |
| 101. | Phenthoate, technical | IS: 8293—1976 |
| 102. | Phosalone, emulsifiable concentrates | IS: 8487—1977 |
| 103. | Phosalone, technical | IS: 8488—1977 |
| 104. | Phosalone, dusting powder | IS: 8489—1977 |
| 105. | Diuron, technical | IS: 8702—1978 |
| 106. | Diuron water dispersible concentrates | IS: 8703—1978 |
| 107. | Edifenphos, technical | IS: 8954—1978 |
| 108. | Edifenphos, emulsifiable concentrates | IS: 8955—1978 |
| 109. | Fluchloralin, technical concentrates | IS: 8958—1978 |
| 110. | Fluchloralin, emulsifiable concentrates | IS: 8959—1978 |
| 111. | Methyl parathion dusting powders | IS: 8960—1978 |
| 112. | Chlorpyrifos, technical | IS: 8963—1978 |
| 113. | Nickel chloride, hexahydrate, pesticidal grade | IS: 9351—1980 |
| 114. | Sodium cyanide, pesticidal grade | IS: 9352—1980 |
| 115. | Butachlor, technical | IS: 9355—1980 |
| 116. | Butachlor, emulsifiable concentrates | IS: 9356—1980 |
| 117. | Phorate granules, encapsulated | IS: 9359—1980 |
| 118. | Butachlor granules | IS: 9362—1980 |
| 119. | Fenithion granules | IS: 9363—1980 |
| 120. | Trichlorfon granules | IS: 9364—1980 |
| 121. | Fenitrothion granules | IS: 9365—1980 |
| 122. | Quinalphos granules | IS: 9366—1980 |
| 123. | Disulfoton granules, encapsulated | IS: 9367—1980 |
| 124. | Carbaryl granules | IS: 9368—1980 |
| 125. | Diazinon granules | IS: 9369—1980 |
| 126. | Lindane granules | IS: 9370—1980 |
| 127. | Aldicarb granules encapsulated | IS: 9371—1980 |

| 1 | 2 | 3 |
|------|---|----------------|
| 128. | Methyl parathion, technical concentrates | IS: 9372—1980 |
| 129. | Tridemorph emulsifiable concentrates | IS: 9656—1980 |
| 130. | Propoxur emulsifiable concentrates | IS: 9665—1981 |
| 131. | Tridemorph technical | IS: 9667—1981 |
| 132. | Endosulfan granules | IS: 10265—1982 |
| 133. | Nitrofan granules | IS: 10266—1982 |
| 134. | Phenthoate granules | IS: 10267—1982 |
| 135. | Chlorfenvinphos, technical | IS: 10268—1982 |
| 136. | Paraquate dimethyl sulphate water soluble concentrates. | IS: 10294—1982 |
| 137. | Fenitrothion water dispersible powder | IS: 10295—1982 |
| 138. | Captafol water dispersible powders | IS: 10296—1982 |
| 139. | Captafol technical | IS: 10300—1982 |
| 140. | Ethion emulsifiable concentrates | IS: 10319—1982 |
| 141. | Copper acetoarsenite | IS: 10355—1982 |
| 142. | Ethion technical | IS: 10369—1982 |
| 143. | Nicotine sulphate solution | IS: 1055—1984 |
| 144. | Aluminium phosphide formulation | IS: 6438—1980" |

[F. No. 6/4/90-EI&EP]

FOOT NOTE : Principal notification was published vide No. S.O. 3310 dated the 7th Oct., 1970.

का. प्रा. 88--केन्द्रीय सरकार, विपत्ति (कृषिमिडी नियंत्रण और निराकरण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) का धारा 17 की उपधारा (2) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय का अधिसूचना सं. का. प्रा. 3311 तारीख 7 अक्टूबर, 1970 के साथ प्रकाशित नाशक कीटनाशक तथा उनकी विनिर्मितियों का निर्माण (निराकरण) नियम, 19670 में और भागे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम नाशक जोष मार तथा उनकी विनिर्मितियों का निर्माण (निराकरण) नियम 1991 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्ति होंगे।

2. नाशकजोषमार तथा उनकी विनिर्मितियों का निर्माण (निराकरण) नियम, 1970 में विद्यमान अनुसूची के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :-

अनुसूची

01. बी. एच. सी. तकनीकी तथा परिकल्पना।
02. बी एच सी (एच सी एच) धूलन चूर्ण।
03. बी एच सी (एच सी एच) जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र।
04. डी डी टी तकनीकी।
05. डी डी टी धूलन चूर्ण।
06. डी डी टी जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र।
07. मच्छर डिम्बनाशक तेल।
08. गामा-बी एच सी (लिडेन)
09. डी डी टी पायसीकरणिय सांद्र
10. एथिलोन डायकलोराइड काब्रोन डेटराक्लोराईड मिश्रण।
11. गामा-बी एच सी (लिडेन)
12. जूना गंधक धूल।
13. पायरेथ्रम निष्कर्ष

14. निकोटिन सल्फेट धूल।
15. जिक फास्फाइड, तकनीकी।
16. एलड्रिन, तकनीकी।
17. एलड्रिन पायसीकरणिय सांद्र।
18. एलड्रिन, धूलन चूर्ण।
19. एलड्रिन तकनीकी।
20. एथिलोन डायक्लोराइड।
21. मैथिल क्रोमाइड।
22. काँपर ऑक्सीक्लोराइड, तकनीकी।
23. गामा-बी एच सी (लिडेन) धूलन जलित।
24. काँपर ऑक्सीक्लोराइड धूलन चूर्ण।
25. काँपर ऑक्सीक्लोराइड जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र।
26. क्यूपरस ऑक्साइड जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र।
27. क्यूपरस ऑक्साइड धूलन चूर्ण।
28. क्यूपरस ऑक्साइड, तकनीकी (फफूंदनाशी ध्रेणी)
29. कीटनाशी स्थानिक छिड़काव।
30. मैलेथियन, तकनीकी।
31. डायजिनॉन, तकनीकी।
32. फिनाइल मर्करी एसिडेट, तकनीकी।
33. स्थायी मैथिली एसिड मर्करी क्लोराइड सांद्र।
34. पैराथियान एथिल, तकनीकी।
35. फिनाइल मर्करी क्लोराइड, तकनीकी।
36. एथिल मर्करी क्लोराइड, तकनीकी।
37. स्थायी मैथिली एसिड मर्करी क्लोराइड सांद्र पर आधारित विनि-
मितियां।
38. मैलेथियन धूलन चूर्ण।
39. मैलेथियन जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र।
40. मैलेथियन पायसीकरणिय सांद्र।
41. मिथाइल पैरेथियन, तकनीकी।
42. क्लोरडेन पायसीकरणिय सांद्र।
43. डायजिनॉन पायसीकरणिय सांद्र।

44. डायजिनोन जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र ।
45. क्लोरेडेन, तकनीकी ।
46. क्लोरेडेन धूलन चूर्ण ।
47. मिथाइल पैराथियन पायसीकरणाय सांद्र ।
48. ओरगेनोमरकपूरियन ड्राई-म, ड-ड्राईम विनिमिधिया ।
49. फेथेनोय धूलन चूर्ण ।
50. जिनेब, तकनीकी ।
51. जिनेब जल परिक्षेपणीय चूर्ण ।
52. जिरेम, तकनीकी ।
53. जिरेम जल परिक्षेपणीय चूर्ण ।
54. ड्राईपेस्ट पायसीकरणाय सांद्र ।
55. ड्राईपेस्ट तकनीकी ।
56. थियोलेटोन सांद्र ।
57. थियोलेटोन पायसीकरणाय सांद्र ।
58. थार्डरम, तकनीकी ।
59. एंड्रोसल्फन धूलन चूर्ण ।
60. एंड्रोसल्फन पायसीकरणाय सांद्र ।
61. एंड्रोसल्फन जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र ।
62. एंड्रोसल्फन, तकनीकी ।
63. थार्डरम जल परिक्षेपणीय चूर्ण ।
64. थार्डरम सांद्र ड्राईम पर विनिमिधिया ।
65. पयरेथ्रम जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र ।
66. ड्राईक्लोरोफोस, तकनीकी ।
67. फॉस्फेथ, ड-ड, तकनीकी ।
68. डायक्लोरोबोन पायसीकरणाय सांद्र ।
69. डाइक्लोफोन, तकनीकी ।
70. डाइक्लोफोन पायसीकरणाय सांद्र ।
71. फेनोड्रोथियन, तकनीकी ।
72. फेनोड्रोथियन पायसीकरणाय सांद्र ।
73. बाफेथिन लक्षण सांद्र ।
74. बाफेथिन मोडियम, तकनीकी ।
75. बाफेथिन, तकनीकी ।
76. पाइरेथ्रम आधरित पायसीकरणाय डिम्बनाशा सेल ।
77. फाथेथिन जल विनिय सांद्र ।
78. पाइरेथ्रम धूलन चूर्ण ।
79. ड्राईक्लोफोन धूलन चूर्ण ।
80. ड्राईक्लोफोन, तकनीकी ।
81. एन्ड्रोसल्फन फास्फाड विनिमिधिया ।
82. कार्बेथिल जल परिक्षेपणीय सांद्र ।
83. कार्बेथिल धूलन चूर्ण ।
84. फेनोड्रोथियन धूलन चूर्ण ।
85. आइसोबोरनिल थियोमाइनोसिटेट (थाइनाइट) तकनीकी ।
86. बाफेथिन मोडियम लक्षण जल परिक्षेपणीय ।
87. ड्राईक्लोफोन धूलन चूर्ण ।
88. क्लोरोबोन धूलन चूर्ण ।
89. ड्राईक्लोफोन तकनीकी ।
90. फेनथियन पायसीकरणाय सांद्र ।
91. क्लोरोबोन जल परिक्षेपणीय सांद्र ।
92. फेनथियन, तकनीकी ।
93. फोरेट, तकनीकी ।
94. क्लोरोबोन, तकनीकी ।
95. फोरोमोथियन तकनीकी धूल ।
96. क्लोरोबोन धूलन चूर्ण ।
97. क्लोरोबोन पायसीकरणाय सांद्र ।
98. क्लोरोबोन, तकनीकी ।
99. फेनथोएट पायसीकरणाय सांद्र ।
100. फेनथोएट, तकनीकी ।
101. फेनथोएट, पायसीकरणाय सांद्र ।
102. फोरोमोथियन, तकनीकी ।
103. फोरोमोथियन धूलन चूर्ण ।
104. डिक्लोरो, तकनीकी ।
105. डिक्लोरो जल परिक्षेपणीय सांद्र ।
106. एंड्रोसल्फन, तकनीकी ।
107. एंड्रोसल्फन पायसीकरणाय सांद्र ।
108. फेनथोएट, तकनीकी सांद्र ।
109. फेनथोएट पायसीकरणाय सांद्र ।
110. मैथाइल पैराथियन धूलन चूर्ण ।
111. क्लोरोफोस, तकनीकी ।
112. निकल क्लोराइड, ड्राईपेस्ट सांद्रताजोमारा श्रेणी ।
113. मोडियम साइनाइड नाशकजीवमाश श्रेणी ।
114. बूटाक्लोरो, तकनीकी ।
115. बूटाक्लोरो पायसीकरणाय सांद्र ।
116. फोरेट दाने, संयुक्त ।
117. बूटाक्लोरो दाने ।
118. फेनथोएट दाने ।
119. ड्राईक्लोरोफोन दाने ।
120. फेनोड्रोथियन दाने ।
121. क्लोरोफोस दाने ।
122. डायक्लोरोफोन दाने, संयुक्त ।
123. कार्बेथिल दाने ।
124. डायक्लोरोफोन दाने ।
125. लिडेन दाने ।
126. एन्ड्रोसल्फन दाने ।
127. मैथाइल पैराथियन तकनीकी सांद्र ।
128. ड्राईक्लोफोन पायसीकरणाय सांद्र ।
129. ड्राईक्लोफोन पायसीकरणाय सांद्र ।
130. ड्राईक्लोफोन, तकनीकी ।
131. एन्ड्रोसल्फन दाने ।
132. नाइट्रोफोन दाने ।
133. फेनथोएट दाने ।
134. क्लोरोफोनोक्लोरोफोन, तकनीकी ।
135. पैराक्वेट ड्राईपेस्ट सांद्र विनिय सांद्र ।
136. फेनोड्रोथियन जल परिक्षेपणीय चूर्ण ।
137. क्लोरोबोन जल परिक्षेपणीय चूर्ण ।
138. क्लोरोबोन तकनीकी ।
139. एन्ड्रोसल्फन पायसीकरणाय सांद्र ।
140. क्लोरो एन्ड्रोसल्फन ।
141. एन्ड्रोसल्फन, तकनीकी ।
142. निकोटीन एल्फेट ।
143. एन्ड्रोसल्फन फॉस्फाइट ।
144. फोरोमोथियन पायसीकरणाय सांद्र ।

[फाईल सं. 6/4/90-ई आई एफ ई पो]

ए.के.चौधरी, निदेशक

पाठ टिप्पण :

मूल अधिसूचना सं. का. आ. 3311 ता. 7 अक्टूबर, 1970 द्वारा प्रकाशित की गई थी ।

S.O. 88.—In exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (2) of Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Export of Pesticides and their Formulations (Inspection) Rules, 1970 published with the notification of the

Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 3311, dated the 7th October, 1970, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Pesticides and their Formulations (Inspection) (Amendment) Rules, 1991.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Export of Pesticides and their Formulations (Inspection) Rules, 1970, for the existing Schedule, the following Schedule shall be substituted, namely :—

“SCHEDULE

- | | |
|--|--|
| 01. BHC technical and refined | 55. Dimethoate technical |
| 02. BHC (HCH) dusting powders | 56. Thiometon concentrates |
| 03. BHC (HCH) water dispersible powder concentrates | 57. Thiometon emulsifiable concentrates |
| 04. DDT technical | 58. Thiram technical |
| 05. DDT dusting powders | 59. Endosulfan dusting powder |
| 06. DDT water dispersible powder concentrates | 60. Endosulfan emulsifiable concentrates |
| 07. Mosquito larvicidal oil | 61. Endosulfan water dispersible powder concentrates |
| 08. Gama—BHC (Lindane) emulsifiable concentrates | 62. Endosulfan, technical |
| 09. DDT—emulsifiable concentrates | 63. Thiram water dispersible powder |
| 10. Ethylene dichloride carbonyl tetrachloride mixture | 64. Thiram seed dressing formulation |
| 11. Gama BHC (Lindane) | 65. Phrethrum emulsifiable concentrates |
| 12. Lime sulphur solution | 66. Dichlorvos, technical |
| 13. Pyrethrum extracts | 67. Phosphemidon technical |
| 14. Nicotine sulphate solution | 68. Dichlorvos emulsifiable concentrates |
| 15. Zinc phosphide, technical | 69. Dicofol, technical |
| 16. Aldrin, technical | 70. Dicofol emulsifiable concentrates |
| 17. Aldrin emulsifiable concentrates | 71. Fenetrothion, technical |
| 18. Aldrin dusting powders | 72. Fenetrothion, emulsifiable concentrates |
| 19. Endrin technical | 73. Warfarin salt concentrates |
| 20. Ethylene dibromide | 74. Warfarin sodium technical |
| 21. Methyl bromide | 75. Warfarin technical |
| 22. Copper oxychloride, technical | 76. Emulsifiable larvicidal oil pyrethrum based |
| 23. Gama-BHC (Lindane) smoke generators | 77. Phoshamiden water soluble concentrates |
| 24. Copper oxychloride dusting powders | 78. Pyrethrum dusting powders |
| 25. Copper oxychloride water dispersible powder concentrates | 79. Heptachlor dusting powders |
| 26. Cuprous oxide water dispersible powder concentrates | 80. Heptachlor, technical |
| 27. Cuprous oxide dusting powders | 81. Aluminium phosphide formulation |
| 28. Cuprous oxide, technical (fungicidal grade) | 82. Carbaryl water dispersible concentrates |
| 29. Insecticidal space spray | 83. Carbaryl dusting powders |
| 30. Malathion, technical | 84. Fenitrothion dusting powders |
| 31. Diazinon technical | 85. Isobornyl thiocyanate (Thanite) technical |
| 32. Phenyl mercury acetate, technical | 86. Warfarin sodium salt water soluble powder |
| 33. Stabilized methoxy ethyl mercury chloride concentrates | 87. Trichlorfon dusting powders |
| 34. Parathion ethyl, technical | 88. Quinbozene dusting powders |
| 35. Phenyl mercury chloride, technical | 89. Trichlorfon technical |
| 36. Ethyl mercury chloride, technical | 90. Fenthion emulsifiable concentrates |
| 37. Formulations based on stabilized methoxy ethyl mercury chloride concentrates | 91. Quintozene water dispersible powder concentrates |
| 38. Malathion dusting powders | 92. Fenthion, technical |
| 39. Malathion water dispersible powder concentrates | 93. Phorate, technical |
| 40. Malathion emulsifiable concentrates | 94. Quintozene, technical |
| 41. Methyl parathion, technical | 95. Formothion technical solution |
| 42. Chlordane emulsifiable concentrates | 96. Quinalphos dusting powders |
| 43. Diazinon emulsifiable concentrates | 97. Quinalphos emulsifiable concentrates |
| 44. Diazinon water dispersible powder concentrates | 98. Quinalphos technical |
| 45. Chlordane, technical | 99. Phenthoate emulsifiable concentrates |
| 46. Chlordane dusting powder | 100. Phenthoate, technical |
| 47. Methyl parathion emulsifiable concentrates | 101. Phosalone emulsifiable concentrates |
| 48. Organo mercurial dry-seed-dressing formulations | 102. Phosalone, technical |
| 49. Wettable sulphur powder | 103. Phosalone, dusting powders |
| 50. Zineb, technical | 104. Diuron, technical |
| 51. Zineb water dispersible powders | 105. Diuron water dispersible concentrates |
| 52. Ziram, technical | 106. Edifenphos, technical |
| 53. Ziram water dispersible powder | 107. Edifenphos emulsifiable concentrates |
| 54. Dimethoate emulsifiable concentrates | 108. Fluchloralin, technical concentrates |
| | 109. Fluchloralin emulsifiable concentrates |
| | 110. Methyl parathion dusting powders |
| | 111. Chlorpyrifos, technical |
| | 112. Nickel Chloride, hexa hydrate, pesticidal grade |
| | 113. Sodium cyanide, pesticidal grade |
| | 114. Butachlor, technical |
| | 115. Butachlor emulsifiable concentrates |
| | 116. Phorate granules, encapsulated |
| | 117. Butachlor granules |
| | 118. Fenthion granules |
| | 119. Trichlorfon granules |
| | 120. Fenitrothion granules |
| | 121. Quinalphos granules |
| | 122. Dissulfoton granules, encapsulated |
| | 123. Carbaryl granules |

124. Diazinon granules
125. Lindane granules
126. Aldicarb granules
127. Methyl parathion, technical concentrates
128. Tridemorph emulsifiable concentrates
129. Propoxur emulsifiable concentrates
130. Tridemorph, technical
131. Endosulfan granules
132. Nitrofan granules
133. Phenthoate granules
134. Chlorfenvinphos, technical
135. Paraquate dimethyl sulphate water soluble concentrates
136. Fenitrothion water dispersible powders

137. Captafol water dispersible powders
138. Captafol technical
139. Ethion emulsifiable concentrates
140. Copper acetoarsenite
141. Ethion technical
142. Nicotine sulphate
143. Aluminium phosphide
144. Formethion emulsifiable concentrates."

[F. No. 6/4/90-EL&EP]

A. K. CHAUDHURI, Director

Foot Note : Principal notification was published vide No. S.O. 3311 dated the 7th October, 1970.

(मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

आदेश

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर, 1991

का.प्रा. 89:--मै. प्रीमियर मिल्स लि. कोयम्बटूर को मूल विदेशी मूद्रा के अंतर्गत निर्गमित 60 स्पिन्डल वाले शासलहार्स्ट ऑटोकोनर माडल 238, जिसमें प्रत्येक का अपना स्पाइडर शीर्ष हो के 6 नग, इलेक्ट्रॉनिकी लेबेलिंग डिवाइस वाले ड्राफ्टिंग मशीन 51 ड्रा. फ्रेम के 8 नग और प्रॉक्टर टेस्टर मूटी 3 माडल बी/एम डिजिटल टेस्टिंग और विश्लेषक प्रतिष्ठान के 1 नग का आयात करने के लिए 1,80,45,832/- रुपये (एक करोड़ अस्सी लाख पैनालीस हजार आठ सौ पचास रुपये मात्र) का एक आयात लाइसेंस सं. पी/सीजी/2127016 दिनांक 8-11-90 संजूर किया गया था।

2. फर्म ने उक्त लाइसेंस के सीमाशुल्क प्रयोजन-प्रति की प्रतिलिपि प्रति इस आधार पर जारी करने के लिए आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है या नुस हो गई है। यह भी बताया गया है कि लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति की सीमाशुल्क प्राधिकारी संभाष्यक समार्वर्त (मद्रास) से पंजीकृत कराया गया था तथा उस पर 1,08,45,832/- रुपये का इस्तेमाल किया गया था और शेष राशि जिसके लिए दूसरी सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति प्रेषित है, 3,38,30,025/- रुपये हैं।

3. अपने तर्कों के समर्थन में लाइसेंसधारी ने मोटरी पब्लिक कोयम्बटूर के समक्ष बिधिवत शपथ लेकर स्टाम्प पेपर पर एक हलफनामा दाखिल किया है। तबनुसार मैं संतुष्ट हूँ कि आयात लाइसेंस सं. पी/सीजी/2127016 दिनांक 8-11-90 की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति फर्म से खो गई है या नुस हो गई है। यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की उप-धारा 9(ब) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मै. प्रीमियर मिल्स लि., कोयम्बटूर को जारी की गई उक्त मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति सं. पी/सीजी/2127016 दिनांक 8-11-90 को एकद्वारा निरस्त किया जाता है।

4. पार्टी को उक्त लाइसेंस की दूसरी सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति प्रत्यक्ष से जारी की जा रही है।

[फाइल सं. 18/200/90/ईपीसीजी]

एन.के. बत्रा, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

New Delhi, the 19th December, 1991

S.O. 89.—M/s. Premier Mills Ltd., Coimbatore were granted an import licence No. P/CG/2127016 dated 8-11-90 for Rs. 1,80,45,832 (Rupees one crore eighty lakhs fortyfive thousand eight hundred and thirtytwo only) for import of 6 Nos. Schalhorst Autoconer Model 238 of 60 spindles each with individual splicer heads, 8 Nos. of RSB 51 Draw Frames with electronic levelling device and 1 No. Uster Tester UT 3 Model B/M Digital Testing and analysing installation issued under Free Foreign Exchange.

2. The firm has applied for issue of Duplicate copy of Customs purposes copy of the above mentioned licence on the ground that the original Customs purposes copy of the licence the Customs purposes copy of the licence was registered with the Customs purposes copy of the licence was registered with Customs Authority (the Collector of Customs, Madras) and

was utilised for Rs. 1,08,45,832 and the balance amount for which duplicate Customs purpose copy is required for Rs. 3,38,30,025.

3. In support of their contention, the licensee has filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before a Notary Public, Coimbatore. I am accordingly satisfied that the original Customs purposes copy of import licence No. P/CG/2127016 dated 8-11-90 has been lost or misplaced by the firm. In exercise of the powers conferred under sub-clause 9(d) of the import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended the said original Customs purposes copy No. P/CG/2127016 dated 8-11-90 issued to M/s. Premier Mills Ltd., Coimbatore is hereby cancelled.

4. A duplicate Customs purposes copy of the said licence is being issued to the party separately.

[F. No. 18/200/90/EPCG]

L. K. BATRA, Dy. Chief Controller of Imports and Exports

कोयला मंत्रालय

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 1991

का.प्रा. 90:--केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (ग्रज और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (1) तारीख 13 जनवरी, 1990 में पृष्ठ 89 से 91 पर प्रकाशित भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना का.प्रा. 89 तारीख 20 दिसम्बर, 1989 द्वारा उस अधिसूचना से उपाखंड अनुसूची में निर्दिष्ट एरिजेन्स की शक्ति में जिसका माप 5352.594 हैक्टर (लगभग) या 13226.26 एकड़ (लगभग) है, कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने धारण की सूचना दी थी;

2. और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित उक्त भूमि के भाग में कोयला अभिप्राप्त है।

3. और केन्द्रीय सरकार ने कोयला नियंत्रक, 1, काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता (पिन-700001) को भारत के राजपत्र, तारीख 4 अप्रैल, 1987 में पृष्ठ 1397 से 1400 तक में प्रकाशित अधिसूचना सं. का.घा. 905, तारीख 20 मार्च, 1987 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन समस्त प्राधिकारी नियुक्त किया है;

4. अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित ज्ञान अधिकारों में 741.16 हेक्टर (लगभग) या 1831.40 एकड़ (लगभग) माप की भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना देती है।

5. इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. एम.ई.सी.एल./बी.एम.पी./जी.एम. (योजना)/भूमि/99, तारीख 27 सितम्बर, 1991 का निरीक्षण कलकत्ता, रायगढ़ (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता (पिन-700001) के कार्यालय में या माउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि. (राजस्थान अनुभाग), सीपत रोड, बिलासपुर-495001 (मध्यप्रदेश) के कार्यालय में किया जा सकता है।

6. इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित भूमि में द्वितबद्ध कोई भी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 8 के अधीन उस तारीख से 30 दिन के भीतर, जिसको भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, संपूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या उक्त भूमि में या उस पर के किसी अधिकारों का अर्जन किए जाने के बारे में उक्त सक्षम प्राधिकारी को लिखित में आपत्ति फाईल कर सकता है।

अनुसूची

छाल ब्लॉक

सांद-रायगढ़--कोलफील्ड

जिला रायगढ़ (मध्य प्रदेश)

ज्ञान अधिकार

(भूमि अर्जन करने का आशय दर्शाते हुए)

| क्र. सं. | ग्राम | पटवारी हप्ता संख्यांक | तहसील | जिला | क्षेत्र हेक्टर में | टिप्पणियां |
|----------|---------------|-----------------------|-----------|--------|----------------------|------------|
| 1. | छाल | 30 | धर्मजयगढ़ | रायगढ़ | 9.280 | भाग |
| 2. | लत | 30 | यथोक्त | यथोक्त | 483.770 | भाग |
| 3. | चन्द्रमोखरपुर | 31 | यथोक्त | यथोक्त | 46.610 | भाग |
| 4. | खेड़ापावी | 30 | यथोक्त | यथोक्त | 48.810 | भाग |
| 5. | बंछरामरी | 31 | यथोक्त | यथोक्त | 125.890 | भाग |
| 6. | मवापारा | 31 | यथोक्त | यथोक्त | 26.800 | भाग |
| कुल : | | | | | 741.16 हेक्टर (लगभग) | |
| या | | | | | 1831.40 एकड़ (लगभग) | |

ग्राम छाल (भाग) में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक :

1372 (भाग), 1378 (भाग), 1379 (भाग), 1380 से 1388, 1387 (भाग), 1408 (भाग), 1411 (भाग), 1413 (भाग), 1414, 1415, 1416.

ग्राम लत (भाग) में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक :

2 से 27, 28/1, 28/2, 28/3, 28/4, 28/5, 28/6, 28/7, 29 से 139, 140/1, 140/2, 140/3, 140/4, 141 से 176, 177 (भाग), 178 (भाग), 179 (भाग), 180, 181, 182 (भाग), 183 (भाग), 184 (भाग), 194 (भाग), 195 से 203, 204 (भाग), 205 (भाग), 206 से 211, 212 (भाग), 218/1 (भाग), 218/2 (भाग), 218/4, 219 से 232, 233/1, 233/2, 233/3, 233/4, 234 से 279, 280 (भाग), 281 (भाग), 282 (भाग), 287 (भाग), 288 (भाग), 291 (भाग), 343 (भाग), 344 (भाग), 345 से 350, 351/1, 351/2, 351/3, 351/4, 351/5, 351/6, 352, 353, 354 (भाग), 355 (भाग), 356 से 362, 363/1 (भाग), 363/2, 363/3 (भाग), 364 (भाग), 365 (भाग), 384 (भाग), 387 (भाग), 389 से 390, 391 (भाग), 392 से 395, 396 (भाग), 397 (भाग), 398 (भाग), 399 (भाग), 400 से 415, 416 (भाग), 417 से 418, 419 (भाग), 420 से 470, 471/1, 471/2, 471/3, 471/4, 472 से 482, 483/1, 483/2, 484 से 580, 581/1, 581/2, 582 से 664, 665/1, 665/2, 666 से 851, 852/1, 852/2, 853 से 871, 872/1, 872/2, 872/3, 873 से 885, 887 से 904, 905/1, 905/2, 906 से 1010 और 1115 (भाग),

ग्राम चन्द्रशेखरपुर (भाग) में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक :

2, 2/395, 3 से 10, 11/1, 11/2, 12/1, 12/2, 13, 14/1, 14/2, 15 से 26, 27, 27/430, 28 से 82, 52/396, 53, 54 (भाग), 55 (भाग), 56 (भाग), 57 (भाग), 58 से 70, 71/2 (भाग), 72/2 (भाग), 97 (भाग), 98/1 (भाग), 98/2, 99/1, 99/2, 100 (भाग), 101, 102/1 (भाग), 102/2 (भाग), 103 (भाग), 104 से 105, 106 (भाग), 107 (भाग), 111 (भाग), 113 (भाग), 146 (भाग), 147, 148 (भाग), 149 (भाग), 150/1 (भाग), 267/1 (भाग)।

ग्राम खेड़ापाली (भाग) में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक :

1, 2, 3, 4/1, 4/2, 4/3, 4/4, 4/5, 4/6, 5/1, 5/2 (भाग), 5/3, 5/4 (भाग), 5/134, 6, 7/1, 7/2, 8, 10/1, 10/2 (भाग), 11/1, 11/2, 13, 85/1, 85/2, 86/1, 86/2, 87/1, 87/2, 88/1, 89, 90, 91/1, 91/2, 92, 93/1, 104/1, 105/1, 105/2, 1/2 (भाग), 13/2 (भाग), 80/2 (भाग), 84/2 (भाग), 84/3 (भाग), 85/3 (भाग), 85/4 (भाग), 87/3 (भाग), प्लॉट संख्यांक और सड़क का एक भाग।

ग्राम बंधापानी (भाग) में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक :

64 (भाग), 70 (भाग), 71, 72 (भाग), 73 (भाग), 118 (भाग), 120 (भाग), 122/1 (भाग), 122/3 (भाग), 123 (भाग), 124 (भाग), 174 (भाग), 175 (भाग), 177 (भाग), 178 (भाग), 179 (भाग), 183 (भाग), 184 से 194, 195/1, 195/2, 195/3, 195/4, 196 से 241, 242 (भाग), 243 (भाग), 248 (भाग), 248 से 257, 258 (भाग), 263 (भाग), 264 (भाग), 265 (भाग), 256 (भाग), 267 से 276, 277 (भाग), 304 (भाग), 305 (भाग), 306 (भाग), 309 (भाग), 310 (भाग), 311 से 329, 330/1, 330/2, 330/3, 330/4, 331 से 334, 335/1, 335/2, 336 से 376, 377/1, 377/2, 377/3, 377/4, 378 से 385, 386/1, 386/2, 387, 388/1, 388/2, 389 से 409, 410 (भाग)।

ग्राम नवापारा (भाग) में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक :

278/2 (भाग), 458 (भाग), 459 से 462, 463 (भाग), 464, 465, 466/1, 466/2, 466/3, 466/4, 466/5, 466/6, 466/7, 467 से 478, 479 (भाग), 484 (भाग), 485 (भाग), 486 (भाग), 487 से 493, 494 (भाग), 502 (भाग), 503 (भाग), 504 से 507, 508 (भाग), 509, 515 (भाग), 518 (भाग) :

सीमा वर्णन :

- क-ख रेखा ग्राम लत में बिन्दु "क" से प्रारम्भ होती है और प्लॉट संख्यांक 177, 178, 179, 182, 183, 194, 204, 205, 212, 218/1, 281, 280, 282, 287, 288, 291, 344, 343, 354, 355, 363/1, 363/3, 365, 364, 419, 416, 398, 399, 397, 396, 384, 391, 388 से होकर जाती है और ग्राम छाल की ओर जाती है और प्लॉट संख्यांक 1378, 1379, 1372, 1382, 1387, 1408, 1411, 1413, से होकर जाती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है।
- ख-ग रेखा, ग्राम बंधापानी में प्लॉट संख्यांक 310, 309, 306, 305, 304, 277, 266, 265, 264, 263, 258, 247, 243, 242, 64, 70, 72, 73, 118, 120, 122/1, 122/3, 122/1, 123, 124, 174, 175, 177, 179, 183 प्लॉट संख्यांक 186 की उत्तरी सीमा, प्लॉट संख्यांक 187 की पूर्वी सीमा से होकर जाती है और बिन्दु "ग" पर मिलती है।
- ग-घ रेखा ग्राम नवापारा में प्लॉट संख्यांक 463, 278/2, 458, 494, 515, 518, 503 से होकर जाती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है।
- घ-ड-ड-1-ख रेखा ग्राम नवापारा में प्लॉट संख्यांक 502, 508, 494, 486, 485, 484, 479 से होकर जाती है और ग्राम बंधापानी में प्रवेश करती है और प्लॉट संख्यांक 410, प्लॉट संख्यांक 409 की पूर्वी सीमा से होकर जाती है और भागत: ग्राम बंधापानी-खेड़ापाली की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ होकर जाती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है।
- ख-घ-ख-स-अ-ट-ट रेखा ग्राम खेड़ापाली में प्लॉट संख्यांक 5/2, 5/4 से होकर जाती है और फिर प्लॉट संख्यांक 7/2, की दक्षिणी सीमा, 8, के साथ-साथ प्लॉट संख्या 9/1, 9/3, 9/4, 9/5, 10/2 प्लॉट संख्यांक 10/1 की दक्षिणी सीमा, प्लॉट संख्यांक 11/2 की पूर्वी सीमा 13 से होकर और फिर राज्य के राजमार्ग की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ठ" पर मिलती है।
- ठ-ड रेखा राज्य के राजमार्ग से होकर जाती है और बिन्दु "ड" पर मिलती है।
- ड-ड रेखा, राज्य के राजमार्ग की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ड" पर मिलती है।
- घ-ड-1-ग-लथ रेखा, राज्य के राजमार्ग की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और ग्राम चन्द्रशेखरपुर में जाती है और प्लॉट संख्यांक 267/1, 150/1, 267/1, 148, 150/1, 148, 149, 146 से होकर और प्लॉट संख्यांक 146 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और प्लॉट संख्या क, 107, 106, 107, 111, 112, 103, 103, 102/2, 102/1, 97, 100, 98/1, 71/2, 72/2, 57, 56, 54, 55, से होकर जाती है और माव नदी के किनारे पर बिन्दु "घ" पर मिलती है।
- प-क रेखा माव नदी के पूर्वी किनारे के साथ-साथ जाती है और प्रारंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

MINISTRY OF COAL

New Delhi, the 24th December, 1991

S.O. 90—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O.89 dated the 20th December, 1989 issued under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), published in Part II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India, dated the 13th January, 1990 at pages 89 to 91, the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 5352.594 hectares (approximately) or 13226.26 acres (approximately) of the lands in the locality specified in the Schedule annexed to that notification;

2. And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in a part of the said lands described in the Schedule appended to this notification;

3. And whereas the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta (PIN 700001) has been appointed by the Central Government as the competent authority under section 3 of the said Act, vide notification No.S.O. 905, dated the 20th March, 1987 published in the Gazette of India, dated the 4th April, 1987 at pages 1397 to 1400;

4. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the lands measuring 741.16 hectares (approximately) or 1831.40 acres (approximately) in Mining Rights, described in the Schedule appended hereto.

5. The plan bearing No. SECL/BSP/GM (Planning)/Land/99, dated the 27th September, 1991 of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Collector, Raigarh (Madhya Pradesh) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta (PIN 700001) or in the Office of the South Eastern coalfields Limited (Revenue Section), Seopat Road, Bilaspur-495001 (Madhya Pradesh).

6. Any person interested in the lands described in the Schedule appended to this notification may, within thirty days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, file objection in writing, under section 8 of the said Act, to the said competent authority with regard to the acquisition of the whole or any part of the lands or any rights in or over the said lands.

SCHEDULE

CHHAL BLOCK

MAND-RAIGARH—COALFIELD

DISTRICT-RAIGARH (MADHYA PRADESH)

MINING RIGHTS

(Showing intention to acquire lands)

| Sl. No. | Village | Patwari Halka Number | Tehsil | District | Area in Hectares | Remarks |
|----------|------------------|----------------------|---------------|--|------------------|---------|
| 1. | Chhal | 30 | Dharamjaygarh | Raigarh | 9.280 | Part |
| 2. | Lat | 30 | Dharamjaygarh | Raigarh | 483.770 | Part |
| 3. | Chandraskharapur | 31 | Dharamjaygarh | Raigarh | 46.610 | Part |
| 4. | Khedapali | 30 | Dharamjaygarh | Raigarh | 48.810 | Part |
| 5. | Bandhapali | 31 | Dharamjaygarh | Raigarh | 125.890 | Part |
| 6. | Navapara | 31 | Dharamjaygarh | Raigarh | 26.800 | Part |
| Total :— | | | | 741.16 Hectares (approximately) OR 1831.40 Acres (approximately) | | |

Plot numbers to be acquired in village-Chhal (part) :—

1372(part), 1378(part), 1379(part), 1380 to 1386, 1387(part), 1408(part), 1411(part), 1413(part), 1414, 1415, 1416

Plot numbers to be acquired in village Lat (part) :—2 to 27, 28/1, 28/2, 28/3, 28/4, 28/5, 28/6, 28/7, 29 to 139, 140/1, 140/2, 140/3, 140/4, 141 to 176, 177(part), 178(part), 179(part), 180, 181, 182 (part), 183 (part), 184(part), 194(part), 195 to 203, 204(part), 205(part), 206 to 211, 212(part), 218/1(part), 218/2, 218/3, 218/4, 219 to 232, 233/1, 233/2, 233/3, 233/4, 234 to 279, 280(part), 281(part), 282(part), 287(part), 288(part), 291(part), 343(part), 344(part), 345 to 350, 351/1, 351/2, 351/3, 351/4, 351/5, 351/6, 352, 353, 354(part), 355 (part), 356 to 362, 363/1(part), 363/2, 363/3(part), 364(part), 365(part), 384(part), 388(part), 389 to 390, 391(part), 392 to 395, 396(part), 397(part), 398(part), 399(part), 400 to 415, 416(part), 417 to 418, 419(part), 420 to 470, 471/1, 471/2, 471/3, 471/4, 472 to 482, 483/1, 483/2, 484 to 580, 581/1, 581/2, 582 to 664, 665/1, 665/2, 666 to 851, 852/1, 852/2, 853 to 871, 872/1, 872/2, 872/3, 873 to 885, 887 to 904, 905/1, 905/2, 906 to 1010 and 1115 (part).

Plot numbers to be acquired in village-Chandrasokharpur (part) :—2, 2/395, 3 to 10, 11/1, 11/2, 12/1, 12/2, 13, 14/1, 14/2, 15 to 26, 27, 27/430, 28, to 52, 52/396, 53, 54(part), 55(part), 56(part), 57(part), 58 to 70, 71/2(part), 72/2(part), 97(part), 98/1(part), 98/2, 99/1, 99/2, 103(part), 101, 102/1(part), 102/2 (part), 103(part), 104 to 105, 106(part), 107(part), 111(part), 113(part), 146(part), 147, 148(part), 149(part), 150/1 (part), 267/1 (part).

Plot numbers to be acquired in village-Kodapali (part) :—1, 2, 3, 4/1, 4/2, 4/3, 4/4, 4/5, 4/6, 5/1, 5/2 (part), 5/3, 5/4(part), 5/134, 6, 7, 7/2, 8, 10/1, 10/2(part), 11/1, 11/2, 13, 85/1, 85/2, 86/1, 86/2, 87/1, 87/2, 88/1, 89, 90, 91/1, 91/2, 92, 93/1, 104/1, 105/1, 105/2, (1/2 (part), 13/2(part), 80/2(part), 84/2(part), 84/3(part), 85/3(part), 85/4(part) 87/3(part) Numbers are part of Road).

Plot numbers to be acquired in village-Bandhapali (part) :—64(part), 70(part), 71, 72(part), 73 (part), 118(part), 120(part), 122/1(part), 122/3(part), 123(part), 124(part), 174(part), 175(part), 177(part), 178(part), 179(part), 183(part), 184 to 194, 195/1, 195/2, 195/3, 195/4, 196 to 241, 242(part), 243 (part), 247(part), 248 to 257, 258(part), 263(part), 264(part), 265(part), 266(part), 267 to 276, 277(part), 304(part), 305(part), 306(part), 309(part), 310(part), 311 to 329, 330/1, 330/2, 330/3, 330/4, 331 to 334, 335/1, 335/2, 336 to 376, 377/1, 377/2, 377/3, 377/4, 378 to 385, 385/1, 386/2, 387, 388/1, 388/2, 289 to 409, 410 (part).

Plot numbers to be acquired in village-Navapara (part) :—278/2(part), 458(part), 459 to 462, 463(part), 464, 465, 466/1, 466/2, 466/3, 466/4, 466/5, 466/6, 466/7, 467 to 478, 479(part), 484(part), 485(part), 486(part), 487 to 493, 494(part), 502(part), 503(part), 504 to 507, 508(part), 509, 515(part), 518(part).

BOUNDARY DESCRIPTION.

- A-B** Line starts from the point 'A' in village Lat and through the plot numbers 177, 178, 179, 182, 183, 194, 204, 205, 212, 218/1, 281, 280, 282, 287, 288, 291, 344, 343, 354, 355, 363/1, 363/3, 365, 364, 419, 416, 398, 399, 397, 396, 384, 391, 388 and proceeds in village Chhal and passes through plot numbers 1378, 1379, 1372, 1382, 1387, 1408, 1411, 1413 and meets at point 'B'.
- B-C** Line passes in village Bandhapali through the plot numbers 310, 309, 306, 305, 304, 277, 266, 265, 264, 263, 258, 247, 243, 242, 64, 70, 72, 73, 188, 120, 122/1, 122/3, 122/1, 123, 124, 174, 175, 177, 179, 183, northern boundary of plot number 186 eastern boundary of plot number 187 and meets at point 'C'.
- C-D** Line passes in village Navapara through plot numbers 463, 278/2, 258, 494, 515, 518, 503 and meets at point 'D'.
- D-E-E1-F** Line passes in village Navapara and passes through plot numbers 502, 508, 494, 486, 485, 484, 479, and enter in village Bandhapali and passes through plot numbers 410, eastern boundary of plot number 409, and passes partly along the common boundary of village Bandhapali-Khedapali and meets at point 'F'.

- F-G-H-I-e-K-L** Line passes in village Khedapali through plot numbers 5/2, 5/4 then along the southern boundary of plot numbers 7/2, 8, through plot numbers 9/1, 9/3, 9/4, 9/5, 10/2 southern boundary of plot number 101/1 eastern boundary of plot numbers 11/2, 13 then along eastern boundary of State Highway Road and meets at point 'L'.
- L-M** Line passes through the State Highway Road and meets at point 'M'.
- M-N** Line passes along the western boundary of State Highway Road and meets at point 'N'.
- N-N-O-P-Q** Line passes along the western boundary of state Highway Road and proceeds in village Chandrasekharpur and passes through plot numbers 267/1, 150/1, 167/1, 148/1, 150/1, 148, 149, 146 and long the western boundary of plot-number 146 and passes through plot number 107, 105, 107, 111, 112, 113, 103, 102/2, 102/1, 97, 100, 98/1, 71/2, 72/2, 57, 56, 54, 55 and meets on the bank of River Mand at point 'Q'.
- Q-A** Line passes along the eastern bank of River Mand and meets at the starting point 'A'.

[No. 43015/19/89-LSW]

K.S. DAGAR, Under Secy.

- मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 1991

का.प्रा. 91:- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) (ग) के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) तथा (3)(क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री के.पी. गीताकृष्णन के स्थान पर श्री के.वी.आर. नैयर, सचिव (व्यय) वित्त मंत्रालय को तीन वर्ष की अवधि के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का सदस्य नियुक्त करती है।

[सं. एक. 4-43/91-यू.-I]

एम.पी.एम. कुट्टी, निदेशक

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Education)

New Delhi, the 24th December, 1991

S.O. 91.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and (3)(a) of Section 5 read with sub-section (1)(c) of Section 6 of the University Grants Commission Act,

1956 (3 of 1956), the Central Government hereby appoints Shri K. V. R. Nair, Secretary (Expenditure) in the Ministry of Finance to be a Member of the University Grants Commission for a term of three years vice Shri K. P. Geethakrishnan.

[No. F. 4-43/91-U. I]

M. P. M. KUTTY, Director

पेट्रोलियम और केमिकल्स मंत्रालय

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर, 1991

का.प्रा. 92:—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत नक्सपूर से पेरवल तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है। और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की आज्ञा की घोषणा करती है।

बनते कि उक्त भूमि में अपनी छवि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के बरोबर में अपनी आपत्ति सक्षम अधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के.जि. प्रोजेक्ट, भूमेकरणा, कार्यालय, राजमंछि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज करते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अपनी विधिबद्धता के माध्यम से अपना मन प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

शार.ओ. य. म्याग पाइप लाइन नरसपुर से पेरवलि तक

स्टेट : आंध्र प्रदेश

गांव : चिनमामिडिपल्लि

मंडल : नरसपुर

जिला : पश्चिम गोदावरी

| गांव | शार. एस नं. | हेक्टेर्स | एर्स | सेन्टिएर्स | एकर्स | सेन्ट्स |
|----------------|---------------|-----------|------|------------|-------|---------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| चिनमामिडिपल्लि | 83/पार्टे | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 72/1 पार्टे | 0 | 35 | 5 | 0 | 88 |
| | 74/1 पार्टे | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 71/2 पार्टे | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 73/1 पार्टे | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 67/3 पार्टे | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 67/2 पार्टे | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 73/2 पार्टे | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 66/4 पार्टे | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 74/2 पार्टे | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 65/2 पार्टे | 0 | 14 | 5 | 0 | 36 |
| | 63/3 पार्टे | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 62/पार्टे | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 57/पार्टे | 0 | 26 | 5 | 0 | 66 |
| | 58/पार्टे | 0 | 22 | 5 | 0 | 56 |
| | 49/2 | 0 | 14 | 0 | 0 | 34 |
| | 49/2.1 पार्टे | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | | 1 | 85 | 0 | 4 | 57 |

[सं. ओ-12016/1/91-ओ एन जी-डी 4/

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 17th December, 1991

S.O. 92.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur to Peravali in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals

pipelines (Aquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project, Rajahmundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Gas pipe line for R.O.U. Main line from Narasapur To Peravali State Andhra Pradesh, District West Godavary Mandal Narasapur

| Village | Rs nos. | Hectars | Areas | centiarcs | Acres | Cents |
|-------------------|---------|---------|-------|-----------|-------|-------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Chinama-midipalli | 83/PT | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 72/1 PT | 0 | 35 | 5 | 0 | 88 |
| | 74/1 FT | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 71/2 PT | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |

| | | | | | |
|---------|---|----|---|---|----|
| 73/1 PT | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| 67/3 PT | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| 2PT | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| 73/2 PT | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| 66/1 PT | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| 74/2 PT | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| 65/2 PT | 0 | 14 | 5 | 0 | 36 |
| 63/3 PT | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| 62/2 PT | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| 57/PT | 0 | 26 | 5 | 0 | 66 |
| 58/PT | 0 | 22 | 5 | 0 | 56 |
| 49/2 | 0 | 14 | 0 | 0 | 34 |
| 49/2 PT | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 1 | 85 | 0 | 4 | 57 |

[No. O-12016/1/91-ONG/D.4]

का.आ. 93 :- जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत नरमपुर से पेरवल तक वेल् और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाता है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

बनने कि उक्त भूमि में अपनी सजि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी वेल् और प्राकृतिक गैस आयोग, के.जि. प्रोजेक्ट, भुसेकरणा, कार्यालय, राजमंडि, आन्ध्रप्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज करते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अधिसूची

आर.प्रो.यु. गैस पाइप लाइन नरमपुर से पेरवल तक

राज्य : आंध्र प्रदेश

गांव : चिट्टवरम

मंडल : नरमपुर

जिला : पश्चिमगोदावरी

| गांव | आर.एस.नं. | हेक्टेर्स | एम् | सेन्टियर्स | एकर्स | सेन्ट्स |
|----------|-----------|-----------|-----|------------|-------|---------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| चिट्टवरम | 49/1 | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 |
| | 50/पाटें | 0 | 37 | 0 | 0 | 92 |
| | 49/1 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 49/1 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 51/पाटें | 0 | 20 | 0 | 0 | 49 |
| | 47/2 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 55/4 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 53/3 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 56/6 | 0 | 39 | 5 | 0 | 23 |
| | 56/7 | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|------------------------|-------------------|---|----|---|---|----|
| चिन्तावर ए. एन. (जारी) | 57/4 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 58/11 | 0 | 64 | 5 | 1 | 61 |
| | 35/पाटे | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 36/1 पाटे | 0 | 08 | 5 | 0 | 21 |
| | 36/1 | 0 | 34 | 5 | 0 | 85 |
| | 36/2 पाटे | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 37/2 पाटे | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 37/1 पाटे | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 34/पाटे | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 20/1 पाटे, 2 पाटे | 0 | 39 | 0 | 0 | 97 |
| | 20/3 पाटे | 0 | 15 | 0 | 0 | 37 |
| | | 3 | 07 | 5 | 7 | 59 |

[सं. ओ-12016/2/91-ओ एन जी-डी 4]

S.O. 93.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur to Peravali in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962

the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project, Rajamundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line for Narasapur to Peravali

State : Andhra Pradesh District : West Godavari Mandal : Narasapur

| Village | R.S. No | Hectares | Ares | Contaires | Acres | Cen is |
|----------------|-------------------|----------|------|-----------|-------|--------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Chittavar A.N. | 49/1 Pt | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 |
| | 50/Pt | 0 | 37 | 0 | 0 | 92 |
| | 49/1Pt | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 49/1 Pt | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 50/1 Pt | 0 | 20 | 0 | 0 | 49 |
| | 47/2 Pt | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 55/4 Pt | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 55/3 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 56/6 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 56/7 | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 57/4 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 58/11 } 59/13~ | 0 | 64 | 5 | 01 | 61 |
| | 35/Pt | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 36/1 Pt | 0 | 08 | 5 | 0 | 21 |
| | 36/1 Pt | 0 | 34 | 5 | 0 | 85 |
| | 36/2 Pt | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 37/2 Pt | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 37/1 Pt | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 34/1 Pt | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 20/1 Pt | 0 | 39 | 5 | 0 | 97 |
| | 20/3 qt | 0 | 15 | 0 | 0 | 37 |
| | | 3 | 07 | 5 | 7 | 59 |

[No. 12016/2/91-ONG-D-4]

का.प्र. 94 :- जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाईन परियोजना के अन्तर्गत तत्काल से पेरबल तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की अंशा की घोषणा करती है।

बणते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी, तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के ज. प्रो.प्र.क., अमेरणा कार्यालय, राजसमंद, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज करने समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप में निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

आर.प्रो.यु. गैस पाइप लाइन तत्काल से पेरबल तक

| स्टेट : आन्ध्र प्रदेश | | डिवीजन : दिगमर | | मंडल : पालकोण्ड | | जिला : पश्चिम गोदावरी | |
|-----------------------|------------|----------------|-----|-----------------|-----|-----------------------|--|
| गाँव | एस नं. | हेक्टास | एस | सेन्टिएस | एकस | सेन्टस | |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | |
| दिगमर | 99/पाटे | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 | |
| | पोरामबोक | | | | | | |
| | 98 पाटे | 0 | 49 | 5 | 1 | 23 | |
| | 98 पाटे | 0 | 30 | 0 | 0 | 74 | |
| | 96/1 पाटे | 0 | 02 | 5 | 0 | 08 | |
| | 96/2 पाटे | 0 | 08 | 5 | 0 | 21 | |
| | 96/4 पाटे | 0 | 05 | 5 | 0 | 11 | |
| | 96/5 पाटे | 0 | 00 | 3 | 0 | 01 | |
| | पोरामबोक | | | | | | |
| | 83/2 पाटे | 0 | 21 | 0 | 0 | 52 | |
| | 85 पाटे | 0 | 02 | 0 | 0 | 95 | |
| | 85 पाटे | | | | | | |
| | पोरामबोक | | | | | | |
| | 79 पाटे | 0 | 19 | 0 | 0 | 47 | |
| | 116/1 पाटे | 0 | 48 | 0 | 1 | 20 | |
| | 2 पाटे | | | | | | |
| | 117 पाटे | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 | |
| | पोरामबोक | | | | | | |
| | 129 पाटे | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 | |
| | 131 पाटे | 0 | 40 | 5 | 1 | 01 | |
| | 131 पाटे | 0 | 98 | 0 | 0 | 20 | |
| | 127 पाटे | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 | |
| | 132 पाटे | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 | |
| | पोरामबोक | | | | | | |
| | 135/पाटे | 0 | 52 | 0 | 1 | 30 | |
| | 150/2 पाटे | 0 | 25 | 0 | 0 | 62 | |
| | 150/2 पाटे | 0 | 17 | 5 | 0 | 43 | |
| 123 पाटे | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 | | |
| 129/पाटे | 0 | 01 | 5 | 0 | 11 | | |
| 129 /पाटे | 0 | 11 | 5 | 0 | 29 | | |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|-----|------------|-----|-----|-----|-----|-----|
| | 149/ए पाटे | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 153/पाटे | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 155/पाटे | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 |
| | 156/पाटे | 0 | 36 | 0 | 0 | 89 |
| | 158/पाटे | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 129/पाटे | | | | 0 | 23 |
| | | 4 | 32 | 0 | 10 | 68 |

(सं.प्रो. 12016/3/91-प्रो.एन.जी.डी.-4)

S.O. 94.--Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur to Peravali in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Aquisition of Right of User in the land) Act, 1962

the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project, Rajahmundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline for Narsapur to Peravali

State : Andhra Pradesh¹ District : West Godavari Mandal : Palakol

| Village | S.No. | Hectars | Pres | Centairs | Acres | Cnts |
|--------------|-------------|---------|------|----------|-------|------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Digamaru . . | 99/Pt | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | Poramboke | | | | | |
| | 98/Pt | 0 | 49 | 5 | 1 | 23 |
| | 98/Pt | 0 | 30 | 0 | 0 | 74 |
| | 96/1 Pt | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 96/2 Pt | 0 | 08 | 5 | 0 | 21 |
| | 96/4 Pt | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 96/5Pt | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | (Poramboke) | | | | | |
| | 83/2Pt | 0 | 21 | 0 | 0 | 52 |
| | 85/Pt | 0 | 02 | 0 | 0 | 5 |
| | 85/Pt | | | | | |
| | (Poramboke) | | | | | |
| | 79/Pt | 0 | 19 | 0 | 0 | 47 |
| | 116/1 Pt | 0 | 48 | 0 | 1 | 20 |
| | 2Pt | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 117/Pt | | | | | |
| | (Poramboke) | | | | | |
| | 129/Pt | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 131/PT | 0 | 40 | 5 | 1 | 01 |
| | 331/Pt | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 127/Pt | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 132/Pt | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | (Poramboke) | | | | | |
| | 135/Pt | 0 | 52 | 0 | 1 | 30 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|------------|-----------|---|----|---|----|----|
| Digaocarru | B.F. | | | | | |
| | 150/2 P | 0 | 25 | 0 | | 62 |
| | 150/2 Ppt | 0 | 17 | 5 | 0 | 43 |
| | 123/Pt | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 129/Pt | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 129/Pt | 0 | 11 | 5 | 0 | 29 |
| | 149/Pt | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 153/Pt | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 155/Pt | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 |
| | 156/Pt | 0 | 36 | 0 | 0 | 89 |
| | 158/Pt | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 129/Pt | | | | 0 | 23 |
| | | 4 | 32 | 0 | 10 | 68 |

[No. 12016/3/91-ONG-D-4]

का.आ. 95 - जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत नरमपुर से पेरबलि तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न खिचणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की आज्ञा की घोषणा करती है।

बनते कि उक्त भूमि में अपनी शक्ति रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिमूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति मक्षम प्राधिकारी मंजूर प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के.जि. प्रोजेक्ट, भूमेकरगा, कार्यालय, राजागुद, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज कर सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराने समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

शेड्यूल

आर.ओ.यू. गैस पाइप लाइन नरमपुर से पेरबलि तक

स्टेट : आंध्र प्रदेश

गांव : पालकोल्लू

मंडल : पालकोल्लू

जिला : पश्चिम गोदावरी

| गांव | आर.एम.नं. | हेक्टार्स | एर्स | गेनटिएर्स | एकर्स | सेट्स |
|-------------------|-------------------|-----------|------|-----------|-------|-------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| पालकोल्लू विट्ट-1 | 349/3 | 0 | 16 | 0 | 0 | 40 |
| | 358/2 बी | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | तद्व | 0 | 24 | 0 | 0 | 59 |
| | 347 | 0 | 18 | 5 | 0 | 46 |
| | 346/1 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 346/2 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 328/3 बी | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 328/4 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 328/5 ए, 5 बी, 2ए | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 328/6, 7, 9 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|-------|------------------------|-----|-----|-----|-----|-----|
| | 328/10 ए | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 328/10 बी | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 328 11 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | तदेव | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 329/1 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 330/1 पार्ट | 0 | 24 | 5 | 0 | 60 |
| | 335 पार्ट | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 337 पार्ट | 0 | 16 | 0 | 0 | 39 |
| | 336/1पार्ट | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 336/2 पार्ट | 0 | 23 | 5 | 0 | 58 |
| | 301/2 पार्ट | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 300/1 पार्ट | 0 | 17 | 0 | 0 | 42 |
| | 303/1 पार्ट | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 303/2 पार्ट | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 305/पार्ट | 0 | 15 | 5 | 0 | 37 |
| | तदेव | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 306/पार्ट | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 308/पार्ट | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 309/पार्ट | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 278/पार्ट | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 253/पार्ट | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 254/1 ए पार्ट | 5 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 254/5 ए पार्ट | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 254/6 ए पार्ट | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 254/2 बी पार्ट | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 3 बी पार्ट, 4 बी पार्ट | | | | | |
| | 255/1ए पार्ट | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 255/2 ए पार्ट | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | तदेव | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 255/3 पार्ट | | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 255/4 पार्ट | 0 | 11 | 5 | 0 | 29 |
| | 5 पार्ट | 0 | 11 | 0 | 0 | 72 |
| योग : | | 3 | 49 | 5 | 8 | 64 |

[सं.प्रो.-12016/4/91-प्रो.एन.जी.-डी.-4]

S.O. 95.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur to Peravali in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962

the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project, Rajamundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Gas Pipe Line for R.O.U. Main Line from Narsapur to Peravali
State: Andhra Pradesh, District: West Godavary, Mandal : Palakol

| Village | S.No. | Hectars | Area | Centiares | Acres | Cents |
|-------------------|--------|---------|------|-----------|-------|-------|
| Palakol Bit No. 1 | 349/3 | 0 | 16 | 0 | 0 | 40 |
| | 358/2B | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | " | 0 | 24 | 0 | 0 | 59 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|-----------|---|----|---|---|----|
| | 347 | 0 | 18 | 5 | 0 | 46 |
| | 346/1 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 346/2 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 328/3 B | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 328/4 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 328/5A | | | | | |
| | 5B | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 2A | | | | | |
| | 328/6,7,9 | 0 | 03 | 5 | 0 | 23 |
| | 328/10A | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 328/10B | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 329/11 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | " | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 329/1 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 330/Pt | 0 | 24 | 5 | 0 | 60 |
| | 335/Pt | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 337/Pt | 0 | 16 | 0 | 0 | 39 |
| | 336/1 Pt | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 336/2 Pt | 0 | 23 | 5 | 0 | 58 |
| | 301/2 Pt | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 300/1 Pt | 0 | 17 | 0 | 0 | 42 |
| | 303/1 Pt | 0 | 07 | 5 | 0 | 10 |
| | 303/2 Pt | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 305/Pt | 0 | 15 | 5 | 0 | 37 |
| | " | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 306 Pt | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 308 Pt | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 309 Pt | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 278 Pt | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 253/Pt | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 254/1A Pt | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 254/5APt | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 254/6APt | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 254/2BPt | | | | | |
| | 254/3B Pt | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 254/4B Pt | | | | | |
| | 255/1APt | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 255/2A Pt | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 255/2A Pt | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 255/3Pt | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 255/4 Pt | 0 | 11 | 5 | 0 | 29 |
| | 255/5 Pt | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | Total | 3 | 49 | 5 | 8 | 64 |

का.मा. 96 :- जबकि केन्द्र सरकार यह प्रस्ताव करती है कि सार्वजनिक क्षेत्र में यह प्रावण्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस वाहने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत नरमपुर से पेरवल तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा पदहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की आशा की घोषणा करती है।

वर्तते कि उक्त भूमि में अपनी रजिस्टर करने वाला कोई भी व्यक्ति अधिभूतनी की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति संक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के.जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा, कार्यालय, राजमंथि आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराने समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिब्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

आर. ओ.यु. ग्यास पाइप लाईन नरमपुर से पेरवल तक

| स्टेट : आंध्र प्रदेश | डिवीजन : पालकोल्लू | मंडल : पालकोल्लू | जिला : पश्चिम गोदावरी | | | |
|----------------------|--------------------|------------------|-----------------------|----------|-------|-----|
| गांव | आर.एस.नं. | हेक्टास | एर्स | सेटिगर्स | एकर्स | टटस |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| पालकोल्लू जिल्हा-II | 250/7 पार्ट | 0 | 16 | 0 | 0 | 40 |
| | 249/1 पार्ट | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 249/2 पार्ट | 0 | 11 | 5 | 0 | 29 |
| | 248/पार्ट | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 |
| | 247/2 पार्ट | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 247/3 पार्ट | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 246 पार्ट | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 246 पार्क | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 210 पार्ट | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 974 पार्ट | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 973/1 पार्ट | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 973/2 पार्ट | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 973/4 पार्ट | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 973/5 पार्ट | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 973/6 पार्ट | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 972 पार्ट | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 200/1 पार्ट | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 200/2 पार्ट | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 196/8 पार्ट | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 196/8 पार्ट | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | ड. | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 197/1 पार्ट | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 197/1 सी पार्ट | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 197/2 पार्ट | 0 | 15 | 5 | 0 | 38 |
| | 197/2 पार्ट | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 198/3 पार्ट | 0 | 02 | 5 | 0 | 09 |
| | 198/3 पार्ट | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 198/4 पार्ट | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 198/5 ए. पार्ट | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 198/5 बी पार्ट | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 198/6,7 पार्ट | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 189/पार्ट | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 190/1 पार्ट | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 188/1 पार्ट | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 2 पार्ट | | | | | |
| | 188/4 पार्ट | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|-----|----------------|-----|-----|-----|-----|-----|
| | 220 पाटे | | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 163/2 ए पाटे | 0 | 21 | 5 | 0 | 57 |
| | 163/2 बी पाटे | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 164/1 पाटे | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 164/2 पाटे | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 164/2 पाटे | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 3 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 165/3 पाटे | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 166 पाटे | 0 | 14 | 0 | 0 | 34 |
| | 158/1 बी पाटे | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 158 /1 बी पाटे | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 154/1 पाटे | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 153/पाटे | | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | | 3 | 05 | 0 | 7 | 54 |

[मं. मो. 12016/5/91-मो.एन.जे.धो.-4]

S.O. 96.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur to Peravali in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Aquisition of Right of User in the land) Act, 1962

the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project, Rajamundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Gas Pipe Line for R.O.B. Main Line from Nansapur to Peravali

State : Andhra Pradesh, District . West Godavary, Mandal Palakol

| Village | S.No. | Hectares | Area | Centiares | Acres | Cents |
|--------------------|-----------|----------|------|-----------|-------|-------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Palakol Bit No. II | 250/7 Pt. | 0 | 16 | 0 | 0 | 40 |
| | 249/1 Pt. | 0 | 01 | 0 | 0 | 20 |
| | 249/2 Pt. | 0 | 11 | 5 | 0 | 29 |
| | 248 Pt. | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 |
| | 247/2 Pt. | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 247/3 Pt. | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 248 Pt. | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | " | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 210 pt. | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 974 Pt. | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 973/1 Pt. | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 973/2 Pt. | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 973/4 Pt. | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 973/5 Pt. | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 973/6 Pt. | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 972 Pt. | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 200/1 Pt. | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 200/2 Pt. | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |

| 1. | 2. | 3. | 4. | 5. | 6. | 7. |
|--------------------|--------------|----|----|----|----|----|
| Palakol Bit No. II | 196/8 Pt. | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 196/8 Pt. | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 196/8 Pt. | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 197/1 Pt. | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 197/1 Pt. | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 197/2 Pt. | 0 | 15 | 5 | 0 | 38 |
| | 198/2 Pt. | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 198/3 Pt. | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 198/3 Pt. | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 198/3 Pt. | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 198/4 Pt. | | | | | |
| | 198/5A Pt. | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 198/5B Pt. | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 198/47 Pt. | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 189/Pt. | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 190/1 Pt. | 0 | 00 | 5 | | 01 |
| | 188/1 Pt. | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 188/4 Pt. | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 220/ Pt. | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 163/2 A Pt. | 0 | 21 | 5 | 0 | 53 |
| | 163/2B Pt. | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 164/ 1 Pt. | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 164/2 Pt. | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 164/ 2 Pt. | 0 | 05 | 0 | 0 | 15 |
| | 164/2 Pt. | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 165/2 Pt. | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 166/Pt. | 0 | 14 | 0 | 0 | 34 |
| | 158/1B Pt. | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 158/1B 2 Pt. | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 154/1 Pt. | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 153/7 Pt. | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | B/F | 2 | 20 | 5 | 5 | 45 |
| | Total | 3 | 05 | 0 | 7 | 54 |

[No. 12016/5/91-ONG-D-4]

का.भा. 97 :—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुमति करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत तराईपुर से वैश्वी तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुमति करती है कि उन कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरण में निर्धारित भूमि पर प्रयोग का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1982 (1982 का 50) के कण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्र सरकार द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

है अतः कि उक्त भूमि में अपनी रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिभूत की तारीख में 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के.जि. प्रोजेक्ट, अमेकरणा, कापलिया, राजमुद्रि आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराने समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अपना विधि व्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

घनसूची

आर.ओ.ए. ग्यास पाइप लाइन नरसपुर से देरबलि तक

स्टेट : आंध्र प्रदेश

डिवीजन : पालकोन्डू

मंडल : पालकोन्डू

जिला : पश्चिमगोदावरी

| गांव | आर.एस.नं. | ट्रैक्टर | एम् | सेटिप्स | एफर्स | सेट्स |
|---------------------|-------------------|----------|-----|---------|-------|-------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| पालकोन्डू बिट्ट-III | 152 पाट | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 152 पाट | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 148/1 गी पाट | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 148/1 डी पाट | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 148/5 पाट | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 145/1 डी पाट | 0 | 23 | 5 | 0 | 58 |
| | 143 पाट | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 140/2 पाट | 0 | 24 | 5 | 0 | 30 |
| | 138/ पाट | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 138/2 सी पाट | 0 | 18 | 5 | 0 | 46 |
| | 136/4 डी पाट | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 124/1 ए पाट | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 124/1 ए पाट | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 124/1 ए पाट | 0 | 11 | 5 | 0 | 29 |
| | 124/1 ए पाट | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 124/1 डी पाट | 0 | 20 | 5 | 0 | 51 |
| | 124/1 डी पाट | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 124/1 सी पाट | 0 | 23 | 0 | 0 | 57 |
| | 124/1 डी पाट | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 124/1 डी, 1 ए पाट | 0 | 22 | 5 | 0 | 56 |
| | 124/1 ई पाट | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 024/1ई पाट | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 124/1 एच पाट | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 122/3 पाट | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 123/1 पाट | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 123/2 पाट | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 123/3 पाट | 0 | 07 | 3 | 0 | 18 |
| | 123/3 पाट | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 113/1ए, 2 पाट | 0 | 00 | 0 | 0 | 22 |
| | 110 पाट | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 109 पाट | 0 | 15 | 5 | 0 | 38 |
| | 109 पाट | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 108/1 डी पाट | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 102/पाट | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 103/1 ए पाट | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 103/1ए पाट | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 103/1 डी/1 पाट | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 103/1डी/2 पाट | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 103/1ए/3 पाट | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 104/2 पाट | 0 | 39 | 5 | 0 | 98 |
| | 93/पाट | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 93/पाट | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 93/पाट | 0 | 01 | 0 | 0 | 01 |
| योग | | 3 | 73 | 5 | 9 | 23 |

S.O. 97.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur to Peravali in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Aquisition of Right of User in the land) Act, 1962

the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project, Rajahmundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Gas Puip line for R.O.U. Main Line from Narsapur to Paravali

State : Andhra Pradesh,

District : West Godavari, Mandal— Palakol

| Village | S.No. | Hectars | Area | Contiares | Acres | Cents |
|---------------------|---------------|---------|------|-----------|-------|-------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Palakol 3ct No. III | 152 Pt. | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | " | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 148/1 C Pt. | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 148/1D Pt. | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 148/5 M | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 145/1D Pt. | 0 | 23 | 5 | 0 | 58 |
| | 143/Pt | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 140/2 Pt. | 0 | 24 | 5 | 0 | 60 |
| | 138 Pt. | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 136/2 D Pt. | 0 | 18 | 5 | 0 | 46 |
| | 136/4D Pt. | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 124/1A Pt. | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 124/1A Pt. | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 124/1A Pt. | 0 | 11 | 5 | 0 | 29 |
| | 124/1A Pt. | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 124/1B Pt. | 0 | 20 | 5 | 0 | 51 |
| | 124/1B Pt. | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 124/1C Pt. | 0 | 23 | 0 | 0 | 57 |
| | 124/1D Pt. | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 124/1D 1A Pt. | 0 | 22 | 5 | 0 | 56 |
| | 124/1E Pt. | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 124/1E Pt. | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 124/1H Pt | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 122/3 Pt. | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 123/1 Pt. | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 123/2 Pt. | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 123/3 Pt. | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 123/3 Pt. | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 113/1A, 2Pt. | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 110 Pt. | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 109 Pt. | 0 | 15 | 5 | 0 | 38 |
| | 109 Pt. | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 108/1B Pt. | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 102 Pt. | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 103/1A Pt. | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 103/1A Pt. | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|--------------|---|----|---|---|----|
| | 103/1B1 Pt. | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 103/1B2 Pt. | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 103/1A 3 Pt. | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 104/2 Pt. | 0 | 39 | 5 | 0 | 98 |
| | 93 Pt. | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 93 Pt. | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 93 Pt. | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | Total | 3 | 73 | 5 | 9 | 23 |

[No. O-12016/6/91-ONG.-D-4]

का.प्र. 96.---जब कि केन्द्र सरकार यह अनुमति करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोवियम प्लांट एवं प्राकृतिक गैस लाइने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अंतर्गत नरसपुर से पेरबल तक रेल और प्राकृतिक गैस प्रयोग द्वारा बिछाया जाना है ;

और यह भी अनुमति करती है कि उस कार्य के सिद्ध इसके साथ संलग्न विवरणों में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है ;

प्र. 97. पेट्रोवियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार पक्ष अधिनियम, 1962 (1962 का 80) के खंड 3 के उपखंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की योजना को बोधना करती है ;

अर्थात्, कि उक्त भूमि में अपनी खनिज रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिभूषण की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सख्त प्राधिकारी, रेल और प्राकृतिक गैस प्रयोग के. ज. प्रोजेक्ट, सूचकणा कार्यालय, राजमंत्रि, धर्म, प्रवेश में दर्ज करा सकता है ;

और रेल प्र. 98. यह करते हुए किता वा वरुण को यह विवेक से निर्दिष्ट करते हुए कि वह व्यक्तिगत रूप से अपना विधिबद्धाधिकार के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

भार. मो. य. गैस पाइप लाइन नरसपुर से पेरबल तक

स्टेट : धर्म प्रवेश

मंजूर : पालकोल्लु

जिला : पश्चिम गोदावरी

| गांव | ए.स. नं. | हेक्टा में | ए.स. | से.मिट.ए.स. | ए.स. | से.मिट.ए.स. |
|---------|--------------|------------|------|-------------|------|-------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| पेरुमदन | | | | | | |
| | 1034/2पीटी | 0 | 16 | 0 | 0 | 39 |
| | 1042/2पीटी | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 1032/1पीटी | 0 | 03 | 0 | 0 | 09 |
| | 1031/1पीटी | 0 | 30 | 0 | 0 | 74 |
| | 1029/पीटी | 0 | 19 | 0 | 0 | 47 |
| | 1015/पीटी | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 1018/2पीटी | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 1018/2पीटी | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 1018/2पीटी | 0 | 15 | 0 | 0 | 37 |
| | 1018/2पीटी | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 1019/1पीटी | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | (पोराम/बोके) | | | | | |
| | 1019/2पीटी | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 1019/2पीटी | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 1002/2पीटी | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 1007/2पीटी | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 |
| | 1007/2पीटी | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 997/2पीटी | 0 | 22 | 0 | 0 | 54 |
| | 1001/पीटी | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 994/पीटी | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|-----|-----------------------|-----|-----|-----|-----|--------|
| | 998/पीटी | 0 | 17 | 5 | 0 | 43 |
| | 998/पीटी | 0 | 11 | 0 | 0 | 02 |
| | 998/पीटी | 0 | 26 | 0 | 0 | 64 |
| | 999/पीटी | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 1000/पीटी | 0 | 37 | 0 | 0 | 91 पाई |
| | 995/बीपीटी | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 पाई |
| | 1033/पीटी | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | (पोरम्बोके) | | | | | |
| | (पोरम्बोके) 1033 पीटी | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | पीटी | 0 | 20 | 0 | 0 | 50 |
| | पीटी | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 994/एपीटी | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 995/एपीटी | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | योग | 3 | 07 | 0 | 7 | 58 |

[स. ओ. 12016/7/91-मोएनजी-बी-4]

S.O. 98.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur to Peravali in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962

the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K.G. Project, Rajamundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline for Narsapur to Peravali

State : Andhra Pradesh

District : West Godavari

Mandal : Podur

| Village | S.No. | Hectares | Ares | Centiares | Acres | Cents |
|------------|-------------|----------|------|-----------|-------|-------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| Penuma Dam | 1034/2 Pt. | 0 | 16 | 0 | 0 | 39 |
| | 1042/2 Pt. | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 1032/1 Pt. | 0 | 03 | 0 | 0 | 09 |
| | 1031/1 Pt. | 0 | 30 | 0 | 0 | 74 |
| | 1029/Pt | 0 | 19 | 0 | 0 | 47 |
| | 1015/Pt. | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 1018/2 Pt. | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 1018/2Pt. | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 1018/2 Pt. | 0 | 15 | 0 | 0 | 37 |
| | 1018/Pt. | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 1019/1 Pt. | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 } |
| | (Pormaboke) | | | | | |
| | 1019/2 Pt. | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 } |
| | 1019/2 Pt. | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 1007/2 Pt. | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 } |
| | 1007/7 Pt. | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 } |
| | 1007/7 Pt. | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|------------|-------------|---|----|---|---|----------|
| Penuma Dam | 997/2 Pt. | 0 | 22 | 0 | 0 | 54 |
| | 1001/Pt. | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 994/B Pt. | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 998/Pt. | 0 | 17 | 5 | 0 | 43 |
| | 998/Pt. | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 998/Pt. | 0 | 26 | 0 | 0 | 64 |
| | 999/Pt. | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 1000/Pt. | 0 | 37 | 0 | 0 | 91(Part) |
| | 995/B Pt. | 0 | 01 | 0 | 0 | 02(Part) |
| | 1035 /Pt. | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | (Poramboke) | | | | | |
| | 1033/Pt. | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | Poramboke. | | | | | |
| | 1 Pt. | 0 | 20 | 0 | 0 | 50 |
| | 2 Pt. | | | | | |
| | 994/A Pt. | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 995/A Pt. | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | | 3 | 07 | 0 | 7 | 58 |

[No. O-12016/7/91- ONG-D-4]

का.प्रा. 99.—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुमति करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलिएम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परिवहन के अस्तंग नरसपुर से पेरबोके तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाता है।

और यह भी अनुमति करती है कि इस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणों में निर्धारित भूमि पर प्रयोजना का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलिएम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोजना का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खंड 3 के उपखंड (1) द्वारा व दत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा इस पर प्रयोजना का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

अतः कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति मूल्य प्राधिकारी, तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के ज. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा, कार्यालय, राजमंदि, आंध्रप्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसा आपत्ति दर्ज करते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप में निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से प्रथम विधि व्यवसायिक के माध्यम से अपना मंत्र प्रस्तुत करता चाहता है।

अनुसूची

आर. ओ. य. गैस पाइप लाइन नरसपुर से पेरबोके तक

स्टेट : आंध्रप्रदेश

बिलेज : उत्तरपूर

मंडल : पालकोल्ट

जिला : पश्चिमगोदावरी

| शिव | भा. एस. नं. | हेक्टेर्स | एर्स | सेट्टिएर्स | एकर्स | सेट्टस |
|----------|-------------|-----------|------|------------|-------|--------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| उत्तरपूर | 179/2 | 0 | 07 | 0 | 0 | 19.5 |
| | 179/40 | 0 | 04 | 5 | 0 | 10.5 |
| | 180/1 | 0 | 25 | 0 | 0 | 62 |
| | 183/1 | 0 | 14 | 0 | 0 | 33.5 |
| | 183/3 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 183/3 | 0 | 05 | 0 | 0 | 14 |
| | 213/1 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-------------|-------|---|----|---|---|------|
| उल्लपद-जारी | 213/3 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 213/3 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 213/3 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 213/4 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 215/2 | 0 | 16 | 0 | 0 | 39.5 |
| | 177 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 183/3 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | | 1 | 08 | 5 | 2 | 68 |

[स. ओ. 12016/8/91-ओएनजी-डी-4]

S.O. 99.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur to Peravali in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962

the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project, Rajamundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Gas Pipe Line for R.O.U. Main Line from Narsapur to Peravali

State : Andhra Pradesh ,

District: West Godavari, Mandala PALAKOLLU

| Village | S.No. | Hectare | Ares | Contiars | Acres | Cent |
|------------|--------|---------|------|----------|-------|------|
| Ullamparru | 179/2 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19.5 |
| | 179/40 | 0 | 04 | 5 | 0 | 10.5 |
| | 180/1 | 0 | 25 | 0 | 0 | 62 |
| | 183/1 | 0 | 14 | 0 | 0 | 33.5 |
| | 183/3 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 183/3 | 0 | 05 | 0 | 0 | 14 |
| | 213/1 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 213/3 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 213/3 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 213/3 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 213/4 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 215/2 | 0 | 16 | 0 | 0 | 39.5 |
| | 177 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 183/3 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | | 1 | 08 | 5 | 2 | 68 |

[No. O-120 16/8/91/ONG-D-4.]

का. प्रा. 100.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस वाहने के लिये पार्ष्व लाइन परियोजना के अन्तर्गत नरसपुर से पेरवलि तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिये इसके साथ मंगल विचरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार प्रस्तुत करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं सन्निव पार्ष्व लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1982 (1982 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रस्तुत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की संज्ञा को घोषणा करती है।

बराबर कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी सेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के.जि. प्रोजेक्ट, कूमेकरणा, कार्यालय, राजमंड्री, आंध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराने पर किसी भी व्यक्ति की यह विधि रुक से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से प्रस्ताव विधि व्यवसायक के माध्यम से प्रस्ताव मन प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

प्रार.ओ.यु. ग्रास पाइप लाइन नरसपुर से पैरावली तक

स्टेट : आंध्र प्रदेश

जिलेज : जिन्तूर

मंडल : पोडूर

जिला : पश्चिम गोदावरी

| गांव | प्रार.एस.मं. | हैक्टर्स | एसे | सेन्टियर्स | एकड़ | सेन्टस |
|--------|--------------|----------|-----|------------|------|--------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| जम्बूक | 332/3बी | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 332/3बी | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 336/1 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 333/6बी | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 333/1ए, 2ए | 0 | 07 | 5 | 0 | 18.5 |
| | 336/7बी | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 336/7बी | 0 | 02 | 0 | 0 | 04.5 |
| | 336/4बी | 0 | 03 | 5 | 0 | 08.5 |
| | 336/4बी | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 336/3बी | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 337/1बी | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 336/1बी | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 337/1 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 338/2 | 0 | 19 | 0 | 0 | 47 |
| | 315/1बी | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 318/4बी | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 316/1 | 0 | 31 | 0 | 0 | 76 |
| | 316/3 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 317/4बी | 0 | 02 | 5 | 0 | 05.5 |
| | 304/2 | 0 | 26 | 5 | 0 | 66 |
| | 289/2 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 300/2 | 5 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 299/2 | 0 | 17 | 0 | 0 | 42 |
| | 299/3बी | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 298/1ए | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 292/5बी, 6बी | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 293/2बी | 0 | 23 | 0 | 0 | 57 |
| | 293/1बी | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 294/1बी | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 294/1सी | 0 | 16 | 5 | 0 | 41 |
| | 331/2 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 339/2 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 295/2 | 0 | 01 | 05 | 0 | |
| जोड़ | | 2 | 79 | 0 | 6 | 89 |

[सं. ओ.-12016/9/91-ओ एनजी सी-4]

S.O. 100.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur to Peravali in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 3348 GI/91—6

the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K.G. Project, Rajahmundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Gas Pipeline for R.O.U. Main Line from Narsapur to Pervali

State : Andhra Pradesh District : West Godavari, Mandal PODURU

| Village | S No. | Hectare | Are | Centiares | Acres | Cents |
|---------|-------------|---------|-----|-----------|-------|-------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Jennur | 332-3B | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 332-3B | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 336-1 | 0 | 06 | 0 | 0 | 16 |
| | 333-6B | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 333, 1A, 2A | 0 | 07 | 5 | 0 | 18.5 |
| | 336-7B | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 336-7B | 0 | 02 | 0 | 0 | 04.5 |
| | 336-4B | 0 | 03 | 5 | 0 | 08.5 |
| | 336-4B | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 336-3B | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 337-1B | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 336-1B | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 337-1 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 338-2 | 0 | 19 | 0 | 0 | 47 |
| | 315-1B | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 318-4B | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 316-1 | 0 | 31 | 0 | 0 | 76 |
| | —3 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 317-4B | 0 | 02 | 5 | 0 | 05.5 |
| | 304-2 | 0 | 26 | 5 | 0 | 66 |
| | 299-2 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 300-2 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 299-2 | 0 | 17 | 0 | 0 | 42 |
| | 299-2B | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 298-1A | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 292-5B | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 6B | | | | | |
| | 293-2B | 0 | 23 | 0 | 0 | 57 |
| | 293-1B | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 294-1B | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| Jinnur | 294-1C | 0 | 16 | 5 | 0 | 41 |
| | 331-2 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 339-2 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 295-2 | 0 | 01 | 05 | 0 | 04 |
| | Total | 2 | 79 | 0 | 6 | 89 |

[No. O-12016/9/91-ONG-D-4]

का.मा. 1014—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिये पाईप लाईन परियोजना के अन्तर्गत तुरन्त से पर्वत तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है,

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिये इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पार्श्वसाईन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उक्त पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पार्श्व साईन बिछाने में अपनी आपत्ति सहित अधिकारी, तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के. जि. प्रोजेक्ट, जलसेकरण, कामलिय, राजमंड्री, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निबिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि-व्यवसायक के माध्यम से भगाना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

भार.घा.यू. गैस पार्श्व साईन नरसपुर से पेरवलि तक

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

गांव : मटपूर

मंडल : पेडूरु

जिला : पश्चिम गोदावरी

| गांव | फेज नं. | हैक्टर | एक | सेन्टिनेट | एकड़ | सेन्ट |
|-------|-----------|--------|-----|-----------|------|-------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| मटपूर | 124/ए/2 | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 124/1ए/2 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 124/1बी/2 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 124/1सी | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 124/3 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 125 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 129 | 0 | 08 | 5 | 0 | 20.5 |
| | 129 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02.5 |
| | 138/3 | 0 | 10 | 3 | 0 | 26 |
| | 137 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 138/4 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 146/2 | 0 | 16 | 0 | 0 | 39 |
| | 151/2 | 0 | 18 | 0 | 0 | 45 |
| | 151/3 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 151/4 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 152/4 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 163 | 0 | 08 | 5 | 0 | 21.5 |
| | 152/2 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 152/3 | 0 | 05 | 0 | 0 | 20 |
| | 152/4 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 163 | 0 | 17 | 0 | 0 | 42 |
| | 163 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 164/1 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26.5 |
| | 172 | 0 | 25 | 0 | 0 | 62 |
| | 171 | 0 | 02 | 0 | 0 | 04.5 |
| | 139 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| जोड़ | | 2 | 29 | 0 | 5 | 65.5 |

[सं. पी-12016/10/91-पो.एन.जी.टी.-4]

S.O. 101.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur to Peravali in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962

the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K.G. Project, Rajahmundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Gas Pipe Line for R.O.U. Main Line from Narsapur to Peravali
State : Andhra Pradesh, District : West Godavari, Mandal : Podur

| Village | S.No. | Hectare | Arefis | Centiares | Acres | Cents |
|-------------|-----------|---------|--------|-----------|-------|-------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Matta Parru | 124 A/2 | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 124-1A/2 | 0 | 01 | 5 | 0 | 18 |
| | 124-1 B/2 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 124-1C | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 124-3 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 125 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 129 | 0 | 08 | 5 | 0 | 20.5 |
| | 129- | 0 | 01 | 0 | 0 | 02.5 |
| | 138-3 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 137 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 138-4 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 146-2 | 0 | 16 | 0 | 0 | 9 |
| | 151-2 | 0 | 18 | 0 | 0 | 45 |
| | 151-3 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 151-4 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 152-4 | 0 | 07 | 5 | 0 | 1 |
| | 163 | 0 | 08 | 5 | 0 | 21.5 |
| | 152-2 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 152-3 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 162-4 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 163 | 0 | 17 | 0 | 0 | 42 |
| | 163 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 164-1 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26.5 |
| | 172 | 0 | 25 | 0 | 0 | 62 |
| | 171 | 0 | 02 | 0 | 0 | 04.5 |
| | 139 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| Total | | 2 | 29 | 0 | 5 | 65.5 |

[No. O-12016/10/91-ONG-D-4]

कम.धा. 102.-- जबकि केन्द्र सरकार यह अनुमति करती है कि सार्वजनिक हितों यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अंतर्गत नर्सपुर से पेछवि तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है। और यह भी अनुमति करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करता आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद् द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की सेवा की घोषणा करती है।

यहाँ कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिपूजता की तराई से 21 दिन के भीतर भूमि मत पाइप लाइन बिछाने के विवेक में अपनी व्यापक सक्षम प्राधिकारी संक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के.जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा, भार्यालय, राजमंत्रि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज करते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि यह व्यक्तिगत रूप से अपना विधि व्यवसाय के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

भार. ओ. यू. गैस पाइप लाइन नरसपुर से परवलि तक

स्टेट : आंध्र प्रदेश

गांव : वेदंगि

मंडल : पोंडुल

जिला : पश्चिम गोदावरी

| गांव | भार. एस नं. | हेक्टार्स | एर्स | सेण्टीयर्स | एकर्स | सेण्ट्स |
|--------|-------------|-----------|------|------------|-------|---------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| वेदंगी | 297/1 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 297/2 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 297/3 | 0 | 07 | 0 | 0 | 16.5 |
| | 297/4 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 297/3 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07.5 |
| | 297/4 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 299 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 299 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02.5 |
| | 299 | 0 | 08 | 5 | 0 | 21.5 |
| | 299 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 301/2 | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 302 | 0 | 01 | 5 | 0 | 03.5 |
| | 303/2 | 0 | 17 | 0 | 0 | 42.5 |
| | 320/2 | 0 | 18 | 5 | 0 | 46 |
| | 326/1 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 325 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 319 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19.5 |
| | 319 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19.5 |
| | 319 | 0 | 08 | 5 | 0 | 21 |
| | 303/1 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02.5 |
| | | 1 | 29 | 0 | 3 | 18.5 |

[सं.ओ०-126/8/11/91-ओ ए न जीवे-4]

S.O. 102.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur to Peravali in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962

the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project, Rajmundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Gas Pipe Line for R.O.U. Main Line from Nasrapur to Perarvali

State : Andhra Pradesh, District : West Godavari, Mandal : Pudur.

| Village | S.No. | Hectares | Acres | Centiares | Acres | Cents |
|---------|-------|----------|-------|-----------|-------|-------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Vedangi | 297/1 | 0 | 02 | 5 | 0 | 05 |
| | —2 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | —5 | 0 | 07 | 0 | 0 | 16.5 |
| | 297-4 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-------|-------|---|----|----|---|------|
| | 297-3 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07.5 |
| | 297-4 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 299 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 299 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02.5 |
| | 299 | 0 | 08 | 08 | 0 | 21.5 |
| | 299 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 301-2 | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 302 | 0 | 01 | 5 | 0 | 03.5 |
| | 303.2 | 0 | 17 | 0 | 0 | 42.5 |
| | 320-2 | 0 | 18 | 5 | 0 | 46 |
| | 326-1 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 325 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 319 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19.5 |
| | 319 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19.5 |
| | 319 | 0 | 09 | 5 | 0 | 0.21 |
| | 303-1 | 1 | 0 | 01 | 0 | 02.5 |
| Total | | 1 | 29 | 0 | 3 | 18.5 |

[No. O-12016/11/91-ONG-D.4]

का.धा. 103.—जबकि कि केन्द्र सरकार यह अनुमति करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पैट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए एच.बी.जे. पाइप लाइन परियोजना के अंतर्गत नरसपुर से पेरुबलि तक तेल और सहज वायु आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुमति करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणों में निर्धारित भूमि पर प्रयोग का अधिकार ग्रहण करने आवश्यक है।

अतः पैट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोग का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोग का अधिकार ग्रहण करेगी की प्रथा की घोषणा करती है।

देशों कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सहित अधिकारी संबंध अधिकारी तेल और सहज वायु आयोग के जि. प्रोजेक्ट, भूतत्संस्करण कार्यालय, राजमंदिर, आंध्र प्रदेश में दर्ज कर सकता है।

धीरे ऐसी आपत्ति दर्ज करते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप में निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप में प्रत्यक्ष विनि-व्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

आर.ओ.यू.गैस. 1 पाइप लाइन नरसपुर से पेरुबलि

स्टेट: आंध्र प्रदेश

मंडल: गोड्डा

जिला: पश्चिम गोदावरी

| गांव. | एच.नं. | हेक्टेयर | एच | सेन्टिएस | एकड़ | सेफ्टम |
|-------|-------------------|----------|-----|----------|------|--------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| | 187/2ए | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 187/3 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 1 | 0 | 25 | 0 | 0 | 62 |
| | 188/6 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 183/भाग | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 188/6भाग | 0 | 08 | 5 | 0 | 21 |
| | 183/भाग | 0 | 00 | 5 | 0 | 01½ |
| | 183/भाग | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 184/2डी | 0 | 02 | 0 | 0 | 06½ |
| | 184/2भाग | 0 | 05 | 0 | 0 | 13 |
| | 184/1 ए 1 अपार्टे | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 2 बी पी सी | | | | | |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|-----|------------|-----|-----|-----|-----|------|
| | 180/भाग | 01 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 178/भाग | 0 | 04 | 5 | 0 | 11½ |
| | 178/भाग | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 178/भाग | 0 | 03 | 0 | 0 | 09½ |
| | 178 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 18/2/भाग | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 181/1भाग | 0 | 03 | 0 | 0 | 09½ |
| | 156/भाग | 0 | 09 | 5 | 0 | 23½ |
| | 2/भाग | | | | | |
| | 156/4भाग | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 2 भाग | | | | | |
| | 156/2भाग | 0 | 04 | 5 | 0 | 10 |
| | 157/5भाग | 0 | 06 | 0 | 0 | 14½ |
| | 157/4भाग | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 157/4भाग | 0 | 01 | 0 | 0 | 03½ |
| | 157/4 भाग | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 157/3भाग | 0 | 07 | 0 | 0 | 16½ |
| | 157/2भाग | 0 | 04 | 0 | 0 | 11½ |
| | 157/2 भाग | 0 | 03 | 0 | 0 | 07½ |
| | 157/1 भाग | 0 | 10 | 0 | 0 | 25½ |
| | 157/1भाग | 0 | 03 | 0 | 0 | 08½ |
| | 152/5ए भाग | 0 | 05 | 0 | 0 | 11 |
| | 152/1ए भाग | 0 | 00 | 0 | 0 | 00½ |
| | 151/भाग | 0 | 03 | 0 | 0 | 06½ |
| | 159/3भाग | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 159/3भाग | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 162/भाग | 0 | 33 | 0 | 0 | 81 |
| | 162/भाग | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 147/भाग | 0 | 22 | 5 | 0 | 35 |
| | 163/3 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03½ |
| | 163/4भाग | 0 | 23 | 0 | 0 | 57½ |
| | पीराम्बोके | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | | 2 | 89 | 0 | 7 | 1212 |

[सं. प्र. 12010/12/91-प्रो एन जी की-4]

S.O. 103.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur to Peravali in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962

the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project, Rajhmundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline for Narsapur to Peravali

State : Andhra Pradesh Distri- West Godavari Madndal Podur

| Village: | S.No. | Hectares | Area | Cetiares | Arcas | Cents. |
|-------------|--------------|----------|------|----------|-------|--------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Podur | 187/2 Pt. | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 187/3 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 1 | 0 | 25 | 0 | 0 | 62 |
| | 188/6 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 183/Pt. | 0 | 01 | 0 | 0 | 13 |
| | 188/5 Pt. | 0 | 08 | 5 | 0 | 21 |
| | 183/Pt. | 0 | 00 | 5 | 0 | 01½ |
| | 183/Pt. | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 184/2 Pt. | 0 | 02 | 0 | 0 | 06½ |
| | 184/1A Pt. | 0 | 05 | 0 | 0 | 13 |
| | 184/1 A Pt. | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 184/2BPt. | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 178/Pt. | 0 | 04 | 5 | 0 | 11½ |
| | 178/Pt. | 0 | 10 | 5 | 0 | 41 |
| | 178 Pt. | 0 | 03 | 0 | 0 | 09½ |
| | 178/Pt. | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 181/2 Pt. | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 181/1 Pt. | 0 | 03 | 0 | 0 | 09½ |
| | 156/4 Pt. | 0 | 09 | 5 | 0 | 23½ |
| | 2 Pt. | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 4 pt. | | | | | |
| | 156/2 Pt. | 0 | 04 | 5 | 0 | 10 |
| | | 1 | 41 | 0 | 3 | 45 |
| | 157/5 Pt. | 0 | 06 | 0 | 0 | 14½ |
| | 153/2 Pt. | 0 | 03 | 0 | 0 | 06 |
| | 157/86Pt. | 0 | 01 | 0 | 0 | 03½ |
| | 157/4 Pt. | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 157/3 Pt. | 0 | 07 | 0 | 0 | 16½ |
| | 157/2 Pt. | 0 | 04 | 0 | 0 | 11½ |
| | 157/2 Pt. | 0 | 03 | 0 | 0 | 07½ |
| | 157/1 Pt. | 0 | 10 | 0 | 0 | 20½ |
| | 157/1 Pt. | 0 | 03 | 0 | 0 | 08½ |
| | 152/57 Pt. | 0 | 05 | 0 | 0 | 11 |
| | 152/1A Pt. | 0 | 00 | 5 | 0 | 10½ |
| | 151/ Pt. | 0 | 03 | 0 | 0 | 06½ |
| | 159/3 Pt. | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 159/3 Pt. | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 162/Pt. | 0 | 33 | 0 | 0 | 81 |
| | 162/Pt. | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 147/Pt. | 0 | 22 | 5 | 0 | 35 |
| | 163/3 Pt. | 0 | 01 | 0 | 0 | 03½ |
| | 163/4 Pt. | 0 | 23 | 0 | 0 | 57½ |
| | Porembarc. | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | Page I Total | 0 | 48 | 0 | 3 | 64½ |
| | | 1 | 41 | 0 | 3 | 48 |
| Grand Total | | 2 | 89 | 0 | 7 | 12½ |

का. भा. 104:—जबकि कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस खाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अंतर्गत नरमपुर से पेरबलि तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी गति रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम अधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के ज. प्रोजेक्ट, भूमि-करण कार्यालय, राजमुंशी आंध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि-व्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

आर. ओ. यू. व्यास पाइप लाइन नरमपुर से पेरबलि तक

स्टेट : आंध्र प्रदेश

गांव : कबिट

मंडल : पोडुच

जिला : पश्चिम गोदावरी

| गांव | आर. एस. नं. | हैक्टास | एम् | सेन्टियर्स | एकर्स | सेन्टस |
|------|--------------------|---------|-----|------------|-------|--------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| कबिट | 487 | 0 | 03 | 2½ | 0 | 08½ |
| | 488/5 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 488/6 | 0 | 02 | 7½ | 0 | 06½ |
| | 488/4 | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 493/3 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 489/5 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 513/1 | 0 | 10 | 7½ | 0 | 26½ |
| | 513/2 | 0 | 13 | 2½ | 0 | 32½ |
| | 488/4 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 489/1 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 2 | 0 | 02 | 7½ | 0 | 06½ |
| | 3 | 0 | 05 | 2½ | 0 | 12½ |
| | 4 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 492/5 | 0 | 16 | 0 | 0 | 39 |
| | 514 | 0 | 24 | 5 | 0 | 61 |
| | 500/1 | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 502/2 | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 501/3 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 2 | 0 | 28 | 7½ | 0 | 21½ |
| | 501/1 | 0 | 00 | 7½ | 0 | 01½ |
| | 501/2 | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 502/3 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 503/1 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 504/भाग | 0 | 01 | 7½ | 0 | 04½ |
| | 403/3 ¹ | 0 | 19 | 5 | 0 | 48 |
| | 504/भाग | 0 | 03 | 2½ | 0 | 18½ |
| | 403/2 | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 103/1 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 403/3 | 0 | 19 | 5 | 0 | 48 |
| | 403/3 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 399 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 397 | 0 | 03 | 0 | 5 | 09 |
| | 392/1ए | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 398/भाग | 0 | 20 | 0 | 0 | 49 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|-----------|---|----|---|---|-----|
| | 398/भाग | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 392/1 | 0 | 03 | 0 | 0 | 09 |
| | 390/2 | 0 | 16 | 5 | 0 | 41 |
| | 390/3 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 391/भाग | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 391/भाग | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 389/1 भाग | 0 | 04 | 0 | 0 | 10½ |
| | | 3 | 45 | 5 | 8 | 59½ |

[मं. प्रो. 12016/13/91-प्रो एनजी सी 4]

S.O. 104.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur to Peravali in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to enquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962

the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas, Commission, Construction and Maintenance Division, K.G. Project, Rajhmundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline for Narsapur to Pervali.

| State Andhra Pradesh | | District West Godavari Mandal Podur | | | | |
|----------------------|--------|-------------------------------------|------|-----------|-------|-------|
| Village | S.No. | Hectare | Ares | Centiares | Acres | Cents |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Kavitam | 487 | 0 | 03 | 2½ | 0 | 08½ |
| | 488/5 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 488/6 | 0 | 02 | 7½ | 0 | 06½ |
| | 488/4 | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 493/3 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 489/5 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 513/1 | 0 | 10 | 7½ | 0 | 26½ |
| | 513/2 | 0 | 13 | 2½ | 0 | 32½ |
| | 488/4 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 489/1 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 2 | 0 | 02 | 7½ | 0 | 06½ |
| | 3 | 0 | 05 | 2½ | 0 | 12½ |
| | 4 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 492/5 | 0 | 16 | 0 | 0 | 39 |
| | 514 | 0 | 24 | 5 | 0 | 61 |
| | 500/1 | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 502/2 | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 5011/3 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 2 | 0 | 08 | 7½ | 0 | 21½ |
| | | | 5 | 2½ | 0 | 0 |
| | | | 38 | 2½ | 3 | 34½ |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|------------------|-----------------|---|----|----|---|-----|
| Kavitam (Contd.) | 501/1 | 0 | 00 | 7½ | 0 | 01½ |
| | 501/2 | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 502/3 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 503/1 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 504/Pt. | 0 | 01 | 7½ | 0 | 04½ |
| | 403/3 | 0 | 19 | 5 | 0 | 48 |
| | 504/Pt. | 0 | 03 | 2½ | 0 | 18½ |
| | 403/2 | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 403/1 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 403/3 | 0 | 19 | 5 | 0 | 48 |
| | 403/3 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 399 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 397 | 0 | 03 | 0 | 0 | 09 |
| | 392/1A | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 398/Pt. | 0 | 20 | 0 | 0 | 49 |
| | 398/Pt. | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 392/1 | 0 | 03 | 0 | 0 | 09 |
| | 390/1 | 0 | 16 | 5 | 0 | 41 |
| | 390/3 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 391/Pt. | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 391/Pt. | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 389/Pt. | 0 | 04 | 0 | 0 | 10½ |
| | | 0 | 25 | 5 | 0 | 63½ |
| | Abstract | | | | | |
| | Page 1 | 1 | 38 | 2½ | 3 | 34½ |
| | Page 2 | 1 | 81 | 1½ | 4 | 61½ |
| | Page 3 | 0 | 25 | 5 | 0 | 63½ |
| | | 3 | 45 | 5 | 8 | 59½ |

[No. O-12016/13/91-ONGD-4]

का. आ. 105.--जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत नरसपुर से पेरबलि तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मना की घोषणा करती है।

अर्थात् कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के. जे. प्रोजेक्ट, भूमिकरण कार्यालय, राजमंड्री, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विवेक रूप से निश्चित करना होगा कि यह व्यक्तिगत रूप से अपना विधि व्यवहारिक को माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करता चाहता है।

वेडपूल

आर. ओ. ए. ग्याम पाइप लाइन नरसपुर से पेरबलि तक

स्टेट आंध्र प्रदेश

मिलेज : जगन्नाथपुरम

मंडल : पौडुक्

जिला : पश्चिम गोदावरी

| गांव | आर. एम. नं. | हेक्टास | एर्स | सेन्टियर्स | एकर्स | सेष्टम |
|-------------|-------------|---------|------|------------|-------|--------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | 307 | 0 | 01 | 0 | 0 | 04 |
| जगन्नाथपुरम | 305/6,7 | 0 | 16 | 0 | 0 | 40 |
| | 305/3 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|--------------|---|----|---|----|----|
| | 305/1 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 308/1 | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 257/5 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 257/7 | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 257/7 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 288/8 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 288/6 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 286/4 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 285/1 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 285/2 | 0 | 23 | 0 | 0 | 57 |
| | 285/3 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 281/1 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 281/1 | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 283/2 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 283/2 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 283/2 | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 283/1 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 224 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 224/ | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 224/ | 0 | 10 | 0 | 0 | 26 |
| | 225 | 0 | 16 | 0 | 0 | 40 |
| | 267/1 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 266/1, 2 | 0 | 22 | 5 | 0 | 56 |
| | 265/3 | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 262/3, 4 | 0 | 16 | 0 | 0 | 39 |
| | 261/1, 3, 4 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 261/1, 2 | 0 | 10 | 5 | 0 | 25 |
| | 257/2 | 0 | 11 | 5 | 0 | 29 |
| | 257/2 | 0 | 11 | 5 | 0 | 29 |
| | 257/37 | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 3012 | | | | | |
| | 257/3012 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 258/33, 4, 5 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 258/1 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 255/4 | 0 | 20 | 5 | 0 | 51 |
| | 255/5 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 254/2, 3 | 0 | 21 | 5 | 0 | 53 |
| | 229/2, 4 | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 248 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 231 | 0 | 28 | 5 | 0 | 70 |
| | 230/3 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 232/1 | 0 | 27 | 0 | 0 | 67 |
| | 234/2 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 244 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 239/2 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 239/3 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 237/4 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 237/2 | 0 | 17 | 5 | 0 | 43 |
| | 238 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | | 4 | 37 | 5 | 10 | 82 |

S.O. 105.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur to Peravali in A.P. State Pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land, Act,

1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project, Rajahmundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Gas pipeline for R.O.U. Main Line from Narsapur to Peravali

State : Andhra Pradesh District : West Godavari Mandal : Pudur

| Village | Survey No. | Hectare | Area | Centiare | Acres | Cents. |
|------------------|------------|---------|------|----------|-------|--------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Jagannadha Pudem | 307 | 0 | 01 | 5 | 0 | 0.04 |
| | 305-6, 7 | 0 | 16 | 0 | 0 | 0.40 |
| | 305-3 | 0 | 01 | 0 | 0 | 0.02 |
| | 305-1 | 0 | 01 | 0 | 0 | 0.03 |
| | 308-1 | 0 | 13 | 0 | 0 | 0.32 |
| | 287-5 | 0 | 03 | 0 | 0 | 0.08 |
| | 287-7 | 0 | 09 | 0 | 0 | 0.22 |
| | —7 | 0 | 07 | 0 | 0 | 0.17 |
| | 288-8 | 0 | 07 | 0 | 0 | 0.17 |
| | —6 | 0 | 03 | 0 | 0 | 0.07 |
| | 286-4 | 0 | 03 | 0 | 0 | 0.07 |
| | 285-1 | 0 | 02 | 5 | 0 | 0.06 |
| | —2 | 0 | 23 | 0 | 0 | 0.57 |
| | —3 | 0 | 01 | 5 | 0 | 0.04 |
| | 281-1 | 0 | 02 | 0 | 0 | 0.05 |
| | —1 | 0 | 13 | 0 | 0 | 0.32 |
| | 283-2 | 0 | 05 | 5 | 0 | 0.13 |
| | —2 | 0 | 05 | 5 | 0 | 0.13 |
| | —2 | 0 | 11 | 5 | 0 | 0.28 |
| | 283-1 | 0 | 01 | 5 | 0 | 0.04 |
| | 224 | 0 | 10 | 5 | 0 | 0.26 |
| | 224 | 0 | 03 | 5 | 0 | 0.09 |
| | 224 | 0 | 10 | 0 | 0 | 0.25 |
| | 225 | 0 | 16 | 0 | 0 | 0.40 |
| | 267-1 | 0 | 00 | 5 | 0 | 0.01 |
| | 266-1, 2 | 0 | 22 | 5 | 0 | 0.56 |
| | 265-3 | 0 | 13 | 5 | 0 | 0.33 |
| | 262-3,4 | 0 | 16 | 0 | 0 | 0.39 |
| | 261-1,3,4 | 0 | 07 | 5 | 0 | 0.18 |
| | 261-1,2 | 0 | 10 | 5 | 0 | 0.25 |
| | 257-2 | 0 | 11 | 5 | 0 | 0.29 |
| | 257-2 | 0 | 11 | 5 | 0 | 0.29 |
| | 257-3A | 0 | 09 | 5 | 0 | 0.24 |
| | 3B2 | | | | | |
| | —3B2 | 0 | 07 | 0 | 0 | 0.17 |
| | 258-3,4,5 | 0 | 09 | 5 | 0 | 0.23 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-----------------|---------|---|------|---|---|-------|
| Jagannadha Pura | | | | | | |
| | 258-1 | 0 | 00 | 5 | 0 | 0.01 |
| | 255-4 | 0 | 20 | 5 | 0 | 0.51 |
| | 255-5 | 0 | 01 | 5 | 0 | 0.04 |
| | 254-2,3 | 0 | 21 | 5 | 0 | 0.53 |
| | 229-2,4 | 0 | 13 | 0 | 0 | 0.32 |
| | 248 | 0 | 08 | 0 | 0 | 0.20 |
| | 231 | 0 | 20 | 5 | 0 | 0.70 |
| | 230-3 | 0 | 05 | 5 | 0 | 0.14 |
| | 232-1 | 0 | 27 | 0 | 0 | 0.67 |
| | 234-2 | 0 | 04 | 0 | 0 | 0.10 |
| | 244- | 0 | 03 | 0 | 0 | 0.08 |
| | 239-2 | 0 | 00 | 5 | 0 | 0.01 |
| | —3 | 0 | 01 | 0 | 0 | 0.02 |
| | 237-4 | 0 | 00 | 5 | 0 | 0.01 |
| | 237-2 | 0 | 17 | 5 | 0 | 0.43 |
| | 238 | 0 | 03 | 5 | 0 | 0.09 |
| | | | 4.37 | 5 | | 10.82 |

[No. O-12016/14/91-ONGD-4]

का. आ. 106:—जबकि कंभ सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाईप लाईन परियोजना के अन्तर्गत नरसपुर से पेखलि तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाता है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाईप लाईन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खंड 3 के उपखंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की संज्ञा की घोषणा करती है।

वर्तत कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाईप लाईन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति मक्षम प्राधिकारी, तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के. जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा, कार्यालय, राजमंडि, आंध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा बिधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

आर. ओ. य. गैस पाईप लाईन नरसपुर से पेखलि तक

स्टेट—आंध्र प्रदेश

विलेज : माटेंक

मंडल : पनुमंड

जिला : पश्चिम गोदावरी

| गांव | आर. एस. नं. | हेक्टार्स | एर्स | सेन्टिएर्स | एकर्स | सेन्टस |
|--------|-------------|-----------|------|------------|-------|--------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| माटेंक | 71-1 | 0 | 10 | 5 | 0 | 265 |
| | 70-4 | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 65 | 0 | 27 | 0 | 0 | 67 |
| | 68/6 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 64-5 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 71/1 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 64/3 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|-------------|---|----|---|---|------|
| | 82/6 | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 82/3 | 0 | 10 | 5 | 0 | 25.5 |
| | 82/2 | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 83/1 | 0 | 10 | 5 | 0 | 25 |
| | 82/2 | 0 | 02 | 0 | 0 | 03 |
| | 86/10 86/11 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 86/12 | 0 | 17 | 0 | 0 | 42 |
| | 86/15 | | | | | |
| | 86/14 | | | | | |
| | 64/5 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 64/3 | | | | | |
| | 89/5 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 89/2 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18.5 |
| | 89/3 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 89/1 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 91/8 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 91/4 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 91/5, 6 | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 92/2 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 92/3 | 0 | 14 | 0 | 0 | 31 |
| | 95/1 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 91/7 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 72 | 0 | 04 | 5 | 0 | 10.5 |
| | 85 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 102 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 88 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 91/1, 2 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | योग | 2 | 20 | 5 | 5 | 44.5 |

[सं. प्रो - 12016/15/91 - प्रो एन जी टी - 4]

S.O. 106.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur to Peravali in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962

the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K. G. Project, Rajahmundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Gas Pipe Line for R. O. U. Main Line from Narsapur to Peravali

State : Andhra Pradesh,

District, West Godavari,

Mandal Penuman

| Village | S.No. | Hectares | Area | Centiares | Acres | Cent. |
|---------|-------|----------|------|-----------|-------|-------|
| Martair | 71-1 | 0 | 10 | 5 | 0 | 20.5 |
| | 70-4 | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 65 | 0 | 27 | 0 | 0 | 67 |
| | 68-6 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 64-5 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 71-1 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---------|---|---|----|---|---|------|
| 64-3 | | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| 82-6 | | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| 82-3 | | 0 | 10 | 5 | 0 | 2.53 |
| 82-2 | | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| 83-1 | | 0 | 10 | 5 | 0 | 25 |
| 83-2 | | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| 86-10} | | 0 | 01 | 5 | 0 | 0.4 |
| 86-11 } | | | | | | |
| 86-12 } | | | | | | |
| 86-15 } | | 0 | 17 | 0 | 0 | 42 |
| 86-14 } | | | | | | |
| 64-5 } | | 0 | 01 | 0 | 0 | 92 |
| 64-3 } | | | | | | |
| 89-5 | | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| 89-2 | | 0 | 07 | 5 | 0 | 18.5 |
| 89-3 | | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| 89-4 | | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| 91-8 | | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| 91-4 | | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| 91-5,6 | | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| 92-2 | | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| 92-3 | | 0 | 14 | 0 | 0 | 34 |
| 95-1 | | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| 94-7 | | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| 72 | | 0 | 04 | 5 | 0 | 10.5 |
| 85 | | 0 | 50 | 0 | 0 | 12 |
| 102 | | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| 88 | | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| 94-1,2 | | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| Total | | 2 | 20 | 5 | 5 | 44.5 |

[No. O-12016/15/91 -ONGD-4]

का. प्रा. 107:—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि गारंजितिक जित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस वाले के लिए पार्थिव लाईन परिवोजना के अन्तर्गत नरमपुर में पेशाव तक तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग द्वारा बिछाया जाता है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार प्रवृत्त करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पार्थिव लाईन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खंड 3 के उपखंड (1) द्वारा प्रस्तुत शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की संज्ञा की घोषणा करती है।

बतर्त कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के, जि प्रोजेक्ट, भूमेकरणा, कार्यालय, राजबंदि, अग्नि प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज करने समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

भार. प्रो. यू. गैस पाइप लाइन नरसपुर से परवलि तक

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

गाँव : नेगिपुडि

मंडल : पनुमन्त

जिला : पश्चिम गोंडाल

| गाँव | एस. नं. | हेक्टार्स | एंगे | सेन्टिएर्स | एकड़ | सेन्ट्स |
|----------|-----------------------|-----------|------|------------|------|---------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| नेगिपुडि | 95/2 | 0 | 04 | 0 | 0 | 09.5 |
| | 96/4 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 145/2बी | 0 | 14 | 5 | 0 | 35.5 |
| | 145/3डी | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 145/3पी | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 144/1बी | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 144/4बी | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 144/5बी | 0 | 17 | 5 | 0 | 42.5 |
| | 142/2 | 0 | 07 | 5 | 0 | 09 |
| | 123/1बी | 0 | 04 | 0 | 0 | 09.5 |
| | 123/4डी | 0 | 04 | 0 | 0 | 19.5 |
| | 123/4सी | 0 | 05 | 5 | 0 | 13.5 |
| | 122/6बी | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 122/20, 30, 40 | 0 | 18 | 0 | 0 | 44 |
| | 120/1बी | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 120/1बी | 0 | 18 | 0 | 0 | 44 |
| | 119-3/37, 7ए, 6ए, 5बी | 0 | 04 | 0 | 0 | 35.5 |
| | | 1 | 52 | 0 | 3 | 77.5 |

[सं. प्रो - 12016/16/91 - प्रो एन जी डी - 4]

S.O. 107.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur to Peravali in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project, Rajahmundry (533103).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Gas Pipe Line R.O.U. Main from Narsapur to Peravali

State : Andhra Pradesh

District : West Godavari.

Mandal : Penumante

| Village | S.No. | Hectare | Area | Centiare | Acres | Cents |
|-----------|--------|---------|------|----------|-------|-------|
| Neegipudi | 95-2 | 0 | 04 | 0 | 0 | 09.5 |
| | 96-4 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 145-2B | 0 | 14 | 5 | 0 | 35.5 |
| | 145-3B | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 145-3C | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|-----------|---|----|---|---|------|
| | 144-1B | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 144-4B | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 144-5B | 0 | 17 | 5 | 0 | 42.5 |
| | 142-2 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 123-1B | 0 | 04 | 0 | 0 | 09.5 |
| | 123-4B | 0 | 04 | 0 | 0 | 19.5 |
| | 123-4C | 0 | 05 | 5 | 0 | 13.5 |
| | 122-6B | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 122-2A } | 0 | 18 | 0 | 0 | 44 |
| | 122-3-A } | 0 | | | | |
| | 122-4A } | | | | | |
| | 120-1B | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 120-1B | 0 | 18 | 0 | 0 | 44 |
| | 119-3A | 0 | 04 | 0 | 0 | 39.5 |
| | 119-7A | 1 | 52 | 0 | 3 | 77.5 |
| | 119-1A | | | | | |
| | 119-5B | | | | | |

[No O-12016/16/91-ONGD.4]

का. भा. 108:—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाईप लाईन परियोजना के अन्तर्गत नरसपुर से देरबलि तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है ;

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है ;

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाईप लाईन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1982 (1982 का 50) के खंड 3 के उपखंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की संज्ञा की घोषणा करती है ;

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी हवि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाईप लाईन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के जि. प्रोजेक्ट, भूस्तरण कार्यालय, राजसंदि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है ,

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है ।

धनुसूची

आर. बी. यू. गैस पाईप लाईन नरसपुर से देरबलि तक

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश

डिविज : पेट्रोलियम
संख्य : पेट्रोलियम
जिला : पश्चिम गोकुलरी

| गांव | एस नं. | हेक्टर | एर्स | सेक्युफर्स | एकर्स | सेट्स |
|------------|---------|--------|------|------------|-------|-------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| पेट्रोलियम | 341/2 | 0 | 03 | 5 | 0 | 00 |
| | 343/2 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 347/3बी | 0 | 10 | 5 | 0 | 28 |
| | 347/4बी | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 347/5बी | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 351/5बी | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 351/6बी | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-----|-------------|---|----|---|----|----|
| | 351/7बी | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 351/8बी | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 351/9बी | 0 | 02 | 0 | 0 | 08 |
| | 352पीटी | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 348पीटी | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 350/7ए2 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 354/1बी | 0 | 14 | 5 | 0 | 36 |
| | 354 2/बी | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 354/3बी | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 355/पीटी | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 372/1बी | 0 | 14 | 5 | 0 | 36 |
| | 371/1पीटी | 0 | 26 | 5 | 0 | 65 |
| | 370/2पीटी | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 370/3 | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 369/3ए | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 369/3ब | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 368 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 242/2बी | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 241/1बी | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 |
| | 241/2बी | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 240/1बी | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 240/2बी | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 |
| | 240/3ए | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 240/6बी | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 240/5बी | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 249/4बी | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 249/7ए | 0 | 18 | 5 | 0 | 46 |
| | 250/3बी | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 250/2ए 2 | 0 | 12 | 5 | 0 | 33 |
| | 250/2बी2 | 0 | 07 | 5 | 0 | 1 |
| | 238/1बी1बी | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 238/1बी2बी | 0 | 06 | 0 | 0 | 13 |
| | 238/1बी 2ए2 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 221/1बी2 | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 221/1सी1 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 220/1बी2 | 0 | 22 | 5 | 0 | 55 |
| | 220/2ए1 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 216/2 | 0 | 33 | 0 | 0 | 82 |
| | 219/3ए | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 217/5बी | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 216/6बी | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 203/1बी | 0 | 16 | 0 | 0 | 39 |
| | 203/2ए2 | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 203/2बी2 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 204/3बी | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 199/1बी | 0 | 14 | 0 | 0 | 34 |
| | 197/1बी | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 196/2 | 0 | 24 | 5 | 0 | 61 |
| योग | | 4 | 98 | 5 | 12 | 43 |

S.O. 108.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur to Peravali in A.P. State Pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962

the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project, Rajumundry (533103);

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Gas Pipe Line for R.O.U. Main from No. Poravali

State : Andhra Pradesh,

Distt. : West Godavari

Mandal : Penumantle

| Village | S. No. | Hectare | Area | Centiery | Are. | Centiars |
|---------|----------|---------|------|----------|------|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | 341/2 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 343/2 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 347/3B | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 1347/4B | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 347/5B | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 351/5B | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 351/6B | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 351/7B | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 351/8B | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 351/9B | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 352/Pt. | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 346 Pt. | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 350/7A | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 354/1B | 0 | 14 | 5 | 0 | 36 |
| | 354/2B | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 354/3B | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 355/Pt. | 0 | 03 | 0 | 0 | 00 |
| | 372/1B | 0 | 14 | 5 | 0 | 36 |
| | 371/1Pt. | 0 | 26 | 5 | 0 | 65 |
| | 370/2Pt. | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 370/3 | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 369/3A | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 369/3B | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 368 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 242/2B | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 241/1B | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 |
| | 241/2B | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 240/1B | 0 | 13 | 0 | | 32 |
| | 240/2B | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 |
| | 240/3A | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 249/6B | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 249/5B | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 249/4B | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 249/7A | 0 | 18 | 5 | 0 | 46 |
| | 250/3B | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-------|-----------------------|---|----|---|----|----|
| | 250/2A ₂ | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 |
| | 250/2B ₂ | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 238/1B1B | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 238/1B2B | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 238/1B2A ₂ | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 221/1B ₂ | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 221/1C ₁ | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 220/1B ₂ | 0 | 22 | 5 | 0 | 55 |
| | 220/2A ₁ | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 218/2 | 0 | 33 | 0 | 0 | 82 |
| | 219/3A | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 217/5B | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 217/6B | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 203/1B | 0 | 16 | 0 | 0 | 39 |
| | 203/2A | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 203/2B ₁ | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 204/3B | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 199/1B | 0 | 14 | 0 | 0 | 34 |
| | 197/1B | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 196/2 | 0 | 24 | 5 | 0 | 61 |
| Total | | 4 | 98 | 5 | 12 | 34 |

[No. O-12016/17/91-ONGD-4]

का. भा. 109:—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाईप लाईन परियोजना के अन्तर्गत मरसपुर से पेरवल तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाता है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः, पेट्रोलियम एवं खनिज पाईप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खंड 3 के उपखंड (1) द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की संज्ञा की घोषणा करती है।

अर्थात् कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइपलाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सहित प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के. जि. प्रोजेक्ट, भूनेहरगा, कार्यालय राजमंत्रि, अन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज करते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप में निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

भार. ओ. यू. पाईप लाईन नरसपुर से पेरवल

स्टेट। ग्राम्भ प्रदेश

विलेज : थेरुकुबाड़ा

मंडल : पेनुगोन्डा

जिला : पश्चिम गोदावरी

| गांव | भार. एस. नं. | हेक्टास | एस | सेक्टरस | एस | सेक्टर |
|-------------|--------------|---------|----|---------|----|--------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| थेरुकुबाड़ा | 160 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 161/1 | 0 | 11 | 5 | 0 | 29 |
| | 162/2 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 162/3 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|---------|---|----|---|---|----|
| | 162/6 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 168/2 | 0 | 02 | 0 | 0 | 0 |
| | 168/3बी | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 168/4ए | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 168/4बी | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 171/4बी | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 171/6 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 171/7 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 172/5 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 172/5 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 172/5 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 173/6बी | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 173/7 | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 173/8 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 250/3 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 250/4 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 250/5 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 250/2 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 259/3बी | 0 | 27 | 0 | 0 | 67 |
| | 259/3ए | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 259/4बी | 0 | 07 | 0 | 0 | 18 |
| | 259/4सी | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 259/1 | 0 | 15 | 0 | 0 | 37 |
| | 253/2 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 252/3 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 253/4 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 253/6 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 251/2ए | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 251/2बी | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 252/1 | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 252/2 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 252/3 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 252/7 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 200/1 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 200/2 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 200/3ए | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 200/3बी | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 200/3सी | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 200/4ए | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 200/4बी | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 200/4डी | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 199/1बी | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 199/2ए | 0 | 16 | 0 | 0 | 40 |
| | 199/2बी | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 198/4सी | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 209/2 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 208/1 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-----|---------|---|----|---|---|----|
| | 208/2 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 211/2बी | 0 | 20 | 0 | 0 | 49 |
| | 212/3बी | 0 | 15 | 5 | 0 | 38 |
| | 213/2 | 0 | 19 | 5 | 0 | 48 |
| | 216 | 0 | 19 | 0 | 0 | 47 |
| | 216/1 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 216/2 | 0 | 03 | 0 | 0 | 12 |
| | 216/3 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 216/4 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 216/5 | 0 | 17 | 0 | 0 | 42 |
| | 216/6 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 216/7 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| योग | | 4 | 04 | 5 | 9 | 96 |

[सं. प्रौ - 12016/8/91 - प्रौ. एन जी ई-4]

S.O. 109.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur to Peravali in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals

pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project, Rajahmundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Gas Pipe Line for R.O.U. Main Line from Warsapur to Peraveli
State : Andhra Pradesh District: West Godavari Mandal : Perumante

| Village | S.No. | Hectare | Ares | Centiares | Acres | Cents. |
|-------------|--------|---------|------|-----------|-------|--------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Cherukuveda | 160 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 161/1 | 0 | 11 | 5 | 0 | 29 |
| | 162/2 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 162/3 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 162/6 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 168/2 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 168/3B | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 168/4A | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 168/4B | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 171/4B | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 171/6 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 171/7 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 172/5 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 172/5 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 172/5 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-------|--------|---|----|---|---|----|
| | 173/6B | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 173/7 | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 173/8 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 260/3 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 260/4 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 260/5 | 0 | 10 | 0 | 0 | 02 |
| | 260/2 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 259/3B | 0 | 27 | 0 | 0 | 67 |
| | 259/3A | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 259/4B | 0 | 07 | 0 | 0 | 18 |
| | 259/4C | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 253/1 | 0 | 15 | 0 | 0 | 37 |
| | 253/2 | 0 | 07 | 5 | 0 | 81 |
| | 253/3 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 253/4 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 253/6 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 251/2A | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 251/2B | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 252/1 | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 252/2 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 252/3 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 252/7 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 200/1 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 200/2 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 200/3A | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 200/3B | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 200/3C | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 200/4A | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 200/4B | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 200/4D | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 199/1B | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 199/2A | 0 | 16 | 0 | 0 | 40 |
| | 199/2B | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 198/4C | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 209/2 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 208/1 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 208/2 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 211/2B | 0 | 20 | 0 | 0 | 49 |
| | 212/3B | 0 | 15 | 5 | 0 | 38 |
| | 213/2 | 0 | 19 | 5 | 0 | 48 |
| | 216 | 0 | 19 | 0 | 0 | 47 |
| | 216/A | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 216/2 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 216/3 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 216/4 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 216/5 | 0 | 17 | 0 | 0 | 42 |
| | 216/6 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 216/7 | 0 | 01 | 0 | 0 | 92 |
| Total | | 4 | 04 | 5 | 9 | 96 |

का आ 110 --अबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि मार्गजनिक हिस में यह आवश्यक है कि पैट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस लाई के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत नरमपुर से पेरवल तक लेन और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाता है

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर पर्योजना का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है

अतः पैट्रोलियम एवं खनिज पाईप लाइन भूमि पर पर्योजना का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर पर्योजना का अधिकार ग्रहण करने की अर्शा की घोषणा करती है

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी खलि रखने वाला कोई भी व्यक्ति, अधिभूजना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमि रा. पा.प लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी लेन और प्राकृतिक गैस आयोग के, जि. प्रोजेक्ट भर्सेकरण, कागदिय राजमहि आंध्रप्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसा आपत्ति दर्ज कराने समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप में निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायिक के माध्यम से अपनी सन् प्रस्तुत करना चाहता है।

पेड्युल

आर.ओ.यू. गैस पाइप लाइन नरमपुर से पेरवल तक

राज्य आंध्र प्रदेश

ग्राम : पेकेस

मण्डल : हरगवर

जिला : पश्चिम गोदावरी

| गांव | प्ल. न. | इक्वेयम | फर्म | सेन्टियर्स | एकड़ | सेण्ट्स |
|------|---------|---------|------|------------|------|---------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | 20/7ए | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 |
| | 20/7बी | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 20/6 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 50/5बी | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 20/4बी | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 185/1 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 185/5 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 185/6 | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 22/2 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 184/1ए | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 184/1बी | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 184/2 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 182/1 | 0 | 05 | 0 | 0 | 1 |
| | 183/3 | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 183/4 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 179/1 | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 182 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 167/8 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 167/9 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 167/10 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 166/7 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 168/1 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 168/6 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 168/5 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 168/2 | 0 | 03 | 0 | | 05 |
| | | | | | 0 | 02 |
| | 168/4 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 168/7 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 170 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 152/1 | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 152/2 | 0 | 17 | 0 | 0 | 42 |
| | 159 | 0 | 20 | 0 | 0 | 50 |
| | 153 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 151/2 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|---------|---|----|---|----|----|
| | 150/1 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 150/2 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 150/2 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 150/3 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 150/4 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 149/4 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 149/4 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 148/4ए | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 148/4बी | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 148/4बी | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 148/3 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 148/8 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 148/9 | 0 | 03 | 5 | 0 | 05 |
| | 147/1ए | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 147/1ए | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 147/1ए | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 147/2 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 210 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 211 | 0 | 12 | 0 | 0 | 39 |
| | 219 | 0 | 46 | 5 | 1 | 15 |
| | 218 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 215 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 217/2 | 0 | 18 | 0 | 0 | 44 |
| | 240/4 | 0 | 14 | 5 | 0 | 36 |
| | 240/5 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 240/6 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 240/7 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 245/1 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 245/2 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 245/3ए | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 242 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 239/4बी | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 239/4बी | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 256 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 257/5 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 276/1 | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 276/3ए | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 276/5बी | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 276/5सी | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 276/5डी | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 276/3 | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 276/7 | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 276/8ए | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 276/8बी | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | जोड़ | 4 | 98 | 0 | 12 | 27 |

[स. ओ-12016/19/91-ओ एन जी टी-4]

S.O. 110,—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur to Peravali in A.P. State pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962

the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe line for Narasapur to Peravali

State : Andhra Pradesh Distt. West Godavari -Mandal : Irgvaram

| Village | S.No. | Hect | Ares | Centiares | Acres | Cents |
|---------|--------|------|------|-----------|-------|--------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | 20/7 A | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 |
| | 20/7 B | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 20/6 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 20/5B | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 20/4B | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 185/1 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 185/5 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 185/6 | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 22/2 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 184/1A | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 184/1B | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 184/3 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 183/1 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 183/3 | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 183/4 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 179/1 | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 182 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 167/8 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 167/9 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 167/10 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 166/7 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 168/1 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 168/6 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 168/5 | 0 | 05 | 0 | 0 | |
| | 168/3 | 0 | 03 | | 0 | 05 } 02 } |
| | 168/4 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 168/7 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 170 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 152/1 | 0 | 14 | 0 | 0 | 00 |
| | 152/2 | 0 | 17 | 0 | 0 | 42 |
| | 153 | 0 | 20 | 0 | 0 | 50 |
| | 153 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 151/2 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 150/1 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 150/2 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 150/2 | 0 | 07 | 5 | 0 | 10 |
| | 150/3 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 150/4 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 149/4 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 149/4 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 148/4A | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 148/4B | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 148/4B | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 148/3 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-------|--------|---|----|---|----|----|
| | 148/8 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 148/9 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 147/1A | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 147/1A | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 147/1A | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 147/2 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 210 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 211 | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 219 | 0 | 46 | 5 | 0 | 15 |
| | 218 | 0 | 03 | 0 | 0 | 01 |
| | 215 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 217/2 | 0 | 18 | 0 | 0 | 44 |
| | 240/4 | 0 | 14 | 5 | 0 | 36 |
| | 240/5 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 240/6 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 240/7 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 245/1 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 245/2 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 245/3A | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 243 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 239/4C | 0 | 04 | 5 | 0 | 13 |
| | 239/4D | 0 | 03 | 0 | 0 | 06 |
| | 256 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 257/5 | 0 | 01 | 0 | 0 | 10 |
| | 276/1 | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 276/5A | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 276/5B | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 276/5C | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 276/5D | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 276/3 | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 276/7 | 0 | 01 | 0 | 0 | 22 |
| | 276/8A | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 276/8B | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| Total | | 4 | 98 | 0 | 12 | 27 |

[No. O 12016/19/91-ONG.D-4]

का आ. 111.—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस ताले के लिए पाइप लाइन परियोजना के अस्तित्व नरसपुर से परबलि तक सेव और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोजना का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोजना का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोजना का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

बतर्क कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर प्रतिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति मक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के. जि. प्रोजेक्ट, भूमेकरणा कार्यालय, राजमंदि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और एसा आपत्ति दर्श कराने समय किसी भी व्यक्ति को यहाँ निर्णय रूप में निर्दिष्ट होगा कि यह अस्तित्व रूप में अथवा विशिष्टवर्गायक के माध्यम से अपना मत प्रकट करना चाहता है।

अनुसूची

आर.ओ.यू. रीट वाह्य लाइन नरसपुर से पेरवलि तक

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

जिला : पश्चिम गोदावरी

मंडल : हरगवग्गम

ग्राम : एलेटिपाडु

| गाँव | एरा नं. | हेक्टेयर | एयर्स | सेंटियर्स | एकर्स | सेन्ट्स रें |
|------|---------|----------|-------|-----------|-------|-------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | 53 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 54/1 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 54/2 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 65 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 64/1 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 64/3 | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 61/1 | 0 | 08 | 5 | 0 | 14 |
| | 64/3 | 0 | 08 | 5 | 0 | 09 |
| | 63/4 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 63/5 | 0 | 08 | 5 | 0 | 21 |
| | 62/1 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 62/2 | 0 | 17 | 0 | | 42 |
| | 58/7 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 61/4 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 61/5 | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 57/6 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 52/1 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 59/2 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 59/6 | 0 | 14 | 5 | 0 | 36 |
| जोड़ | | 1 | 36 | 5 | 3 | 37 |

[म.ओ. 120/6/20/91-ओ.एन.ओ.डी.-4]

S.O. 111.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur to Peravali in A.P. State a pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals

pipeline (Acquisition of Right of User in the land Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line for Narsapur to Peravali.

State: Andhra Pradesh

District: West Godavari

| Village | S.No. | Hectare | Areas | Cntiares | Acres | Cents. |
|------------|-------|---------|-------|----------|-------|--------|
| Yeletipadu | 53 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 54/1 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 54/2 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 65 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 64/1 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 64/3 | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-------|-------|---|----|---|---|----|
| | 64/3 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 64/3 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 63/4 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 63/5 | 0 | 08 | 5 | 0 | 21 |
| | 62/1 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 62/2 | 0 | 17 | 0 | 0 | 42 |
| | 158/7 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 61/4 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 61/5 | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 58/6 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 59/1 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 59/2 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 59/6 | 0 | 14 | 5 | 0 | 36 |
| Total | | 1 | 36 | 5 | 3 | 37 |

[F.No.O-12016/20/91-ONG.D-4]

का. घा. 112 -- जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत नरसपुर से पेरियल तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि इस कार्य के लिए हमें गण गंलूम विक्रणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोजना का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइपलाइन भूमि पर प्रयोजना का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोजना का अधिकार ग्रहण करने की मना की घोषणा करती है।

मैगार्त कि उक्त भूमि में अपनी गवि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति गणम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के. जि. प्रोजेक्ट, भूमेकरणा, कार्यालय, राजमहि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी वर्णन को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा बिधिव्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

आर. जी. यु. गैस पाइप लाइन नरसपुर से पेरियल तक

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

ग्राम : रापाक

मंडल : हरगवर

जिला : पश्चिम गोदावरी

| गांव | एस. नं. | ट्रैक्टर | एस | सेन्टिगैस | एकड़ | सेक्रेट |
|-------|--------------|----------|----|-----------|------|---------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| रापाक | 227/2बी | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 227/3 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 226 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 224/1 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 224/2 बीपीटी | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 224/2 बीपीटी | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 224/सी | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 224/4 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 223/1 | 0 | 30 | 5 | 0 | 75 |
| | 223/7 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 185 | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|---------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| 185/3 | | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| 185/4 | | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| 174/1 | | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| 174/2 | | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| 174/3 | | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| 174/5 | | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| 173/1 | | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| 170/1 | | 0 | 21 | 5 | 0 | 53 |
| 170/2 | | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| 165 | | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| 161/1 | | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| 161/2 | | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| 161/3बी | | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| 161/4 | | 0 | 08 | 5 | 0 | 21 |
| 160/2बी | | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| 160/3 | | 0 | 30 | 0 | 0 | 74 |
| 159/1 | | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| 159/3 | | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| 128/1 | | 0 | 30 | 0 | 0 | 74 |
| 128/7 | | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| 133/1 | | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| 133/2 | | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| 133/4 | | 0 | 14 | 5 | 0 | 36 |
| 127/1 | | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| 123/3 | | 0 | 24 | 0 | 0 | 59 |
| 122 | | 0 | 58 | 0 | 1 | 45 |
| 120/6 | | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| 120/7 | | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| 119 | | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| 171 | | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| जोड़ | | 3 | 90 | 0 | 9 | 60 |

[सं. ओ. 12016/21/91—प्रो. एन. जी. डी. 4]

S.O. 112.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur to Peravali in A.P. State a pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule to annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals

pipeline (Acquisition of Right of User in the land Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Sd/

| S.No. | Hectares | Aeres | Centiares | Aeres. | Centiares. | |
|-------|----------|-------|-----------|--------|------------|----|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | 227/2B | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 227/3 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 226 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-------|------------|---|----|---|---|----|
| | 224/1 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 254/26Pt. | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 224/2B Pt. | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 224/2C | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 224/4 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 223/1 | 0 | 30 | 5 | 0 | 75 |
| | 222/7 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 185/2 | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 |
| | 185/3 | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 185/4 | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 174/1 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 174/2 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 174/3 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 174/5 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 173/1 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 170/1 | 0 | 21 | 5 | 0 | 53 |
| | 170/2 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 165 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 161/1 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 161/2 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 161/3B | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 161/4 | 0 | 08 | 5 | 0 | 21 |
| | 160/2B | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 160/3 | 0 | 30 | 0 | 0 | 74 |
| | 159/1 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 159/3 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 128/1 | 0 | 30 | 0 | 0 | 74 |
| | 128/7 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 133/1 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 133/2 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 133/4 | 0 | 14 | 5 | 0 | 36 |
| | 127/1 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 123/3 | 0 | 24 | 0 | 0 | 59 |
| | 122 | 0 | 58 | 0 | 1 | 43 |
| | 120/6 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 120/7 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 119 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 171 | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| Total | | 3 | 90 | 0 | 9 | 60 |

[No. 12016/21/91-ONG. D-4]

का. घा. 113.—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत तुरन्तपूर में परवर्धित तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विधायित्व जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्र सरकार एवं/द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की संज्ञा की घोषणा करती है।

बनते कि उस भूमि में अपनी रजि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर भूमिगत पाइप लाइन विधायित्व के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी समक्ष प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के, जि. प्रोजेक्ट, मुसकरणा कार्यालय, राजमद्रि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और एसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह धिरोप रद्द से निश्चित करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अवध, विनिव्यवसायक के माध्यम से अपनी मत प्रस्तुत करता चाहता है।

[सं. 12016/22/91-ओ. एन. ज. -डी-4]

अनुसूची

आर. सी. सु. ग्यास पाइप लाइन नरसूर से पेरवल तक

स्टेट : महाराष्ट्र प्रदेश

विभाज : सुपुर्विखण्ड

मण्डल : हरगवरम

जिला : पश्चिम गोदावरी

| गांव | फर. नं. | हेक्टाई | फर. | मेन्टियर्स | पुष्प | मेन्टियर्स |
|--------------|----------------|---------|-----|------------|-------|------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| सुपुर्विखण्ड | 191/2 पाटें | 0 | 14 | 0 | 0 | 34 |
| | 191/3 पाटें | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 191/4 पाटें | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 191/5 बी पाटें | 0 | 11 | 5 | 0 | 29 |
| | 188/3 पाटें | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 188/4 पाटें | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 142/1 बी पाटें | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 142/9 बी पाटें | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 142/4 पाटें | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 142/6 पाटें | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 143/8 ए | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 143/8 बी | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 143/8 सी | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 143/8 ई | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 144/2 पाटें | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 139/2 पाटें | 0 | 18 | 5 | 0 | 46 |
| | 138/2 बी | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 138/3 | 0 | 22 | 5 | 0 | 56 |
| | 150/3 सी | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 150/3 डी | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 134/1 | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 134/2 ए | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 133 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 132/1 सी | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 132/1 डी | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 132/1 ई | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 124/1 सी | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 124/1 डी | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 124/3 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 124/7 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 124/8 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 124/9 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 124/10 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 124/12 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 124/13 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 125/2 | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 125/3 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 125/5 बी | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 125/6 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 127/1 डी | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 127/1 ई | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 127/1 एफ | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 127/1 जी | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 127/2 | 0 | 22 | 5 | 0 | 56 |
| | 129/4 पाटें | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 129/1 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|------|-------|---|----|---|---|----|
| | 129/2 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 129/3 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 128/1 | 0 | 05 | 0 | 0 | 13 |
| | 128/2 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| जोड़ | | 2 | 89 | 0 | 7 | 15 |

[सं. 12016/22/91 - अ. एन. जा. डी. 4]

S.O. 113.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur to Peravali in A.P. State pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule to annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals

Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE FOR NARSAPUR to PERAVALI

State : A.P.

Dt. : W. G

MANDAL: Orgavaram

| Village | Survey No. | Hectare | Acre | Centiares | Acres | Conts |
|---------------|------------|---------|------|-----------|-------|-------|
| East-Vipparro | 191/2pt | 0 | 14 | 0 | 0 | 34 |
| | 191/3pt | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 191/4Apt | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 191/5Bpt | 0 | 11 | 5 | 0 | 29 |
| | 188/3pt | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 142/4Apt | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 142/1Bpt | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 142/3Bpt | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 142/4pt | 0 | 07 | 5 | 0 | 06 |
| | 143/6pt | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 143/8Apt | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 143/8B | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 143/8C | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 143/8E | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 144/2pt | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 139/2pt | 0 | 18 | 5 | 0 | 40 |
| | 138/2B | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 138/3 | 0 | 22 | 5 | 0 | 56 |
| | 150/3C | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 150/3d | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 134/1 | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 134/2A | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 133 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 132/1C | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 132/1D | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 132/1E | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|--------------|---------|----------|-----------|-----------|----------|-----------|
| | 124/1C | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 124/1D | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 124/3 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 124/7 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 124/8 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 124/9 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 124/10 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 124/12 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 124/13 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 125/2 | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 125/3 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 125/5B | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 125/6 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 127/1D | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 127/1E | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 127/1F | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 127/1G | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 127/2 | 0 | 22 | 5 | 0 | 56 |
| | 129/4pt | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 129/1 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 129/2 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 129/3 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 128/1 | 0 | 05 | 0 | 0 | 13 |
| | 128/2 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| TOTAL | | 2 | 89 | 00 | 7 | 15 |

[No. O-12016/22/91-O NCD-4]

का. आ. 114:-जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत नरसपूर से पेरवल तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न शिवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोजना का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोजना का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1961 का 50) के खण्ड 3 के उप खण्ड (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोजना का अधिकार ग्रहण करने की अंगी को घोषणा करती है।

जहाँ कि उस भूमि में आगी रूचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकार (तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के. जि. प्रोजेक्ट) भूमेकरणा, कार्यालय, राजमुद्रि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज करने समय किसी भी व्यक्ति को यह विधेय रूप में निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवहार के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

शेड्यूल

आर. ओ. यू. गैस पाइप लाइन नरसपूर से पेरवल तक

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश

डिवीज : कायवर

मंडल : इरावर

जिला : पश्चिम गोदावरी

| गांव | एस. नं. | हेक्टेयर | एक | सेन्टियम | एक | सेन्टम |
|-------|---------|----------|----|----------|----|--------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| कायवर | 247/6 | 0 | 01 | 0 | 0 | 20 |
| | 247/7 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 247/8 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 247/9 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |

| 1 | 2 | 2 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|--------|----------------------|---|----|---|---|----|
| श्रीधर | 247/10 | 0 | 21 | 5 | 0 | 53 |
| | 248/5 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 248/5 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 248/5 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 248/7 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 248/7 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 249/21 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 249/21 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 250/2 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 250/2 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 250/2 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 250/3 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 271/1 | 0 | 03 | 5 | 0 | 14 |
| | 271/1 | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 271/1 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 271/1 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 271/1 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 270/2ए | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 270/2ई | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 270/5 | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 263/1 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 263/2 | 0 | 07 | 0 | 0 | 18 |
| | 263/5 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 264/7 } 264/7बी } | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 263/1 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 263/2 | 0 | 16 | 5 | 0 | 41 |
| | 254/9 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 255/13 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 255/10 | 0 | 17 | 0 | 0 | 42 |
| | 256/2 | 0 | 05 | 0 | 0 | 14 |
| | -ब- | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | -बई- | 0 | 08 | 5 | 0 | 21 |
| | -बई- | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | -बई- | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 257/2 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 257/1 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 257/3 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 258/1 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 259/5 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 259/5 | 0 | 00 | 0 | 0 | 12 |
| | 259/6 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 259/7 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 259/7 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 87/1 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 82/2 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 86/1 | 0 | 11 | 5 | 0 | 29 |
| | 86/7 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | -बई- | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 86/8 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 86/9ए | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 86/9बी | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 63/2 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 63/2 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | -बई- | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-----|-------|---|----|---|----|----|
| | 62/5 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 62/18 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 62/18 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 62/18 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 61/4 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 61/5 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 61/1 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 65/1 | 0 | 01 | 0 | 0 | 01 |
| | 65/2 | 0 | 25 | 5 | 0 | 63 |
| | 66/1 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 66/2 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 66/2 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 66/4 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | -बही- | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | -बही- | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 66/5 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 59/2 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 59/4 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 68 | 0 | 01 | 0 | 0 | 10 |
| जंश | | 4 | 37 | 0 | 10 | 79 |

[सं. अ०-12016/23/91-प्र०. एन. जी. सी. 4]

S.O. 114.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur to Peravali in A.P. State a pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule to annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals

Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

PIPE LINE FOR NARSAPUR TO PERANAH

State : A.P.

District : W.B.

Mandal : Jugafa

| Village | S.No. | Hectares | Areas | Containers | Acres | Cents. |
|------------|--------|----------|-------|------------|-------|--------|
| Kapavarano | 247/6 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 247/7 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 247/8 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 247/9 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 247/10 | 0 | 21 | 5 | 0 | 53 |
| | 248/5 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 248/5 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 248/5 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 248/7 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 248/7 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 249/21 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 249/21 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 250/2 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|------------|--------|---|----|---|---|----|
| Kapavararo | 250/2 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 250/2 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 250/3 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 271/1 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 271/1 | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 271/1 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 271/1 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 271/1 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 270/2A | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 270/2B | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 270/5 | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 264/1 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 264/2 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 264/5 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 264/7A | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 264/7B | | | | | |
| | 263/1 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 263/2 | 0 | 16 | 5 | 0 | 41 |
| | 254/9 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 255/13 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 255/10 | 0 | 17 | 0 | 0 | 42 |
| | 256/2 | 0 | 05 | 0 | 0 | 14 |
| | 256/2 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 256/2 | 0 | 08 | 5 | 0 | 21 |
| | 256/2 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 256/2 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 257/2 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 257/1 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 257/3 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 258/4 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 259/5 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 259/5 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 259/6 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 259/7 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 259/7 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 87/1 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 87/2 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 86/1 | 0 | 11 | 5 | 0 | 29 |
| | 86/7 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 86/7 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 86/8 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 86/9A | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 86/9B | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 63/2 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 63/2 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 63/2 | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 62/5 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 62/18 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 62/18 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 62/18 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|------------|------|---|----|---|----|----|
| Kapavararo | 61/4 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 61/5 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 64/1 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 65/1 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 65/2 | 0 | 25 | 5 | 0 | 63 |
| | 66/1 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 66/2 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 66/2 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 66/4 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 66/4 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 66/4 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 66/5 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 59/2 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 59/4 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 68 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| TOTAL | | 4 | 37 | 0 | 10 | 79 |

[No. O-12016/23/91-ONG.D4]

का. आ. 115 --जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस खाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत नरसपुर से पेरवल तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी निर्धारित भूमि पर प्रयोजना का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोजना का अधिकार ग्रहण करने की श्रमा को घोषणा करती है।

अर्थात् कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के. जि. प्रोजेक्ट सेकरणा कार्यालय राजमंदि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज करते समय किसी भी व्यक्ति को यह विरोध रूप से निर्विष्ट करना होगा कि वह अधिनियम रूप में अध्यादेश विधि व्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

गोप्य

आर. ओ. यू. गैस पाइप लाइन नरसपुर से पेरवल तक

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश

जिलेज : पेरवल

मंडल : पेरवल

जि : पश्चिम गोदावरी

| गांव | एस. नं. | एकड़ | एकड़ | सेन्टिमी | एकड़ | सेन्टिमी |
|------|---------|------|------|----------|------|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | 21 | 0 | 03 | 0 | 0 | 03 |
| | 15/6बी | 0 | 18 | 5 | 0 | 46 |
| | 18/1बी | 0 | 23 | 0 | 0 | 57 |
| | 18/2 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 17/2 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 17/3 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 38 | 0 | 19 | 5 | 0 | 48 |
| | 36/1 | 0 | 19 | 0 | 0 | 47 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-------------|-----------|---|----|---|---|----|
| पेरबलि—जारी | 35/1 | 0 | 19 | 0 | 0 | 47 |
| | 35/2 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 34/1 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 34/2 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 34/3 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 29/1 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 29/2 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 33 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 147/ए | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 147/1बी | 0 | 18 | 5 | 0 | 46 |
| | 145/1ए | 0 | 06 | 0 | 0 | 16 |
| | 145/1बी | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 145/2ए | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 145/2ए, 2 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 140 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 127/1ए | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 127/1बी | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 127/2 | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 127/3 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 127/4 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 127/5 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 126/4 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 126/3ए | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 126/3बी | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 128 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 104/3 | 0 | 20 | 0 | 0 | 50 |
| | 105/2ए | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 105/2ए | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 105/2बी | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 120/4 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 119 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 111/2 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 141/1 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 141/2 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 112/1ए | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 112/1बी | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 112/2 | 0 | 08 | 0 | 0 | 21 |
| | 338/1 | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 338/2 | 0 | 05 | 0 | 0 | 10 |
| | 338/4 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 338/4 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 338/3बी | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 338/8 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 339 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 339 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 339 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 339 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 339 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 343 | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 349/3 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 349/4 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-----------------|---------|---|----|---|----|----|
| पेरवालि — ज़ारी | 349/5 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 349/6 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 349/7 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 35/1 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 352/1 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 352/2 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 35/3 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 364/1 | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 364/2ए | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 364/2बी | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | | 4 | 76 | 0 | 11 | 79 |

[सं. ओ. 12018/24/91-जी. एन.-जी. सी.-4]

S.O. 115.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur to Peravali in A.P. State a pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule to annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals

pipeline (Acquisition of Right of User in the land Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

PIPE LINE FROM NARSAPUR TO PERAVALI

State : A.P.

Distt. : WG

Mandat : Peravali

| Vll ge | S.No. | Hectares | Areas | Hectares | Acents | Cents |
|----------|--------|----------|-------|----------|--------|-------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Peravali | 21 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 15/6B | 0 | 18 | 5 | 0 | 46 |
| | 18/1B | 0 | 23 | 0 | 0 | 57 |
| | 18/2 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 17/2 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 17/3 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 38 | 0 | 19 | 5 | 0 | 48 |
| | 36/1 | 0 | 19 | 0 | 0 | 47 |
| | 35/1 | 0 | 19 | 0 | 0 | 47 |
| | 35/2 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 34/1 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 34/2 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 34/3 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 29/1 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 29/2 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 33 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 147/1A | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 147/1B | 0 | 18 | 5 | 0 | 46 |
| | 145/1A | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|---------|---|----|---|----|----|
| | 145/1B | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 145/2A1 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 145/2A2 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 140 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 127/1A | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 127/1B | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 127/2 | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 127/3 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 127/4 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 127/5 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 126/4 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 126/3A | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 126/3B | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 128 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 104/3 | 0 | 20 | 0 | 0 | 50 |
| | 105/2A | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 105/2A | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 105/2C | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 120/4 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 119 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 113/2 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 141/1 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 141/2 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 112/1A | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 112/1B | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 112/2 | 0 | 08 | 0 | 0 | 21 |
| | 338/1 | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 338/2 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 338/4 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 338/4 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 338/3B | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 338/8 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 339 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 339 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 339 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 339 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 339 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 343 | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 349/3 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 349/4 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 349/5 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 349/6 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 349/7 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 351 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 352/1 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 352/2 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 353 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 364/1 | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 364/2A | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 364/2B | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | TOTAL | 4 | 76 | 0 | 11 | 79 |

का. अ. 116 :- जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अस्तित्व पर खनि से कोयला तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विधायित्व किया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणों में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की अंगीकृति घोषणा करती है।

बेधार्ते कि उस भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के. जि. प्रोजेक्ट, भुसकरणा, कार्यालय, राजमंदी, आन्ध्रप्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज करते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निविष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अपना विधि व्यवसाय के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

आर. ओ. ए. गैस पाइप लाइन पर खनि से कोयला तक
स्टेट : आन्ध्र प्रदेश

डिवीजन : अज्जारम

मंडल : परखनि

जिला : पश्चिम गोदावरी

| नाम | ए. नं. | हस्ताक्षर | ए. नं. | संस्थापक | ए. नं. | संस्थापक |
|---------|--------|-----------|--------|----------|--------|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| अज्जारम | 99/2 | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 98/4 | 0 | 26 | 5 | 0 | 65 |
| | 96/3 | 0 | 17 | 5 | 0 | 43 |
| | 79/4 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 45 | 0 | 30 | 0 | 0 | 74 |
| | 16 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 99/3 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 44/6 | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 46/4 | 0 | 17 | 5 | 0 | 43 |
| | 99/8 | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 98/3 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 96/4 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 82/6 | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 98/2 | 0 | 02 | 0 | 0 | 03 |
| | 82/5 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 81/3 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 79/2बी | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 81/4 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 81/11 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 44/5 | 0 | 08 | 5 | 0 | 21 |
| | 9/7 | 0 | 20 | 0 | 0 | 50 |
| | 9/8ए | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 11/5 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 10/1 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 11/2 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 15 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 15 | 0 | 06 | 0 | 0 | 18 |
| | 15 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 10/4 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 10/4 | 0 | 02 | 0 | 0 | 03 |
| | 11/5 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 11/1 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 11/1 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 15/1 | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 15/1 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 15/6 | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 19/1 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| कुल | | 3 | 09 | 0 | 7 | 68 |

S.O. 116.—Whereas it appear to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Peravali to Kovvur in A.P. State pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals

pipeline (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority. Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Gas Pipe line for R O U Main Line from Peravali to Kovvur—State Andhra Pradesh

| Village | R S.No | Hectare | Areas | Centiares | Acres | Cents |
|----------|--------|---------|-------|-----------|-------|-------|
| Ajjayarm | 99/2 | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 98/4 | 0 | 26 | 5 | 0 | 65 |
| | 96/3 | 0 | 17 | 5 | 0 | 43 |
| | 79/4 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 45 | 0 | 30 | 0 | 0 | 74 |
| | 46 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 99/5 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 44/6 | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 46/4 | 0 | 17 | 5 | 0 | 43 |
| | 99/6 | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 98/3 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 96/4 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 82/6 | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 98/2 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 82/5 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 81/3 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 79/2B | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 81/4 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 81/11 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 44/5 | 0 | 08 | 5 | 0 | 21 |
| | 9/7 | 0 | 20 | 0 | 0 | 50 |
| | 9/8A | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 11/5 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 10/1 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 11/2 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 15 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 15 | 0 | 06 | 0 | 0 | 18 |
| | 15 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 10/4 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 10/4 | 0 | 62 | 0 | 0 | 05 |
| | 11/5 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 11/1 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 11/1 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 15/1 | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 15/1 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 15/6 | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 19/1 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | | 3 | 09 | 0 | 7 | 68 |

का. आ. 117 --जब कि सरकार यह अनुमति करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत परवलि से कोथूर तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विद्यार्थी जाना है।

और यह भी अनुमति करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एवंद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की शक्ति की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी कृषि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमि गत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सूक्ष्म प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के. जे. प्रोजेक्ट, भूमेकरणा, कार्यालय, राजमंत्रि आश्रम प्रवेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज करते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप में निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

आर. ओ. यू. गैस पाइप लाइन परवलि से कोथूर तक

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश

डिविजन : नाडिपूर

मंडल : उडुपिचरम

जिला : पश्चिम गोदावरी

| गांव | एस. नं. | इक्टास | एर्स | संस्टिगस | एक्स | सेटस |
|---------|---------|--------|------|----------|------|------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| नाडिपूर | 112/4 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 112/5 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 112/6 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 112/7 | 0 | 10 | 0 | 0 | 23 |
| | 113/1 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 113/7 | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 113/7 | 0 | 06 | 0 | 0 | 13 |
| | 113/6 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 123/2बी | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 123/3 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 123/4 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 123/5 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 123/6 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 123/7 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 123/8 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 123/9 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 123/10 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 126/102 | 0 | 11 | 5 | 0 | 29 |
| | 126/1बी | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 126/2 | 0 | 16 | 0 | 0 | 10 |
| | 126/3बी | 0 | 16 | 0 | 0 | 10 |
| | 126/3बी | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 127/6 | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 135/2 | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 134/1 | 0 | 38 | 5 | 0 | 95 |
| | 134/2 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 134/3 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 134/4 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 134/5बी | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 133/1 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 133/1बी | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 139/1बी | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 139/2 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 139/3 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 139/4 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 239/5 | 0 | 20 | 0 | 0 | 50 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|----------------|---------|---|----|---|----|----|
| साहिबपुर -जारी | 41/7 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 41/8 | 0 | 14 | 0 | 0 | 34 |
| | 41/10 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 40/1 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 40/13ए | 0 | 25 | 0 | 0 | 62 |
| | 40/13बी | 0 | 20 | 5 | 0 | 51 |
| | 39/1 | 0 | 17 | 5 | 0 | 13 |
| | 38/2 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 38/4ए | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 38/4बी | 0 | 14 | 0 | 0 | 34 |
| | 38/6ए | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 38/6बी | 6 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 38/6सी | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 37/1ए | 0 | 08 | 5 | 0 | 21 |
| | 37/1बी | 0 | 00 | 3 | 0 | 01 |
| | 37/2 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 37/4सी | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 18/2 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 19/1 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 19/2 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 19/3 | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 19/7 | 0 | 23 | 0 | 0 | 57 |
| | 19/9 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 19/10 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 16/2ए | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 16/2बी | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 16/2सी | 0 | 10 | 0 | 0 | 23 |
| | 16/3ए | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 16/3बी | 7 | 08 | 0 | 0 | 17 |
| | 15/2 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 14/4 | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 14/3 | 0 | 17 | 0 | 0 | 42 |
| | 14/5 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 14/6 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 14/7 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 13/7ए | 0 | 22 | 0 | 0 | 54 |
| | 13/7बी | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 13/8 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 113/9 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 113/10 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 12/2बी | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 12/2सी | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 12/2डी | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 125/8ए | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 125/8बी | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 141 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 11 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| कुल | | 6 | 42 | 0 | 15 | 87 |

S.O.117.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Peravali to Kovvur in A. P. State pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962

the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Gas Pipe line from Peravali to Kovvur

State—Andhra Pradesh Village : Tadiparru Mandal : Underajuram

| Village | S.No. | Hectare | Areas | centirs | Acres | Cents |
|-----------|---------|---------|-------|---------|-------|-------|
| Tadiparru | 112/4 | 0 | 05 | 5 | 0 | 0—14 |
| | 112/5 | 0 | 01 | 0 | 0 | 0—03 |
| | 112/6 | 0 | 04 | 0 | 0 | 0—10 |
| | 112/7 | 0 | 10 | 0 | 0 | 0—25 |
| | 113/1 | 0 | 08 | 0 | 0 | 0—20 |
| | 113/7 | 0 | 12 | 0 | 0 | 0—30 |
| | 113/7 | 0 | 06 | 0 | 0 | 0—15 |
| | 113/6 | 0 | 00 | 5 | 0 | 0—01 |
| | 123/2B | 0 | 09 | 5 | 0 | 0—23 |
| | 123/3 | 0 | 02 | 0 | 0 | 0—05 |
| | 123/4A | 0 | 01 | 5 | 0 | 0—04 |
| | 123/5 | 0 | 04 | 0 | 0 | 0—10 |
| | 123/6 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 123/7 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 123/8 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 123/9 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 123/10 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 126/1A2 | 0 | 11 | 5 | 0 | 29 |
| | 126/1B | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 126/2 | 0 | 16 | 0 | 0 | 40 |
| | 126/3B | 0 | 16 | 0 | 0 | 40 |
| | 126/3C | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 127/6 | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 135/2 | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 134/1 | 0 | 38 | 5 | 0 | 95 |
| | 134/2 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 134/3 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 134/4 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 134/5B | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 133/1A | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 133/1B | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 139/1B | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 139/2 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 139/3 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 139/4 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 139/5 | 0 | 20 | 0 | 0 | 50 |
| | 41/7 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 41/8 | 0 | 14 | 0 | 0 | 34 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-------------------|--------|---|----|---|----|
| Tadiparru—(contd) | 41/10 | 0 | 07 | 0 | 17 |
| | 40/1 | 0 | 05 | 5 | 14 |
| | 40/13A | 0 | 25 | 0 | 62 |
| | 40/13B | 0 | 20 | 5 | 51 |
| | 39/1 | 0 | 17 | 5 | 43 |
| | 36/2 | 0 | 05 | 5 | 13 |
| | 36/4A | 0 | 09 | 0 | 22 |
| | 36/4B | 6 | 14 | 0 | 34 |
| | 36/6A | 0 | 04 | 5 | 11 |
| | 36/6B | 0 | 02 | 0 | 05 |
| | 36/6C | 0 | 00 | 5 | 01 |
| | 37/1A | 0 | 08 | 5 | 21 |
| | 37/1B | 0 | 0 | 5 | 01 |
| | 37/2 | 0 | 03 | 0 | 08 |
| | 37/4C | 0 | 09 | 5 | 24 |
| | 18/2 | 0 | 03 | 0 | 07 |
| | 19/1 | 0 | 01 | 0 | 03 |
| | 19/2 | 0 | 01 | 0 | 03 |
| | 19/3 | 0 | 12 | 0 | 30 |
| | 19/7 | 0 | 23 | 0 | 57 |
| | 19/9 | 0 | 05 | 0 | 12 |
| | 19/10 | 0 | 07 | 5 | 18 |
| | 16/2A | 0 | 09 | 0 | 22 |
| | 16/2B | 0 | 08 | 0 | 20 |
| | 16/2C | 0 | 10 | 0 | 25 |
| | 16/3A | 0 | 07 | 5 | 18 |
| | 16/3B | 0 | 07 | 0 | 17 |
| | 15/2 | 0 | 07 | 5 | 19 |
| | 14/4 | 0 | 12 | 0 | 30 |
| | 14/3 | 0 | 17 | 0 | 42 |
| | 14/5 | 0 | 05 | 5 | 13 |
| | 14/6 | 0 | 03 | 5 | 09 |
| | 14/7 | 0 | 01 | 0 | 02 |
| | 13/7A | 0 | 22 | 0 | 54 |
| | 13/7B | 0 | 03 | 0 | 07 |
| | 13/8 | 0 | 04 | 0 | 10 |
| | 113/9 | 0 | 04 | 0 | 10 |
| | 113/10 | 0 | 07 | 0 | 17 |
| | 12/2B | 0 | 00 | 5 | 01 |
| | 12/2C | 0 | 02 | 0 | 05 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|--------|---|----|---|----|----|
| | 12/2D | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 125/8A | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 125/8B | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 141 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 11 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | | 6 | 42 | 0 | 15 | 87 |

[No. O-12016/26/91-ONG. D.4.]

का.आ. 118—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत परिवर्तन से कोयूर तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ सम्बन्ध विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण प्रतिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

वैशर्त कि उक्त भूमि में अपनी सवि रखने वाला कोई भी व्यक्ति प्रविष्टता की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमि पर गत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति मध्यम प्राधिकारी संक्षेप प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के.जि. प्रोजेक्ट, भूखेकरणा, कार्यालय, राजमंदि, आरक्ष प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

आर ए यु गैस पाइप लाइन परिवर्तन से कोयूर

स्टेट : आरक्ष प्रदेश विभाग : वेलगडल

मंडल : उम्पुजवरम

जिला : पश्चिम गोदावरी

| गांव | आर. एस. नं० | हैक्टर | एस | सेन्टीमैटर्स | एकर्स | सेन्ट्स |
|--------|-------------|--------|----|--------------|-------|---------|
| 1 | 3 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| वेलगडल | 96/4 ए | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 96/5 बी | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 96/6 बी | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 96/7 बी | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 100/1 बी | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 100/6 बी | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 100/7 बी | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 100/2 बी | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 100/3 बी | 0 | 18 | 0 | 0 | 44 |
| | 101/4 बी | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 101/4 सी | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 101/5 बी | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 101/5 सी | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 103/2 बी | 0 | 21 | 5 | 0 | 53 |
| | 104/3 ए | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 104/4 बी | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 104/1 ए | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| कुल : | | 1 | 17 | 0 | 2 | 85 |

S.O. 118.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Uaravali to Kovvur in A.P. State pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962

the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe line—from Peravali to Kovur.

State : AP

Distt. W. Godawari—Mandal Underajavram

| Village | R.S.No. | Hectares | Ares | Centiers | Ares | Cents |
|-------------|---------|----------|------|----------|------|-------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Velagaduroo | 96/4A | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 96/5B | 0 | 09 | 5 | 1 | 23 |
| | 96/6B | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 96/7B | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 100/1B | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 100/6B | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 100/7B | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 100/2B | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 100/3B | 0 | 18 | 0 | 0 | 44 |
| | 101/4B | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 101/4C | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 101/5B | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 101/5C | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 103/2B | 0 | 21 | 5 | 0 | 53 |
| | 104/3A | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 104/4B | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 104/1A | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| Total | | 1 | 17 | 0 | 2 | 85 |

[No. O-12016/27/91-ONG.D4]

का.प्र. 118 :—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुमति करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लेने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पेरवलि से कोव्वूर तक लेस और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाये जाये।

और यह भी अनुमति करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न अधिनियम में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की श्रमा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उस भूमि में अपनी सन्नि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सज्जम प्राधिकारी, तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के.जि. प्रोजेक्ट, भुवनेश्वर, कार्यालय, राजमंडि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति बर्ज कराने समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निविष्ट करना होगा कि यह व्यक्तिगत रूप से प्रथम विधिप्रवक्तृ के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

भार. प्रो. यू. बीस पाइप लाइन परबलि से कोयूर तक

स्टेट : मॉरिस प्रदेश

विलेज : मोर्त

मंडल : लुङ्गावरम

जिला : पश्चिम गोवावरी

| गांव | भार. ए. नं. | एचटर्स | एर्स | मैट्रीयर्स | एफर्स | सेन्ट्स |
|-------|--------------|--------|------|------------|-------|---------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| मोर्त | 329/1 | 0 | 08 | 0. | 0 | 20 |
| | 329/1 पार्ट | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 329/3 ए | 0 | 20 | 0 | 0 | 40 |
| | 329/3 ए | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 329/2 पार्ट | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 328/1 पार्ट | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 328/3 पार्ट | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 328/5 पार्ट | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 328/7 पार्ट | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 328/9 पार्ट | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 328/10 पार्ट | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 328/10 पार्ट | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 328/10 पार्ट | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 328/10 पार्ट | 0 | 14 | 5 | 0 | 36 |
| | 325/1 पार्ट | 0 | 15 | 0 | 0 | 37 |
| | 326/2 पार्ट | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 325/1 पार्ट | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 325/2 पार्ट | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 322/ 1 पार्ट | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 |
| | 322/2 पार्ट | 0 | 11 | 5 | 0 | 29 |
| | 325/ 3 पार्ट | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 325/5 पार्ट | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 321/6 पार्ट | 0 | 07 | 0 | 0 | 18 |
| | 321/7 पार्ट | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 322/12 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 322/13 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 322/14 ए | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 320/ पार्ट | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 318/3 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 318/12 | 0 | 14 | 0 | 0 | 36 |
| | 318/18 पार्ट | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 318/19 | 0 | 07 | 5 | 0 | 17 |
| | 318/19 | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 318/17 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 318/ 18 | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 254/9 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 253/1 | 0 | 08 | 0 | 0 | 15 |
| | | | | | 0 | 14 |
| | 252/1 | 0 | 06 | 5 | 0 | 07 |
| | 252/5 | 0 | 16 | 5 | 0 | 41 |
| | 249/1 बी | 0 | 16 | 5 | 0 | 24 |
| | 249/1 सी | 0 | 02 | 5 | 0 | 08 |
| | 250/6 बी | 0 | 15 | 5 | 0 | 26 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|-------------|---|----|---|----|----|
| | 249/3 ए | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 249/4 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 249/2 बी | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 250/2 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 250/7 ए | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 250/7 बी | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 250/3 | 0 | 07 | 5 | 0 | 10 |
| | 240/5 बी | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 240/ 6 बी | 0 | 18 | 0 | 0 | 44 |
| | 240/5 ए | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 240/6 ए | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 238/4 पाटे | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 238/1 पाटे | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 318/7 पाटे | 0 | 24 | 0 | 0 | 60 |
| | 239/ 2 बी | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 239/12 | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 |
| | 237/ पाटे | 0 | 14 | 5 | 0 | 36 |
| | 236/1 पाटे | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 236/3 बी | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 236/4 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 236/3 पाटे | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 318/16 पाटे | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 322/16 पाटे | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 322/12 पाटे | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | कुल | 4 | 83 | 5 | 11 | 9 |

[सं. नो 12016/28/91-नो. एन. जी. बी-4]

S.O. 119.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Peravali to Kovvur in A.P. State a pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act,

1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe line for Peravali to Kovvur

State : Andhra Pradesh

District : West Godavari Mandal : Undrajayaram.

| Village | S.No. | Hectars | Ares | Centairs | Acres | Cents |
|---------|------------|---------|------|----------|-------|-------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| Moria | 329/1 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 329/1pt | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 329/3A | 0 | 20 | 0 | 0 | 49 |
| | 329/3A | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 329/2Pt | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 328/1 Pt | 0 | 5 | 5 | 0 | 13 |
| | 328/3 Pt | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 328/5 pt. | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 328/7 pt. | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 328/9 pt. | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 328/10 pt. | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 328/10 pt. | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 328/10 pt. | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 328/10 pt. | 0 | 14 | 5 | 0 | 36 |
| | 325/1 pt. | 0 | 15 | 0 | 0 | 37 |
| | 325/2 pt. | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 325/1 pt. | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 325/2 pt. | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 322/1 pt. | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 |
| | 322/2 pt. | 0 | 11 | 5 | 0 | 27 |
| | 325/3 pt. | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 325/5 pt. | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 321/6 pt. | 0 | 07 | 0 | 0 | 18 |
| | 321/7 pt. | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 322/12 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 322/13 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 322/14A | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 320/pt. | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 318/13 | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 318/12 | 0 | 14 | 0 | 0 | 36 |
| | 318/1pt. | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 318/19 | 0 | 07 | 5 | 0 | 17 |
| | 318/19 | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 318/17 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 318/18 | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 254/9 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 253/1 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 252/1 | 0 | 06 | 5 | 0 | 07 |
| | 252/5 | 0 | 16 | 5 | 0 | 41 |
| | 249/1D | 0 | 16 | 5 | 0 | 24 |
| | 249/1C | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 250/6B | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 249/3A | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 249/4 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 249/2B | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 250/2 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 250/7A | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 250/7B | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|--------------------|----------|-----------|----------|-----------|-----------|
| | 250/3 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 240/5B | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 240/6B | 0 | 18 | 0 | 0 | 44 |
| | 240/5A | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 240/6A | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 238/9 pt. | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 238/1 pt. | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 318/7 pt. | 0 | 24 | 0 | 0 | 60 |
| | 239/2B | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 239/12 | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 |
| | 237/pt. | 0 | 14 | 5 | 0 | 36 |
| | 336/1 pt. | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 236/3B | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 236/4 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 236/3pt. | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 318/16 pt. | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 322/16 pt. | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 322/12 pt. | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | Grand Total | 4 | 83 | 5 | 11 | 94 |

[No.O-12016/28/91-ONG. D-4]

का.आ. 120..... जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रो-लियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाइने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत परमिस से कोम्बूर तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 8 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्र सरकार एवं/द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की अशा की घोषणा करती है।

वैशेष कि उक्त भूमि में अपनी कृषि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति ससक्त प्राधिकारी संजम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के.जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा, कार्यालय, राजनगि, ग्राम्प्र प्रदेश दर्ज कर सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशय रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अपना विधिव्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

का.आ.जी.यू. ब्रह्म पाइप लाइन परमिस से कोम्बूर तक

स्टेट: ग्राम्प्र प्रदेश

ग्राम : गङ्गुपल्लि

मंडल : पेरमलि

जिला : पश्चिम कोडावरी

| गांव | एस.नं. | हेक्टास | एस | सेण्टीस | एकस | सेण्टस |
|------------|--------|---------|----|---------|-----|--------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| गङ्गुपल्लि | 142 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 141/8 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 141/7 | 0 | 20 | 0 | 0 | 49 |
| | 135/1 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 135/2 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | |
|--------------|----------|---|----|----|----|----|----|
| महिला (बारी) | 135/3 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 | |
| | 136/3 | 0 | 03 | 5 | 0 | 01 | |
| | 136/4 | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 | |
| | 136/5 | 0 | 00 | 5 | 00 | 01 | |
| | 136/1 | 0 | 11 | 5 | 0 | 36 | |
| | 130/1 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 | |
| | 136/2 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 | |
| | 136/1 बी | 0 | 18 | 0 | 0 | 45 | |
| | 136/5 | 0 | 09 | 5 | 0 | 01 | |
| | 136/8 बी | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 | |
| | 136/6 सी | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 | |
| | 130/1 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 | |
| | 136/2 | 0 | 18 | 0 | 0 | 44 | |
| | 130/3 | 0 | 94 | 0 | 0 | 10 | |
| | 130/3 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 | |
| | 136/8 | 0 | 12 | 5 | 0 | 10 | |
| | 131/5 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 | |
| | 131/5 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 | |
| | 128/3 | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 | |
| | 128/4 | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 | |
| | 118/7 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 | |
| | 118/8 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 | |
| | 118/9 | 0 | 18 | 0 | 0 | 44 | |
| | 102 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 | |
| | 101/8 ए | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 | |
| | 101/7 | 0 | 09 | 0 | 0 | 15 | |
| | 159/5 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 | |
| | 159/6 | 0 | 30 | 0 | 0 | 74 | |
| | 159/7 | 0 | 23 | 0 | 0 | 57 | |
| | 150/2 | 0 | 30 | 5 | 0 | 75 | |
| | 96/1 | 0 | 03 | 0 | 0 | 03 | |
| | 96/1 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 | |
| | 96/1 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 | |
| | 96/3 | 0 | 15 | 5 | 0 | 38 | |
| | 85/2 | 0 | 16 | 0 | 0 | 40 | |
| | 85/4 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 | |
| | 85/5 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 | |
| | 149/6 | 0 | 23 | 5 | 0 | 58 | |
| | 149/7 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 | |
| | 149/7 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 | |
| | 150/32 | 0 | 01 | 0 | 0 | 0 | |
| | 150/6 | 0 | 16 | 5 | 0 | 41 | |
| | 150/7 | 0 | 10 | 0 | 10 | 25 | |
| | 88 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 | |
| कुल | | | 4 | 15 | 5 | 10 | 28 |

S.O. 120.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Peravali to Kovvur in A.P. State a pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule to annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals

Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE 13

Pipe line—from Peravali to Kovvur.
State : AP Mandal : Peravali

Distt. West : Gadavari

| Village | R.S.No. | Hectars | Aras | Centairs | Acres | Cents |
|------------|---------|---------|------|----------|-------|-------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Nadu Palli | 142 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 141/6 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 141/7 | 0 | 20 | 0 | 0 | 49 |
| | 135/1 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 135/2 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 135/3 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 135/3 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 135/4 | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 135/5 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 136/1 | 0 | 14 | 5 | 0 | 36 |
| | 136/2 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 136/2 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 136/1D | 0 | 18 | 0 | 0 | 45 |
| | 136/5 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 136/6B | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 136/6C | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 130/1 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 130/2 | 0 | 18 | 0 | 0 | 44 |
| | 130/3 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 130/3 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 130/8 | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 |
| | 131/5 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 131/5 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 128/3 | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 128/4 | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 118/7 | 0 | 01 | 5 | 0 | 19 |
| | 188/8 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 118/9 | 0 | 18 | 0 | 0 | 44 |
| | 102 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 101/6A | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 101/7 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 159/5 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 159/6 | 0 | 30 | 0 | 0 | 74 |
| | 159/7 | 0 | 23 | 0 | 0 | 57 |
| | 156/2 | 0 | 30 | 5 | 0 | 75 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|-------|---|----|---|----|----|
| | 96/1 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 96/1 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 96/1 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 96/3 | 0 | 15 | 5 | 0 | 38 |
| | 85/2 | 0 | 16 | 0 | 0 | 40 |
| | 85/4 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 85/5 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 149/6 | 0 | 23 | 5 | 0 | 58 |
| | 149/7 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 149/7 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 150/2 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 150/6 | 0 | 16 | 5 | 0 | 41 |
| | 150/7 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 88 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | Total | 4 | 15 | 5 | 10 | 26 |

[No. O-12016/29/91-ONG.D.4]

का.आ. 121- जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पेट्रोल से कठोर तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाता जाता है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की श्रेया की घोषणा करती है

बशत कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति संक्षेप प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के जे. प्रोजेक्ट, भुसेकरणा, कार्यालय राजसमिंद्र आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज करते समय किसी भी व्यक्ति को यह विरोध रूप से निरिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

आर.ओ.यु. गैस पाइप लाइन पेट्रोल से कठोर तक

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

गांव : कानूक

मंडल : पेरवल

जिला : पश्चिम गोदावरी

| गांव | एस. नं. | हेक्टास | एर्स | सेकटिणर्स | एकर्स | सेकंस |
|-------|---------|---------|------|-----------|-------|-------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| कानूक | 300/2 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 300/5 | 0 | 05 | 5 | 0 | 11 |
| | 300/5 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 300/6 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 300/6 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 300/7 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 298/3 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 298/4 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 298/5 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 298/6 ए | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 297/1 | 0 | 18 | 0 | 0 | 45 |
| | 297/1 | 0 | 14 | 0 | 0 | 34 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|---------------------|---|----|---|----|----|
| | 280/5 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 280/5 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 283 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 284/2 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 284/2 | 0 | 15 | 0 | 0 | 37 |
| | 284/3 | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 284/3 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 286/17 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 286/2 | 0 | 21 | 5 | 0 | 53 |
| | 285/1 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 285/1 बी | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 285/5 | 0 | 19 | 0 | 0 | 47 |
| | 29 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 33 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 28/6 | 0 | 15 | 0 | 0 | 37 |
| | 28/8 | 0 | 08 | 5 | 0 | 21 |
| | 28/10 | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 28/11 ¹¹ | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 28/11 बी | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 28/12 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 22/7 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 22/8 बी | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 22/8 ए | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 22/9 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 22/10 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 22/11 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 22/12 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 22/13 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 22/4 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 21/2 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 21/3 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 21/4 | 0 | 11 | 5 | 0 | 29 |
| | 21/5 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 15/1 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 15/3 ए | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 15/3बी | 0 | 15 | 0 | 0 | 37 |
| | 15/2 | 0 | 16 | 0 | 0 | 39 |
| | 16/6 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 16/7 | 0 | 29 | 5 | 0 | 73 |
| | 4/1 | 0 | 18 | 5 | 0 | 46 |
| | 4/4 | 0 | 17 | 5 | 0 | 43 |
| | 4/5 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 4/9 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 2 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | जोड़ | 4 | 06 | 5 | 10 | 05 |

S.O. 121.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Peravali to Kovvur in A.P. State pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule to annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962

the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from—Peravali to Kovvur

| Village | R.S.No. | Hectare | Area | Centiars | Acre | Centiar |
|---------|---------|---------|------|----------|------|---------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Kanuru | 300/2 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 300/5 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 300/5 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 300/6 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 300/6 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 300/7 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 298/2 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 298/4 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 298/5 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 298/6A | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 297/1 | 0 | 18 | 0 | 0 | 45 |
| | 297/1 | 0 | 14 | 0 | 0 | 34 |
| | 280/5 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 280/5 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 283 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 284/2 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 284/2 | 0 | 15 | 0 | 0 | 37 |
| | 284/3 | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 284/3 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 286/1A | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 286/2 | 0 | 21 | 5 | 0 | 53 |
| | 285/1A | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 285/1B | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 285/5 | 0 | 19 | 0 | 0 | 47 |
| | 29 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 33 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 28/6 | 0 | 15 | 0 | 0 | 37 |
| | 28/8 | 0 | 08 | 5 | 0 | 21 |
| | 28/10 | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 28/11A | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| Kammru | 28/11B | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 28/12 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 22/7 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 22/8B | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 22/8A | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 22/9 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-------|--------|---|----|---|----|----|
| | -2/10 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 22/11 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 22/12 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 22/13 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 22/4 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 21/2 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 21/3 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 21/4 | 0 | 11 | 5 | 0 | 29 |
| | 21/5 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 15/1 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 15/3 A | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 15/3B | 0 | 15 | 0 | 0 | 37 |
| | 15/2 | 0 | 16 | 0 | 0 | 39 |
| | 16/6 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 16/7 | 0 | 29 | 5 | 0 | 73 |
| | 4/1 | 0 | 18 | 5 | 0 | 46 |
| | 4/4 | 0 | 17 | 5 | 0 | 43 |
| | 4/5 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 4/9 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 2 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| Total | | 4 | 06 | 5 | 10 | 05 |

[No. O-12016/30/91-O.N.G.D.4]

का.आ. 122:- जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पेरवलि से कोरूपुर तक नैल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की धारा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति मध्यम प्राधिकारी नैल और प्राकृतिक गैस आयोग, के.जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा, वाराणसी, राजसद्वि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज करते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसाय के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

आर.ओ.यु.पाइप लाइन पेरवलि से कोरूपुर

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

गांव : कोरूपुर

मंडल : निडकुथोतु

जिला : पश्चिम गोदावरी

| गांव | आर.एस. नं. | हेक्टार्स | एर्स | सेंटर्स | एर्स | सेंटर्स |
|---------|------------|-----------|------|---------|------|---------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| कोरूपुर | 19 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 20/1ए | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 20/1 बी | 0 | 14 | 0 | 0 | 34 |
| | 21/1 | 0 | 17 | 0 | 0 | 42 |
| | 21/2 | 0 | 17 | 5 | 0 | 43 |
| | 21/3ए | 0 | 05 | 0 | 0 | 13 |
| | | 0 | 63 | 0 | 1 | 55 |

S.O. 122—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Peravali to Kovvur in A.P. State a pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule to annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals

pipeline (Acquisition of Right of User in the land Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe line for Narsapur to Peravali, State A.P., District West Godavari, Mandal Nidadavale

| Village | S No | Hectars | Ares | Contairs | Acrs. | Cents |
|---------|-------|---------|------|----------|-------|-------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| | 19 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 20/1A | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 20/1B | 0 | 14 | 0 | 0 | 34 |
| | 21/1 | 0 | 17 | 0 | 0 | 42 |
| | 21/2 | 0 | 17 | 5 | 0 | 43 |
| | 21/3A | 0 | 05 | 0 | 0 | 13 |
| | Total | 0 | 63 | 0 | 1 | 55 |

[No. O-12016/31/91-ONG-D4]

का.आ. 123— जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लावे के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत परबलि से कोव्वूर तक तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग द्वारा बिछाया जाता है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी निर्दिष्ट भूमि पर परीक्षा का अधिकार देना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर परीक्षा का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर परीक्षा का अधिकार ग्रहण करने की आज्ञा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के दायरे में अपनी आपत्ति सक्षम अधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग, के.जि. प्रोजेक्ट, भुवनेश्वर, कार्यालय, राजमंडि आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराने समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विश्वव्यापक के माध्यम से अपनी मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

आर.ओ.यु.गैस पाइप लाइन परबलि से कोव्वूर

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश

जिलेज : मुनिपल्लि

पंडाला : निरुदवोय

जिला : पश्चिम गोदावरी

| गांव | आर.एम. नं. | हेक्टार्स | एयर्स | सेन्टिमिर्स | एयर्स | सेन्टिमिर्स |
|-----------|------------|-----------|-------|-------------|-------|-------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| मुनिपल्लि | 65/1 बी | 0 | 20 | 0 | 0 | 50 |
| | 65/1 बी | 0 | 14 | 0 | 0 | 31 |
| | 65/2 बी | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 59/2 बी | 0 | 14 | 0 | 0 | 34 |
| | 59/3 बी | 0 | 16 | 0 | 0 | 40 |
| | 59/8 बी | 0 | 18 | 0 | 0 | 45 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-------------------|------------|---|----|---|---|----|
| मुनिपल्लि (जार्ज) | 61/1 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 53/1 ए | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 53/2 बी | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 53/3 बी | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 51/4 बी | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 51/5 बी | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 52/11 सी | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 52/11 बी | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 52/12 बी | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 50/15 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 50/16 ए 2 | 0 | 26 | 5 | 0 | 65 |
| | 50/16 बी 2 | 5 | 17 | 0 | 0 | 42 |
| | 49/2 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 69/2 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 70/1 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 71/2 बी | 0 | 22 | 5 | 0 | 56 |
| | 71/2 सी | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 72/1 बी | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 144/3 बी | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 156/1 बी | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 156/2 ए | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 155/3 बी | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 154/2 | 0 | 02 | 0 | | 06 |
| कुल जोड़ | | 2 | 45 | 0 | 6 | 06 |

[सं. प्रो. -12016/32/91-प्रो.एन.जी.डी.-4]

S.O. 123.--Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Peravali to Kovvur in A.P. State a pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the and described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals pipeline (Acquisition of Right of User in the land Act, 1962

the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe line from Peravali to Kovvur state: A P District West Godavari, Mandal Nidadarale

| Village | S.No. | Hectars | Are | Contairs. | Acres. | Cents. |
|-----------|--------|---------|-----|-----------|--------|--------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| Munipalli | 65/1B | 0 | 20 | 0 | 0 | 50 |
| | 65/A1C | 0 | 14 | 0 | 0 | 34 |
| | 65/2B | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 59/2B | 0 | 14 | 0 | 0 | 34 |
| | 59/3B | 0 | 16 | 0 | 0 | 40 |
| | 59/8B | 0 | 18 | 0 | 0 | 45 |
| | 61/1 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 53-JA | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-----------------------|---------|---|----|---|---|----|
| Munipalli (Contd.) | 53/2B | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 53/3B | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 51/4B | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 51/5B | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 52/11C | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 52/11B | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 52/12B | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 50/15 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 50/16A2 | 0 | 26 | 5 | 0 | 65 |
| | 50/16B2 | 0 | 17 | 0 | 0 | 42 |
| | 49/2 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 69/2 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 70/1 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 71/2B | 0 | 22 | 5 | 0 | 56 |
| | 71/2C | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 72/1B | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 144/3B | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 156/1B | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 156/2A | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 155/3B | 0 | 00 | 5 | 0 | |
| | 154/2 | 0 | 02 | 0 | 0 | 06 |
| Total | | 2 | 45 | 0 | 0 | 06 |

[No. O 12016/32/91-ONG D-4]

का. आ. 124.—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पेरवली से कोम्बूर तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की अंशा की घोषणा करती है।

बेधते कि उक्त भूमि में अपनी खेती रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकार सखेम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के जिला प्रोजेक्ट, भूसेकरणा कार्यालय, राजमुद्रि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराने समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिब्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अतसूची

आर. ओ. यु. पाइप लाइन पेरवली से कोम्बूर

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश : मंडल : नडदवीलु :

जिला : पश्चिम गोदावरी

| गांव | आर. एम. नं. | हेक्टास | हार्स | सेन्टिगर्स | एकर्स | सेन्टस |
|-----------|-------------|---------|-------|------------|-------|--------|
| कयादीचरला | 248/7 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 248/8 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 248/8 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|------------|-----------|---|----|---|---|----|
| कलावाचारला | 248/9 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| (जारी) | 248/9 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 248/9 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 233/2 | 0 | 16 | 0 | 0 | 40 |
| | 232/1 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 232/3 | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 |
| | 231/1 | 0 | 16 | 0 | 0 | 39 |
| | 231/2 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 231/4 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 230/1 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 230/2 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 230/4ऐ | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 230/9 | 0 | 17 | 5 | 0 | 43 |
| | 239/2बी | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 239/2बी | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 229/4 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 229/3 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 229/3 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 228 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 237/1 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 237/2 | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 237/3 | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 |
| | 212/1 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 212/1 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 212/5 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 212/6 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 212/7 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 211/1 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 211/2ऐ | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 211/9 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 211/10 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 120 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 119/1 | 0 | 20 | 0 | 0 | 49 |
| | 119/2 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 119/3 | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 119/10 सी | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 119/11 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 124/1 | 0 | 15 | 5 | 0 | 38 |
| | 124/4 | 0 | 15 | 0 | 0 | 37 |
| | 124/5 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 102 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 104/1बी | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 104/2ऐ | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 127/1 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 127/2 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 127/3 बी | 0 | 16 | 5 | 0 | 41 |
| | 127/6 | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|------------|----------|---|----|---|----|----|
| | 127/8 ए | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 127/8 बी | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 127/9 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 94/1 | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 94/2 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 94/2 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 94/5 | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 94/6 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 94/7 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 92/2 | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 92/2 | 0 | 08 | 5 | 0 | 21 |
| | 92/1 | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 92/3 | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 96/1 | 0 | 14 | 0 | 0 | 34 |
| | 96/1 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 89 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 79/2ए | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 |
| | 79/2बी | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 80/3 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 80/4 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 80/5ए | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 80/5बी | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 80/6 | 0 | 08 | 5 | 0 | 21 |
| | 86/1 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 86/1 | 0 | 08 | 5 | 0 | 21 |
| | 85/2ए | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 85/2बी | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 85/2सी | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 81/1 | 0 | 15 | 0 | 0 | 37 |
| | 81/2 | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 81/2 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| कुल मिलाकर | | 6 | 02 | 0 | 14 | 87 |

[सं. ओ.-12016/33/91--ओ. एन. जी. डी.-4]

S.O. 124.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Peravali to Kovvur in A.P. State a pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule to annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals pipeline (Acquisition of Right of User in the land Act, 1962 3348 GI/91--14

the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

R.O.U. pipe line from Peravali to Kovvuru

State Andhra Pradesh

Mandal Nidadavole

District West Godavari

| Village | R.S. No. | Hectars | Ares | Centiares | Acres | Cuts |
|--------------|----------|---------|------|-----------|-------|------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Kalavacharla | 248/7 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 248/8 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 248/8 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 248/9 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 248/9 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 248/9 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 233/2 | 0 | 16 | 0 | 0 | 40 |
| | 232/1 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 232/2 | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 |
| | 231/1 | 0 | 16 | 0 | 0 | 39 |
| | 231/2 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 231/4 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 230/1 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 230/2 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 230/4A | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 230/9 | 0 | 17 | 5 | 0 | 43 |
| | 239/2B | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 239/2B | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 229/4 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 229/3 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 229/3 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 228 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 237/1 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 237/2 | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 237/3 | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 |
| | 212/1 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 212/1 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 212/5 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 212/6 | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 212/7 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 211/1 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 211/2A | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 211/9 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 211/10 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 120 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 119/1 | 0 | 20 | 0 | 0 | 49 |
| | 119/2 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 119/3 | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 119/10C | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 119/11 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 124/1 | 0 | 15 | 5 | 0 | 38 |
| | 124/4 | 0 | 15 | 0 | 0 | 37 |
| | 124/5 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 102 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 104/1B | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-------------|--------|---|----|---|----|----|
| | 104/2A | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 127/1 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 127/2 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 127/3B | 0 | 16 | 5 | 0 | 41 |
| | 127/6 | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 127/8A | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 127/8B | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 127/9 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 94/1 | 0 | 11 | 5 | 0 | 28 |
| | 94/2 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 94/2 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 94/5 | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 94/6 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 94/7 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 92/2 | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 92/2 | 0 | 08 | 5 | 0 | 21 |
| | 92/1 | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 92/3 | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 96/1 | 0 | 14 | 0 | 0 | 34 |
| | 96/1 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 89 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 79/2A | 0 | 12 | 5 | 0 | 31 |
| | 79/2B | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 80/3 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 80/4 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 80/5A | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 80/5B | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 80/6 | 0 | 08 | 5 | 0 | 21 |
| | 86/1 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 86/1 | 0 | 08 | 5 | 0 | 21 |
| | 85/2A | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 85/2B | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 85/2C | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 81/1 | 0 | 15 | 0 | 0 | 37 |
| | 81/2 | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 81/2 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| Grand Total | | 6 | 02 | 0 | 14 | 87 |

[No. O-12016/33/91-ONGD-4]

का. प्रा. 125.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पेखलि से कोम्बूर तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की अंशा की घोषणा करती है।

बेशर्त कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के, जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरण कार्यालय, राजमंदिर, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज कर सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निदिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

आर. ओ. यू. पाइप लाइन पेट्रोल से कोडूर

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश

मंडल : निडवशोलु

जिला : पश्चिम गोदावरी

| गांव | आर. एस. नं. | हेक्टार्स | एर्स | सेन्टिएर्स | एकर्स | सेन्ट्स |
|---------|--------------|-----------|------|------------|-------|---------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| पदलपर्स | 17/1ए | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 17/1बी | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 17/1डी | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 17/1ई | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 17/1ई | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 17/2एम | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 17/2एम | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 17/2एन | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 17/2डी | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 17/2पी | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 17/2एस | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 17/2टी | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 17/2 डब्ल्यू | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 17/2 वार्ड | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 17/2ऐ एस | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 15/1ऐ | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 15/8 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 15/8 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 15/9 | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 15/15 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 15/16 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 15/17 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 15/18 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 5/1सी | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 5/1डी | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 5/1ई | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 5/3 ऐ | 0 | 22 | 0 | 0 | 54 |
| | 5/3 बी | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 5/5 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 5/6 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 15/7 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 4/1 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 4/3 | 0 | 08 | 5 | 0 | 21 |
| | 4/4 | 0 | 08 | 0 | 0 | 15 |
| | 4/5 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|--------|---|----|---|---|----|
| | 3/1 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 3/5 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 3/4 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 3/6 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 2/1 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 2/2 | 0 | 14 | 0 | 0 | 34 |
| | 3/3 पी | 0 | 15 | 5 | 0 | 38 |
| | 3/3 पी | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 1 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | | 2 | 23 | 5 | 5 | 52 |

[सं. ओ 12016/34/91—ओ. एन. जी. डी. 4]

S.O. 125.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Peravali to Kovvur in A.P. State a pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule to annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals pipeline (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962

the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

R.O.U. Pipe line from Peravali to Kovvur

SCHEDULE

State : Andhra Pradesh : District : West Godavari, Mandal Nidadavolu

| Village | R.S.No. | Hectars | Ares | Centiares | Acres | Cents |
|--------------|---------|---------|------|-----------|-------|-------|
| Pandalaparru | 17/1A | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 17/1B | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 17/1D | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 17/1E | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 17/1E | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 17/2M | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 17/2M | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 17/2N | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 17/2D | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 17/2P | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 17/2S | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 17/27 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 17/2W | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 17/2Y | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 17/2AS | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 15/1A | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 15/8 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 15/8 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-------------|-------|---|----|---|---|----|
| | 15/9 | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 15/15 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 15/16 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 15/17 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 15/18 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 5/1C | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 5/1D | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 5/1E | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 5/3A | 0 | 22 | 0 | 0 | 54 |
| | 5/3B | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 5/5 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 5/6 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 15/7 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 4/1 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 4/3 | 0 | 08 | 5 | 0 | 21 |
| | 4/4 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 4/5 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 3/1 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 3/5 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 3/4 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 3/6 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 2/1 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 2/2 | 0 | 14 | 0 | 0 | 34 |
| | 3/3P | 0 | 15 | 5 | 0 | 38 |
| | 3/3P | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 1 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| Grand Total | | 2 | 23 | 5 | 5 | 52 |

[No. O-12016/34/91-ONGD-4]

का.आ. 126.—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पेरवज़ि से कोम्बूर तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ सेलमन विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की अंशा की घोषणा करती है।

बेशर्त कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के.जि. प्रोजेक्ट, भूतेकरणा कार्यालय, राजमंडि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज करते समय किसी भी व्यक्ति की यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायक के माध्यम से अपना मन प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइप लाइन परेवलि से कोम्बूर

| गांव | आर.एस.नं. | हेक्टार्स | ए.सी | सेन्टिएस | एकर्स | सेन्टस |
|------|-----------|-----------|------|----------|-------|--------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | 1 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 2/1 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 2/2 | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 2/11 | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 2/12 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 2/13 | 0 | 14 | 5 | 0 | 36 |
| | 4/5 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 4/7 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 4/8 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 4/6 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 3/2 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 3/3 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 3/4 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 3/5 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 3/6 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 3/7 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 3/8 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 3/9 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 3/9 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 3/12 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 6/1 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 47/4 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 47/5 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 47/6 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 47/6 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 47/7 | 0 | 15 | 0 | 0 | 37 |
| | 47/8 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 46/9 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 46/10 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 46/13 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 49/1 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 49/2 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 49/3 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 49/4 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 49/6 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 50/1ए | 0 | 14 | 5 | 0 | 35 |
| | 50/1सी | 0 | 20 | 0 | 0 | 50 |
| | | 2 | 21 | 0 | 5 | 43 |

[सं. ओ-12016/35/91-ओ एन जी-डो-4]

S.O. 126.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Peravali to Kovvur in A.P. State a pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule to annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act,

1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

R.O.U. Pipe Line from 'PERAVALI' to 'KOVVURU'

State : Andhra Pradesh

District : West Godavari

Mandal : Nidadavolu

| Village | R.S. No. | Hectars | Ares | Centiars | Acres | Cent |
|------------------|----------|---------|------|----------|-------|------|
| 1 | 2 | | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Purushotta Palli | 1 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 2/1 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 2/2 | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 2/11 | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 2/12 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 2/13 | 0 | 14 | 5 | 0 | 36 |
| | 4/5 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 4/7 | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 4/8 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 4/6 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 3/2 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 3/3 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 3/4 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 3/5 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 3/6 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 3/7 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 3/8 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 3/ | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 3/9 | 0 | 01 | 0 | 0 | 07 |
| | 3/12 | 0 | 00 | 5 | 0 | 01 |
| | 6/1 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 47/4 | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 47/5 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 47/6 | 01 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | 47/6 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 47/7 | 0 | 15 | 0 | 0 | 37 |
| | 47/8 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 46/9 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 46/10 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 46/13 | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 49/1 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 49/2 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 49/3 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-------|-------|---|----|---|---|----|
| | 49/4 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 49/6 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 50/IA | 0 | 14 | 5 | 0 | 35 |
| | 50/IC | 0 | 20 | 0 | 0 | 50 |
| TOTAL | | 2 | 21 | 0 | 5 | 43 |

[No. O-12061/35/91/-ONG D-4]

का.आ. 127.—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पेरवलि से कोन्वर तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाता है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की अंशा की घोषणा करती है।

बेशर्त कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी, संक्षेप प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के, जी. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा कार्यालय, राजमुद्रि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज करते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइप लाइन पेरवलि से कोन्वर तक
आंध्र प्रदेश जिला: पश्चिम गोदावरी मंडल : निडदवोलु

| गांव | आर. एस. सं. | हक्टास | एर्स | सेन्टिएर्स | एकर्स | सेन्टस |
|--------|-------------|--------|------|------------|-------|--------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| गोपवरम | 164 | 0 | 20 | 0 | 0 | 50 |
| | 165/1 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 165/2 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 165/3 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 166/1 | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 166/2 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 166/3 | 0 | 20 | 0 | 0 | 50 |
| | 166/4 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 166/5 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 166/6 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 170/1 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 170/2 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 170/3 | 0 | 21 | 5 | 0 | 53 |
| | 169/ | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|------------|--------|---|----|---|---|----|
| गोपवरम | 167/1 | 0 | 16 | 5 | 0 | 41 |
| | 167/2 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 100 | 0 | 23 | 0 | 0 | 57 |
| | 95 | 0 | 38 | 5 | 0 | 95 |
| | 94 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 49/112 | 0 | 28 | 0 | 0 | 69 |
| | 50 | 0 | 31 | 0 | 0 | 76 |
| | 93/1 | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 93/2 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 93/3 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 92 | 0 | 23 | 0 | 0 | 57 |
| | 91 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 90/114 | 0 | 28 | 5 | 0 | 71 |
| | 90/3 | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 85 | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 86 | 0 | 21 | 5 | 0 | 53 |
| | 88 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| कुल मिलाकर | | 3 | 82 | 5 | 9 | 45 |

[मं. ओ. - 12016/36/91-ओ. एन. जी. डी-4]

S.O. 127.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Peravali to Kovvur in A.P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule to annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land Act, 1962

the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K. G. Project, Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

R.O.U. Pipe Line from Peravali to Kovvure.

State : Andhra Pradesh : District : West Godavari; Mandal : Nidadvolu

| Village | R.S.O. No. | Hectares | Areas | Centiares | Acres | Cents |
|-----------|------------|----------|-------|-----------|-------|-------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Gopavaram | 164 | 0 | 20 | 0 | 0 | 50 |
| | 165/1 | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 165/2 | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 165/3 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 166/1 | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 166/2 | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 166/3 | 0 | 20 | 0 | 0 | 50 |
| | 166/4 | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 166/5 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|-----------|--------|-----|-----|-----|-----|-----|
| Gopevaram | 166/6 | 0 | 03 | 0 | 0 | 05 |
| | 170/1 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 170/2 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 170/3 | 0 | 21 | 5 | 0 | 53 |
| | 169/ | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 167/1 | 0 | 16 | 5 | 0 | 41 |
| | 167/2 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 100 | 0 | 23 | 0 | 0 | 57 |
| | 95 | 0 | 38 | 5 | 0 | 95 |
| | 94 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 49/112 | 0 | 28 | 0 | 0 | 69 |
| | 50 | 0 | 31 | 0 | 0 | 76 |
| | 93/1 | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 93/2 | 0 | 07 | 5 | 0 | 19 |
| | 93/3 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 92 | 0 | 23 | 0 | 0 | 57 |
| | 91 | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 90/114 | 0 | 28 | 5 | 0 | 71 |
| | 90/3 | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 85 | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 86 | 0 | 21 | 5 | 0 | 53 |
| | 88 | 0 | 01 | 5 | 0 | 04 |
| | | 3 | 82 | 5 | 9 | 45 |

[No. O-12016/36/91-ONG D-4]

का. आ. 128.—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पेरबलि से कोच्चर तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खंड 3 के उपखंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की अशा की घोषणा करती है :-

वशत कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी संक्षेप प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के जी. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा कार्यालय, राजमुद्रि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विश्वविधसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

शेड्यूल

आर. ओ. यू. गैस पाईप लाईन परवालि से कोव्वूरु

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश

मंडल - निडदवोलु

जिला - पश्चिम गोदावरी

| गांव | आर० एस० नं. | हक्टास | एर्स | सेन्टियर्स | आकर्स | सेन्टस |
|-------------|-------------|--------|------|------------|-------|--------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| विज्जेश्वरम | 11/2 | 0 | 35 | 0 | 0 | 86 |
| | 10/1 | 0 | 15 | 0 | 0 | 37 |
| | 10/2 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 10/3 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 7/1 | 0 | 14 | 0 | 0 | 34 |
| | 7/2 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 7/3 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 7/4 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 4/1 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 4/2 | 0 | 29 | 5 | 0 | 72 |
| | 1 | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| कुल मिलाकर | | 1 | 35 | 5 | 3 | 34 |

[सं. ओ - 12016/37/91 - ओ एन जी डी - 4]

S.O. 128.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Peravali to Kovvur in A.P. State a pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule to annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals

pipeline (Acquisition of Right of User in the land Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

R.O.U. Pipe line from "PERAVALI" to "KOVVURU"

STATE : ANDHRA PRADESH

DISTRICT: WEST GODAVARI

MANDAL : NIDADAVOLA

| Village | R.S.No. | Hectares | Ares | Centiares | Acres | Cents |
|------------|---------|----------|------|-----------|-------|-------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| VIJESWARAM | 11/2 | 0 | 35 | 0 | 0 | 86 |
| | 10/1 | 0 | 15 | 0 | 0 | 37 |
| | 10/2 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 10/3 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 7/1 | 0 | 14 | 0 | 0 | 34 |
| | 7/2 | 0 | 04 | 5 | 0 | 11 |
| | 7/3 | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 7/4 | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 4/1 | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 4/2 | 0 | 29 | 5 | 0 | 72 |
| | 1 | 0 | 29 | 0 | 0 | 22 |
| TOTAL | | 1 | 35 | 5 | 3 | 34 |

[No O-12016/37/91-ONGD-4]

का. आ. 129.—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पेरवलि से कोम्बूर तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962, (1962 का 50) के खंड 3 के उपखंड (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

वशातः कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति संक्षेप प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के. जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा कार्यालय, राजमुद्रि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

शेड्यूल

आर. ओ. यू. गैस पाइप लाइन पेरवलि से कोम्बूर

स्टेट : आंध्र प्रदेश

विलेज : मछूर

मंडल : कोम्बूर

जिला : पश्चिम गोदावरी

| गांव | आर. एस. नं. | हेक्टार्स | एर्स | सेन्टीयर्स | एकर्स | सेन्टस |
|------|--------------|-----------|------|------------|-------|--------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| मछूर | 85/4पीटी | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 85/6 पीटी | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 103/10 पीटी | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 170/1बी पीटी | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 85/7 पीटी | 0 | 18 | 0 | 0 | 45 |
| | 85/8 पीटी | 0 | 0 | 5 | 0 | 01 |
| | 88/1 पीटी | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 88/2 पीटी | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 88/5 पीटी | 0 | 0 | 5 | 0 | 01 |
| | 87/पीटी | 0 | 18 | 0 | 0 | 45 |
| | 102/बी | 0 | 18 | 5 | 0 | 46 |
| | 102/ए | 0 | 21 | 0 | 0 | 52 |
| | 103/12 | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 101/1ए | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 124/1ई | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 97/1 पीटी | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 97/5 पीटी | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 234/4 बी | 0 | 14 | 5 | 0 | 36 |
| | 236/1 पीटी | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 236/2 पीटी | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 100/1 पीटी | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-------------|---------------|---|----|---|---|----|
| मछूर (जारी) | 150/5 पोटो | 0 | 21 | 0 | 0 | 52 |
| | 100/3 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 100/4 | 0 | 15 | 0 | 0 | 37 |
| | 99/1 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 98/1बी | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 99/2 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 99/5 | 0 | 0 | 5 | 0 | 01 |
| | 99/6 | 0 | 0 | 5 | 0 | 01 |
| | 96/पोटो | 0 | 0 | 5 | 0 | 01 |
| | 125/पार्ट | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 98/2ए | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 98/2बी | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 98/2सी | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 98/2डी | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 98/3 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 97/1 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 231/5ए | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 231/2बी | 0 | 25 | 0 | 0 | 62 |
| | 230/1 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 231/1ए | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 230/2 | 0 | 23 | 5 | 0 | 58 |
| | 226/2ए | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 226/1 | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 227/4 | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 227/3 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 227/4 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 227/5 | 0 | 35 | 0 | 0 | 86 |
| | 104/6 | 0 | 0 | 5 | 0 | 01 |
| | 213/2ए | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 213/2बी | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 213/3 पार्ट | 0 | 26 | 5 | 0 | 65 |
| | 225/1 | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 170/1बी | 0 | 42 | 0 | 1 | 04 |
| | 171/1बी | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 211/पोटो | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 171/1ए पोटो | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 172/1 पोटो | 0 | 11 | 5 | 0 | 29 |
| | 172/2 | 0 | 14 | 5 | 0 | 36 |
| | 180/2 पोटो | 0 | 22 | 5 | 0 | 56 |
| | 180/1बी पोटो | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 180/1 डी पोटो | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 181/1 सी पोटो | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 181/2 पोटो | 0 | 18 | 0 | 0 | 45 |
| | 181/2 पोटो | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 181/3 पोटो | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|--------------|---|----|---|----|----|
| | 183/पीटी | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 182/पीटी | 0 | 05 | 5 | 0 | 06 |
| | 232/9ए पीटी | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 232/9ए पीटी | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 232/9बी पीटी | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 232/9सी पीटी | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 232/9सी पीटी | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 232/9 डी | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 234/4ए | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 236/3एफ | 0 | 19 | 0 | 0 | 47 |
| | 220/3बी | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 220/6 पीटी | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 220/6 पीटी | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | | 7 | 33 | 5 | 18 | 12 |

[सं. ओ - 12016/38/91 - ओ एन जी डी - 4]

एम. मार्टिन, डैस्क अधिकारी

S.O. 129.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Peravali to Kovvur in A.P. State a pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule to annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals

pipeline (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

ROU GAS PIPE LINE FROM PERAVALI TO KOVVUR

STATE : ANDHRA PRADESH

VILLAGE MADDUR

MANDAL - KOVVUR

DISTRICT : WEST GODAVARI

| Village | R.S. No. | Hectars | Ares | Centiares | Acres | Cents |
|---------|-----------|---------|------|-----------|-------|-------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| MADDUR | 85/4 pt | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 85/6 pt | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 103/10 pt | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 170/1B pt | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 85/7 pt | 0 | 18 | 0 | 0 | 45 |
| | 85/8 pt | 0 | 0 | 5 | 0 | 01 |
| | 88/1 pt | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 88/2 pt | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 88/5 pt | 0 | 0 | 5 | 0 | 01 |
| | 87/ pt | 0 | 18 | 0 | 0 | 45 |
| | 102/B | 0 | 18 | 5 | 0 | 46 |
| | 102/A | 0 | 21 | 0 | 0 | 52 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-----------------|-----------|---|----|---|---|----|
| MADDUR—(Contd.) | 103/12 | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | 101/1A | 0 | 03 | 0 | 0 | 08 |
| | 124/1E | 0 | 09 | 0 | 0 | 22 |
| | 97/1 pt | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 97/5 pt. | 0 | 14 | 0 | 0 | 35 |
| | 234/4B | 0 | 14 | 5 | 0 | 36 |
| | 236/1 pt | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 236/2 pt | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 100/1 pt | 0 | 02 | 0 | 0 | 05 |
| | 100/3 pt | 0 | 21 | 0 | 0 | 52 |
| | 100/3 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 100/4 | 0 | 15 | 0 | 0 | 37 |
| | 99/1 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 98/1B | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 99/2 | 0 | 01 | 0 | 0 | 03 |
| | 99/5 | 0 | 0 | 5 | 0 | 01 |
| | 96/6 | 0 | 0 | 5 | 0 | 01 |
| | 96/pt | 0 | 0 | 5 | 0 | 01 |
| | 125/pt | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 98/2A | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 98/2B | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 98/2C | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 98/2D | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 98/3 | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 97/1 | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 231/5A | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 231/2B | 0 | 25 | 0 | 0 | 62 |
| | 230/1 | 0 | 07 | 5 | 0 | 18 |
| | 231/1A | 0 | 12 | 0 | 0 | 30 |
| | 230/2 | 0 | 23 | 5 | 0 | 58 |
| | 226/2A | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 226/1 | 0 | 13 | 5 | 0 | 33 |
| | 227/4 | 0 | 09 | 5 | 0 | 24 |
| | 227/3 | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 227/4 | 0 | 10 | 5 | 0 | 26 |
| | 227/5 | 0 | 35 | 0 | 0 | 86 |
| | 104/6 | 0 | 0 | 5 | 0 | 01 |
| | 213/2A | 0 | 08 | 0 | 0 | 20 |
| | 213/2B | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 213/3 pt | 0 | 26 | 5 | 0 | 65 |
| | 225/1 | 0 | 13 | 0 | 0 | 32 |
| | 170/1B | 0 | 42 | 0 | 1 | 04 |
| | 171/1B | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 211/pt | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 171/1A pt | 0 | 04 | 0 | 0 | 10 |
| | 172/1pt | 0 | 11 | 5 | 0 | 29 |
| | 172/2 pt | 0 | 14 | 5 | 0 | 36 |
| | 180/2 pt | 0 | 22 | 5 | 0 | 56 |
| | 180/1B pt | 0 | 06 | 0 | 0 | 15 |
| | 180/1Cpt | 0 | 06 | 5 | 0 | 16 |
| | 180/10 pt | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 181/1C pt | 0 | 09 | 5 | 0 | 23 |
| | 181/2 pt | 0 | 18 | 0 | 0 | 45 |
| | 181/2 pt | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |
| | 181/3 pt | 0 | 05 | 5 | 0 | 13 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|----------------|------------|---|----|---|----|----|
| MRDDUR—(Contd) | 183/ pt | 0 | 03 | 0 | 0 | 07 |
| | 182/pt | 0 | 05 | 5 | 0 | 14 |
| | 95/pt | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 232/9A pt | 0 | 10 | 0 | 0 | 25 |
| | 232/9Apt | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 232/9B pt | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 232/9 C pt | 0 | 02 | 5 | 0 | 06 |
| | 232/9C pt | 0 | 07 | 0 | 0 | 17 |
| | 232/9D | 0 | 03 | 5 | 0 | 09 |
| | 234/4A | 0 | 05 | 0 | 0 | 12 |
| | 236/3F | 0 | 19 | 0 | 0 | 47 |
| | 220/3B | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 220/6 pt | 0 | 01 | 0 | 0 | 02 |
| | 220/6 pt | 0 | 11 | 0 | 0 | 27 |
| | | 7 | 33 | 5 | 18 | 12 |

[No. O-12016/38/91-ONG.D4].

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1991

का. घा. 130:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक-हित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कांठला से पंजाब राज्य में भटिंडा तक राजस्थान और हरियाणा से होकर पैट्रोलियम के परिवहन के लिए इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछानी जाए;

और ऐसे प्रतीत होता है कि ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए इस अधिसूचना से उद्घाटन अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है;

अतः, केन्द्रीय सरकार पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 52) को धारा 2 का उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार अर्जन करने के अपने आशय का घोषणा करती है।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवन् कोई व्यक्ति उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन या भूमि के अन्दर पाइपलाइन बिछाने पर आक्षेप लिखित रूप में श्री एम.एस. वागेडा, संयुक्त अधिकारी और सहाय अधिकारी इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, कांठला-भटिंडा पाइपलाइन परियोजना, डो-45/बी, मुनाय मार्ग, "सी", स्काम, जयपुर-302001 को राजपत्र में प्रकाशित इस अधिसूचना का प्रतियां जतन की उपलब्ध कराए जाने की आशय से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

अनुसूची

| सहस्राल-शहरपुरा | जिला : | जयपुर | राज्य : | राजस्थान |
|---------------------|----------|-------------|---------|----------|
| क्षेत्रफल | | | | |
| गांव का नाम | खसरा नं. | हेक्टेयर और | वर्ग | माटर |
| जोखुई ऊर्फ विशनपुरा | 1229 | 0 | 03 | 96 |
| | 1230 | 0 | 03 | 976 |
| | 1231 | 0 | 01 | 96 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|------|----------|---|----|-----|
| | 1232 | 0 | 04 | 50 |
| | 1233 | 0 | 04 | 86 |
| | 1200 | 0 | 03 | 24 |
| | 1198 | 0 | 04 | 14 |
| | 1195 | 0 | 04 | 14 |
| | 1180 | 0 | 06 | 84 |
| | 1179 | 0 | 05 | 576 |
| | 1178 | 0 | 02 | 88 |
| | 983 | 0 | 07 | 20 |
| वेवन | 500 | 0 | 07 | 07 |
| | 499 | 0 | 00 | 72 |
| | 501 | 0 | 10 | 62 |
| | 514/2897 | 0 | 01 | 44 |
| | 514 | 0 | 06 | 48 |
| | 502 | 0 | 01 | 54 |
| | 503 | 0 | 01 | 22 |
| | 504 | 0 | 05 | 04 |
| | 505 | 0 | 03 | 24 |
| | 505/2898 | 0 | 04 | 86 |
| | 506 | 0 | 00 | 54 |
| | 496 | 0 | 01 | 80 |
| | 494 | 0 | 16 | 02 |
| | 492 | 0 | 07 | 28 |
| | 491 | 0 | 06 | 84 |
| | 490 | 0 | 00 | 36 |
| | 243 | 0 | 02 | 34 |
| | 242 | 5 | 02 | 52 |
| | 222 | 0 | 02 | 34 |
| | 223 | 0 | 06 | 84 |
| | 225 | 0 | 00 | 36 |
| | 238 | 0 | 08 | 64 |
| | 237 | 0 | 08 | 64 |
| | 236 | 0 | 19 | 44 |
| | 232 | 0 | 04 | 32 |

| 1 | 3 | 6 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|-----|---|----|----|------|----------|---|----|----|
| | 231 | 0 | 13 | 68 | | 1200 | 0 | 03 | 24 |
| | 154 | 0 | 00 | 90 | | 1198 | 0 | 04 | 14 |
| | 153 | 0 | 19 | 44 | | 1195 | 0 | 04 | 14 |
| | 121 | 0 | 07 | 20 | | 1180 | 0 | 06 | 84 |
| | 122 | 0 | 10 | 22 | | 1179 | 0 | 05 | 76 |
| | 123 | 0 | 04 | 36 | | 1178 | 0 | 02 | 88 |
| | 114 | 0 | 01 | 62 | | 983 | 0 | 07 | 20 |
| | 112 | 0 | 11 | 16 | | 500 | 0 | 07 | 38 |
| | 111 | 0 | 00 | 54 | Deva | 499 | 0 | 00 | 72 |
| | 109 | 0 | 02 | 88 | | 501 | 0 | 10 | 62 |
| | 75 | 0 | 22 | 68 | | 514/2897 | 0 | 01 | 44 |

[सं. आर.-31015/3/91-ओ.आर. I]

New Delhi, the 20 December, 1991

S.O.130.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab, via Rajasthan and Haryana, pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Any person interested in the land described in the said Schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri H.S. Bagera Liaison Officer and Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Kandla-Bhatinda Pipeline Project D-45/B, Subhash Marg, 'C' Scheme, Jaipur-302 001.

SCHEDULE

Tehsil : Shahpura District : Jaipur State : Rajasthan

| Name of Village | Khasra No. | Area | | |
|-----------------|------------|---------|-----|----------|
| | | Hectare | Are | Centiare |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| Jaoje Khurd URF | 1229 | 0 | 03 | 96 |
| Vishanpura | 1230 | 0 | 03 | 96 |
| | 1231 | 0 | 03 | 96 |
| | 1232 | 0 | 04 | 50 |
| | 1233 | 0 | 04 | 86 |

Deva

| | | | | |
|--|----------|---|----|----|
| | 500 | 0 | 07 | 38 |
| | 499 | 0 | 00 | 72 |
| | 501 | 0 | 10 | 62 |
| | 514/2897 | 0 | 01 | 44 |
| | 514 | 0 | 06 | 48 |
| | 502 | 0 | 01 | 54 |
| | 503 | 0 | 04 | 22 |
| | 504 | 0 | 05 | 04 |
| | 505 | 0 | 03 | 24 |
| | 505/2898 | 0 | 04 | 86 |
| | 506 | 0 | 00 | 54 |
| | 496 | 0 | 01 | 80 |
| | 494 | 0 | 16 | 02 |
| | 492 | 0 | 08 | 28 |
| | 491 | 0 | 06 | 84 |
| | 490 | 0 | 00 | 36 |
| | 243 | 0 | 02 | 34 |
| | 242 | 0 | 02 | 52 |
| | 222 | 0 | 02 | 34 |
| | 223 | 0 | 06 | 84 |
| | 225 | 0 | 00 | 36 |
| | 238 | 0 | 08 | 64 |
| | 237 | 0 | 08 | 64 |
| | 236 | 0 | 19 | 44 |
| | 232 | 0 | 04 | 32 |
| | 231 | 0 | 13 | 68 |
| | 154 | 0 | 00 | 90 |
| | 153 | 0 | 19 | 44 |
| | 121 | 0 | 07 | 20 |
| | 122 | 0 | 10 | 22 |
| | 123 | 0 | 04 | 36 |
| | 114 | 0 | 01 | 62 |
| | 112 | 0 | 11 | 16 |
| | 111 | 0 | 00 | 54 |
| | 109 | 0 | 02 | 88 |
| | 75 | 0 | 22 | 68 |

[No. R-31015/3/91-O.R.I]

का. आ. 131. --केंद्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कांडला से पंजाब राज्य में बटिन्दा तक राजस्थान और हरियाणा से होकर पेट्रोलियम के परिवहन के लिए इच्छित आयल कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जाए ;

और ऐसा प्रतीत होता है कि ऐसा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए इस अधिसूचना से उपाखंड अनुसूची में वर्णित भूमि में उपरोक्त अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है,

अतः, केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 3 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय के घोषणा करती है।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हिनबद्ध कोई व्यक्ति उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन या भूमि के अन्दर पाइपलाइन बिछाने पर आशेष लिखित रूप में श्री एम. एम. बागेंडा, संपर्क अधिकारी और गम्मत अधिकारी, इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, बागेंडा-मटिडा पाइपलाइन परियोजना, डी-35/बी, सुभाष मार्ग, "सी" स्कीम, जयपुर-302001 को राजपत्र में प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां जतना भी उपलब्ध कराये जाने की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

अनुसूची

तहसील : आमेर जिला : जयपुर राज्य : राजस्थान

क्षेत्रफल

| गांव का नाम | खमरा नं. | हेक्टर | आर | वर्गमीटर |
|--------------------|----------|--------|----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| मोबाना | 806 | 0 | 12 | 96 |
| | 804 | 0 | 01 | 62 |
| | 802 | 0 | 34 | 74 |
| | 800 | 0 | 05 | 52 |
| | 801 | 0 | 01 | 98 |
| | 799 | 0 | 06 | 48 |
| | 795 | 0 | 31 | 10 |
| | 794 | 0 | 00 | 54 |
| | 626 | 0 | 07 | 56 |
| | 625 | 0 | 14 | 94 |
| | 573 | 0 | 12 | 96 |
| | 571 | 0 | 20 | 88 |
| | 562/3 | 0 | 07 | 56 |
| | 562/1 | 0 | 17 | 54 |
| | 560 | 0 | 00 | 80 |
| | 561 | 0 | 02 | 60 |
| कालवाड कला व खुर्द | 178/303 | 0 | 00 | 09 |
| | 178/302 | 0 | 04 | 86 |
| | 178/301 | 0 | 05 | 58 |
| | 178/300 | 0 | 02 | 88 |
| | 178/299 | 0 | 10 | 08 |
| | 178/298 | 0 | 05 | 04 |
| | 178/297 | 0 | 03 | 28 |
| | 178/296 | 0 | 09 | 18 |
| | 178/295 | 0 | 08 | 64 |
| | 178/294 | 0 | 09 | 52 |
| | 178/293 | 0 | 07 | 92 |
| | 178/292 | 0 | 03 | 96 |
| | 178/291 | 0 | 01 | 44 |
| | 178/290 | 0 | 00 | 09 |
| | 199 | 0 | 18 | 88 |
| | 177 | 0 | 01 | 10 |
| | 178 | 0 | 62 | 64 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----------------|---------|----|----|----|
| शक जयसिंह नगर | 2/16 | 0 | 18 | 00 |
| | 2/15 | 0 | 32 | 84 |
| | 2/13 | 0 | 36 | 42 |
| | 2/11 | 0 | 20 | 16 |
| | 2/10 | 0 | 01 | 98 |
| | 2 | 0 | 26 | 68 |
| जुगलपुरा | 4 | 0 | 04 | 32 |
| | 7 | 0 | 28 | 90 |
| | 50 | 0 | 24 | 30 |
| | 52 | 0 | 04 | 68 |
| | 150/206 | 0 | 17 | 00 |
| | 150/207 | 0 | 30 | 76 |
| | 152 | 0 | 24 | 64 |
| | 154 | 0 | 16 | 50 |
| | 155 | 14 | 14 | 38 |
| | 158 | 0 | 09 | 02 |
| | 160 | 0 | 13 | 90 |
| | 165 | 0 | 20 | 50 |
| | 8 | 0 | 00 | 40 |
| | 61 | 0 | 02 | 60 |
| | 60 | 0 | 01 | 88 |
| | 57 | 0 | 04 | 86 |
| | 58 | 0 | 10 | 94 |
| | 55 | 0 | 09 | 18 |
| | 68 | 0 | 05 | 76 |
| | 70 | 0 | 04 | 72 |
| | 69 | 0 | 00 | 32 |
| | 72 | 0 | 06 | 30 |
| | 73 | 0 | 08 | 46 |
| | 97 | 0 | 05 | 04 |
| | 96 | 0 | 10 | 18 |
| | 104 | 0 | 00 | 16 |
| | 103 | 0 | 13 | 50 |
| | 106 | 0 | 14 | 12 |
| | 108 | 0 | 17 | 76 |
| | 148 | 0 | 08 | 64 |
| | 147 | 0 | 09 | 08 |
| | 144 | 0 | 00 | 24 |
| | 141 | 0 | 35 | 52 |
| | 159 | 0 | 38 | 30 |
| अचनेल | 1034 | 0 | 12 | 96 |
| | 1028 | 0 | 14 | 58 |
| | 1027 | 0 | 00 | 60 |
| | 1030 | 0 | 28 | 80 |
| | 802 | 0 | 76 | 44 |
| सलिरबास | 43 | 0 | 01 | 62 |
| | 73 | 0 | 16 | 22 |
| | 74 | 0 | 16 | 24 |
| | 107 | 0 | 10 | 80 |
| | 109 | 0 | 12 | 60 |
| | 41 | 0 | 01 | 26 |
| | 111 | 0 | 00 | 54 |
| | 42 | 0 | 33 | 12 |
| | 64 | 0 | 02 | 10 |
| | 55 | 0 | 07 | 56 |
| नांगल मुमावतान | 493 | 0 | 12 | 60 |

S.O. 131.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab via Rajasthan and Haryana, Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Any person interested in the land described in the said schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri H.S. Bagera, Liaison Officer and Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited Kandla Bhatinda Pipeline Project, D-45/B, Subhash Marg, 'C' Scheme, Jaipur-302001.

SCHEDULE

Tehsil: AMBER

District : JAIPUR

State : RAJASTHAN

| Name of Village | Khasra No. | Area | | |
|----------------------|------------|---------|------|----------|
| | | Hectare | Area | Centiare |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| LABANA | 806 | 0 | 12 | 96 |
| | 804 | 0 | 01 | 62 |
| | 802 | 0 | 34 | 47 |
| | 800 | 0 | 05 | 58 |
| | 801 | 0 | 01 | 98 |
| | 799 | 0 | 06 | 48 |
| | 795 | 0 | 31 | 14 |
| | 794 | 0 | 00 | 54 |
| | 626 | 0 | 07 | 56 |
| | 625 | 0 | 14 | 94 |
| | 573 | 0 | 12 | 96 |
| | 571 | 0 | 20 | 88 |
| | 562/3 | 0 | 07 | 56 |
| | 562/1 | 0 | 17 | 54 |
| | 560 | 0 | 09 | 80 |
| | 561 | 0 | 02 | 60 |
| KALWAR KALAN & KHURD | 178/303 | 0 | 00 | 09 |
| | 178/302 | 0 | 04 | 86 |
| | 178/301 | 0 | 05 | 58 |
| | 178/300 | 0 | 20 | 88 |
| | 178/299 | 0 | 10 | 08 |
| | 178/298 | 0 | 05 | 04 |
| | 178/297 | 0 | 08 | 28 |
| | 178/296 | 0 | 09 | 18 |
| | 178/295 | 0 | 08 | 64 |
| | 178/294 | 0 | 09 | 54 |
| | 178/293 | 0 | 07 | 92 |
| | 178/292 | 0 | 03 | 96 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|----------------------|---------|---|---|---|----|----|
| KALWAR KALAN & KHURD | 17/291 | | | 0 | 01 | 44 |
| | 178/290 | | | 0 | 00 | 09 |
| | 177 | | | 0 | 01 | 10 |
| | 199 | | | 0 | 18 | 88 |
| | 178 | | | 0 | 62 | 64 |
| CHAK JAI SINGH NAGAR | 2/16 | | | 0 | 18 | 00 |
| | 2/15 | | | 0 | 32 | 84 |
| | 2/13 | | | 0 | 36 | 42 |
| | 2/11 | | | 0 | 20 | 16 |
| | 2/10 | | | 0 | 01 | 98 |
| JUGAL PURA | 2 | | | 0 | 26 | 68 |
| | 4 | | | 0 | 04 | 32 |
| | 7 | | | 0 | 28 | 90 |
| | 50 | | | 0 | 24 | 30 |
| | 52 | | | 0 | 04 | 68 |
| | 150/206 | | | 0 | 17 | 00 |
| | 150/207 | | | 0 | 30 | 76 |
| | 152 | | | 0 | 24 | 64 |
| | 154 | | | 0 | 16 | 50 |
| | 155 | | | 0 | 14 | 38 |
| | 158 | | | 0 | 09 | 02 |
| | 160 | | | 0 | 13 | 90 |
| | 165 | | | 0 | 20 | 50 |
| | 8 | | | 0 | 00 | 40 |
| | 61 | | | 0 | 02 | 60 |
| | 60 | | | 0 | 01 | 88 |
| | 57 | | | 0 | 04 | 86 |
| | 58 | | | 0 | 10 | 94 |
| | 55 | | | 0 | 09 | 18 |
| | 68 | | | 0 | 05 | 76 |
| | 70 | | | 0 | 04 | 72 |
| | 69 | | | 0 | 00 | 32 |
| | 72 | | | 0 | 06 | 30 |
| | 73 | | | 0 | 08 | 46 |
| | 97 | | | 0 | 05 | 04 |
| | 96 | | | 0 | 10 | 18 |
| | 104 | | | 0 | 00 | 16 |
| | 103 | | | 0 | 13 | 50 |
| | 106 | | | 0 | 14 | 12 |
| | 108 | | | 0 | 17 | 76 |
| | 148 | | | 0 | 08 | 64 |
| | 147 | | | 0 | 09 | 08 |
| | 144 | | | 0 | 00 | 24 |
| | 141 | | | 0 | 35 | 52 |
| | 159 | | | 0 | 38 | 30 |
| ACHROL | 1034 | | | 0 | 12 | 96 |
| | 1028 | | | 0 | 14 | 58 |
| | 1027 | | | 0 | 00 | 60 |
| | 1030 | | | 0 | 28 | 80 |
| | 802 | | | 0 | 76 | 44 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----------------|-----|---|----|----|
| SALARWAS | 43 | 0 | 01 | 62 |
| | 73 | 0 | 16 | 22 |
| | 74 | 0 | 16 | 24 |
| | 107 | 0 | 10 | 80 |
| | 109 | 0 | 12 | 60 |
| | 41 | 0 | 01 | 26 |
| | 111 | 0 | 00 | 54 |
| | 42 | 0 | 33 | 12 |
| | 64 | 0 | 02 | 10 |
| | 55 | 0 | 07 | 56 |
| NAGAL SUSAWTAN | 493 | 0 | 12 | 60 |

[No. R-310] 5/3/91-O.R.I.]

का आ 132--केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कांडला से पंजाब राज्य में बटिंडा तक राजस्थान और हरियाणा से होकर पेट्रोलियम के परिवहन के लिए इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछायी जाए;

और ऐसा प्रतीत होता है कि ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए इस अधिसूचना में उपाखण्ड अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है;

अतः, केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवन्ध कोई व्यक्ति उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन या भूमि अन्दर पाइपलाइन बिछाने पर आक्षेप लिखित रूप में श्री एम. एस. बागेश, संपर्क अधिकारी और सक्षम अधिकारी, इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड, कांडला-बटिंडा पाइपलाइन परियोजना, डी-45/वी, मुभाष मार्ग, "सी" स्कीम, जयपुर-302001 को राजपत्र में प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां जनता को उपलब्ध कराए जाने की तारीख से 21 दिन भीतर कर सकेगा।

अनुसूची

तहसील: बिराटनगर जिला: जयपुर राज्य: राजस्थान

शब्द का नाम खजरा नं. क्षेत्रफल
हेक्टेयर और बर्गमीटर

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---------|---------|---|----|----|
| सूरपुरा | 674/987 | 0 | 01 | 80 |
| | 682 | 0 | 00 | 18 |
| | 683 | 0 | 02 | 34 |
| | 729 | 0 | 04 | 68 |
| | 730 | 0 | 05 | 76 |
| | 732 | 0 | 07 | 56 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---------|---------|---|----|----|
| सूरपुरा | 733 | 0 | 00 | 36 |
| | 735 | 0 | 02 | 34 |
| | 731 | 0 | 05 | 22 |
| | 736 | 0 | 02 | 16 |
| | 725 | 0 | 04 | 32 |
| | 726 | 0 | 04 | 32 |
| | 722 | 0 | 00 | 54 |
| | 711 | 0 | 11 | 06 |
| | 720 | 0 | 00 | 68 |
| | 719 | 0 | 00 | 18 |
| | 712 | 0 | 01 | 04 |
| | 713 | 0 | 01 | 80 |
| | 708 | 0 | 00 | 54 |
| | 714 | 0 | 10 | 08 |
| | 716 | 0 | 00 | 54 |
| | 707 | 0 | 00 | 36 |
| | 715 | 0 | 01 | 26 |
| | 693 | 0 | 01 | 62 |
| | 774 | 0 | 10 | 80 |
| | 775 | 0 | 01 | 62 |
| | 776 | 0 | 08 | 28 |
| | 788 | 0 | 03 | 96 |
| | 785 | 0 | 03 | 78 |
| | 784 | 0 | 09 | 00 |
| | 602 | 0 | 04 | 32 |
| | 601/995 | 0 | 28 | 80 |
| | 598 | 0 | 19 | 62 |
| | 597 | 0 | 02 | 34 |
| | 596 | 0 | 26 | 64 |
| | 585 | 0 | 05 | 76 |
| | 584 | 0 | 05 | 04 |
| | 583 | 0 | 10 | 44 |
| | 555 | 9 | 14 | 04 |
| | 554 | 0 | 13 | 32 |
| | 553 | 0 | 13 | 50 |
| | 552 | 0 | 03 | 06 |

| 1. | 2. | 3. | 4. | 5. |
|----------|-----------|----|----|----|
| जवानपुरा | 969 | 0 | 18 | 72 |
| | 1019 | 0 | 02 | 88 |
| | 1020 | 0 | 01 | 08 |
| | 1131 | 0 | 25 | 92 |
| | 1134 | 0 | 33 | 84 |
| | 1241 | 0 | 17 | 82 |
| | 1240 | 0 | 15 | 48 |
| | 1253 | 0 | 01 | 80 |
| | 1238 | 0 | 07 | 56 |
| | 1237 | 0 | 06 | 84 |
| | 1236 | 0 | 06 | 84 |
| | 1235 | 0 | 06 | 84 |
| | 1234 | 0 | 07 | 02 |
| | 1233 | 0 | 06 | 48 |
| | 1182 | 0 | 03 | 60 |
| | 1184 | 0 | 08 | 64 |
| | 1185 | 0 | 27 | 36 |
| | 1173 | 0 | 11 | 16 |
| | 1172 | 0 | 07 | 56 |
| | 1171 | 0 | 16 | 20 |
| | 1170 | 0 | 06 | 48 |
| | 1146 | 0 | 18 | 36 |
| | 1149 | 0 | 14 | 22 |
| | 1148 | 0 | 14 | 04 |
| | 1151 | 0 | 10 | 44 |
| | 1102 | 0 | 18 | 90 |
| | 1104 | 0 | 06 | 84 |
| | 1105 | 0 | 09 | 36 |
| | 1097 | 0 | 18 | 36 |
| | 1093 | 0 | 09 | 36 |
| | 1091 | 0 | 06 | 48 |
| | 1090 | 0 | 09 | 90 |
| | 1056/2192 | 0 | 07 | 96 |
| | 1052/2190 | 0 | 01 | 44 |
| | 1052 | 0 | 15 | 12 |
| | 1089 | 0 | 02 | 70 |
| | 1014 | 0 | 08 | 28 |
| | 1015 | 0 | 13 | 32 |
| | 1011 | 0 | 11 | 52 |
| | 970 | 0 | 07 | 56 |
| भाबर | 2180 | 0 | 06 | 30 |
| | 2181 | 0 | 06 | 30 |
| | 2183 | 0 | 08 | 64 |
| | 2184 | 0 | 05 | 58 |
| | 2195 | 0 | 09 | 36 |
| | 2203 | 0 | 07 | 56 |
| | 2916 | 0 | 06 | 48 |
| | 2917 | 0 | 06 | 30 |
| | 2918 | 0 | 08 | 46 |
| | 2924 | 0 | 08 | 28 |
| | 2925 | 0 | 10 | 89 |
| | 2927 | 0 | 00 | 27 |
| | 2929 | 0 | 00 | 72 |
| | 2945 | 0 | 02 | 52 |
| | 2978 | 0 | 09 | 36 |
| | 2980 | 0 | 03 | 40 |
| | 2981 | 0 | 03 | 62 |
| | 2995 | 0 | 03 | 60 |

| 1. | 2. | 3. | 4. | 5. |
|------|------|----|----|----|
| भाबर | 2996 | 0 | 03 | 60 |
| | 2999 | 0 | 05 | 04 |
| | 3003 | 0 | 09 | 36 |
| | 3006 | 0 | 15 | 48 |
| | 3007 | 0 | 11 | 16 |
| | 3012 | 0 | 23 | 62 |
| | 3002 | 0 | 00 | 88 |
| | 510 | 0 | 00 | 36 |
| | 511 | 0 | 05 | 40 |
| | 512 | 0 | 05 | 94 |
| | 513 | 0 | 05 | 04 |
| | 515 | 0 | 04 | 02 |
| | 516 | 0 | 11 | 50 |
| | 519 | 0 | 00 | 50 |
| | 537 | 0 | 01 | 62 |
| | 503 | 0 | 00 | 36 |

[सं जा-31015/3/91-ओ आर-1]

S.O. 132 Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab, via Rajasthan and Haryana pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Any person interested in the land described in the said Schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri H.S. Bagera Liaison Officer and Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Kandla-Bhatinda Pipeline Project D-45/B, Subhash Marg, 'C' Scheme, Jaipur-302 001.

SCHEDULE

Tehsil : Viratnagar District : Jaipur State : Rajasthan

| Name of Village | Khasra No. | Area | Hectare Area | Centi-area |
|-----------------|------------|------|--------------|------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| Soorpura | 674/937 | 0 | 01 | 80 |
| | 682 | 0 | 00 | 18 |
| | 683 | 0 | 02 | 34 |

| | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|------------|---------|---|---|----|----|------------|-----------|---|---|----|----|
| Soorpura | 729 | | 0 | 04 | 68 | Jawan Pura | 1185 | | 0 | 27 | 36 |
| | 730 | | 0 | 05 | 76 | | 1173 | | 0 | 11 | 16 |
| | 732 | | 0 | 07 | 56 | | 1172 | | 0 | 07 | 56 |
| | 733 | | 0 | 00 | 36 | | 1171 | | 0 | 16 | 20 |
| | 735 | | 0 | 02 | 34 | | 1170 | | 0 | 06 | 48 |
| | 731 | | 0 | 05 | 22 | | 1146 | | 0 | 18 | 36 |
| | 736 | | 0 | 02 | 16 | | 1149 | | 0 | 14 | 22 |
| | 725 | | 0 | 04 | 32 | | 1148 | | 0 | 14 | 04 |
| | 726 | | 0 | 04 | 32 | | 1151 | | 0 | 10 | 44 |
| | 722 | | 0 | 00 | 54 | | 1102 | | 0 | 18 | 90 |
| | 711 | | 0 | 11 | 06 | | 1104 | | 0 | 06 | 84 |
| | 720 | | 0 | 00 | 68 | | 1105 | | 0 | 09 | 36 |
| | 719 | | 0 | 00 | 18 | | 1097 | | 0 | 18 | 36 |
| | 712 | | 0 | 01 | 04 | | 1093 | | 0 | 09 | 36 |
| | 713 | | 0 | 01 | 80 | | 1091 | | 0 | 06 | 48 |
| | 708 | | 0 | 00 | 54 | | 1090 | | 0 | 09 | 90 |
| | 714 | | 0 | 10 | 08 | | 1056/2192 | | 0 | 03 | 96 |
| | 716 | | 0 | 00 | 54 | | 1052/2190 | | 0 | 01 | 44 |
| | 707 | | 0 | 00 | 36 | | 1052 | | 0 | 15 | 12 |
| | 715 | | 0 | 01 | 26 | | 1089 | | 0 | 02 | 70 |
| | 693 | | 0 | 01 | 62 | | 1014 | | 0 | 08 | 28 |
| | 774 | | 0 | 10 | 80 | | 1015 | | 0 | 13 | 32 |
| | 775 | | 0 | 01 | 62 | | 1011 | | 0 | 11 | 52 |
| | 776 | | 0 | 08 | 28 | | 970 | | 0 | 07 | 56 |
| | 788 | | 0 | 03 | 96 | BHABARU | 2180 | | 0 | 06 | 30 |
| | 785 | | 0 | 03 | 78 | | 2181 | | 0 | 06 | 30 |
| | 784 | | 0 | 09 | 00 | | 2183 | | 0 | 08 | 64 |
| | 602 | | 0 | 04 | 32 | | 2184 | | 0 | 05 | 58 |
| | 601/995 | | 0 | 28 | 80 | | 2195 | | 0 | 09 | 36 |
| | 598 | | 0 | 19 | 62 | | 2203 | | 0 | 07 | 56 |
| | 597 | | 0 | 02 | 34 | | 2916 | | 0 | 06 | 48 |
| | 596 | | 0 | 26 | 64 | | 2917 | | 0 | 05 | 30 |
| | 585 | | 0 | 05 | 76 | | 2918 | | 0 | 08 | 46 |
| | 584 | | 0 | 05 | 04 | | 2924 | | 0 | 08 | 28 |
| | 583 | | 0 | 10 | 44 | | 2925 | | 0 | 10 | 89 |
| | 555 | | 0 | 14 | 04 | | 2927 | | 0 | 00 | 27 |
| | 554 | | 0 | 13 | 32 | | 2929 | | 0 | 00 | 72 |
| | 553 | | 0 | 13 | 50 | | 2945 | | 0 | 02 | 52 |
| | 552 | | 0 | 03 | 06 | | 2978 | | 0 | 09 | 36 |
| Jawan Pura | 969 | | 0 | 18 | 72 | | 2980 | | 0 | 03 | 40 |
| | 1019 | | 0 | 02 | 88 | | 2981 | | 0 | 03 | 62 |
| | 1020 | | 0 | 01 | 08 | | 2995 | | 0 | 03 | 60 |
| | 1131 | | 0 | 25 | 92 | | 2996 | | 0 | 03 | 60 |
| | 1134 | | 0 | 33 | 84 | | 2999 | | 0 | 05 | 04 |
| | 1241 | | 0 | 17 | 82 | | 3003 | | 0 | 09 | 36 |
| | 1240 | | 0 | 15 | 48 | | 3006 | | 0 | 15 | 48 |
| | 1253 | | 0 | 01 | 80 | | 3007 | | 0 | 11 | 16 |
| | 1238 | | 0 | 07 | 56 | | 3012 | | 0 | 23 | 62 |
| | 1237 | | 0 | 06 | 84 | | 3002 | | 0 | 00 | 86 |
| | 1236 | | 0 | 06 | 84 | | 503 | | 0 | 00 | 36 |
| | 1235 | | 0 | 06 | 84 | | 510 | | 0 | 00 | 36 |
| | 1234 | | 0 | 07 | 02 | | 511 | | 0 | 05 | 40 |
| | 1233 | | 0 | 06 | 48 | | 512 | | 0 | 05 | 94 |
| | 1182 | | 0 | 03 | 60 | | 513 | | 0 | 05 | 04 |
| | 1184 | | 0 | 08 | 64 | | 515 | | 0 | 04 | 02 |

| | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-----|---|----|----|---|---|
| 516 | 0 | 11 | 50 | | |
| 519 | 0 | 00 | 59 | | |
| 537 | 0 | 01 | 62 | | |

[No. R-31015/3/91-O.R.I.]

का भा. 133.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में काठला से पंजाब राज्य में भटिया तक राजस्थान और हरियाणा में होकर पेट्रोपियम के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछायी जाए;

और ऐसा प्रतीत होता है कि ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है;

अतः, केन्द्रीय सरकार पेट्रोपियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आणख की घोषणा करती है।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में द्विवर्द्ध कोई व्यक्ति उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन या भूमि के अन्दर पाइपलाइन बिछाने पर आक्षेप लिखित रूप से श्री एच. एम. बागेशा, काठला भटिया पाइपलाइन परियोजना, डी-45/बी, सुभाष मार्ग, "सी" स्कीम, जयपुर-302001 को राजपत्र में प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां जनता की उपलब्ध कराए जाने की तारीख के भीतर से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

अनुसूची

सहस्रल—कोटपुतली जिला—अजमेर राज्य—राजस्थान

गांधी का नाम खसरा नंबर क्षेत्रफल

हेक्टेयर आर वर्गमीटर

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|------------|------|---|----|----|
| खेतना | 1284 | 0 | 09 | 18 |
| | 1285 | 0 | 07 | 38 |
| | 1313 | 0 | 07 | 02 |
| | 1310 | 0 | 07 | 84 |
| | 1309 | 0 | 00 | 80 |
| | 1322 | 0 | 08 | 28 |
| | 1323 | 0 | 01 | 60 |
| | 1325 | 0 | 05 | 94 |
| | 1326 | 0 | 05 | 76 |
| रघुनाथपुरा | 163 | 0 | 05 | 94 |
| | 164 | 0 | 01 | 89 |
| | 165 | 0 | 00 | 52 |
| | 391 | 0 | 05 | 76 |
| | 392 | 0 | 07 | 20 |
| | 398 | 0 | 06 | 12 |
| | 399 | 0 | 02 | 52 |
| | 420 | 0 | 04 | 78 |
| | 421 | 0 | 03 | 60 |
| | 422 | 0 | 02 | 88 |

गोवर्धनपुरा

| | | | | |
|-----------|-----------|---|----|----|
| गोधधनपुरा | 1240 | 0 | 19 | 80 |
| | 1263 | 0 | 01 | 98 |
| | 1264 | 0 | 05 | 04 |
| | 1265 | 0 | 40 | 40 |
| | 1266 | 0 | 02 | 88 |
| | 1267 | 0 | 12 | 24 |
| | 1364 | 0 | 01 | 08 |
| | 1441 | 0 | 04 | 32 |
| | 1442 | 0 | 09 | 00 |
| | 1443 | 0 | 23 | 04 |
| | 1446 | 0 | 09 | 18 |
| | 1476 | 0 | 18 | 72 |
| | 1477 | 0 | 14 | 58 |
| | 1523 | 0 | 14 | 58 |
| | 1526 | 0 | 10 | 44 |
| | 1530 | 0 | 09 | 90 |
| | 1532 | 0 | 08 | 46 |
| | 1535 | 0 | 08 | 28 |
| | 1536 | 0 | 02 | 52 |
| | 1537 | 0 | 04 | 88 |
| | 1538 | 0 | 03 | 96 |
| | 1539 | 0 | 02 | 88 |
| | 1560 | 0 | 18 | 90 |
| | 1571 | 0 | 02 | 70 |
| | 1259/1746 | 0 | 05 | 94 |
| | 1531 | 0 | 01 | 44 |
| | 1447 | 0 | 03 | 24 |
| | 1448 | 0 | 04 | 32 |
| कवरपुरा | 775 | 0 | 07 | 86 |
| | 758 | 0 | 03 | 26 |
| | 759 | 0 | 05 | 25 |
| | 763 | 0 | 05 | 06 |
| | 764 | 0 | 15 | 08 |
| | 767 | 0 | 22 | 24 |
| | 770 | 0 | 01 | 28 |
| | 771 | 0 | 07 | 94 |
| | 772 | 0 | 01 | 62 |
| | 780 | 0 | 02 | 88 |
| | 791 | 0 | 01 | 70 |
| | 826 | 0 | 07 | 58 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-----------------|------|---|----|----|
| कंवरपुरा (जारी) | 830 | 0 | 16 | 95 |
| | 831 | 0 | 01 | 68 |
| | 754 | 0 | 03 | 80 |
| कल्याणपुरा | 385 | 0 | 15 | 84 |
| | 388 | 0 | 00 | 48 |
| | 389 | 0 | 15 | 00 |
| | 715 | 0 | 15 | 84 |
| राहोडा | 347 | 0 | 05 | 59 |
| | 350 | 0 | 10 | 26 |
| | 351 | 0 | 05 | 94 |
| सोणदेड़ा | 537 | 0 | 03 | 78 |
| | 544 | 0 | 13 | 50 |
| | 546 | 0 | 17 | 10 |
| | 550 | 0 | 21 | 78 |
| पनियाला | 1728 | 0 | 23 | 78 |
| | 1739 | 0 | 14 | 32 |
| | 1739 | 0 | 10 | 28 |
| | 1834 | 0 | 01 | 08 |
| | 1835 | 0 | 06 | 10 |
| | 1893 | 0 | 02 | 34 |
| | 1894 | 0 | 06 | 48 |
| | 1375 | 0 | 15 | 84 |
| | 1381 | 0 | 18 | 30 |
| | 1715 | 0 | 01 | 44 |
| | 1716 | 0 | 08 | 28 |
| | 1718 | 0 | 12 | 80 |
| | 1719 | 0 | 26 | 92 |
| | 1736 | 0 | 09 | 38 |
| | 1895 | 0 | 07 | 26 |
| | 1896 | 0 | 12 | 78 |

[नं. प्रार-31015/3/91-भो.प्रार]

S.O. 133.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the Public interest that for the transport of petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab via Rajasthan and Haryana, Pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Any person interested in the land described in the said Schedule may within 21 days from the date

on which the copies of this notification as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri H.S. Bagera Liaison Officer and Competent authority Indian Oil Corporation Limited, Kandla Bhatinda pipeline Project D 45/5B, Subhash Marg 'C' Scheme, Jaipur 302 001.

SCHEDULE

Tehsil Kotputali District Jaipur State Rajasthan

| Name of Village | Khasra No. | Area | Hectare | Are | Centi-Are |
|-----------------|------------|------|---------|-----|-----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | |
| Khelna | 1284 | 0 | 09 | 18 | |
| | 1285 | 0 | 07 | 38 | |
| | 1313 | 0 | 07 | 02 | |
| | 1310 | 0 | 07 | 84 | |
| | 1309 | 0 | 00 | 80 | |
| | 1322 | 0 | 08 | 28 | |
| | 1323 | 0 | 01 | 60 | |
| | 1325 | 0 | 05 | 94 | |
| | 1326 | 0 | 05 | 76 | |
| | 163 | 0 | 05 | 94 | |
| | 164 | 0 | 01 | 89 | |
| | 165 | 0 | 00 | 52 | |
| | 391 | 0 | 05 | 76 | |
| | 392 | 0 | 07 | 20 | |
| | 398 | 0 | 06 | 12 | |
| Raghunath. pura | 399 | 0 | 02 | 52 | |
| | 420 | 0 | 04 | 78 | |
| | 422 | 0 | 02 | 88 | |
| | 421 | 0 | 03 | 60 | |
| | 423 | 0 | 05 | 04 | |
| | 433 | 0 | 15 | 16 | |
| | 434 | 0 | 14 | 16 | |
| | 440 | 0 | 01 | 44 | |
| | 444 | 0 | 13 | 40 | |
| | 445 | 0 | 10 | 21 | |
| | 453 | 0 | 10 | 70 | |
| | 454 | 0 | 05 | 76 | |
| | 457 | 0 | 09 | 54 | |
| | 469 | 0 | 00 | 36 | |
| | 456 | 0 | 06 | 40 | |
| Govardhan Pura | 160 | 0 | 04 | 32 | |
| | 162 | 0 | 04 | 32 | |
| | 1240 | 0 | 19 | 80 | |
| | 1263 | 0 | 01 | 98 | |
| | 1264 | 0 | 05 | 04 | |
| | 1265 | 0 | 05 | 40 | |
| | 1266 | 0 | 02 | 88 | |
| | 1267 | 0 | 12 | 24 | |
| | 1444 | 0 | 01 | 08 | |
| | 1441 | 0 | 04 | 32 | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|--|--|----------------|--|---|--|--|
| Govardhan Pura— Contd. | 1442 1443 1446 1476 1477 1523 1526 1530 1532 1535 1536 1537 1538 1539 1560 1571 1259/1746 1531 1447 1448 | 0 | 09 23 09 18 14 14 10 09 08 08 02 04 03 02 18 20 05 01 30 04 | 00 04 18 72 58 58 44 90 46 28 52 86 96 88 90 70 94 44 24 32 | Panyala Contd. | 1375 1381 1715 1716 1718 1719 1736 1895 1896 | 0 0 0 0 0 0 0 0 0 | 15 15 01 08 12 26 09 07 12 | 84 30 44 28 80 92 36 20 78 |
| [No. R-31015/3/91-O.R.-J.] | | | | | | | | | |
| का.आ. 134--केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कांडला में पंजाब राज्य में सटिंडा तक राजस्थान और हरियाणा में होकर पेट्रोलियम के परिवहन के लिए इंडियन आयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाया जाए; | | | | | | | | | |
| और ऐसा प्रतीत होता है कि ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है; | | | | | | | | | |
| अतः केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और अतिरिक्त पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है। | | | | | | | | | |
| उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवश कोई व्यक्ति उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन या भूमि के अन्ध पाइपलाइन बिछाने पर आपत्ति लिखित रूप में श्री एन. एस. बागेश, संपर्क अधिकारी और सक्षम अधिकारी, इंडियन आयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, कांडला-सटिंडा पाइपलाइन परियोजना, डी-45/बी, सुभाष मार्ग, "सी" स्कीम, जयपुर-302001 को राजपत्र प्रकाशन इस अधिसूचना की प्रतियां जनता की उप दृष्ट कराने की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा। | | | | | | | | | |
| अनुसूची | | | | | | | | | |
| तहसील--जयपुर जिला--राजपुर राज्य--राजस्थान | | | | | | | | | |
| क्षेत्रफल | | | | | | | | | |
| गांव का नाम | खसरा नं. | हेक्टेयर आर | वर्गमीटर | | | | | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | | | | | |
| मुसैन | 41 | 0 | 22 | 68 | | | | | |
| | 42 | 0 | 25 | 20 | | | | | |
| | 43 | 0 | 01 | 26 | | | | | |
| | 43/73 | 0 | 08 | 83 | | | | | |
| | 717 | 0 | 18 | 18 | | | | | |
| | 40 | 0 | 24 | 61 | | | | | |
| नामडोली | 190 | 0 | 14 | 54 | | | | | |
| | 191 | 0 | 28 | 43 | | | | | |
| | 193 | 0 | 12 | 80 | | | | | |
| | 209 | 0 | 21 | 86 | | | | | |
| | 211 | 0 | 23 | 50 | | | | | |
| | 254 | 0 | 07 | 92 | | | | | |
| Kalayan Pura | 385 388 389 715 | 0 0 0 0 | 15 00 15 15 | 84 48 00 84 | | | | | |
| Raheda | 347 350 351 | 0 0 0 | 05 10 05 | 58 26 94 | | | | | |
| Sangteda | 537 544 546 550 | 0 0 0 0 | 03 13 17 21 | 78 50 10 78 | | | | | |
| Panyala | 1728 1738 1739 1834 1835 1893 1894 | 0 0 0 0 0 0 0 | 23 14 10 01 06 02 06 | 78 32 38 08 10 34 48 | | | | | |

SCHEDULE

| 1. | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-----------------|-----------|---|----|----|
| जाम जोली (जारी) | 252 | 0 | 02 | 16 |
| | 234 | 0 | 70 | 60 |
| | 230 | 0 | 14 | 70 |
| | 231 | 0 | 11 | 52 |
| | 229 | 0 | 20 | 90 |
| | 228 | 0 | 09 | 54 |
| | 210 | 0 | 01 | 98 |
| | 233 | 0 | 01 | 32 |
| | 185 | 0 | 45 | 21 |
| | 186 | 0 | 01 | 98 |
| जयसिद्धपुर खोर | 2151 | 0 | 02 | 10 |
| | 2158 | 0 | 01 | 08 |
| | 2159 | 0 | 11 | 92 |
| | 2178 | 0 | 01 | 08 |
| | 2181 | 0 | 07 | 20 |
| | 2182 | 0 | 02 | 70 |
| | 2186 | 0 | 04 | 86 |
| | 2187 | 0 | 12 | 24 |
| | 2198 | 0 | 09 | 00 |
| | 2183 | 0 | 00 | 40 |
| | 2184 | 0 | 00 | 50 |
| | 2177 | 0 | 00 | 36 |
| | 2164 | 0 | 08 | 78 |
| | 2162 | 0 | 10 | 98 |
| | 2161 | 0 | 00 | 50 |
| | 2157/2588 | 0 | 10 | 80 |

[स. प्रा-31015/3/91-ओ. प्रार-I]

S.O. 134. - Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab, via Rajasthan and Haryana, pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Any person interested in the land described in the said Schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri H.S. Bagera, Liaison Officer and Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Kandla-Bhatinda Pipeline Project, D-45/B, Subhash Marg 'C' Scheme, Jaipur 302001.

Tehsil : Jaipur District : Jaipur State Rajasthan

| Name of Village | Khasra No. | area | Hectare | Are | Centi are |
|-----------------|------------|------|---------|-----|-----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | |
| Sumel | 41 | 0 | 22 | 68 | |
| | 42 | 0 | 25 | 20 | |
| | 43 | 0 | 01 | 26 | |
| | 43/731 | 0 | 08 | 82 | |
| | 717 | 0 | 18 | 18 | |
| | 40 | 0 | 24 | 61 | |
| Jamdoli | 190 | 0 | 14 | 54 | |
| | 191 | 0 | 28 | 43 | |
| | 193 | 0 | 02 | 70 | |
| | 209 | 0 | 21 | 80 | |
| | 211 | 0 | 22 | 50 | |
| | 254 | 0 | 07 | 92 | |
| | 252 | 0 | 02 | 16 | |
| | 234 | 0 | 70 | 60 | |
| | 230 | 0 | 14 | 70 | |
| | 231 | 0 | 11 | 52 | |
| | 229 | 0 | 20 | 90 | |
| | 228 | 0 | 09 | 54 | |
| | 210 | 0 | 01 | 98 | |
| | 233 | 0 | 04 | 32 | |
| | 183 | 0 | 45 | 21 | |
| | 186 | 0 | 01 | 98 | |
| Jaistgipura | 2151 | 0 | 02 | 10 | |
| Khor | 2158 | 0 | 01 | 08 | |
| | 2159 | 0 | 11 | 92 | |
| | 2178 | 0 | 01 | 08 | |
| | 2181 | 0 | 07 | 20 | |
| | 2182 | 0 | 02 | 70 | |
| | 2186 | 0 | 04 | 86 | |
| | 2187 | 0 | 12 | 24 | |
| | 2198 | 0 | 09 | 00 | |
| | 2183 | 0 | 00 | 40 | |
| | 2184 | 0 | 00 | 50 | |
| | 2177 | 0 | 00 | 36 | |
| | 2164 | 0 | 08 | 78 | |
| | 2162 | 0 | 10 | 98 | |
| | 2161 | 0 | 00 | 50 | |
| | 2157/2588 | 0 | 10 | 80 | |

[No. R-31015/3/91-OR-I]

का.प्रा. 135 - केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित में ऐसा आवश्यक है कि गुजरात राज्य में काडला से पंजाब राज्य में बटिन्डा तक राजस्थान और हरियाणा से होकर पेट्रोलियम के परिवहन के लिए 'बियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड' द्वारा वाइपलाइन बिछाई जाए :

और ऐसा प्रतीत होता है कि उक्त पाइपलाइन बिछाने के लिए इस अधिसूचना से उपाययुक्त अनुसूची में वर्णित भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दिए जाने की तारीख से 21 दिन के भीतर उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन या भूमि में पाइपलाइन बिछाने से संबंधित आक्षेप लिखित में श्री एन. एच. कुम्भार, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, कान्दला-भटिन्डा पाइपलाइन परियोजना, "किरन कोर्ट" प्लॉट नं. 85 सेक्टर-1, गांधीधाम (कच्छ), गुजरात को कर सकेगा ।

अनुसूची

| नहमील : पालनपुर | | जिला : बानसकांठा | राज्य : गुजरात | |
|-----------------|------------------|------------------|----------------|----------|
| गांव का नाम | सर्वेक्षण संख्या | क्षेत्रफल | | |
| | | हेक्टर | आर | वर्गमीटर |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| कानोदर | 95 | 0 | 23 | 57 |
| | 97 | 0 | 25 | 71 |
| | 96 | 0 | 02 | 14 |
| | 112 | 0 | 11 | 43 |
| | 60 | 0 | 12 | 57 |
| | 61 | 0 | 16 | 43 |

[सं. ओ-130/15/7/89-ओ.आर.-1]

S.O. 135.-- Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab via Rajasthan and Haryana, pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Any person interested in the land described in the said Schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published

the Gazette of India, are made available to general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri N.H. Kumbhar, Competent Authority Indian Oil Corporation Ltd., Kandla Bhatinda Pipeline Project, "Kiran Court", Plot No. 85, Sector 1, Gandhidham, (Kutch), Gujarat.

SCHEDULE

Tehsil : Palanpur Survey : Banaskantha
State : Gujarat

| Name of Village | Survey No. | Area | | |
|-----------------|------------|------|-----|----------|
| | | Hec. | Are | Sq. Mts. |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| Kanodar | 95 | 0 | 23 | 57 |
| | 97 | 0 | 25 | 71 |
| | 96 | 0 | 02 | 14 |
| | 112 | 0 | 11 | 43 |
| | 60 | 0 | 12 | 57 |
| | 61 | 0 | 16 | 43 |

[No. O-130/15/7/89-O.R.1]

का सा. 135--केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित में ऐसा आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कान्दला से पंजाब राज्य में भटिन्डा तक राजस्थान और हरियाणा से होकर पेट्रोलियम के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जाए ;

और ऐसा प्रतीत होता है कि उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए इस अधिसूचना में उपाययुक्त अनुसूची में वर्णित भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दिए जाने की तारीख से 21 दिन के भीतर उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन या भूमि में पाइपलाइन बिछाने से संबंधित आक्षेप लिखित में श्री एन. एच. कुम्भार, सक्षम प्राधिकारी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, कान्दला-भटिन्डा परियोजना, "किरन कोर्ट" प्लॉट नं. 85 सेक्टर-1, गांधीधाम (कच्छ) गुजरात को कर सकेगा ।

अनुसूची

| तहसील : भज्जा | जिला : कच्छ | राज्य : गुजरात |
|---------------|------------------|----------------------|
| गांव का नाम | सर्वेक्षण संख्या | क्षेत्रफल |
| | | हेक्टेयर आर वर्गमीटर |
| 1 | 2 | 3 4 5 |
| गोदी बीर | 945 | 0 07 40 |
| | 947 | 0 14 40 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---------------------|-------|---|----|----|
| मोटी चिरई (क्रमण :) | 550 | 0 | 10 | 80 |
| | 449 | 0 | 16 | 20 |
| | 447 | 0 | 20 | 70 |
| | 452 | 0 | 07 | 20 |
| | 453 | 0 | 23 | 40 |
| | 454 | 0 | 36 | 00 |
| | 464/1 | 0 | 09 | 00 |
| | 418 | 0 | 34 | 20 |
| | 413 | 0 | 04 | 50 |
| | 414/1 | 0 | 43 | 20 |
| | 359 | 0 | 04 | 50 |
| | 360 | 0 | 21 | 60 |
| | 361 | 0 | 26 | 10 |
| | 365/1 | 0 | 23 | 40 |
| | 373 | 0 | 07 | 20 |
| | 372 | 0 | 00 | 45 |
| | 370 | 0 | 12 | 15 |
| | 371 | 0 | 22 | 14 |
| | 378 | 0 | 26 | 10 |
| | 379 | 0 | 25 | 20 |
| | 380/1 | 0 | 22 | 05 |
| | 380/2 | 0 | 00 | 45 |
| | 317 | 0 | 22 | 05 |
| | 318/1 | 0 | 00 | 45 |
| | 316/3 | 0 | 06 | 30 |
| | 316/2 | 0 | 01 | 98 |
| | 316/1 | 0 | 10 | 35 |
| | 314/1 | 0 | 00 | 45 |
| | 315 | 0 | 21 | 60 |
| | 238/2 | 0 | 26 | 10 |
| | 240 | 0 | 13 | 50 |
| | 219 | 0 | 31 | 50 |
| | 218 | 0 | 00 | 90 |
| | 213/1 | 0 | 02 | 70 |

[सं. ओ-31015/7/89-ओ.आर-1]

S.O. 136 .—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab via Rajasthan and Haryana, pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Any person interested in the land described in the said Schedule may within 21 days from the date on

which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri N.H. Kumbhar, Competent Authority, Indian Oil Corporation Ltd., Kandla-B hatinda Pipeline Project, "Kiran Court", Plot No. 85, Sector 1, Gandhidham, (Kutch), Gujarat.

SCHEDULE

Tehsil : Bhachau District : Kutch State : Gujarat

| Name of Village | Survey No. | Area | | |
|-----------------|------------|------|-----|---------|
| | | Hec. | Are | Sq. Mts |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| Moti Chirai | 548 | 0 | 07 | 20 |
| | 547 | 0 | 14 | 40 |
| | 550 | 0 | 10 | 80 |
| | 449 | 0 | 16 | 20 |
| | 447 | 0 | 20 | 70 |
| | 452 | 0 | 07 | 20 |
| | 453 | 0 | 23 | 40 |
| | 454 | 0 | 36 | 00 |
| | 464/1 | 0 | 09 | 00 |
| | 418 | 0 | 34 | 20 |
| | 413 | 0 | 04 | 50 |
| | 414/1 | 0 | 43 | 20 |
| | 359 | 0 | 04 | 50 |
| | 360 | 0 | 21 | 60 |
| | 361 | 0 | 26 | 10 |
| | 365/1 | 0 | 23 | 40 |
| | 373 | 0 | 07 | 20 |
| | 372 | 0 | 00 | 45 |
| | 370 | 0 | 12 | 15 |
| | 371 | 0 | 22 | 14 |
| | 378 | 0 | 26 | 10 |
| | 379 | 0 | 25 | 20 |
| | 380/1 | 0 | 22 | 05 |
| | 380/2 | 0 | 00 | 45 |
| | 317 | 0 | 22 | 05 |
| | 318/1 | 0 | 00 | 45 |
| | 316/3 | 0 | 06 | 30 |
| | 316/2 | 0 | 01 | 98 |
| | 316/1 | 0 | 10 | 35 |
| | 314/1 | 0 | 00 | 45 |
| | 315 | 0 | 21 | 60 |
| | 238/2 | 0 | 26 | 10 |
| | 240 | 0 | 13 | 50 |
| | 219 | 0 | 31 | 50 |
| | 218 | 0 | 00 | 90 |
| | 213/1 | 0 | 02 | 70 |

[No. O-31015/7/89-O.R.-1]

का.आ. 137—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित में ऐसा आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कान्ढला से पंजाब राज्य में भटिन्डा तक राजस्थान और हरियाणा से होकर पेट्रोलियम के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जाए ;

और ऐसा प्रतीत होता है कि उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए इस अधिसूचना में उपाखंड अनुसूची में वर्णित भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है ,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा पदन गभिनियों का प्रयोग करने हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आगम की घोषणा करती है ।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में जिनबद कोर्ट व्यक्ति, राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दिए जाने की तारीख से 21 दिन के भीतर उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन या भूमि में पाइपलाइन बिछाने से संबंधित आक्षेप लिखित में श्री एन. एच. कुम्भार, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, कान्ढला-भटिन्डा पाइपलाइन परियोजना, "किरन कोर्ट" प्लॉट नं. 85, सेक्टर-1, गांधीधाम (कच्छ) गुजरात को कर सकेगा ।

अनुसूची

| तहसील : अंजार | जिला : कच्छ | राज्य : गुजरात | | |
|---------------|------------------|----------------|------|----------|
| गांव का नाम | सर्वेक्षण संख्या | क्षेत्रफल | | |
| | | हेक्टेयर | घा.र | वर्गमीटर |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| मीठीरोहर | 162 | 0 | 24 | 30 |
| | 163 | 0 | 24 | 30 |
| | 168 | 0 | 00 | 45 |
| | 128/1 | 0 | 08 | 64 |
| | 128/2 | 0 | 17 | 10 |
| | 131/1 | 0 | 14 | 22 |
| | 90/2 | 0 | 10 | 89 |
| | 72 | 0 | 31 | 32 |
| | 84/4 | 0 | 00 | 45 |
| | 73/1 | 0 | 16 | 65 |
| | 167 | 0 | 30 | 78 |
| | 170 | 0 | 00 | 45 |
| | 172/2 | 0 | 15 | 66 |
| | 117 | 0 | 07 | 20 |
| | 130 | 0 | 07 | 20 |
| | 91/1 | 0 | 00 | 45 |
| बुडवा | 21/2 | 0 | 14 | 40 |
| | 37/1 | 0 | 02 | 70 |
| | 21/4 | 0 | 03 | 60 |
| | 23 | 0 | 46 | 80 |
| पडाणा | 116/3 | 0 | 28 | 44 |
| | 122 | 0 | 17 | 10 |
| | 121 | 0 | 19 | 98 |
| | 120 | 0 | 21 | 42 |

| 1. | 2. | 3. | 4. | 5 |
|-----------------|-------|----|----|----|
| पडाणा (अमरावती) | 119/2 | 0 | 05 | 76 |
| | 119/3 | 0 | 08 | 55 |
| | 200/1 | 0 | 42 | 84 |
| | 138 | 0 | 28 | 44 |
| | 139/2 | 0 | 16 | 65 |
| | 140 | 0 | 06 | 45 |
| | 142 | 0 | 19 | 26 |

[सं. ओ.-31015/7/89-ओआर-I]

S.O. 137. —Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kandla in State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab via Rajasthan and Haryana, pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of User therein.

Any person interested in the land described in the said Schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri N.H. Kumbhar, Competent Authority, Indian Oil Corporation Ltd., Kandla Bhatinda Pipeline Project, "Kiran Court", Plot No. 85, Sector 1, Gandhidham. (Kutch), Gujarat.

SCHEDULE

| Tehsil : Anjar | District : Kutch | State : Gujarat |
|-----------------|------------------|------------------|
| Name of Village | Survey No. | Area |
| | | Hec. Are Sq. Mts |
| 1 | 2 | 3 4 5 |
| Mithi Mohar | 162 | 0 24 30 |
| | 163 | 0 24 30 |
| | 168 | 0 00 45 |
| | 128/1 | 0 08 64 |
| | 128/2 | 0 17 10 |
| | 131/1 | 0 14 22 |
| | 90/2 | 0 10 89 |
| | 72 | 0 31 32 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-------------|-------|---|----|----|
| Mithi Rohar | 84/4 | 0 | 00 | 45 |
| (Concl'd.) | 73/1 | 0 | 16 | 65 |
| | 167 | 0 | 30 | 78 |
| | 170 | 0 | 00 | 45 |
| | 172/2 | 0 | 15 | 66 |
| | 117 | 0 | 07 | 20 |
| | 130 | 0 | 07 | 20 |
| | 91/1 | 0 | 00 | 45 |
| Chudva | 21/2 | 0 | 14 | 40 |
| | 37/1 | 0 | 02 | 70 |
| | 21/4 | 0 | 03 | 60 |
| | 23 | 0 | 46 | 80 |
| Padana | 116/3 | 0 | 28 | 44 |
| | 122 | 0 | 17 | 10 |
| | 121 | 0 | 19 | 98 |
| | 120 | 0 | 21 | 42 |
| | 119/2 | 0 | 05 | 76 |
| | 119/3 | 0 | 08 | 55 |
| | 200/1 | 0 | 42 | 84 |
| | 138 | 0 | 28 | 44 |
| | 139/2 | 0 | 16 | 65 |
| | 140 | 0 | 00 | 45 |
| | 142 | 0 | 19 | 26 |

[No. O-13015/7/89-O.R.-I]

का.आ. 138.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित में ऐसा आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कांठला से पंजाब राज्य में भटिन्डा तक राजस्थान और हरियाणा से होकर पेट्रोलियम के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जाए ;

और ऐसा प्रतीत होता है कि उक्त पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) को धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने अग्रिम की घोषणा करती है ।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, राजपक्ष में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दिए जाने की तारीख से 21 दिन के भीतर उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन या भूमि में पाइप लाइन बिछाने से संबंधित आक्षेप लिखित में श्री एन. एच. कुम्हार, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, कांठला-भटिन्डा पाइपलाइन परियोजना, "किरत कोर्ट" प्लॉट नं. 5 सेक्टर-1, गांधीधाम (कच्छ) गुजरात को कर सकेगा ।

| अनुसूची | | | | |
|------------------|------------------|----------------|------|----------|
| नमूना नं. : रापर | जिला : कच्छ | राज्य : गुजरात | | |
| गाँव का नाम | सर्वेक्षण संख्या | क्षेत्रफल | | |
| | | हेक्टर | घारे | वर्गमीटर |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| कीडियानगर | 391/1 | 0 | 24 | 30 |
| | 541/6 | 0 | 18 | 00 |
| | 590/3 | 0 | 10 | 80 |
| | 590/2 | 0 | 16 | 20 |
| | 588 | 0 | 07 | 20 |
| | 589/1 | 0 | 14 | 40 |
| | 586 | 0 | 40 | 50 |
| | 582/1 | 0 | 09 | 00 |
| | 583/1 | 0 | 24 | 30 |
| | 583/3 | 0 | 07 | 20 |
| | 702/1 | 0 | 06 | 30 |
| | 702/2 | 0 | 06 | 30 |
| | 701/1 | 0 | 19 | 80 |
| | 703/2 | 0 | 17 | 10 |
| | 699 | 0 | 13 | 14 |
| | 697 | 0 | 00 | 90 |
| | 696/1 | 0 | 17 | 10 |
| | 696/4 | 0 | 16 | 20 |
| | 742/1 | 0 | 10 | 44 |
| | 746/3 | 0 | 02 | 70 |
| | 746/1 | 0 | 14 | 76 |
| | 746/2 | 0 | 15 | 66 |
| | 745/1 | 0 | 17 | 10 |
| | 744/1 | 0 | 07 | 74 |
| | 799/1 | 0 | 05 | 85 |
| | 810 | 0 | 05 | 85 |
| | 808/1 | 0 | 14 | 40 |
| | 809 | 0 | 04 | 50 |
| | 806 | 0 | 13 | 50 |
| | 804 | 0 | 28 | 80 |
| | 815 | 0 | 18 | 00 |
| | 943 | 0 | 09 | 00 |
| | 944 | 0 | 12 | 60 |
| | 949 | 0 | 54 | 00 |
| | 950/1 | 0 | 01 | 80 |
| | 970 | 0 | 13 | 50 |
| | 969 | 0 | 09 | 90 |
| | 967 | 0 | 19 | 44 |
| | 968/1 | 0 | 19 | 44 |
| | 967 | 0 | 19 | 44 |
| | 993/1 | 0 | 18 | 90 |
| | 992/3 | 0 | 03 | 60 |
| | 1229/1 | 0 | 19 | 44 |
| | 1228/1 | 0 | 11 | 70 |
| बाखलगर | 28/1 | 0 | 07 | 44 |
| | 28/2 | 0 | 07 | 44 |

[सं ओ-31015/8/89-ओ.आर.]

S.O. 138. —Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab via Rajasthan and Haryana, pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of User therein.

Any person interested in the land described in the said Schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to general public, object in writing to the acquisition of the right of User therein or laying of the pipeline under the land to Shri N.H. Kumbhar, Competent Authority, Indian Oil Corporation Ltd., Kandla Bhatinda Pipeline Project, "Kiran Court", Plot No. 85, Sector 1, Gandhinagar, (Kachchh), Gujarat.

SCHEDULE

Tehsil : Rapar District : Kachchh State : Gujarat

| Name of Village | Survey No. | Area | | |
|-----------------|------------|------|------|----------|
| | | Hec. | Acre | Sq. Mts. |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| Kadiyanagar | 591/1 | 0 | 24 | 30 |
| | 591/6 | 0 | 18 | 00 |
| | 590/3 | 0 | 10 | 80 |
| | 590/2 | 0 | 16 | 20 |
| | 588 | 0 | 07 | 20 |
| | 589/1 | 0 | 14 | 40 |
| | 586 | 0 | 40 | 50 |
| | 582/1 | 0 | 09 | 00 |
| | 583/1 | 0 | 24 | 30 |
| | 583/3 | 0 | 07 | 20 |
| | 702/1 | 0 | 06 | 30 |
| | 702/2 | 0 | 06 | 30 |
| | 701/1 | 0 | 19 | 80 |
| | 703/2 | 0 | 17 | 10 |
| | 699 | 0 | 13 | 14 |
| | 697 | 0 | 00 | 20 |
| | 696/1 | 0 | 17 | 10 |
| | 696/4 | 0 | 16 | 20 |
| | 742/1 | 0 | 10 | 41 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-------------|--------|---|----|----|
| Kadiyanagar | 746/3 | 0 | 02 | 70 |
| (Contd.) | 746/1 | 0 | 14 | 76 |
| | 746/2 | 0 | 15 | 66 |
| | 745/1 | 0 | 17 | 10 |
| | 744/1 | 0 | 07 | 74 |
| | 799/1 | 0 | 05 | 85 |
| | 810 | 0 | 05 | 85 |
| | 808/1 | 0 | 14 | 40 |
| | 809 | 0 | 04 | 50 |
| | 806 | 0 | 13 | 50 |
| | 804 | 0 | 28 | 80 |
| | 815 | 0 | 18 | 00 |
| | 943 | 0 | 09 | 00 |
| | 944 | 0 | 12 | 60 |
| | 949 | 0 | 54 | 00 |
| | 950/1 | 0 | 01 | 80 |
| | 970 | 0 | 13 | 50 |
| | 969 | 0 | 09 | 90 |
| | 967 | 0 | 19 | 44 |
| Badalpar | 968/1 | 0 | 19 | 44 |
| | 967 | 0 | 19 | 44 |
| | 993/1 | 0 | 18 | 90 |
| | 992/3 | 0 | 03 | 60 |
| | 1229/1 | 0 | 19 | 44 |
| | 1228/1 | 0 | 11 | 70 |
| | 28/1 | 0 | 07 | 44 |
| | 28/2 | 0 | 07 | 44 |

[No. O-31015/89-O.R.-I]

का.आ. 139.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि ओर हित में ऐसा आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कांडला सेपराब राज्य में बटिडा तक राजस्थान और हरियाणा में होकर पेट्रोलियम के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जाए;

और ऐसा प्रतीत होता है कि उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए इस अधिसूचना में उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है;

अतः, अथ, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में निम्नलिखित वर्गों के व्यक्ति, राजाव में यथा प्रस्तावित इस अधिसूचना की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दिए जाने का तारीख से 21 दिन के भीतर उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन या भूमि में पाइपलाइन बिछाने से संबंधित आक्षेप लिखित में श्री एन.एच. कुम्भार, सहाय प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, कांडला बटिडा पाइपलाइन-परियोजना, "निरन कोर्ट" प्लॉट नं० 85 सेक्टर 1, गांधीधाम (कच्छ) गुजरात को कर सकेंगे।

| अनुसूची | | | | |
|--------------|------------------|----------------|----|----------|
| तहसील : पाटन | जिला : मेहसाना | राज्य : गुजरात | | |
| गांव का नाम | सर्वेक्षण संख्या | क्षेत्रफल | | |
| | | हेक्टेयर | आर | वर्गमीटर |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| अघार | 44 | 0 | 10 | 99 |
| | 42 | 0 | 16 | 15 |
| | 43 | 0 | 01 | 72 |
| | 41 | 0 | 14 | 43 |
| | 40 | 0 | 18 | 55 |
| | 38 | 0 | 25 | 42 |
| | 37 | 0 | 10 | 99 |
| | 49 | 0 | 17 | 86 |
| | 1489 | 0 | 10 | 99 |
| | 1488 | 0 | 13 | 74 |
| | 1487 | 0 | 14 | 43 |
| | 1486 | 0 | 00 | 69 |
| | 1462 | 0 | 30 | 57 |
| | 1461 | 0 | 02 | 40 |
| | 1463 | 0 | 35 | 04 |
| | 1464 | 0 | 06 | 87 |
| | 1466 | 0 | 37 | 79 |
| समालपाटी | 557 | 0 | 01 | 38 |
| | 556 | 0 | 16 | 24 |
| | 555 | 0 | 02 | 42 |
| | 547 | 0 | 11 | 75 |
| | 546 | 0 | 18 | 32 |
| | 548 | 0 | 01 | 38 |

[सं. ओ-31015/8/89-ओ आर-1]

S.O. 139 —Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab via Rajasthan and Haryana, pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of User therein.

Any person interested in the land described in the said Schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to general public, object in writing to the acquisition of the right

of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri N.H. Kumbhar, Competent Authority, Indian Oil Corporation Ltd., Kandla Bhatinda Pipeline Project, "Kiran Court", Plot No. 85, Sector 1, Gandhidham, (Kachchh), Gujarat.

SCHEDULE

| Tehsil : Patan | District : Mehsana | State : Gujarat | | |
|-----------------|--------------------|-----------------|-----|----------|
| Name of Village | Survey No. | Area | | |
| | | Hec. | Are | Sq. Mts. |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| Aghar | 44 | 0 | 10 | 99 |
| | 42 | 0 | 16 | 15 |
| | 43 | 0 | 01 | 72 |
| | 41 | 0 | 14 | 43 |
| | 40 | 0 | 18 | 55 |
| | 38 | 0 | 25 | 42 |
| | 37 | 0 | 10 | 99 |
| | 49 | 0 | 17 | 86 |
| | 1489 | 0 | 10 | 99 |
| | 1488 | 0 | 13 | 74 |
| | 1487 | 0 | 14 | 43 |
| | 1486 | 0 | 00 | 69 |
| | 1462 | 0 | 30 | 57 |
| | 1461 | 0 | 02 | 40 |
| | 1463 | 0 | 35 | 04 |
| | 1464 | 0 | 06 | 87 |
| | 1466 | 0 | 37 | 79 |
| Samalpati | 557 | 0 | 01 | 38 |
| | 556 | 0 | 16 | 24 |
| | 555 | 0 | 02 | 42 |
| | 547 | 0 | 11 | 75 |
| | 546 | 0 | 18 | 32 |
| | 548 | 0 | 01 | 38 |

[No. O-31015/8/89-O.F.-I]

का.आ. 140.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित में ऐसा आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कांडला से पंजाब राज्य में बटिन्दा तक राजस्थान और हरियाणा से होकर पेट्रोलियम के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जाए;

और ऐसा प्रतीत होता है कि उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनों के लिए इस अधिसूचना में उदाहरण अनुसूची में वर्णित भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) को धारा 3 की उप-धारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवादी कोई व्यक्ति, राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतिमां जनता को उपलब्ध करा दिए

जाने की तारीख से 21 दिन के भीतर उनमें उपयोग के अधिकार का सर्वेक्षण या भूमि में पाइपलाइन बिछाने से संबंधित आक्षेप विहित में श्री एन एच. कुम्हार, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड कांडला मॉडर्न पाइपलाइन परियोजना, "किरन कोर्ट" प्लॉट नं. 85 सेक्टर-1, गांधीधाम (काच्छ) गुजरात को कर सकेगा।

अनुसूची

| तहसील : सान्तलपुर | | जिला : बसांकाठा | | राज्य : गुजरात | |
|-------------------|-----|------------------|----|----------------|--------|
| गांव का नाम | | सर्वेक्षण संख्या | | क्षेत्रफल | |
| | | | | हेक्टेयर | गोमीटर |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | |
| सान्तलपुर | 786 | 00 | 18 | 90 | |
| | 160 | 00 | 13 | 50 | |
| | 161 | 00 | 07 | 20 | |
| | 162 | 00 | 04 | 50 | |
| | 166 | 00 | 06 | 84 | |
| | 167 | 00 | 21 | 60 | |
| | 157 | 00 | 01 | 80 | |
| | 153 | 00 | 07 | 20 | |
| | 155 | 00 | 16 | 20 | |
| | 154 | 00 | 10 | 80 | |
| | 152 | 00 | 05 | 76 | |
| | 153 | 00 | 14 | 40 | |

[स. ओ-31015/8/89-ओ प्रार-I]

कु दीप सिंह, अवर सचिव

S.O. 140.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab via Rajasthan and Haryana, pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Any person interested in the land described in the said Schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri N.H. Kumbhar, Competent Authority, Indian Oil Corporation Ltd., Kandla Bhatinda Pipeline Project, "Kiran Court", Plot No. 85, Sector 1, Gandhidham, (Kachchh), Gujarat.

SCHEDULE

Tehsil : Santalpur District : Banaskantha
State : Gujarat

| Name of Village | Survey No. | Area | | |
|-----------------|------------|------|------|----------|
| | | Hec. | Acre | Sq. Mts. |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| Santalpur | 786 | 00 | 18 | 90 |
| | 160 | 00 | 13 | 50 |
| | 161 | 00 | 07 | 20 |
| | 162 | 00 | 04 | 50 |
| | 166 | 00 | 06 | 84 |
| | 167 | 00 | 21 | 60 |
| | 157 | 00 | 01 | 80 |
| | 156 | 00 | 07 | 20 |
| | 155 | 00 | 16 | 20 |
| | 154 | 00 | 10 | 80 |
| | 152 | 00 | 05 | 76 |
| | 153 | 00 | 14 | 40 |

[No. O-31015/8/89-C R.I.]

KULDIP SINGH, Under Secy.

थम मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 1991

का. आ. 141 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम, संगरूर के प्रबन्धन के संबंध निर्यातकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चण्डीगढ़ को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को प्राप्त हुआ था।

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 13th December, 1991

S.O. 141.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Chandigarh as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Sangrur of their workmen, which was received by the Central Government on the 11-12-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-
LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. ID 73/87

Darshan Singh Vs. Food Corporation of India

For the workman—Sh. P. K. Singla

For the management.—Sh. N. K. Zakhmi.

AWARD

Central Govt. vide gazette notification No L-42012/161/
86-D.11(B) dated 24th August, 1987 issued U/S 10 (1)(d) of

I.D. Act 1947 referred the following dispute to this Tribunal for decision:—

"Whether the action of the management of Distt. Manager Food Corporation of India, Sangrur in terminating Shri Darshan Singh S/o Shri Mukhtar Singh and subsequently and affording him re-employment, as request u/s 25H of the Industrial Disputes Act, as alleged is legal and justified? If not, to what relief the concerned workman entitled?"

2. Present case was at the stage of evidence of the management. Case was taken up in the lok adalat. Mr. P. K. Singla appearing on behalf of the workman has made statement that he does not want to pursue with the present reference and no dispute award may be returned to the Ministry. In view of the statement made by the rep. of the workman a no dispute award is returned to the Ministry.

Chandigarh.
29-10-91.

ADVIND KUMAR, Presiding Officer
[No. L-42012/161/86-D.II(B)]

का. आ. 142 : — औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एम्. सी. सी. एल. राम-कृष्णपुर के प्रबन्धन के संरक्षित निरजालों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचरट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-12-91 को प्राप्त हुआ था ।

S.O. 142.—In pursuance of section 47 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of S.C. Co. Ltd., Ramakrishnapur, and their workmen, which was received by the Central Government on the 11-12-91.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT HYDERABAD

PRESENT :—

Sri G. Krishna Rao, B.A.B.L., Industrial Tribunal
Thirtieth day of November Nineteen Hundred Ninety One
Industrial Dispute No. 51 of 1989

BETWEEN

The Workmen of S.C. Co. Ltd.,
Ramakrishnapur (A.P.)—Petitioner.

AND

The Management of S.C. Co. Ltd.
Ramakrishnapur (A.P.)—Respondent.

This case is coming for final hearing before me in the presence of Smt. V. Meenakshi, Advocate for the Petitioner and M/s. K. Srinivasa Murthy, G. Sudha, Mitra Das and V. Usha Rani, Advocate for the Respondent and upon perusing the material papers on record and having stood over for consideration till this day, the Court passed the following:

AWARD

This is a reference made by the Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-22012(225)/88-D.B. dated 30-6-1989 for adjudication of the dispute between the Management of M/s. Singareni Collieries Co. Ltd., Ramakrishnapur and their workmen setting forth the point for adjudication in the schedule appended thereto as follows:

"Whether the action of the Management of M/s. Singareni Collieries Co. Ltd., Ramakrishnapur Area in terminating services of Sri P. V. L. Narasimham, Coal Filler, Ravinder Khani-3 Incline w.e.f. 19-9-80.

is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

2. The said reference was registered as I.D. No. 51/89 on the file of this Tribunal. After receiving the notices from this Tribunal, the petitioner submitted his claim statement through registered post and later put in appearance through his Advocate. The Respondent filed its counter on 30-1-1990. 30-1-1990.

3. The averments of the claim statement filed by the Petitioner read as follows :

He, P. V. L. Narasimham was appointed as Temporary Turner Mazdoor in R.K.-3 Incline on 10-3-1978. In 1978 he did not pay me his salary for forty days and marked absent although he did duty in the mine. After forty days, he got his attendance marked and paid salary after this forty days non-payment, for the following period. When he asked him the reason, the Colliery Manager said that he did it as a punishment to him for speaking with him in English and for not doing work in his house. D. Anjanevelu, brother of Company School Teacher, gave Rs. 3,000.00 and to this Colliery Manager and he was promoted as Sirdar in a short time after giving certificate in coal cutting and timbering without actual training. Is not this unjust and the whims and the fancies of the Colliery Manager? He noted his native Place as Adilabad, when he was born at Kharagpur (West Bengal) where his father worked from 1956 to 1959 and he was born in 1957. The Manager has no right to mark wrong entry in his native place declaration. He prays this Court to get this rectified in the Company records. He was promoted as Coal Filler confirming his services on 1-6-1980 in RK 3 of S.C. Co. Ltd., RKP Area. In June 1980 he worked all the month except 11 (eleven) days sick leave. In July, he worked upto 18-7-1980 and was on sick leave from 19th to 29th of July, 1980. In August he worked upto 13-8-80. He took treatment under Dr. Rohini Kumari M.D. at Hyderabad staying at his uncle's house from 14-8-1980 to 15-10-1980 for sickness. When he approached the Colliery Manager, with Medical Fit Certificate on 16-10-1980, he arrogantly refused him to resume duty and said he terminated his service. This is illegal and against rules. He kept him in air and jobless from 14-9-1980 to 9-2-1981. This he did out of mere envy and grudge. Mr. Ananjevelu the next Colliery Manager reinstated him in duty on 10-2-1981, as worker in trance. Mr. D. Bhaskar Rao forced him to do the work of coal filling, coal cutter and timbering out of grudge. The work became much beyond human ability and endurance. Having become weak and sick, he applied for sick leave for fifteen days. The Colliery Manager took the leave letter but did not grant him leave from 31-3-1981 to 8-4-1981. But granted leave from 9-4-1981 to 15-4-1981. This is ridiculous. During this period from 13-3-1981 to 15-4-1981 he took treatment in S.C. Co. Dispensary at Kalyani Khani but as the disease aggravated due to mass treatment and lack of personal attention. So his father admitted him in the clinic of Dr. A. Somasekhar Rao, MBBS, Bellampally, keeping his mother to attend on him. His father admitted him under the medical treatment of Dr. Somasekhar Rao on the advice of the Colliery Manager, D. Bhaskar Rao, who told his father that treatment under Dr. Somasekhar Rao, will be better than in company hospital where there is mass treatment. So he gave a leave letter for sick leave from 16-4-1981 for ten days. The Colliery Manager granted the leave. His father went to Khammam, Rajahmundry and Narasipatnam to look after his personal affairs. Knowing that he is still sick he gave telegram from Khammam and Narasipatnam to the Colliery Manager to extend sanction of his sick leave. This is no offence. His father kept the Colliery Manager in touch of his sickness and requests for sick leave sanction are made. This is not improper and not a cause to remove him from service. The Colliery Manager himself recommended treatment for him under Dr. Somasekhar Rao, MBBS. The treatment and medical certificates of a MBBS doctor are valid and recognised by the Government for such purposes as sick leave etc. After recovery, he approached the Colliery Manager, D. Bhaskar Rao, with Medical Fit Certificate on 18-6-1981. What happened to the moods of the Colliery Manager is known to God only. He refused him to resume duty and put him to shame and asked him to send the Medical Fit Certificate to CDM/SCCo./Hyderabad. Though he requested him the whole day, he adamantly asked him to appeal to the Prime Minister. He was in drunken state. His was in cynical moods added to this. So he on 19-6-1981, appealed to the CMB/S.C.Co./

Hyderabad enclosing the Medical Fit Certificate to reinstate him. As he received no reply even after one month, he appealed to the Hon'ble Union Home Minister, Hon'ble Union Labour Minister and even to late Prime Minister Smt. Indira Gandhi. He even appealed to the present Prime Minister Sri Rajiv Gandhi. The Labour Ministry entrusted the I.D. to ALC/MNCL who tried his best to reconcile the issue. But to save his office D. Bhaskar Rao, the General Manager refused to reinstate him saying that not taking treatment in S.C. Co. Dispensaries is an offence, giving telegram to extend his sick leave is an offence. This is purely based on prejudice, baseless grudge and inhuman attitude. The S.C. Co. Management in this arrogant and cheating manner kept him on or job since 1-4-1981 upto date. Because he was interested in his job which is his only means of livelihood, he has been appealing to Union Government authorities to rescue him. His father has been taking treatment in S. C. Company Dispensaries and Area Hospital Bellampalli and Ramakrishnapur since 1985 for Thyrotoxicosis COPD and eye sight trouble. The Company referred him to Osmania General Hospital, Hyderabad two times and even today his disease is not cured but aggravated and he is suffering from these diseases. If he had gone to any private hospital or to any private Doctor, 'Specialist' he would have recovered by now. The Company Dispensaries do mass treatment daily to about 300 to 400 patients during six hours. Moreover taking treatment under MBBS doctor is not illegal. Even Government employees take treatment under MBBS doctors and avail sick leave. As such, it is not a fault on him to victimise him by keeping him out of job and under starvation all these years. This shows the S. C. Colliery Manager's baseless grudge and monstrous inhuman cruelty on him. His father became old. He has to maintain his parents, his sister, brother even now. The Manager challenged that he would not let him resume duty even if he appealed to authorities of Government of India and wrote letters to cancel his C.M.P.F. and take the money. He has full confidence in the integrity and goodwill of the Government of India. I beg to bring to your kind notice that he is kept by the S. C. Company Management in air since 16-4-1981 upto now, and horribly victimised to starvation, denying his right to do his job for his livelihood. He humbly request that to extend mercy on him and sanction orders for his reinstatement in S. C. Co. as General Mazdoor (since he became too weak due to starvation to work as coal filler) and for payment of back wages from 16-4-1981 to him upto reinstatement on the orders. Reasons for grudge was Colliery Manager Sri D. Bhaskar Rao (1) He refused when he daily asked him to go to his house to wash and iron the soiled clothes of his family, (2) He refused when he asked him daily to go to his house and bring vegetables for his food and clean his vessels, (3) He used to speak English and he narrow mindedly felt it a disgrace for him before the workers. Once again he humbly request with the Court to arrange reinstatement in the S. C. Co. Ltd., and to arrange payment of all back wages since 16-4-1981 upto his resuming duty.

4. The averments of the counter filed by the Respondent read as follows :

At the outset this Respondent denise the various allegations made in the petition except those are specifically admitted herein and the petitioner is put to strict proof of the same. With reference to para 1 it is true that the petitioner was initially appointed as temporary Tunnel Mazdoor in Ramakrishnapur-3 Incline, on 10th March, 1978. The allegation that the petitioner was not paid salary for 40 days and marked absent for that period though he was on duty in the mine is not correct. The further allegation that the Colliery Manager gave instructions to punish the petitioner on the alleged ground the petitioner spoke in English with him and not worked in his house which resulted in non-payment of salary and later got the petitioner attendance and paid salary is totally false. It may be noticed prior to 1-6-1980 for the number of days he worked the salary was paid. No punishment was given much less the delayed payment to petitioner as alleged and the petitioner is put to strict proof of the same. It is absolutely baseless and far from truth that Sri D. Anjaneyulu, brother of a teacher of Company School had given Rs. 3,000.00 to the Colliery Manager and got promoted as Sirdar in a short time basing on certificates in Coal Cutting and Timbering avoiding actual training. The fact is that the promotions are made as per the stipulated procedures in the Company. To cause prejudice to the Respondent's case the petitioner has chosen to make false allegations which

are not connected to the present dispute. With reference to para 2, the allegation that the management has wrong entries with regard to native place is not correct and rectification in entries is not the dispute before this Hon'ble Court. The relief and allegation made is outside the scope of reference. It is true that he was promoted as Coal Filler with effect from 1-6-1980 at R. K. No. 3 Incline. It is not correct to say that he worked all the month except 11 (eleven) days sickleave. As a matter of fact he had availed 11 days leave in June, 1980 and did not work even for a single day in the month of June, 1980. It is incorrect that he worked in July upto 18-7-1980. The fact is that in July, 1980 he did not work but availed sick leave on loss of pay from 19-7-1980 to 29-7-1980. It is absolutely false that he worked in August upto 13-8-1980. Infact he did not work in August at all. The petitioner had no knowledge from whom he took treatment and the petitioner is put to strict proof that he was under Dr. Kohini Kumari for treatment at Hyderabad from 14-8-1980 to 15-10-1980. It is respectfully submitted that there are specific leave rules for the employees and it is for the workmen to apply for the leave and only after sanction he has to avail the leave. The Respondent is having hospitals and dispensaries in the Mines. Those workmen who are sick have to report to the Hospitals and the same has to be communicated to the Personnel Department along with the leave application which will enable the management to regularise the absence of leave. There is 100 beds hospital at Kothagudem and also specialists are available for various diseases. Whenever a case is serious in nature and it cannot be treated in Company's hospitals with special attention, the Chief Medical Officer recommends such patient or workman's case to the specialist at Hyderabad. It is not open to the petitioner to obtain certificate from some Doctor at Hyderabad and made the allegation that he was under the treatment of the Doctor and thus he could not attend the duty. It is mandatory on the part of the employee to inform the management with regard to his absence. In the petitioner's case he has not chosen to inform to the management at all. It has become a practice to the workman to cover up their absence to bring Doctor certificates and produce the same to the management. With regard to para-3 the allegation that when the petitioner approached on 16-10-1980 with a Medical Fitness Certificate the Colliery Manager arrogantly refused to allow him to resume duty is totally false. The petitioner never approached the Colliery Manager. The allegation that the termination is illegal is not correct. It is respectfully submitted the Central Government vide letter No. L-22012(225)/88-D.IV.B dated 30-6-1989 made reference before this Hon'ble Tribunal which reads as follows :

"Whether the action of the Management of M/s. Singareni Collieries Co. Ltd., Ramakrishnapur Area in terminating services of Sri P. V. L. Narasimham, Coal Filler, Ravinder Khani-3 Incline w.e.f. 19-9-80, is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

It may be noticed the reference with regard to the alleged termination on 19-9-1980. It may be noticed because the petitioner has no interest in informing the management, remained absent and abandoned the service which resulted in management taking action under Clause 11(c) of the Company's Standing Orders. It may be noticed that the Respondent company has over one lakh workers and there is heavy absenteeism between 30 percent and 40 per cent and because of that coal production was effected and consequently all industries which are relying on Coal Industry coal as their raw materials and or fuel were also suffered. To avoid the absenteeism the workmen who are unauthorisedly absent and not followed the leave rules management was taking time to time appropriate action. In the years 1980-81 those employees who have not followed the leave rules and remained absent including the petitioner services were terminated under Clause 11(c) of the Standing Orders and the recognised Unions raised demand and made request to the Management to take them back into service as badlies. Thus, most of the people were posed as Badlies. Some of the workmen who are not interested did not join duty. Some people settled their claims and some people joined as badlies. Thus, this petitioner after terminating the services on 19-9-1980, in view of the recommendations of the Union's Settlements joined duty as worker trainee on 10-2-1981. The petition also assured the management that he will not repeat again, remain absent unauthorisedly and without any communication. The petitioner after joining as worker trainee again became irregular in his duty, attendance and behaviour and he was not

evencing any interest. The petitioner herein as worker trainee undergone the training from 10th February 1981 to 30th March, 1981 and from 31st March, 1981 once again he remained absent without any intimation upto 8th April, 1981. In spite of that when the petitioner applied for leave from 9-4-1981 to 15-4-1981, it was sanctioned by the Respondent Management.

The allegation that this petitioner applied for sick leave from 31-3-1981 is totally false and the petitioner is put to strict proof of the same. The further allegation that he has undergone treatment at Kalyani Khani Dispensary from 13-3-1981 to 15-4-1981 for the disease is not correct. The petitioner to cover up his absenteeism has chosen to make all false allegations. The allegation that while he was worker trainee Sri D. Bhaskar Rao, Colliery Manager forced the petitioner to do the work of coal filling coal cutter and timbering out of grudge is not correct. The further allegation that it has become much beyond human ability and endurance is totally false. The petitioner is not interested to work underground and he was trying to take lame excuses to cover up his absenteeism. The petitioner has chosen to attend his duty according to his will and convenience. Whenever he has applied for leave it was granted. The Respondent management has no knowledge with regard to the alleged admission in the clinic of Dr. A. Somasekhara Rao, Bellampalli and he has taken medical treatment under him. There was no information to the management either from his family members of the petitioner or from the petitioner about the alleged disease. The petitioner to cover up conveniently used the word 'disease' so as he can produce the Doctor Certificate conveniently at a later stage. The outside Doctors Certificates are not permissible for sanctioning leave according to Company rules. In Bellampalli Singareni Collieries Co. Ltd. is having 100 bed hospital. If at all he has interested to join at Bellampalli, he ought to have joined at Bellampalli Company hospital by taking permission from the concerned authorities, which he has not chosen to do. The tenor of the claim petition indicates to cover up his absenteeism the petitioner is conveniently using the word 'disease' and giving some Doctors' names and the petitioner is put to strict proof that he is suffering from such a disease and neither he nor his well wishers nor his family members could communicate to the management and he has taken treatment from Dr. A. Somasekhara Rao and Dr. Kum. Rohini. To cover up his absenteeism he has chosen to make all these false allegations against the Colliery Manager and the petitioner is put to strict proof of the same. The allegation the Colliery Manager has granted his leave and the petitioner's father went to Khammam, Rajahmundry and Narsipatnam to look after his personal affairs and gave telegrams from those places to the Colliery Manager to extent sanction of Sick leave is totally false. The allegation that the petitioner's father kept in touch with the Colliery Manager and informed about his sickness is totally false. The further allegation that the Colliery Manager recommended Dr. A. Somasekhara Rao for treatment is totally false. It is surprising to note what sort of disease the petitioner was suffering from 1980 to 16th April, 1981 is not disclosed. The petitioner has not come with clean hands before this Hon'ble Court even with regard to material facts. The allegation that after recovery the petitioner approached the Colliery Manager with a Medical Certificate dated 18-6-1981 but the petitioner was not knowing the moods of the Colliery Manager and asked him to send the medical report to CMD, Hyderabad is not correct and the petitioner has not approached the Colliery Manager at any point of time. The allegation that the petitioner has requested the Colliery Manager the whole day but he adamantly asked the petitioner to appeal to the Prime Minister is also not correct. Because the colliery Manager refused the appeals of the petitioner, the petitioner made appeal to the Union Minister for Home, to the late and the present Prime Minister and thus, he spent time upto 1985 is also totally false and the petitioner is put to strict proof with regard to various allegations made in this regard. The petitioner's father's disease is no way connected with petitioner's case. With an ulterior motive these allegations have been made in Para 4. There are several unwarranted comments and unconnected matters in this claim petition and the respondent company need not give any reply as they are not touching the reference. With reference to Paras 5 and 6 the allegation that in the dispensary there was a mass treatment for 300 to 400 people for six hours and so it is not illegal to have treatment from a MBBS Doctor, is not correct. These are the allegations made which are no way

connected with the dispute. The allegation that even Government employees take treatment under MBBS doctors and avail Sick leave and that it is not a fault on him to keep him out of job and under starvation all these years and that it shows the S. C. Colliery Manager's baseless grudge and cruelty is also not correct. The petitioner is negligent, careless and has chosen to remain absent as he like and to cover it up a story has been connected by the petitioner after termination and filed the claim petition. All the allegations made are no way connected with the reference. The allegation management kept him in air from 15-4-1981 upto now and horribly victimised to starvation is not correct. It may be noticed that this petitioner joined as Coal Filler, but he is not interested to work as Coal Filler. He tried to change over his work. One has to work according to appointment order for some time to change over the job or to get a promotion, but the petitioner has not chosen to do so and took sick leave and now chosen to make allegations against his superiors that they bore grudge against him. The allegation Sri D. Bhaskar Rao, Colliery Manager bore grudge against him for he has refused when he daily asked the petitioner to go to his house to wash and iron the soiled clothes of his family, is totally false. The further allegation that he refused when the Colliery Manager asked the petitioner to daily to go to his house and bring vegetables for his food and clean his vessels, is also totally false. The further allegation the petitioner used to speak in English and the Colliery Manager narrow mindedly felt it a disgrace for him before the workers which resulted in termination is also not correct. The entire claim petition is based on extenuous considerations and not based on reference. The Respondent herein submitted the above mentioned facts without prejudice to the rights of the respondent management. It is respectfully submitted except paras 1 and 2 of claims petition, the rest of the paragraphs are outside the scope of the reference. The Government made the reference with regard to the termination of the petitioner with effect from 19-9-1980. Afterwards his job was given and he has worked for some days and the petitioner has not attended the work and later on the management has terminated and further no reference has been made and the Tribunal cannot adjudicate upon the matter for the subsequent period of reappointment. Even otherwise it is submitted the termination is made in 1980 and it is a stale claim and it is well settled law that stale claims are not entertainable and on this ground also the petition is not maintainable. After termination in 1980 the petitioner was given a reappointment as worker trainee but he has not chosen to do the work. The petitioner is estopped by conduct to agitate to suit his own convenience. It is submitted, only to gain sympathy this petitioner has chosen to make a statement that because of non-availability of money the claim is delayed. It is the Union which has espoused his cause during conciliation and basing on its representation only reappointment was given and the petitioner could not pick up his work and did not attend his duties, that was the reason the Union has not filed the claim petition in this case. This clearly indicate the Union is not interested in the case. In view of what has been stated above the petitioner is not entitled for reinstatement with back wages and this Hon'ble Tribunal may be pleased to dismiss the claim statement.

5. Though several adjournments were granted to adduce his evidence, the petitioner did not choose to adduce any evidence on his behalf and his Advocate did not choose to prosecute his case and did not attend the Tribunal and therefore, the evidence on petitioner's side was closed. No documents were marked for the petitioner. M.W. 1 was examined for the Respondent and the Respondent's side was closed. Exs. M1 to M8 were marked for the Respondent.

6. The point for adjudication is whether the action of the Management of M/s. Singareni Collieries Company Limited, Ramakrishnapur Area, in terminating Services of Sri P. V. L. Narasimham, Coal Filler, Ravinder Khani-3 Incline w.e.f. 19-9-80 is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled.

7. POINT: As seen from the averments of the claim statement filed by the Petitioner, it is the case of the Petitioner that he worked from 18-7-1980 and was on sick leave from 19th to 29th July, 1980, that in August he worked upto 13-8-1980, that he took treatment under Dr. Rohini Kumari, M.D. at Hyderabad, staying at his uncle's house from 14-8-1980 to 15-10-1980 for sickness, that when he approached the Colliery Manager with Medical Fit Certificate

on 16-10-1980, he arrogantly refused him to resume duty and said he terminated his service, that thus he did out of mere envy and grudge, that Sri Banerjee the next Colliery Manager reinstated him in duty on 10-2-1981 as Worker trainee, that Sri D. Bhaskar Rao forced him to do the work of coal filling, coal cutter and timbering, out of grudge, that the work became much beyond human ability and endurance, that having become weak and sick, he applied for sick leave for 15 days, that the Colliery Manager took the leave letter but did not grant him leave from 31-3-1981 to 8-4-1981 but granted leave from 9-4-1981 to 15-4-1981, that during his period from 13-3-1981 to 15-4-1981 he took treatment in S.C. Co. Dispensary at Kalyani Khani but as the disease aggravated due to mass treatment and of personal attention, that so his father admitted him in the clinic of Dr. A. Somasekhar Rao, MBBS, Bellampally keeping his mother to attend on him, that his father admitted him under the medical treatment of Dr. Somasekhar Rao on the advice of the Colliery Manager D. Bhaskar Rao, who told his father that treatment under Dr. Somasekhar Rao, will be better than in company hospital where there is mass treatment, that so he gave a leave letter for sick leave from 16-4-1981 for ten days, that the Colliery Manager granted leave, that his father went to Khammam, Rajahmundry Narasipatnam to look after his personal affairs, that knowing that he is still sick he gave telegrams from Khammam and Narasipatnam to the Colliery Manager to extend sanction of his sick leave, that his father kept the Colliery Manager in touch of his sickness and requests for sick leave sanctions are made, that is not proper and not a cause to remove him from service, that the Colliery Manager himself recommended treatment for him under Dr. Somasekhar Rao, MBBS, that after recovery he approached the Colliery Manager D. Bhaskar Rao with Medical Fit Certificate on 18-6-1981, that he refused him to resume duty and put him to shame and asked him to send the Medical Fit Certificate to CMD/SCCo./Hyderabad, that so on 19-6-1981 he appealed to CMD/SCCo./Hyderabad enclosing Medical Fit Certificate to reinstate him, that as he received no reply even after one month, he appealed to the Hon'ble Union Home Minister and Hon'ble Union Labour Minister and even to late Prime Minister Smt. Indira Gandhi that he even appealed to the present Prime Minister Sri Rajiv Gandhi, that the Labour Minister entrusted the I.D. to A.C.L., Mancheril who tried his best to re-concile the issue but to save the officer Bhaskar Rao the General Manager refused to reinstate him saying that not taking treatment in S. C. Co. Dispensary is an offence, giving telegrams to extend sick leave is an offence, that this is based on prejudice, baseless grudge and in human attitude, that the Singareni Colliery Management in this arrogant and cheating manner kept him out of job since 16-4-1981 upto date, that he is kept by the S. C. Company Management in air since 16-4-1981 upto now, and horribly victimised to starvation denying his right to do his job for his livelihood. The prayer of the claim statement, he request that to extend mercy on him and sanction orders for his reinstatement in Singareni Collieries Co., as general mazdoor since he became too weak due to starvation to work as coal filler and for payment of back wages from 16-4-1981 to him upto reinstatement. So it is clear from the contention of the petitioner in the claim statement that the reinstatement sought for, by him is from 16-4-1981 in view of the reappointment of the petitioner as worker-trainee on 10-2-1981. But the subject matter of the reference for adjudication is, whether the action of the Respondent Company in terminating the services of the petitioner as coal filler, Ravinder Khani-3 Incline w.e.f. 19-9-1980 is justified and the said termination is not contended by the petitioner and he did not ask any relief in his claim statement with regard to his termination from service as coal filler w.e.f. 19-9-1980 as stated in the reference on which this Tribunal has to adjudicate. Moreover as seen from the averments of the claim statement filed by the petitioner that delay in moving the conciliation authorities for settlement in respect of his reinstatement into service either from 19-9-1980 as stated in the reference or from 16-4-1981 as contended by him in his claim statement. So it is clear from the averments of the claim statement filed by the petitioner that there is difference and conflict between the dispute of the reference made to this Tribunal by the Government of India, Ministry of Labour as the reference is with regard to the adjudication of the dispute for terminating the services of the petitioner as coal filler with effect from 19-9-1980 and the prayer of the petitioner in the claim statement is to reinstate the petitioner into service w.e.f. 16-4-1981 from which date according to the petitioner, he was terminated by the Res-

pondent—Company after he was reappointed into service of the Respondent Company as worker-trainee from 10-2-1981, which was the admitted case of the petitioner in his claim statement. On perusal of the averments of the claim statement, it is clear that nothing is brought on record that the petitioner moved the conciliation authorities to admit his dispute for conciliation for his removal as coal filler from service w.e.f. 19-9-1980. Whatever it may be, after filing the claim statement and put in appearance, the petitioner did not choose to prosecute his case and establish his contention either on the point as referred to in the reference by the Government of India or on the point he contended in his claim statement that he should be reinstated w.e.f. 16-4-1981. As seen from the averments of the claim statement, it is clear that the petitioner was re-appointed as Worker trainee on 10-2-1981 and he worked hardly for one month 18 days i.e. till 31-3-1981, even according to the contention of the petitioner himself and thereafter he applied for sick leave and did not attend to duties. As stated above, the petitioner failed to appear before the Tribunal subsequent to the filing of the claim statement and put in his appearance through his Advocate and did not evince any interest to prosecute his case and thereby he failed to establish his case as contended by him in his claim statement. As against the contention raised by the Petitioner in his claim statement, the Respondent examined M.W. 1 and marked Exs. M1 to M8 denying the allegations made by the petitioner in his claim statement and the evidence of M.W. 1 stands un rebutted. As has been observed by me earlier, there is conflict between the dispute referred to in the reference for adjudication and the contentions raised by the petitioner in his claim statement with regard to the date of removal as there are two dates of removal according to the contentions raised by the petitioner in his claims statement and in view of the fact that the petitioner did not choose to adduce any evidence either oral or documentary on his side to establish his case as contended by him in his claim statement, it is clear that the petitioner failed to establish his case and I am of opinion that under the circumstances of the case, the petitioner is not entitled for any relief in this case. Hence I answer the point accordingly.

8. In the result, an Award is passed holding that the petitioner is not entitled for any relief in his case. Under the circumstances of the case there will be no order as to costs.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 30th day of November, 1991.

G. KRISHNA RAO, Industrial Tribunal
[No. 22012(225)/38-D.IV(B)]

Appendix of Evidence

| | |
|---|---|
| Witness examined on behalf of the Petitioner. | Witness examined on behalf of the Respondent. |
| Nil. | M.W. 1 K. Ramadass |

Documents marked for the petitioner.

NIL.

Documents marked for the Respondent.

- Ex. M1 7-2-81—Copy of the office order dated 7-2-81 issued by D.S., RKP-I, S. C. Co. Ltd., Ramakrishnapur Division to Sri P. V. L. Narasimham.
- Ex. M2 29-7-85—Copy of the office order issued by the Colliery Manager, R. K. 1 S. C. Co. Ltd., to Sri P. V. L. Narasimham.
- Ex. M3—Identity and service card of Sri P. V. L. Narasimham.
- Ex. M4—Medical report issued by the Medical Officer, Ravinder Nagar Dispensary, Ramakrishnapur to Sri P. V. L. Narasimham.
- Ex. M5—Copy of the office order issued by the D.S., R.K.P.I., S. C. Co. Ltd., with regard to appointment of Sri P. V. L. Narasimham as Tunner Mazdoor.
- Ex. M6 4-9-81—Copy of the office order issued by D.S., R.K.P.-I, S. C. Co. Ltd., to Sri P. V. L. Narasimham with regard to cancelling the training.
- Ex. M7 19-9-90—Termination letter issued by Colliery Mazdoor, R. K. 3 S. C. Co. Ltd., to Sri P. V. L. Narasimham.

Ex. M8 9-3-70—Office Order issued by D.S., R.K.P., S. C. Co. Ltd., to Sri P. V. L. Narahimham and others with regard to appointing them as Temporary Tunnar Mazdoors.

with the case. The concerned workman is also not present. In view of the circumstances I have no other alternative but to pass a no-dispute award. Accordingly a no-dispute award is passed in this case.

N. K. SAHA, Presiding Officer

[No. L. 24012/125/87-D.IV(B)]

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर 1991

का. आ. 143:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार देमोमलिन कोलियरी सीतारामपुर ऐरिया आफ ई. सी. एल. के प्रबन्धन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, आसनसोल के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-12-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 17th December, 1991

S.O. 143.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Asansol as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Dhemomain Colliery, Sitarampur Area of M/s. E.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 11th December, 1991.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, ASANSOL

Reference No. 19/88

PRESENT:

Shri N. K. Saha, Presiding Officer.

PARTIES:

Employers in relation to the Management of Dhemomain Colliery, Sitarampur Area of M/s. E.C. Ltd.

AND

Their Workman.

APPEARANCES:

For the Employers—Sri P. K. Das, Advocate.

For the Workman—Sri S. Chakravorty, Representative of the Union.

INDUSTRY : Coal.

STATE : West Bengal.

Dated, the 19th November, 1991

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Ministry's Order No. L-24012(125)/87-D.IV(B) dated 29th February, 1988.

SCHEDULE

"Whether the Management of Dhemomain Colliery, Sitarampur Area of M/s. Eastern Coalfields Ltd., P.O. Sitarampur, District Burdwan in not providing employment to Sri Bhayalal Pashi dependent of Late Ramdin Pashi under Clause 10:4:2 of NCWA-II was justified? If not, to what relief Sri Bhayalal Pashi is entitled?"

2. Today (19-11-91) Sri S. Chakravorty the representative of the union submits that he has no instruction to proceed

का. आ. 144:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार देमोमलिन कोलियरी सीतारामपुर ऐरिया आफ ई. सी. एल. के प्रबन्धन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, आसनसोल के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 144.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Asansol as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Dhemomain Colliery, Sitarampur Area of M/s. E.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 11th December, 1991.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, ASANSOL

Reference No. 13/88

PRESENT:

Shri N. K. Saha, Presiding Officer.

PARTIES:

Employers in relation to the management of Dhemomain Colliery, Sitarampur Area of M/s. E.C. Ltd.

AND

Their Workman.

APPEARANCES:

For the Employers—Sri P. K. Das, Advocate.

For the Workman—Sri S. Chakravorty, Representative of the union.

INDUSTRY : Coal.

STATE : West Bengal.

Dated, the 19th November, 1991

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Ministry's Order No. L-24012(123)/87-D.IV(B) dated 24th December, 1987/26th February, 1988.

SCHEDULE

"Whether the management of Dhemomain Colliery, Sitarampur Area of M/s. Eastern Coalfields Ltd., P.O. Sitarampur, District Burdwan in not providing employment to the adopted son and dependant of Late Dilip Singh, the Ex. worker was justified? If not, to what relief Sri Darogi Singh was entitled?"

2. Today (19-11-91) Sri S. Chakravorty the representative of the union submits that he has no instruction to proceed with the case. The concerned workman has also not turned up. It appears that no dispute exists. Accordingly a no-dispute award is passed in this case.

[No. L. 24012(125)/87-D.IV(B)]

N. K. SAHA, Presiding Officer

का. आ. 145 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्तर्गत में केन्द्रीय सरकार श्यामसुन्दरपुर कोलियरी आफ ई. सी. एल. के प्रबन्धन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, आसनसोल के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 11-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 145.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Asansol as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employees in relation to the management of Shyamsunderpur Colliery of M/s. E.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 11-12-1991.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, ASANSOL

Reference No. 17/91

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Shyamsunderpur Colliery of M/s. E.C. Ltd.

AND

Their Workman.

APPEARANCES :

For the Employers—Sri P. K. Das, Advocate.

For the Workman—Sri P. N. Acharjee, Representative of the Union.

INDUSTRY : Coal STATE : West Bengal

Dated, the 22nd November, 1991

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Ministry's Order No. L-22012(402)/90-IR (C-II) dated 15-4-1991.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Shyamsunderpur Colliery of M/s. E.C. Ltd., PO. Ukhra, Dist. Burdwan, in denying wages to Shri Chandi Goswami, Fitter Helper, w.e.f. 1-7-87 to 31-10-87 is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

2. Today (22-11-91) Sri P. N. Acharjee on behalf of the union files a petition submitting thereon that the concerned workman has left the union and hence the union is no longer interested to contest the dispute. The concerned workman is also not present.

3. In view of the circumstances I have no other alternative but to pass a no dispute award and accordingly a no dispute award is passed in this case.

N. K. SAHA, Presiding Officer

[No. 22012/402/90-IR (C-II)]
RAJA LAL, Desk Officer

नई दिल्ली 16 दिसम्बर, 1991

का. आ. 146 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्तर्गत में केन्द्रीय सरकार मै. फ़ेडरल ग्रामीण बैंक लिमिटेड के प्रबन्धन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में श्रम न्यायालय, ऐरनाकुलम, के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 13-12-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 16th December, 1991

S.O. 146.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Labour Court, Ernakulam as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Federal Gramin Bank Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 13-12-1991.

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT LABOUR COURT, ERNAKULAM

Industrial Dispute No. 16 of 1989 (C)

BETWEEN

The Management of M/s. Federal Gramin Bank Ltd., H.O. Alwaye, Kerala.

AND

The workmen represented by the General Secretary, Federal Bank Employees Union, P.B. No. 10, Alwaye-683101, Kerala.

Representations :

Sri B. S. Krishnan, Advocate, Ernakulam—For Management.

M/s. M. Ramachandran and P. V. Abraham, Advocates, Kochi-17—For Union.

AWARD

The issue "whether the action of the Management of Messers Federal Gramin Bank Ltd., H.O. Alwaye, Kerala dismissing the service of Shri K. Sarvatniam, Clerk, Mathur Branch w.e.f. 19-5-1987 is justified. If not, to what relief the workman concerned is entitled?" was referred to this Court for adjudication by the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi as per Order No. L-12012/45/89-I.R. Bank-I dated 27-9-1989.

II. Dismissal of the employee was after a domestic enquiry into the charges framed against him. The validity of the domestic enquiry was tried by me as a preliminary issue. Facts necessary for the disposal of the case have been narrated in detail in my order dated 15-7-1991 under which the preliminary issue was disposed of. I shall here extract that order in full :—

"PRELIMINARY ORDER

"Whether the action of the management of Messers Federal Gramin Bank Ltd., H.O. Alwaye, Kerala dismissing the services of Shri K. Sarvatniam Clerk, Mathur Branch w.e.f. 19-5-1987 is justified? If not to what relief the workman concerned is entitled? is the issue referred for adjudication to this Court by Order No. L-12012/45/89-I.R. Bank-I dated 27-9-1989."

2. The workman has filed claim statement stating as follows :—

The workman was employed as a clerk in the Mathur Branch of the Bank. The Bank had alleged that the employee had obtained an agricultural loan in the name of his father-in-law, impersonating him and forging his signature. A domestic enquiry was held and though no expert witnesses were examined the Enquiry Officer entered finding that he was guilty. He was dismissed from service on 19-5-1987. The domestic enquiry conducted was superficial. The enquiry officer acted in a biased manner. The enquiry officer has erred in casting the burden of proof on the workman and he was asked to prove that which was not in existence. The branch Manager was not examined. It is evident from the witnesses that the staff members of the branch used to help one another in carrying out their duties and that they did not confine themselves to the respective works allotted to them. The enquiry officer being a subordinate of the Disciplinary Authority was evidently and under standably under his official influence. The enquiry officer had erred in holding that the workman concerned has forged the signature of his father-in-law, and fraudulently obtained the loan cheating the Bank. The conclusion is totally erroneous and perverse. The Disciplinary Authority did not consider the meritorious service rendered by the employee in the past. His character was excellent and past record was blameless. The punishment imposed by the Disciplinary Authority is high and excessive, and by itself leads to a conclusion that there was victimisation, and malafide motive.

3. The Management has filed a written statement contending as follows :—

The workman who was employed as a clerk in Mathur Branch of the Bank, was charge sheeted for forgery of signature of his father in law late Shri Madhavan Nair to open an SB Account No. 1660 in the name of Shri Madhavan Nair at the Mathur Branch of the Bank, where the workman was working, even though SB Account No. 987 in the joint names of late Madhavan Nair and his wife Kochammalu Amma was already in existence at the Branch from 21-2-81. The SB account No. 1660 was introduced on 4-2-1985 to the Bank by the workman and he prepared the account opening form and vouchers for this purpose even though he was not working in the SB section on the day. It is further alleged that on 5-2-1985, he forged the signature of his father in law, late Shri Madhavan Nair in the loan documents of Agricultural Term Loan for Rs. 5,000 and the amount was transferred to the newly opened SB Account No. 1660. The loan application and other loan documents were prepared by the workman though he was not working in the loan section on that particular day. On 6-2-1985 the workman forged the signature of his father in law on a withdrawal form and drew Rs. 4,000 from S.B. Account No. 1660 in the name of Shri Madhavan Nair, which was opened 2 days prior to the said date and to which the loan amount of Rs. 5,000 was credited on the previous day. The withdrawal form was prepared by the workman though he was not working in that section on that day. The workman was the Cashier who made the payment. The above acts and omissions were alleged to constitute misconduct which is prejudicial to the interest of the bank. The workman submitted an explanation dated 20-4-86 in which he denied the charges. The Management was not satisfied with his explanation and therefore a domestic enquiry was ordered to be conducted by Shri C. Raghunandan, a Manager of the Bank. The Enquiry Officer has conducted the enquiry in accordance with principles of natural justice and rules contained in the Bipartite Settlement applicable to the workman. In the enquiry the workman was represented by Shri K. C. Radhakrishna Thammam, Executive Committee Member of Federal Bank Employees Union. He cross examined the witnesses produced by Management Represent-

tative and adduced evidence in defence on behalf of the workman. On the basis of the evidence available in the enquiry, the enquiry officer entered finding which is not vitiated by perverse.

4. The points that arise for consideration are (1) whether the enquiry conducted by the enquiry officer is legal and proper following the principles of natural justice. (2) Whether the finding entered by the enquiry officer is supported by legal evidence.

5. For the Management MW1 was examined and Ext. M1 marked. For the workman WW1 was examined.

6. Points 1 and 2.—These points can be considered together for avoiding the repetition. The workman who was a clerk in the management Bank was charge sheeted for the allegations that he has committed the misconduct of fraud forgery and cheating of the Bank. A memo of charges was served on him. After accepting the memo of charges he submitted his explanation denying the charges. Not satisfied with the explanation submitted by the workman the Management ordered a domestic enquiry by appointing a domestic enquiry officer. Enquiry Officer made the report finding the workman guilty of the charges. Accepting the findings of the enquiry officer the Management dismissed him from service. Aggrieved by the said dismissal the Union expounded the case by raising an Industrial Dispute which culminated in this reference.

7. The workman is challenging the mode of domestic enquiry and the findings on the grounds that it was conducted in violation of principles of natural justice and the findings entered by the enquiry officer are perverse and without supported by legal evidence. The enquiry officer was examined as MW1 who deposed that he had conducted the enquiry following the principles of natural justice. The workman was fairly represented by the member of executive committee of the union and he had participated in the enquiry effectively by cross-examining the witness of the Management and by adducing defence evidence on behalf of the workman. He has also produced the enquiry file containing the deposition of witnesses, proceedings and findings in the enquiry. On perusal of Ext. M1 file and deposition of the witnesses would go to show that the enquiry officer has conducted the enquiry following the principles of natural justice by giving him sufficient opportunity to cross-examine the witnesses of the Management. He had adduced defence evidence also. He was also served with the list of documents and witnesses sufficiently early enabling him to participate in the enquiry properly. It can also be seen that the enquiry officer has given him sufficient opportunity of being heard. In these circumstances, I find that the enquiry officer had conducted the enquiry following the principles of natural justice.

8. The workman was charge sheeted for the misconduct of forgery and cheating. It is alleged as follows :—

On 4-2-1985 he forged the signature of his father in law late Shri Madhavan Nair to open an S. B. Account No. 1660 in the name of Shri Madhavan Nair at the Mathur Branch of the Bank, where the workman was working. Even though S. B. Account No. 987 in the joint names of late Madhavan Nair and his wife Smt. Kochammalu Amma was already in existence at the Branch from 21-2-81 the S. B. Account No. 1660 was introduced on 4-2-1985 to the Bank by the workman and he prepared the account opening form and vouchers for this purpose even though he was not working in the S. B. Section on the day. It is further alleged that on 5-2-1985, he forged the signatures of his father in law, late Shri Madhavan Nair in the loan documents of Agricultural Term Loan for Rs. 5000/- and the amount was transferred to the newly opened S. B. Account No. 1660. The loan application and other loan documents were prepared by the workman though he was not working in the loan section on that particular day. On 6-2-1985 the workman forged the signature of his father in law on a withdrawal form and drew Rs. 4,000 from S.B. Account No. 1660 in the name of Shri Madhavan Nair which was opened 2 days prior to the said date and to which the loan amount of Rs. 5,000 was credited on the previous day. The withdrawal form was prepared by workman though he was not working in the section on that day. The workman was the cashier who made the payment. The workman has denied these charges. According

to him he has forged the signature of Madhavan Nair who himself put his signature in these documents and Madhavan Nair died only after 5 months after having opened S.B. Account No. 1660 with the Bank. The Enquiry Officer has examined MW1 and MW2 and the marked documents Ext. ME1 to ME16 and DF1 for entering a finding that the delinquent is guilty of the charges. Ext. ME1 is the S.B. Account opening form relating to S.B. Account No. 987, which was opened by none other than Madhavan Nair who was introduced by the workman in the case. Ext. ME7 is the ledger copy of S.B. Account No. 987 which would go to show that the S.B. Account No. 1660 was opened on 4-2-85. Ext. ME4 is the account opening form relating to S.B. Account No. 1660. Ext. ME4 contains the signature of the workman. It is also admitted by the workman that he introduced him to the Bank while opening S.B. Account 1660. Ext. ME12 is the pay in slip dated 4-2-85 relating to S.B. Account No. 1660. It is admitted fact that the ME4 and ME12 are prepared by the workman. Ext. ME9 is the application for agricultural term loan for Rs. 5,000 relating to Sri Madhavan Nair. Ext. ME10 is the Demand Promissory Note and Ext. ME16 is the Loan application agreement relating to Ext. ME9. This Agricultural Loan was sanctioned as A/L 5 85 on 5-2-85. As per Ext. ME11 transfer debit slip dated 5-2-85 this amount is transferred to S.B. Account No. 1660 and an amount of Rs. 4,000 was withdrawn on 6-2-1985 as per Ext. ME13 withdrawn form. Ext. ME8 is the ledger copy of S.B. A/c No. 1660. It can be seen that the account is opened and operated solely for the purpose of dealing with the agricultural term loan. In the document of the bank relating to S.B. Account No. 987 opened in 1981, the signature of Mr. Madhavan Nair was put in English. In the document relating to S.B. Account No. 1660 opened in 1985 and in the document relating to agricultural term loan in 1985, the signature of Mr. Madhavan Nair is put in Malayalam. At the time of enquiry, Sri. Madhavan Nair was not alive so as to own up or disown the signatures. It is admitted by the workman that these documents are written by him. According to him it is the practice in the bank that the other members of the staff are assisted by other members in doing the work. So he wrote these documents in his handwriting. It is also pertinent to note that he was a cashier who cashed the loan amount. It is significant to note that the signatures of Mr. Madhavan Nair in Ext. MF4 account opening form No. 866 ME9 loan application ME8 demand promissory note ME16 loan agreement are put by Madhavan Nair in Malayalam. Whether as his signatures in other documents Exts. ME1, ME3 and ME6 are in English. These facts would also suggest that signatures ME4, ME9, ME10, ME16 are forged. The delinquent would contend that these signatures in Malayalam are also put by Madhavan Nair. But that contention of the delinquent does not appear to be convincing. In these circumstances I find that the delinquent has committed the misconduct of forgery and cheating the bank, as alleged by the management. And therefore, I hold that the finding entered by the enquiry officer is not perverse. But it is supported with legal evidence and therefore I hold that the findings entered by the Enquiry Officer is also legal and proper.

9. In the result the preliminary order is passed finding that the domestic enquiry conducted by the enquiry officer is legal and proper and the findings entered by the enquiry officer is also legal and proper."

III. The question remains to be considered is relating to the justifiability of the punishment of dismissal imposed on the delinquent, who committed the misconduct of forgery and misappropriation of money while working as clerk in the management bank. The learned counsel for the workman would argue that the punishment imposed on the delinquent is disproportionate to the gravity of misconduct and the workman should be given an opportunity to reform himself and the delinquent had rendered meritorious and unblemished service in the past and the Management had not suffered any monetary loss due to the misconduct as the legal heirs of Sri. Madhavan Nair had remitted back the entire amount. But the learned counsel for the Management would argue that the bank is a public institution which is being run on the basis of the confidence reposed by the public at large. If the workman is allowed to continue in the services of the bank, it will be detrimental to the interest of the Bank. The learned counsel for the Management would argue further

relying on the decision reported in 1975 IAB. L.C. 399 on page 401 at para 8 that "Two socially vital factors must inform the understanding and application of industrial jurisprudence. The first is the institutional mandate of para IV obligating the State to make provision for securing just and human conditions of work. Security of employment is the first requisite of a worker's life. The second equally axiomatic consideration is that a worker who willfully or anti-socially holds up the wheels of production or undermines the success of business is a high risk and deserves in industrial interest to be removed with tear. Legislation and Judicial interpretation have woven the legal fabric." The delinquent has committed the misconduct forgery and misappropriation of money. The misconduct committed by the delinquent would adversely affect interest of the bank. Therefore since the misconduct committed by the delinquent is severe in nature he deserves grave and severe punishment. In these circumstances, I find that it cannot be held that the punishment imposed on the delinquent is disproportionate to the gravity of misconduct committed by him and the punishment imposed on him is only to be justified. Therefore, I hold that there is no need of interference with the punishment imposed on the delinquent by this Court invoking Section 11A of the Industrial Disputes Act.

IV. In the result an award is passed confirming the punishment of dismissal imposed on the delinquent. Frnakulam,

10-12-1991.

R. RAVEENDRAN, Presiding Officer

[No. 1-12012/45/89-IR(Bank-I)]

S. C. SHARMA, Desk Officer

Appendix

Witness examined on the side of Management:—

MW1. Shri C. Raghunandan.

Witness examined on the side of Workman:—

WW1. Shri Sarvatnjan.

Exhibit marked on the side of Management :

Ext. M1, Enquiry file containing depositions of witnesses, Proceedings and findings.

नई दिल्ली 17 दिसम्बर, 1991

का. आ. 147.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार मैसर्स बी. सी. सी. एल. की बरोरा एरिया कार्यालय में 1 के प्रबन्धन में संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (मं. 1), धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-12-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 17th December, 1991

S.O. 147.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Barora Area Office No. 1 of M/s. BCCCL and their workmen which was received by the Central Government on 12-12-1991.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 95 of 1990

PARTIES :

Employers in relation to the management of Barora Area Office No. 1 of M/s. B.C.C. Ltd.

AND
Their Workmen.

PRESENT :

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen—Shri G. Prasad, Advocate.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dated, the 27th November, 1991

AWARD

By Order No. I-20012/317/89-L.R. (Coal), dated the 24th April, 1990, the Central Government in the Ministry of Labour, has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the management of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. in relation to Barora Area Office No. I is justified in dismissing the workman Shri Hanuman Sharma ex-accounts Assistant w.e.f. 1-7-1978? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. The case of the management of Barora Area of M/s. B.C.C. Ltd., as disclosed in the written statement-cum-rejoinder details apart, is as follows :

The present reference is not legally maintainable. A workman having accepted his dismissal for a period of more than a decade cannot assail his dismissal as an afterthought subsequently. Hanuman Sharma the concerned workman, designated as Accounts Assistant was working as Cashier at Barora Area Cash Office in 1977. He was custodian of the cash office of Barora Area office. In the course of inspection of Area cash office by the officers of the Finance Department on 27-10-77 the cash balance was verified and checked. It was revealed that there was shortage of Rs. 89,698.58 (Rupees eighty nine thousand six hundred ninety eight and paise fifty eight only) in the cash balance as per details given below :

"Physical verification of Area No. 1 office cash before opening on 27-10-77.

| | |
|---------------|---------------|
| Rs. 100 × 501 | Rs. 50,100.00 |
| Rs. 50 × 2 | Rs. 100.00 |
| Rs. 20 × 624 | Rs. 12,480.00 |
| Rs. 10 × 175 | Rs. 17,150.00 |
| Rs. 5 × 1102 | Rs. 5,510.00 |
| Rs. 2 × 5103 | Rs. 10,206.00 |
| Rs. 1 × 2193 | Rs. 2,193.00 |

Total Rs. 97,730.00

| | |
|--------------------------|-----------------|
| RCI Coins in sealed bag. | Rs. 2,500.00 |
| Revenue stamp | Rs. 1.40 |
| Total fresh currency | Rs. 1,00,240.40 |
| Sealed currency | Rs. 60,765.00 |

Total amount in cash Rs. 1,61,000.40 (Rs. 1,61,005.40)

One voucher paid before counting Rs. 15.00

Rs. 1,61,020.40

(Rupees one lac sixty one thousand twenty and paise forty only).

The cash balance as on 25-10-77 :
Receipt side Rs. 78,71,512.29
Payment side Rs. 76,20,793.31

Rs. 2,50,718.98

Balance shortage (Rs. 2,50,718.98—Rs. 1,61,020.40)
= Rs. 89,698.58

F.I.R. dated 27-10-77 was lodged before the Officer-in-Charge, Baghmara Police Station for taking up the investigation and institution of a criminal proceeding for misappropriation of the amount and also for committing the criminal breach of trust. The police set the criminal law into motion, arrested the concerned workman and proceeded with investigation of the case and prosecution of the concerned workman before criminal Court. The management issued a chargesheet dated 7-11-77 alleging commission of misconducts of fraud, dishonesty, gross negligence of duty or abetment of the above acts. Under the Model Standing Orders, he was suspended from service pending enquiry. He submitted his reply dated 24-11-77 denying the charges levelled against him. He claimed his privilege not to disclose his defence in view of the criminal proceeding pending against him. He took various pleas but did not advance any explanation to the shortage of cash to the tune of Rs. 89,698.58. Shri P. K. Roy, the then Sr. Personnel Officer was appointed Enquiry Officer to conduct the enquiry relating to the chargesheet issued to him. The concerned workman avoided to attend departmental enquiry on some plea or other in spite of receipt of notice of enquiry. The enquiry, in the circumstances, was held ex parte. The Enquiry Officer submitted his reply holding the concerned workman guilty of the misconduct levelled against him. The General Manager/Chief Mining Engineer of Area No. I examined the enquiry proceedings alongwith all connected papers and the enquiry report and was fully satisfied that the misconduct of theft, fraud or dishonesty in connection with employer's business was fully established in the departmental enquiry. He approved of the dismissal of the concerned workman from service. Accordingly, the concerned workman was dismissed from service by letter dated 4-10-78. His dismissal was legal, bonafide and justified and he is not entitled to any relief.

3. The case of the concerned workman as appearing from his written statement, briefly stated, is as follows :

During 1977 the concerned workman was asked to work as Accounts Assistant in the Area office in Area No. I (Barora Area) of M/s. B.C.C. Ltd. He was employed in the year 1945 as Clerk by the erstwhile employer/owner of East Dharmaband Colliery; he had put in blameless and spotless service throughout his employment. His service was highly satisfactory. The said coal mine was subsequently nationalised, and after nationalisation the service of the concerned workman was retained by M/s. B.C.C.L. on the same terms and conditions as were applicable to him before nationalisation. A false, fabricated, incorrect, baseless, malicious, motivated and vague chargesheet dated 7-11-77 was issued to him by Administrative Officer, Area-I for theft, fraud or dishonesty in connection with the employer's goods, business or property. It was alleged in the chargesheet that there was shortage of cash of Rs. 89,698.58 (Rupees Eighty nine thousand six hundred ninety eight and paise fifty eight) only, which was patently illegal, unjustified, incorrect, baseless and vague. The employer simultaneously suspended him from service during the pendency of the enquiry proceeding. The concerned workman submitted his reply to the chargesheet dated 24-11-77 denying the charges levelled against him. The employer simultaneously lodged an F.I.R. with the police and the concerned workman was detained by the police on 26-10-77 and enlarged on bail on 8-11-77. The details of shortage of the amount, as alleged, were not given to him in spite of his repeated request. The Administrative Officer had no authority or jurisdiction to issue chargesheet against him. Since the chargesheet was not issued by any competent authority the consequent domestic

enquiry was bad, illegal, unjustified and void. Under Para 19 of the Model Standing Orders the Manager was the only competent authority to issue chargesheet and he was responsible for the proper enforcement of the Standing Orders. Anyway the concerned workman by petition dated 5-12-77 requested the then Administrative Officer to allow to resume his duty, but since the Administrative Officer was very much biased and prejudiced, he did not allow him (concerned workman) to resume duty. Thereafter the concerned workman represented before the General Manager of the Area by a representation dated 26-12-77 to allow him to resume duty. Unfortunately, the General Manager turned a deaf ear to his request. The Administrative Officer by letter dated 6-1-78 informed him that Shri P. K. Roy, the then Senior Personnel Officer was appointed Enquiry Officer and Shri G. Bhattacharjee, Presenting Officer and the enquiry would be held on 12-1-78. The Administrative Officer had no authority to appoint either the Enquiry Officer or the Presenting Officer. Since the Enquiry Officer was not appointed by a competent authority he had no authority to proceed with the enquiry. Both the Enquiry Officer and Presenting Officer were very much biased against the concerned workman. Immediately after receipt of the letter of enquiry the concerned workman protested in writing on 11-1-78, but it was not considered either by the Administrative Officer or by the Enquiry Officer. The concerned workman requested the Administrative Officer and the Enquiry Officer not to proceed with the departmental enquiry for the reasons that the matter was subjudice in the criminal Court and any such enquiry will jeopardise his defence in the criminal trial. He also requested to supply him the relevant documents/records, but that was not considered and the Enquiry Officer proceeded with the departmental enquiry. The employer should have deferred the enquiry till the decision of the criminal case in view of the grave and serious nature of charges levelled against him. It appears from the letter of Administrative Officer that an ex parte enquiry was made in his absence and he was not given any opportunity to defend himself. He was not intimidated about any date of enquiry save and except as mentioned in the letter of the employer dated 6-1-78. He asked the employer to supply copies of enquiry proceedings, deposition of witnesses and other relevant documents. But for reasons best known to it, the same were not supplied to him in gross violation of the provisions of Para 17(ii) of the Model Standing Orders. The approval of the competent authority was not obtained as provided under Para 17(ii) of the Model Standing Orders applicable to coal mines. The very transfer of the concerned workman from the Colliery to the Area Office itself was illegal and unjustified. His original contract of employment was not terminated in accordance with the provisions of law. He was chargesheeted under Section 409 of I.P.C. and prosecuted and tried in the Court of Shri Bharatjee Mishra, Judicial Magistrate, 1st Class, Chas, Distt, Dhanbad in G.R. Case No. 2008/77 (T.R. 3317/86) and has since been acquitted by the Court's order dated 17-5-86. It is alleged that Sri S. P. Singh, Administrative Officer, was instrumental in dismissing him from service. Sri Singh in cross-examination in criminal case denied to have any personal knowledge in the matter. It would appear from the judgement and order of G.R. Case No. 2008/77 that on Sri Chandulal Kapari was the Cashier in Benidih Colliery and received Rs. 6,00,000 (Rupees Six lakhs) from the Area Office. After his acquittal in criminal case the concerned workman requested the employer several times for reinstatement in service with full back wages. He reported for duty after he was enlarged on bail, but was not allowed to resume duty. He raised the present dispute under Section 2-A of the I. D. Act before the Asstt. Labour Commissioner (C), and Conciliation Officer, Dhanbad. The conciliation proceeding ended in failure and the appropriate Government having been satis-

fied made the instant reference for adjudication. In the circumstances, the concerned workman has prayed that an award be passed holding that the action of the employer in dismissing him from service is illegal and unjustified and that he is entitled to reinstatement in service with full back wages.

4. In rejoinder to the written statement of the concerned workman, the employer has stated that the concerned workman was designated as Accounts Assistant and working as Cashier at the cash office of Area No. 1. He was a take-over employee; he was born on 19-1-1920 and was employed on 1-1-47. He was due to retire from 19-1-80. He took advantage of trust reposed on him by the management in appointing him Cashier and entrusting him with the custody of huge cash of the Area Office. He misappropriated heavy amount from the cash balance. Offence of misappropriation of money is generally committed on the verge of retirement by some cashiers on whom management reposed more confidence and the present case is one of such instance. It has been denied that the chargesheet was false, fabricated, incorrect, baseless, malicious, motivated and vague. The detail report of the shortage of amount was immediately shown to the concerned workman and the same was made a part of F.I.R. All the original records were available at the time of enquiry for his examination and explanation of the shortage. If he was not guilty there was no reason for him to avoid the enquiry and explain the shortage. An honest man will always face the charge boldly and will not try to take shelter on various pleas. The Administrative Officer exercise his delegated power to issue chargesheet and to appoint Enquiry Officer and to get the enquiry conducted as per the provisions of law. Anyway, any person in charge of management, direction, supervision and control of an establishment is the management of that establishment. In respect of the mines, such persons are designated as Manager whereas in Area Office such persons are designated as Administrative Officers. As the concerned workman was working in Area Office he was under the direct control of the Administrative Officer and hence the Administrative Officer was competent to issue chargesheet to the concerned workman even without his delegated power. Neither the Administrative Officer nor the Enquiry Officer and the Presenting Officer were biased and prejudiced against him. The transfer of a workman from Colliery to Area Office is a natural day-to-day administrative work and the management has statutory and inherent right to do so. The concerned workman had already crossed the age of 60 years at the time of his acquittal and so the question of his reporting for duty did not arise.

5. In rejoinder to the written statement of the management, the concerned workman has stated that the present reference is maintainable. He was deployed as an Accounts Assistant, but there was no shortage of Rs. 89,698.58 or any such other amount and the details of the amount were never made part of the chargesheet. He was implicated in a false and concocted case and since the criminal case was pending he requested the management not to proceed with the departmental enquiry. But the employer did not wait for the result of the criminal trial. The employer was bound to wait for the outcome of the result, but for the reason best known to it, it did not. It is reiterated that the Administrative Officer was not competent to issue chargesheet and appoint Enquiry Officer.

6. At the instance of the management the case was slated for hearing on the preliminary issue as to whether the domestic enquiry was held fairly and properly. On the date of hearing, Shri B. Joshi, learned Advocate for the management, submitted that the case be heard on merits and hearing on preliminary issue be dispensed with. Accordingly, the case was heard on merits.

In the course of hearing the case on merits, the management examined MW-1 Kalipada Rawani and laid in evidence some items of domestic which were marked Exts. M-1, M-2, M-3, M-4 and M-5 on proof.

On the other hand, the concerned workman examined himself and laid in evidence as many as ten items of documents which were marked Exts. W-1 to W-10 on proof.

7. According to Hanuman Sharma, he was employed in East Dharmaband Colliery as Clerk. He has stated in his testimony that he was employed in East Dharmaband Colliery

as Accounts Clerk. The management has not disputed that he was employed in East Dharmaband Colliery. Hence, the irrefutable conclusion is reached that the concerned workman was employed in East Dharmaband Colliery as Accounts Assistant/Clerk.

The contention of the concerned workman is that he joined the service of East Dharmaband Colliery in 1945. In his testimony before this Tribunal he has stated that he got into the employment of East Dharmaband Colliery in 1945. The management has contended that he was employed on 1-1-47. In support of this contention the management has filed Form 'B' register which has been marked Ext. M-5. This document discloses that he joined his appointment on 1-1-47. This controversy between the parties over the matter of initial appointment of the concerned workman in East Dharmaband Colliery is peripheral issue which does not deserve consideration in depth.

8. Admittedly, East Dharmaband Colliery, P.O. Nawagarh, Dist. Dhanbad in the state of Bihar is a non-coking coal mine which was nationalised with effect from 1-5-1973 under the provisions of Coal Mines (Nationalisation) Act, 1973 (hereinafter referred to as the Act). Section 14 of the Act envisages that every person who is a workman within the meaning of the Industrial Disputes Act, 1947, and has been, immediately before the appointed day, in the employment of a coal mine shall become on and from the appointed day, an employee of the Central Government or, as the case may be, of the Government company in which the right, title and interest of such mine have vested under this Act, and shall hold office or service in the coal mine with the same rights to pension, gratuity and other matters as would have been admissible to him if the rights in relation to such coal mine had not been transferred to, and vested, in, the Central Government of the Government company, as the case may be, There is no dispute that M/s. B.C.C. Ltd. is a Government company to which the right, title and interest of all non-coking coal mines as specified in the Act situated in the State of Bihar have been transferred. The concerned workman has also stated in his pleading that after nationalisation his service was retained by M/s. B.C.C. Ltd. on the same terms and conditions as were applicable to him before nationalisation.

9. There is no dispute that the concerned workman was transferred from East Dharmaband Colliery to Barora Area Office as Accounts Assistant by the management. He has also stated in evidence that after nationalisation the company set up many area offices and East Dharmaband Colliery fell within the jurisdiction of Area No. I and two or three days after nationalisation he was asked to work in Area office but no formal letter was given to him with a direction to work in Area Office. The pleading of the concerned workman discloses that he was deployed as Accounts Assistant in the Barora Area Office. Thus, the conclusion is reached that the concerned workman was transferred from East Dharmaband Colliery to Barora Area Office as Accounts Assistant immediately after the nationalisation of non-coking coal mine.

10. According to the management, the concerned workman, although designated as Accounts Assistant, was working as Cashier in the Barora Area Cash Office in the year 1977 and that he was custodian of cash office of Barora Area Office. It is the further case of the management that in course of inspection of Area cash office by the Officers of Finance Department on 27-10-77 the cash balance was verified and checked and shortage of Rs. 89,698.58 in the cash balance was found. The details of receipt side and payment side have been gleaned in the pleading of the management. Anyway, the management has further asserted that an F.I.R. was lodged on 27-10-77 with the police against the concerned workman for taking up investigation of the case and institution of the criminal proceeding for misappropriation of the amount and committing criminal breach of trust. The police took action in course of which the concerned workman was arrested and the management issued him chargesheet dated 7-11-77 against him alleging commission of misconducts of fraud, dishonesty, gross negligence of duty or abetment of the above acts under the provisions of Model Standing Orders applicable to the Industrial Estab-

lishment in Coal Mines and he was suspended pending enquiry. According to the management, the concerned workman denied the charges and took various legal pleas but did not advance any explanation to the shortage of the cash amount as aforesaid. The chargesheet issued against the concerned workman reads as follows (Exts. M-1 = W-1) :

"On physical verification by Shri P. Rui, Sr. Finance Officer, Area No. I, and preliminary enquiry made by Shri D. N. Agarwal, Area Manager (Finance), Area No. I, of the cash and cash book maintained by you including closing balance of cash available with you of the Area Office cash book shortage balance of Rs. 2,50,718.98, the actual cash available was only Rs. 1,61,020.40, thereby revealing a shortage of a sum of Rs. 89,698.58 p. (Rupees Eighty-nine thousand, six hundred, ninety-eight and paise fifty-eight only). You, as the Cashier of the Area Office of Area No. I are solely responsible for receiving, distributing and disbursing the cash, proper account of receipts and payments and maintenance of the cash book etc. Such shortage of cash has put the Company to heavy financial loss. Such shortage of money could only happen due to your negligence or theft, misappropriation or criminal breach of trust and/or abetment of the same on your part.

Your above action amounts to misconduct under clause 17(1)(a) (theft, fraud or dishonesty in connection with the employer's business or property) of the Model Standing Orders of the Coal Mining Industry which is applicable in your case, as also gross negligence which is otherwise always considered to be a misconduct on the part of an employee entrusted with cash as the expression misconduct has to be reasonably construed.

You are, therefore, hereby asked to explain within 3 days of the receipt of this charge sheet as to why disciplinary action will not be taken against you for the aforesaid misconduct committed by you. You are hereby suspended pending enquiry."

11. The concerned workman submitted his explanation to the chargesheet denying the charges claiming inspection of certain documents and asserted that since the allegation of criminal breach of trust had been referred to the criminal court by the management through the police which was sub-judice, the management was to restrain itself to prejudice the Court and its proceedings. (Ext. W-2 = M-2).

It appears that the chargesheet was issued by Shri S. P. Singh, Administrative Officer.

Shri G. Prasad, learned Advocate for the concerned workman has contended that the Administrative Officer had no authority to issue chargesheet against the concerned workman.

Shri B. Joshi, learned Advocate for the management, has contended that the chargesheet was issued to the concerned workman by the Administrative Officer in exercise of powers delegated to him. He has also contended that the Administrative Officer was the in-charge of Area Office and hence, he has got authority to issue the chargesheet.

12. It appears that the chargesheet was issued to the concerned workman under the provision of Model Standing Orders applicable to Industrial Employment in Coal Mines. But the fact is that East Dharmaband Colliery had its own Certified Standing Orders. Under Section 17 of the Act every person who is a workman within the meaning of Industrial Disputes Act, 1947 and has been, immediately before the appointed day, in the employment of a coal mine shall become on and from the appointed day, an employee of the Central Government or, as the case may be, of the Government company in which the right, title and interest of such mine have vested under this Act, and shall hold office or service in the coal mine on the same terms and conditions, and with the same rights to pension, gratuity and other matters as would have been admissible to him if the rights in relation to such coal mine had not been transferred to Central Government or the Government company. This being the statutory provision the concerned workman was holding office or service on the same term and condi-

tions and with the same rights to pension, gratuity and other matters as before. Hence, he is answerable to the Certified Standing Orders, applicable to East Dharmaband Colliery and not to the Model Standing Orders applicable to the Industrial Establishment in Coal Mines. In view of the matter, I am constrained to hold that the management has committed a grave error in issuing the chargesheet against the concerned workman under the provisions of Model Standing Orders.

13. That apart, the contention of Shri Joshi, when examined closely, is torn as under. Even if it is conceded that the Administrative Officer of Area Office was the over all incharge of Area Office, there is no evidence to indicate that he had got power to initiate disciplinary action against the workmen working in Area Office. Then again, the contention of delegation of power to the Administrative Officer for initiating disciplinary action has not been proved at all. Even so, such delegation of power should have been engrafted on the Certified Standing Orders by way of any amendment. In this connection the decision of Hon'ble Supreme Court reported in 16 S.C.L.J. 293 (Steel Authority of India Ltd. Vs. Presiding Officer, Labour Court) may be referred. This being the position, I come to the firm conclusion that the Administrative Officer had no authority to initiate disciplinary action against the concerned workman.

14. Shri G. Prasad, learned Advocate for the concerned workman, has further contended that the management had no right to transfer the concerned workman from East Dharmaband Colliery to Barora Area Office and that he had a lien to his post as Accounts Assistant in East Dharmaband Colliery.

There is no such thing as a lien on a service as such. A lien is always on a post. Clause 28 of the Certified Standing Orders of East Dharmaband Colliery envisages that a workman is liable to be transferred from one department to another or one station to another or from one Colliery to another under the same management provided such transfer does not cause any prejudice to his wages and other conditions of service etc. Here, after the Nationalisation Act, both East Dharmaband Colliery and Barora Area Office came under the same management of M/s. B.C.C. Ltd. Hence, M/s. B.C.C. Ltd. was within its right to transfer the concerned workman from East Dharmaband Colliery to Barora Area Office.

Shri G. Prasad, has referred a decision rendered by Hon'ble Supreme Court and reported in 7 S.C.L.J. 851 (Manager, M/s. P.K.P. Bidi Factory and Onkar Laxman Thenge and others) in support of his contention that the transfer of the concerned workman to Barora Office was illegal. According to this decision, a contract of service being incapable of transfer unilaterally, such a transfer of service from one employer to another can only be effected by a tripartite agreement between the employer, employee and the third party, the effect of which would be to terminate the original contract of service by mutual consent and to make a new contract between the employee and the third party. I have already pointed out that the provision of Certified Standing Orders of East Dharmaband Colliery envisages that a workman of a Colliery can be transferred from one department to another, one station to another and one Colliery to another under the same management. That apart, the concerned workman accepted his transfer and started working in Barora Area Office. Impliedly he had given his consent to such transfer. Hence, the contention of Shri G. Prasad, in my view, has got no substance at all.

15. The chargesheet discloses that although he was designated as Accounts Assistant, the concerned workman was working as cashier in Barora Area office. This assertion of the management has not been disputed by the concerned workman in his reply to the chargesheet. It appears from the chargesheet that on physical verification by Shri P. Rui, Sr. Finance Officer, Area No. I and preliminary enquiry done by Shri D. N. Agarwal, Area Manager (Finance), Area No. I of the cash and cash book maintained by the concerned workman including closing balance of cash available with him of the Area Office it was revealed that cash book showed a balance of Rs. 2,50,718.98 while the actual cash available was only Rs. 1,61,020.40 thereby revealing a shortage of a sum of Rs. 89,698.58. It has been alleged in the chargesheet that such shortage of money could only happen due

to his negligence or theft, misappropriation or criminal breach of trust and/or abetment of the same on his part and his action amounts to misconduct under clause 17(1)(a) (theft, fraud or dishonesty in connection with the employer's business or property) of the Model Standing Orders of the Coal Mining Industry. I have already stated that this chargesheet was issued by the Administrative Officer who had no competency or authority to issue such chargesheet. It appears from the evidence of MW-1 K. P. Rewani that Shri P. Rui is no longer in this mortal world. Nevertheless, there is no evidence that Shri D. N. Agarwal holding the post of Area Manager (Finance) at the relevant time and who made the preliminary enquiry is not available to adduce evidence in this case. But the management has not examined him. The cash book which is sheet anchor of the case of the management against the concerned workman has not been produced. Shri Rewani has stated that the police seized the cash book and the management is not in a position to produce the cash book since the police authorities are not allowing them to produce the same before the Tribunal. This statement of Shri Rewani is very difficult to believe. It is worthwhile to mention here that on the self-same facts the concerned workman was arranged on a charge under Section 409 of I.P.C. before the Court of Sri Bharatjee Mihra, Judicial Magistrate, 1st Class, Chas, Dist. Dhanbad. The Magistrate, after hearing the parties and considering the evidence on record, found the accused not guilty of the charge and acquitted him thereof by his judgement dated 17-5-86 (Ext. W-10). There is nothing in evidence to indicate that the State Government filed any appeal or is contemplating to file an appeal against the judgement of Trying Magistrate in higher Court. Hence, the management has got every right to take back the Cash Book which was seized by the police but that was not done. I consider that this is a very grave laches on the part of the management. Anyway, the fact is that the cash book has not been produced. The preliminary enquiry report made by Shri Agarwal has also not been produced by the management. According to Shri Rewani the entire set of papers has remained untraceable.

Shri B. Joshi has contended that the concerned workman has accepted the position of shortage in the cash balance by putting his signature on the details of cash as worked by the Area Manager (Finance) in his report (Ext. M-3). But this contention is hardly acceptable because the concerned workman might have put his signature in token of the fact that inspection was done in his presence, but that does not automatically prove that he accepted the fact of shortage. He was not also confronted at the time of hearing as to why he put his signature on the details of shortage worked out.

Anyway, the fact remains that the management could not produce the basic evidence in this case i.e. the Cash Book. According to Shri Rewani, the Cash Book has not been taken back from the police which, in my view, is a very grave laches on the part of the management. The other supporting documents have also not been produced. According to Shri Rewani, they are not traceable. Whatever may be the position it is for the management to prove the case against the concerned workman and not the other way round. This being so, I come to the conclusion that the management has not been able to prove the charge of theft, fraud or dishonesty in connection with the employer's business or property against the concerned workman.

16. The date of birth of the concerned as recorded in the Form 'B' Register was 19-1-1920. He was to retire from service with effect from 19-1-1980. He was dismissed from service, as the letter of dismissal indicates, with effect from 4-10-1978. Since the concerned workman has already reached the age of superannuation, he cannot claim reinstatement in service. All that he can claim his wages and other benefits with effect from 4-10-1978 to 18-1-1980. I consider that this claim is sustainable.

17. Accordingly, the following award is rendered—

The management of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. in relation to Barora Area Office No. I is not justified in dismissing Shri Hanuman Sharma, the concerned workman, with effect from 4-10-1978. The concerned workman is entitled to get his wages and

other benefits with effect from that date till 18-1-1980.

In the circumstances of the case, I award no cost.

[No. L-20012/317/89-IR (Coal-I)]

S. K. MITRA, Presiding Officer

का. आ. 148:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, सेंट्रल माईन प्लानिंग एण्ड डिजाईन इंस्टीट्यूट लिमि. के प्रबन्धन से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. 1), धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 13-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 148.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No.3), Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Mine Planning & Design Institute Ltd. and their workmen which was received by the Central Government on the 13-12-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 134 of 1990.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Central Mine Planning & Design Institute Ltd., Gondwana Place, Kanke Road, Ranchi.

AND

Their workmen, represented by the National Coal Workers Congress, Anne Villa, Rameshwaram, Bariatu Road, Ranchi.

PRESENT :

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers.—Shri U. Prakash, Personnel Officer.

For the Workmen.—Shri Abraham Mathews, General Secretary, National Coal Workers Congress.

STATE :—Bihar. INDUSTRY:—Coal.

Dated, the 27th December, 1991

AWARD

By Order No. L-20012(285)/89-IR(Coal-I), dated the 5th June, 1990, the Central Government in the Ministry of Labour, has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

“Whether the demand of the union that S/Shri Johan Lakra, Juel Ekka, Md. Jalil Ansari, N. K. Ojha and J. P. Verma all Lab. Technicians be placed in monthly Grade ‘E’ w.e.f. 23-10-86 similar to S/Shri Lakhan Singh, Bhola Ram and B. D. Choudhury is justified? If so, what relief these workmen are entitled and from which date?”

2. The case of the sponsoring union, National Coal Workers Congress, Ranchi, as disclosed in the written statement, details apart, is as follows :

In terms of the circular No. CMPDI/HQ/819/2639 dated 2-7-1985 the management invited applications for the post of Laboratory Technicians in the monthly scale of Rs. 605-18-857, i.e. Grade ‘F’ as per NCWA-III. S/Shri John Lakra, Juel Ekka, Md. Jalil Ansari, N. K. Ojha and J. P. Verma, working as Sampling Assistants in the R & D Laboratories along others applied and on selection, they were appointed as Laboratory Technicians in Category-III on daily rated basis by Order No. CMPDI/HQ/R/8/9/6833 dated 23-10-86. By the said order dated 23-10-86 while J. P. Verma was posted to Exploration Lab. all others were posted to Washery Laboratory. The Laboratory Technicians are actually in Category-IV post as per nomenclature, Job Description and Categorisation of Coal Employees finalised by the J. B. C. C. I. for the Coal Industry and Cadre Scheme. This being so, all the said five workmen represented for appropriate category and the union took up the matter. By order No. CMPDI/HQ/R/8/9/6783 dated 24-9-1987 the other four workmen, to the total exclusion of J. P. Verma, were placed in Category IV from the dates indicated against each below:

| Sl. No. | Name | Date of effect |
|---------|----------------------|----------------|
| 1. | Sri John Lakra | 23-10-1986 |
| 2. | Sri Juel Ekka | 17-11-1986 |
| 3. | Sri Md. Jalil Ansari | 18-11-1986 |
| 4. | Sri N. K. Ojha | 17-11-1986 |

all of them have joined the post of Laboratory Technicians on 23-10-1986. Again application for the post of Laboratory Technician in Category-IV on daily rated were invited by circular No. CMPDI/HQ/R/8/9/5810 dated 25-8-1988 S/Shri Lakhan Singh, Bhola Ram and B. D. Choudhury among others made applications in response to the said circular. On selection S/Shri Lakhan Singh, Bhola Ram and B. D. Choudhury were appointed in the post of Laboratory Technicians in monthly Grade ‘E’ as per NCWA-III in the scale of Rs. 625-23-947 in terms of order No. CMPDI/HQ/R/8/9/7541 dated 14-11-1988. All the Laboratory Technicians working in C. M. P. D. I. L. are identically placed with similar or same duties and responsibilities and all constitute the same and one class, though rostered to different sections of the R&D department under the same Directorate. Thus there emerged an anomalous position on 14-11-1988 as follows :

| Sl. No | Name. | Date of appointment. | Grade/ Category. |
|--------|------------------|----------------------|------------------------------|
| 1. | John Lakra | 23-10-86 | Category-IV Daily Rated. |
| 2. | Juel Ekka | —do— | —do— |
| 3. | Md. Jalil Ansari | —do— | —do— |
| 4. | N. K. Ojha | —do— | —do— |
| 5. | J. P. Verma | 23-10-86 | Category-III Daily Rated. |
| 6. | Lakhan Singh | 14-11-86 | Monthly |
| 7. | Bhola Ram | —do— | —do— |
| 8. | B. D. Choudhury | —do— | —do— |

The anomalous position in regard to pay scales under NCWA-III work-out as follows :

- (1) Once Lab. Technician in Cat-III, i.e.
Rs. 590.20—16.90 826.80.
- (2) Four Lab. Technicians in Cat-IV, i.e.
Rs. 626.60—20.80—917.80
- (3) Three Lab. Technicians in monthly Grade ‘E’
Rs. 625.00—23.00—947.00

The juniormost among the Laboratory Technicians, have been given the most favoured treatment in regard to rate of increment, maximum of the scale and better service conditions in regard to casual leave, earned leave and other benefits including facilities of loans from department. The anomolous discriminating position gave rise to industrial dispute and during pendency of the dispute the Director (Operation) CMPDI wrote to the Asstt. Labour Commissioner expressing the management's willingness to settle the dispute amicably and through mutual negotiations, but to no effect. The management did not even care to hold meaningful negotiations. The concerned workmen also represented but to no response from the management, which led to the present dispute. During the pendency of the dispute the management in terms of its order No. CMPDI/HQ/R/5356 dated 6-9-89 placed J. P. Verma in Category-IV on daily rated w.e.f. 2-9-89, a copy of which was filed before the Conciliation proceeding. By letter dated 5-10-89 the Asstt. Labour Commissioner (C) Conciliation Officer was informed that J. P. Verma, Laboratory Technician has been placed in Category-IV w.e.f. 17-11-1986 whereas the fact remains that he joined the post on 23-10-86. The present position is that while the senior workmen; namely, S/Shri John Lakra, Juel Ekka Md. Jalil Ansari and N. K. Ojha are on daily rated Category-IV workmen though appointed on 23-10-86, their juniors appointed on 14-11-1988, viz., S/Shri Lakhan Singh, Bhola Ram and B. D. Choudhury are monthly rated Grade 'E' workmen. This anomolous and discriminating reality is repugnant to very concept of 'Equal pay for equal work', equality before law and equality in matters of public employment and social justice. Such artificial classification of the same class/category of Laboratory Technicians when all relevant considerations are same and similar in respect of all Laboratory Technicians in C. M. P. D.I. Ltd. leading to differential treatment and discrimination are not legally tenable. In the circumstances, the union has demanded equal treatment and parity and consequently the union also demanded that S/Shri John Lakra, Juel Ekka, Md. Jalil Ansari, N. K. Ojha and J. P. Verma all Laboratory Technicians be placed in the monthly Grade 'E' from the date of their appointment to the said post i.e. with effect from 23-10-1986 similar to S/Shri Lakhan Singh, Bhola Ram and B. D. Choudhury.

3. The case of the management of Central Mine Planning & Design Institute Ltd., as appearing in the written statement-cum-rejoinder, briefly stated, is as follows:

The present reference is not maintainable and the Central Government is not appropriate Government to refer the present dispute for adjudication before this Tribunal. The claim of S/Shri John Lakra, Juel Ekka, Mohd. Jalil Ansari, N. K. Ojha and J. P. Verma for their placement in monthly scale Grade 'E' instead of daily rated category-IV is not in conformity with the stipulation of the cadre scheme. The cases of these workmen cannot be compared with the cases of S/Shri Lakhan Singh, Bhola Ram and B. D. Choudhury as they were selected amongst departmental candidates to the post of Laboratory Technician in monthly Grade 'E' since they were earlier in monthly rated scale. Had these workmen been placed arbitrarily in daily-rated scale, it would have amounted to change of service conditions and contravention of provisions of Industrial Disputes Act, 1947. Shri John Lakra and four other concerned workmen were selected earlier on daily-rated basis and were subsequently selected to the post of Laboratory Technician and were placed in Category-IV daily-rated scale on the lines of cadre scheme formulated by the J.B.C.C.I. for the Coal Industry. In view of the facts and circumstances it cannot be said that any injustice has been done to the concerned workman by placing them in Category-IV on daily-rated scale. The concerned workmen were earlier selected amongst departmental daily rated candidates and placed in Category-III and subsequently excepting Shri J. P. Verma, were placed in Category-IV in terms of recommendations of J.B.C.C.I. In the absence of cadre-scheme in respect of Exploration Laboratory, J. P. Verma could not be placed in Category-IV earlier. However, during conciliation it was agreed and after a decision J. P. Verma was also placed in Category-IV with effect from 17-11-1986. Thus, it

is seen no injustice has been done by placing Lakhan Singh and two others in monthly-rated Grade 'E' since they were earlier working in monthly-rated pay scale. In view of the facts, the demand of the union for placing the concerned workmen in monthly-rated Grade 'E' is unjustified.

4. In rejoinder to the written statement of the management, the union has asserted that the Central Mine Planning and Design Institute Ltd. is a Government owned company in the Coal Industry controlled by the Government of India and the Central Government is the appropriate Government. The cadre scheme is equally applicable to all Laboratory Technicians and the same does not empower or authorise the management to have two sets of Laboratory Technicians, one set of Laboratory Technicians in daily-rated category and junior set in monthly-rated category when the job contents duties and responsibilities are also same. Such discrimination is patently opposed to the established principles of 'Equal pay for equal work' equality before low equal opportunity in the matters of employment. With regard to absence of Cadre Scheme in respect of J. P. Verma there was agreement during conciliation as alleged by the management are far from truth. Five workmen including J. P. Verma were promoted on 23-10-86 and are entitled to all benefits of Laboratory Technicians from that very date. There cannot be two different pay scales, and or conditions or different annual incremental rates for the same class of Laboratory Technicians where all relevant considerations are one and the same. Besides, the union has reiterated the statements of facts as disclosed in the written statement.

5. In rejoinder to the written statement of the sponsoring union, the management has reiterated the facts as disclosed in its written statement and asserted that the action taken by it is justified.

6. The sponsoring union, in order to justify its demand, has examined one of the concerned workman J. P. Verma as W.W.1 and laid in evidence a sheaf of documents which have been marked Exts. W-1 to W-14.

The management has not laid any oral evidence but adduced documentary evidence which has been marked Exts. M-1 to M-14.

7. Admittedly, the concerned workman, S/Shri John Lakra, Juel Ekka, Md. Jalil Ansari, N. K. Ojha and J. P. Verma, were working as Sampling Assistants/Attendants in the R&D Laboratories of Central Mine Planning & Design Institute Ltd., Ranchi, (hereinafter referred as C.M.P.D.I.L. for brevity) on daily-rated jobs in Category-II. It is also the undisputed position that the management invited applications from the departmental candidates for the post of Technical Attendant (Not Laboratory Technician) as claimed by the union in the scale of Rs. 605-18-857/- (NCWA-III), minimum qualification prescribed was Matriculation or non-matriculation with two years experience in a laboratory or workshop of a mine, by a circular dated 2-7-1985 (Ext. W-6). The concerned workmen had requisite qualification and they applied for the post and were selected as Laboratory Technicians in the scale of pay of Rs. 22.70-0.65-31.80 (Category-III) (Daily rated) as per N.C.W.A. III by Office Order dated 23-10-1986. Although as Laboratory Technicians all of them were entitled to get Category-IV, as per N.C.W.A. and they were placed in Category-III (Ext. W-8). Anyway, by Office Order dated 24-9-86 the management rectified its earlier order and placed all but one of them in Category-IV with effect from the date mentioned in the order (Ext. W-10). In terms of this Office Order John Lakra was placed in Category-IV with effect from 23-10-86 i.e. with effect from the date when the earlier Office Order was issued (Ext. W-8). Jalil Ansari was placed in Category-IV with effect from 18-11-86 while Juel Ekka and N. K. Ojha were placed in Category-IV with effect from 17-11-1986 (Ext. W-10). It is seen that the case of J. P. Verma remained hanging in fire and he was continued in Category-III. The management has taken the plea that since Shri Verma was posted in the Exploration Laboratory and since there was no cadre scheme for Exploration Laboratory he was placed in Category-III. But this plea of the management is not sustainable at all as Shri Verma was not posted to Exploration Laboratory on his own choice, but by the choice of the management. Anyway, it appears that Shri Verma was placed in Category-IV by Office

Order dated 6-9-89 with effect from 2-9-89 (Ext. W-11). By another Office Order dated 5/6-10-89 the management declared that Shri Verma would be treated as joined on and from 17-11-85 (Ext. W-12). There is no reason why all of them should not be placed in Category-IV as daily-rated workmen with effect from the date John Lakra was placed in that grade i.e. with effect from 23-10-86. In my view, all the concerned workman S/Shri Juel Ekka, Md. Jahl Ansari, N.K. Ojha and J. P. Verma are entitled to be placed in Category-IV with effect from 23-10-86 as the management has placed John Lakra in that category with effect from 23-10-86. The union was also demanding their placement in Category-IV by making representation to the management (Exts. M-6 and M-7). Meanwhile another circumstance arose in the context of which the union fashioned its demand. By circular dated 25-8-88 the management invited applications from departmental candidates for filling up posts of Laboratory Technicians in N.C.W.A. pay scale of Rs. 24,10-0.80-35.30. The minimum qualification and experience required for the post were as follows :

- (1) Qualification : Must have passed Class-VII. Preference will be given to Matriculate candidates.
- (2) Experience : Three years experience as Sampling Asstt. or similar nature of job. (Ext. W-7).

In response to this circular S/Shri Lakhan Singh, Bhola Ram, B. D. Choudhury applied for the post and were selected by Selection Committee and were placed in monthly rated scale of pay of Rs. 625-23-947 (monthly rated Grade 'E') which corresponds to Category-IV (Daily-rated) (Ext. M-9). All these three candidates, S/Shri Lakhan Singh, B. D. Choudhury are matriculate while Bhola Ram was read upto Class-VII Standard. The union has complained that by the action of the management an anomalous position has arisen because some of the Laboratory Technicians have been placed in Category-III or Category-IV (Daily-rated) while the workmen mentioned above have been placed in monthly-rated Grade 'E'. It is the claim of the union that this action of the management is discriminating and repugnant to the very concept of 'Equal pay for equal work'.

8. The management has tried to explain the position by contending that since John Lakra, Juel Ekka, Mohd. Jahl Ansari, N. K. Ojha and J. P. Verma were daily-rated workers they have been brought to daily-rated category on selection to higher post while Lakhan Singh, Bhola Singh and B. D. Choudhury were monthly-rated workers and hence they were placed in monthly-rated category in higher post on selection.

9. Laboratory Technicians are entitled to Category-IV (Daily-rated) as per N.C.W.A.III; they are not entitled to monthly-rated Grade 'E'. Upon perusal of scale of pay of daily-rated workmen in Category-IV and monthly-rated workmen in Grade 'E' it appears that workmen placed in Category-IV start with an initial wages of Rs. 626.60 and ends at Rs. 917.80 with rate of increment of Rs. 20.80 per annum when worked out. Laboratory Technicians who have been placed under monthly Grade 'E' start with Rs. 625.00 as initial wages and ends at Rs. 917.00 with rate of increment of Rs. 23.00 per annum. Hence, there appears to be very subtle difference between the pay scale of these two different category and grade of workmen.

10. Anyway, the management could have selected and placed S/Shri Lakhan Singh, Bhola Ram and B. D. Choudhury as daily-rated workmen in Category-IV with their consent and approval. However, there appears to be an anomalous position but even so, the concerned workmen have not been deprived of their rightful categorisation.

11. Indeed, the concerned workmen and three other workmen placed in monthly rated grade have been performing the same nature of job. But in my view, the management has not done any injustice or discrimination to them and adjured the principles of 'Equal pay for equal work'. The concerned workmen are entitled to be placed in Category-IV as daily-rated workmen and I have already held that all of them are entitled to this category with effect from 23-10-86 and thereby the anomaly and difference between the concerned workmen themselves has been removed. But the concerned workmen are not entitled to be placed in monthly-rated grade 'E' as the provisions of N.C.W.A.III do not envisage so.

Shri Abraham Mathews, General Secretary of sponsoring union, has referred me certain decisions, such as, Randhir Singh Vs. Union of India and others reported in 1982(1) LLJ. 344, P. Savita and others Vs. Union of India and others reported in 1980 (1) LLJ. 79, J. N. Mishra and others Vs. State of U.P. reported in 1991(1) LLJ. 223. But in my view, the facts appearing in all these reported decisions are not similar to and distinguishable from the facts appearing in the present reference.

12. In conclusion I hold that Juel Ekka, Md. Jahl Ansari, N. K. Ojha and J. P. Verma are entitled to be placed in Category-IV as daily-rated workmen with effect from 23-10-1986. Consequently they are entitled to proper categorisation and difference of wages with effect from that date.

13. Accordingly, the following award is rendered the demand of the union is justified to the extent that S/Shri Juel Ekka, Md. Jahl Ansari, N. K. Ojha and J. P. Verma are entitled to be placed in Category-IV as daily-rated workmen with effect from 23-10-1986 as the management has placed John Lakra in Category-IV with effect from that date and they are entitled to difference of wages with effect from that date.

In the circumstances of the case, I award no cost.

S. K. MITRA, Presiding Officer

[No. 20012/285/89-IR(Coal-1)]

K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर 1991

का. अ. 149 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेंट्रल बैंक ऑफ इण्डिया के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिवर्ण, सं 1 वम्बई के पंचवट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-12-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 20th December, 1991

S.O. 149.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the Mgt. of Central Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 19-12-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, BOMBAY

(Presiding Officer : Justice S. N. Khatri)

Reference No. CGIT-7 of 1988

PARTIES :—

Employers in relation to the management of Central Bank of India.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :—

For the Management.—Shri Gopalkrishnan, Advocate

For the Workman.—Shri Nargolkar, Advocate
INDUSTRY.—Banking STATE.—Maharashtra
Bombay, dated the 10th day of December, 1991.

AWARD

The Central Government has referred the following industrial dispute to his Tribunal for adjudication under section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947.

"Whether Shri B. K. Karkeria, Cashier of Central Bank of India, Thane is entitled get promotion of Head Cashier, Officer Category (Scale 1) from the General Manager of the Central Bank of India, Zonal Office, Bombay in spite of his working for 18 and 16 months as Head Cashier at Thane and Bhiwandi Branches? If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. B. E. Karkeria (hereafter 'the Workman') joined the service of the Central Bank of India (hereinafter 'the Management' or 'the Bank') on 17th January 1970 as Cashier in the Clerical Grade at Thane Branch. He was promoted as Assistant Head Cashier in year 1983. The Clerical Staff and Subordinate Staff who belong to the non-Management cadre are known as Award Staff. The policy for promotion of the Award Staff to the Junior Management Scale I in the officer cadre is laid down in agreements dated 30-1-70 and 20-12-75. For the purposes of these promotions, there is Bombay Selection Area, which consists of two Bombay Regions—North and South—and Thane Region. Both sides in this Reference have made long-winded pleadings. The Workman has filed his statement of claim running into 24 typed pages. The Bank then filed its written statement. Thereafter the workman filed his rejoinder and the Bank is reply to the rejoinder. The main cause for the length of the pleadings is the Workman's misapprehension about the true scope of the Reference. As I am going to hold below in para 8 infra, that the Reference is restricted to the appointment of the Workman at Thane and Bhiwandi only, I am not mentioning in detail the parties' pleadings on extraneous matters.

3. Shown of avoidable details, the Workman's case is that upto 1971 or so Cashiers working in Bombay Regions were promoted as Head Cashiers in Officer Cadre, whereas Cashiers working in the Thane region were promoted as Head Cashiers in the Award Staff cadre. These promotions were being granted on the basis of separate seniority lists maintained for the two Bombay regions and Thane region. The agreements of 1970 and 1975 (Ex. M-1 and M-2) provided for the Maintenance of a common seniority list for all those three Regions, which came to be designated as Bombay Selection Area. The Workman's grievance is that in actual practice, however, the Bank did not prepare a common seniority list and continued to make promotions half hazily on the basis of separate lists for Thane Region and Bombay Regions. A further injustice was perpetrated on the Thane Region Award staff, in that those posted from amongst them were treated as Head Cashier of Award staff, while those belonging to the Bombay Regions were promoted as

Head Cashiers in the Officer grade. The Workman contends that the Bank did not bring about a combined seniority list for all the three regions, because it wanted to oblige certain senior officials in the Bombay regions who did not want to go to far off places in the Thane region. This basically worked to the disadvantage of the Award Staff working in Thane region.

4. It appears that under a settlement dated 24-3-72 (Ex. W-1), Head Cashiers working in certain categories of offices listed therein, were to be treated as belonging to the Officers cadre. Amongst these offices, stood included offices at Thane, Bhiwandi, Vashi and other places referred to in this and the following para. The Workman states that on 21st December 1973, the Bank opened a new branch at Vashi, which is within the Thane Region. Although he was the senior most Cashier in that region and was entitled to get the promotion post of Head Cashier in that Branch, the Bank on an objection of one Zaveri of Ghatkopar Branch from Bombay region) did not appoint him to that post and appointed one Engineer from the Bombay region. The Workman contends that this appointment was in absolute breach of the then prevailing practice. This action of the Management deprived him of his due promotion as Head Cashier in the Officer cadre from 21-12-1973.

5. The Workman points out that the action of the Management operated in injustice to the Thane region in both ways. In the first place their names were not included in the combined list; so they were not entitled to promotions in Bombay regions. At the same, Thane region employees were not promoted in their own region also according to their local seniority. The Bank acted mala fide in promoting Bombay list candidates directly to Thane region branches in the officer cadre, whenever an official from the Bombay region was willing to come to the Thane region. Thus from both sides the Thane region staff stood at a disadvantage. The Workman has cited quite a few cases in his statement of claim, where officials from the Bombay region came to be appointed in the Thane region. These relate to vacancies which had occurred at Ulhasnagar in 1973, Kalyan in 1976 and Kogbad in 1977-78. He states that in the year 1979 a vacancy of Head Cashier occurred at Bhiwandi Branch. At that time as none of Bombay region Cashiers was willing to go there, the Bank appointed the Workman as Head Cashier, but on officiating basis. He worked on that post for 18 months, and thereafter was reverted back to his post in Thane. Thereafter the Workman was again appointed to work as Head Cashier at Thane for about 16 months from February 1982 to April 1983. Both these appointments were treated as officiating postings in the clerical grade (Award staff).

6. The Workman states that he has officiated on the aforesaid occasions in posts belonging to the Officer cadre, and yet the Management have not given him the regular promotions to that cadre, but paid only officiating allowance. This, he complains is illegal and has been done by the Management out of bias because of his being an active Trade Union

Leader. He also pointed out that the promotion policy prohibits officiation in a post for a longer period than 2 months. It appears that the Bank issued him a letter dated 26th March 1988, promoting him as Head Cashier (E) with effect from 1-1-86. This post belongs to the Award Staff. This grievance is that even according to settlements dated 29-5-87 and 19-8-87 (Ex. M-4 and M-5) both of which are binding on the Bank he should have been promoted to the officer grade. He has also taken a plea that when he has officiated in the Head Cashier post which belongs to Officer cadre for more than a year, he should be deemed to have been confirmed in that Cadre, because on each of those occasions he has worked for more than 240 days in a year. For all these reasons he now claims to be promoted as Head Cashier in the officer category Junior Management Scale I with retrospective effect from 21st December, 1973 and all consequential benefits and seniority.

7. The Bank by its written statement and reply to the Workman's rejoinder has denied his claims. According to it, under the promotion policy which was in force upto 1975, only those employees in the Cash Section who had completed a minimum of 6 years of service were entitled to be promoted to the Officer category. As the Workman was admittedly appointed in 1970 only, the question of his claiming promotion before 1976 did not simply arise. The Bank denies that its action against the Workman is vindictive. It asserts that under the promotion policies he was not eligible to claim promotion to the Officer Cadre. It justifies its action of treating his posting as in Clerical Cadre and paying him officiating allowance accordingly. According to the Bank the Workman is not entitled to claim promotion on a permanent basis, particularly when his name had not yet appeared on the common seniority list. It prays for rejection of the Reference.

8. It is necessary first of all to determine the correct scope of the Reference, because the workman has put up his case in the statement of claim, as if the scope is wide enough to cover determination of several material questions regarding the correct fixation of seniority of the Clerical Award Staff right since 1970, the fairness of the two promotion policies dated 30-1-70 and 20-12-75, and the legitimacy of the various promotions/officiations ordered by the Management during the last two decades. The relief claimed is a declaration that the Workman "is entitled to the promotion as Head Cashier officer category (Scale I) with retrospective effect from 21-12-1973 and that the Bank has denied him promotion wrongfully for its own administrative lapse in violation of the Agreements and that the said action of the Bank was totally unjustified besides being illegal and improper". The Bank has also met the Workman's case on that wide conspectus. The terms of the Reference extracted in the first paragraph will however show that its scope is confined only to the legal consequences flowing from the Workman's working as Head Cashier at Thane and Bhiwandi. I am aware that in interpreting the scope of a Reference, once has to adopt a liberal approach, and not a technical one. But this does not mean that we may stretch the scope to any limits, by snap-

ping all live nexus with the terms of the Reference. In the present case, I am clear that a roving inquiry cannot be embarked upon on the various issues raised by the Workman, without doing violence to the plain language of the Reference. I shall, therefore, restrict myself only to the legal consequences that flow from the Workman's working as Head Cashier at Thane for 18 months and at Bhiwandi for 16 months. If it turns out that he is entitled to be posted as Head Cashier in the Officer Scale I, he will be entitled to a declaration to that effect and wages on that basis. If it turns out that his working as Head Cashier for the aforesaid periods at the two places, does not ipso facto entitle him to the officer Scale I, he will not be entitled to any relief, inasmuch as it is not in dispute that he has received all his dues by way of special allowance etc. on the basis of the post belonging to clerical Award Staff.

9. On the Workman's side, apart from himself (Ex.WW-1), Ramesh Chandra Somani, Service Chief Officer in the Bank's Central Office (Ex.WW-2) and Keki Homvazir, Retired Chief Manager of the Cash Department (Ex.WW-3) have given their evidence. Hariram Israni, Deputy Chief Officer (Personnel) of the Regional Office, Thane (Ex.MW-1) has filed his affidavit in rebuttal on behalf of the Management. Nothing substantial turns out on the oral evidence, inasmuch as this evidence relates to the Workman's averments regarding the Management's failure to maintain proper seniority lists and making wrong promotions since early seventies, and I have held above that these aspects fall beyond the legitimate scope of the Reference. The parties have also filed a number of documents, which have been exhibited by consent. I will have occasion to refer to them in due course. The learned Advocates have also filed their written submissions and supplemented them orally.

10. The workman relies on the settlement dated 24-3-1972 (Ex.W-1) for his submission that his posting at Thane and Bhiwandi as Head Cashier, should be deemed to be as Head Cashier in the Management Scale I. This settlement was signed in supersession of an earlier one dated 26-6-71, which provided for promotion a Chief Cashiers in Officers' cadre. That earlier settlement is not filed on record by either side. It is therefore not possible to show the exact provisions thereof. However this would not make any difference for our purposes, inasmuch as the Workman does not claim to have worked as Chief Cashier at any place. The settlement Ex.W-1 inter alia provides :

"The post of Head Cashiers at the following places will be treated in Bank's Officer category :—

1. All offices situated in places which are in Area 1 as defined in the Bipartite Settlement dated 19-10-1966, or in subsequent Settlement between the All India Employees' Association and the Indian Banks' Association.

2.

11. It is not disputed that Thane formed part of

Area I right from the beginning, whereas Bhiwandi was upgraded to Area I from Area II with effect from 1-4-71: vide the Bipartite Settlement dated 12-10-70. Thus at all material times, both these places fell in Area I. If the settlement Ex.W-1 was operative during the periods the Workman worked at Bhiwandi and Thane as Head Cashier, it follows that part will have to be treated as in officer category.

12. The Management's submission however is that the second promotion policy dated 20-12-75 (Ex.M-2) has the effect of superseding this settlement. I find substance in this submission. At the top of the agreement itself it is clarified that it will supersede "all previous agreements or procedures which are at present in force for the purposes of promotion from one cadre to another and also fixation of wages on promotion from one cadre to another." The preamble reiterates this position more explicitly. I would do no better than reproduce the entire preamble.

"On January 30, 1970, a Memorandum of Agreement was signed between the Management of Central Bank of India and the All India Central Bank Employees' Federation (The All India Recognised Majority Union) regarding Promotion Policy for Clerical and Subordinate Staff and selection to posts carrying Special Allowances under the Bipartite Settlement. The Agreement also provided for direct recruitment in officer cadre in specialised posts. This Agreement became effective for a period of two years from May 1, 1970 and continued to be in operation thereafter. During the operation of this Agreement, a number of amendments/modifications to this Agreement have been made from time to time by way of supplementary Agreements signed between the parties. These apart, both the parties felt the need for certain other modifications to remove anomalies, discrepancies as well as to secure improvements in respect of certain provisions therein. Accordingly, the review of the entire Promotion Policy Agreement was undertaken by and between the parties and after prolonged negotiations the following revised Agreement, in lieu of the existing agreements on the subject has been arrived at."

13. I do not think it necessary to labour the point further. I hold that the promotion policy dated 20-12-75 (Ex.M-2) will be applicable to the facts of the present case. It is not open to the Workman to rely on the agreement dated 24-3-72 (Ex.W-1), which stood superseded by the aforesaid promotion policy.

14. The crucial question that still subsists is whether under the promotion policy (Ex.M-2), a Head Cashier in the clerical grade is entitled to be placed in the officer category as was possible under the earlier agreement of 24-3-72. I have gone through the whole of the document Ex.M-2. There is no provision in it, analogous to that in Ex.W-1 dated 24-3-72. It appears that under the new dispensation, the entry into the officer cadre was sought to be provided at the level of Chief Cashier and not at the level of Head Cashier. I am referring to the provisions of

chapter IV, titled 'Promotions to the posts of Chief Cashier in Bank's Officer grade'. Para 4.6 inter alia provides for designating Incharges of the Cash Departments at all offices situated in Para I as Chief Cashiers. It is pertinent to compare this provision with a corresponding one in the agreement of 24-3-72, whereunder Head Cashiers inter alia working at such officers were to be treated as belonging to officer category. It is not the case of the Workman that the Chief Cashier and Head Cashier are equivalent posts. Indeed, para 4.7 of Ex.M-2 expressly states that promotion to Chief Cashiers' posts in Officer Cadre shall ordinarily be made from amongst the Head Cashiers of 'C' and 'E' grade. It follows that Chief Cashier's post is higher than that of the Head Cashier. I must also say that the Workman did not base his claim for promotion to the officer cadre on para 4.6 *ibid*, and, in my opinion, rightly. To cut the long short, I hold that no provision is brought to my notice either from Ex.M-2 or from any subsequent settlement, under which Head Cashiers in Area I are to be treated as belonging to officer cadre. If the posting of the Workman as Head Cashier at Thane or Bhiwandi had proceeded the agreement of 20-12-75 (Ex.M-2), I would have accepted his submission that he was entitled to be treated as in Officer cadre. However as these postings have come off after 20-12-75, when the settlement of 24-3-72 (Ex.W-1) had ceased to be in force, it is not possible for me to accept his claim to be placed in the officer category.

15. The Workman has made a serious grievance the Management's action in posting him at Thane, Bhiwandi, and other places on officiating basis for long spells of 18 to 16 months at a time and yet refusing him promotion to the officer cadre. In this connection, his learned Advocate has drawn my attention to a circular dated 4-8-87 (Ex.W-3), which prohibits posting of Special Assistants officiation in an officer post for more than 2 months. In the first place, the aforesaid date of this Circular (namely 4-8-87) is challenged by the Management. According to them the correct date is 4-8-67 and not 4-8-87: See para 7 of the deposition of Management witness Hariram Israni Deputy Chief Officer, Personnel of Regional Office, Thane. Indeed even the Workman in para 11 of his affidavit has given the date of the Circular as 4-8-67. This is the date mentioned in the written statement also. I shall therefore treat this as the correct date.

16. A bare perusal of this circular will show that it relates to the general subject of temporary appointment of a "special assistant" to look after the work of an officer who may go on leave for a short period. It does not specifically deal with the question of officiation by a Clerk belonging to the cash section. The first para of the circular recites that a representation was made to the Bank that temporary appointment of a Clerk as 'Special Assistant' was more beneficial to the staff rather than asking him to officiate vice a Junior Officer. It was in that context that the Bank had issued instructions accepting the proposal, and simultaneously warning against indiscriminate use of the facility for long spans of time. What is sought to be prohibited is appointment of Special Assistants for long durations vice officers working in the same

office proceeding on leave, and not postings on transfer. In the present case, as the facts show, the Workman was actually asked to move from one station to the other and was asked to work as Head Cashier and not as Special Assistant. The circular is not attracted by the facts of the present case.

17. It is true that as a general principle and practice, it is not healthy to make officiating appointments for long spells of time. But then unless there is express provision or a practice of long standing entitling the employee to claim absorption in or promotion to a particular post by virtue of his officiating in that post for a specified period, mere officiation does not create a right to the post. Here in the present case there is in fact a provision in para 18.6 of the promotion policy dt. 20-12-75 (Ex.M-2) to the effect, "officiation by itself in an officers vacancy shall not entitle an employee to promotion to the officer cadre, except as per Rules laid down in this agreement". It is not thus open to the Workman to press his claim for promotion on the ground that he has officiated for pretty long spans in the higher post.

18. A faint attempt is made on behalf of the Workman to press his claim for promotion on the basis of a circular dated 4-11-87 (Ex.M-3). It explains the provisions of the two identical settlements dated 29-5-87 and 19-8-87—Ex.M/4 and M-5 between the Workman's two Unions and the Management. The settlement does apply to Thane and Bhiwandi. But then it deals with the employees who have officiated in clerical or sub-staff cadres only. The workman before me is claiming entitlement to a post in the officer cadre and not in clerical cadre. Indeed, the Management have in terms of the circular issued an order dated 26-3-88 (Ex. M-6), recognising the Workman's fixation as Head Cashier (E Category) in the clerical grade, with effect from 1-1-86. This settlement, therefore, does not help the Workman to any extent.

19. This takes me to the question whether the Workman's case attracts section 25-F of the Act. To claim benefit of this provision, it is necessary for him *inter alia* to prove that his transfer from the post of Head Cashier back to his original post of Cashier/Assistant Head Cashier amounts to 'retrenchment' within section 2(oo) of the Act. Recruitment is the termination of the service of a Workman. Now where a Workman is asked to work on a higher post either by way of promotion (as claimed by the Workman before me) or by way of officiation (as alleged by the Management) and is later asked to join his original post, I do not think the change amounts to 'termination of Workman's service'. 'Termination' has a peremptory connotation, it means 'ending' or 'snapping off for good'. In the case before me, the Workman very much continued in his service, notwithstanding the change in the level of his posting. I hold that the plea under section 25-F of the Act is not open to the Workman.

20. Considering all the relevant aspects I am of the view that the workman is not entitled to claim promotion to the Officer cadre, merely

because he has worked as Head Cashier at Thane and Bhiwandi which fall under Area I. The questions relating to the fairness/legality of the seniority lists maintained by the Management and the legitimacy of the practices followed by it in making posting in different regions cannot be gone into in these adjudication proceedings, as explained in para 8 supra. These questions remain open for the present. As the Workman has admitted in his cross-examination that he has received his special allowance in full on the basis of treating his postings at Thane and Bhiwandi as in the Clerical Grade, he is not entitled to any relief in this Reference. In the result, I make the following Award.

AWARD

The Workman is not entitled to be promoted to the officer category (Scale I), merely because of his working for 18 and 16 months as Head Cashier at Thane and Bhiwandi. He is not entitled to any relief, as he has already been paid special allowance due to him under the relevant provisions. The Reference is answered accordingly. Parties to bear their costs as incurred.

S. N. KHATRI, Presiding Officer

[No. L-12012/436/87D-II(A)]

का. आ. 150 : — औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सैन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चण्डीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 20-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 150.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the Mgt. of Central Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 20-12-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

CASE NO. I. D. 61/87

T. K. Aggarwal Vs. Central Bank of India

For the workman : Shri R. K. Joshi

For the management : Shri Yogesh Jain

AWARD :

Central Govt. vide gazettee notification No. L-12012/617/86-D. II(A) dated 14th August, 1987 issued U/S 10(1)(d) of the I. D. Act 1947, referred

the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Central Bank of India, Ludhiana in dismissing from service Shri Tarsem Kumar Aggarwal is justified ? If not, to what relief the concerned workman is entitled ?"

2. Claim of the petitioner as set out in the claim statement is that he joined the Central Bank of India as clerk on 11-1-1969 and transferred to Muktsar branch on 23-2-69 and again transferred to Millerganj Branch in the year 1971 and then to Saleem Tapri branch in October 1978. It was alleged that he was an activist of the Union and the management remained biased against him and received suspension order dated 15-10-1982 following incident taken place on 8-10-1982 and no opportunity was given to him to explain his conduct before putting him under suspension. It was further alleged that brother of Miss Sukhjeevan Kaur an account holder No. 2378 had presented pass book to Shri A. P. Arora branch manager and he fabricated a good case against him for the reasons best known to him. Mr. Yadvinder Singh brother of the account holder Miss Sukhjeevan Kaur met directly to Shri A. P. Arora and handed over the pass book. There was no complaint of any kind in regard to this account holder before 8-10-1982 till 13-10-1982. No inquiry was made from the ledger keeper for alleged missing entries nor the account holder about any discrepancy in her account even in the complaint dated 13-10-1982. The letter given by the account holder to the bank that she opened an account, and used to deposit the amount through Shri Aggarwal and there was no mention that the petitioner had ever defrauded her. It was further alleged that Mr. A. P. Arora got his complaint against him as he was biased against him. The complaint was vague and does not speak of any specific charges. It was further alleged that Mr. Arora procured another complaint from Miss Sukhjeevan Kaur on 17-1-1984 and that the amount deposited was Rs. 4800/- whereas in the pass book it came to Rs. 4377. It was further alleged that there is an entry of Rs. 50/- dated 26-9-79. That payment was received by Miss Sukhjeevan Kaur and this entry did not appear in the pass book produced during the enquiry. This indicates that at the time of withdrawal, there was another pass book which was prepared by any one. It was further alleged that excepting servicing so called notice by Miss Sukhjeevan Kaur she did never press the bank for taking legal action for the recovery of the dues and thus fact remains that she was never deceived. It was further alleged that when ever she gave any type of deposit for her account in cash or cheque she used to collect the pass book in the evening and the amount was deposited in her account as per entries appeared in the ledger. It was further alleged that from the fact inference can be drawn that both the complaints were procured by the then branch manager Shri A. Arora in collusion with Miss Sukhjeevan Kaur. It was further alleged that enquiry officer had given his findings without having the arguments in the case. Further in appeal no opportunity was given to him and he was prepared and no adjournment was given. It was further alleged that without waiting decision of the case the management deducted the amount from his provident fund to be paid to Miss

Sukhjeevn Kaur and it was prayed that he be reinstated from the date of termination with full back wages.

3. The claim was contested by the respdnt. management. It was denied that there was no complaint against the petitioner with regard to his official work. It was also denied that the management of Central Bank of India remained biased against him. It was also denied that no opportunity was given to him to explain his conduct before putting him under suspension by the management. The management alleged that full fledged enquiry was contemplated against him in view of the seriousness of the charges of misconduct levelled against him by a customer in her complaint dated 13-10-1982. It was further alleged that in the evidence of Sukhjeevan Kaur it had come that per brother had gone to deposit Rs. 500 in her saving account No. 2378 and given the pass book to the branch manager and he did not returned the pass book on account of some discrepancies as some entries appearing in the pass book do not figure in the ledger and thereafter she filed a complaint with the branch manager on 13-10-1982 that she had been depositing various amounts in her account through Shri T. K. Aggarwal petitioner, and therefore, allegation that there was no complaint of any kind in regard to this account before 8-10-1982 till 13-10-1982 is irrelevant. Complaint made by the account holder was sufficient for the management to ascertain the entries made in the bank ledger. The averment of the petitioner that there was no mention in the complaint that he had ever defrauded her is misconceived in view of the cogent evidence. The allegation that the complaint was procured by Shri A. P. Arora was also denied being vague and false. The plea was taken that about 40 documents which were admitted by the workman were exhibited and 10 witnesses were produced against the workman. Full opportunity was given to him to cross-examine the witnesses. It was further alleged that complaint lodged by the account holder Miss Sukhjeevan Kaur was sufficient to hold an enquiry into true facts. It was denied that the subsequent complaint was also procured. Rather in the subsequent complaint account holder gave an account of various amounts deposited by her through the petitioner. Stress was also laid that in inquiry officer was entrusted with the task as to whether the entries in the pass book of the account holder were made by the workman himself and the amounts alleged to be deposited were pocketed by himself and these charges were proved against the workman during the enquiry proceedings and the workman could not rebut the same. It was also denied that he never deceived Miss Sukhjeevan Kaur. Other allegations levelled by the petitioner in the claim statement was also denied having been vague and not tenable. It was also denied that no opportunity of personal hearing was given to the workman by the appellate authority and claimed that the action of the management is absolutely legal and valid.

5. Replication was also filed reiterating the claim made in the claim petition by the workman.

6. In support of his case the petitioner tendered his affidavit Ex. W1 and produced himself as WW1 in evidence and also tendered Ex. W2 to W5 memos, Ex. W6 request letter of workman dated 17-6-1985,

Ex. W7 request letter dated 22-7-85 and Ex. W8 letter dated 26-7-1985. In cross-examination he had admitted that Sukhjeevan Kaur was known to him. However he has stated that she made the transaction through him and denied that the brother of Sukhjeevan Kaur had handed over Rs. 500 to him on 8-10-1982 to him. He also admitted that regular enquiry was held against him. He has also admitted that he was granted opportunity of personal hearing by the disciplinary authority. He has also admitted that he participated in the enquiry proceedings throughout. He has also admitted that in the enquiry proceedings he had cross-examined the Sukhjeevan Kaur the complainant. Workman has also relied upon Ex. W9 copy of chargesheet, Ex. W10 copy of complaint, Ex. W12 account holder pass book, Ex. W13 complaint dated 21-6-1983, Ex. W14 & 15 attendance register Ex. W16 account holder pass book, Ex. W17 account holder pass book and Mark 'X' withdrawal slip, Mark 'Y' withdrawal slip Mark 'Z' of the ledger and request copy Mark 'A', written arguments submitted before the enquiry officer Mark 'B' and findings of the enquiry officer Ex. W18.

The bank management produced Shri R. K. Mankad in evidence who tendered his affidavit Ex. M1 and documents Ex. M2 copy of charge sheet and Ex. M3 enquiry proceedings and close the case.

I have heard both the parties and gone through the evidence and record of the case and written arguments filed by the parties. The main stress in the arguments has been made by the rep. of the workman that he was not afforded reasonable opportunity to represent his case and enquiry was biased and in support of it has referred few portion of the enquiry proceedings like question No. 10 at page 14, question No. 5 at page 18 and question No. 1 at page 21 and question No. 4 at page 39, question No. 6 at page 13 and question No. 12 at page 9 and another few extracts from the enquiry proceedings and also stress was laid that he was not allowed to produce his evidence and the much stress was laid that he was not allowed reasonable opportunity to defend his case in appeal after the impugned punishment, as the appeal was decided at his back. Contentions raised by the rep. of the workman are meritless. It is settled principal of law that enquiry can not be said to have properly held unless employee proceeded against has been informed clearly of the charges levelled against him, (ii) the witnesses are examined in the presence of the employee in respect of the charges, (iii) employee is given fair opportunity to cross-examine the witnesses, (iv) he is also given fair opportunity to examine witnesses including himself in his defence if he so wishes on any relevant matter and (v) enquiry officer records his findings with reasons for the same in his report.

Ex. M2 is the charge sheet and Ex. M3 is the enquiry proceedings placed on the record by the management. Undoubtedly the management of a concern has powers to direct its own internal administration and discipline but the powers are not unlimited and when dispute arises. The Tribunal has given the powers to see whether the termination of service of workman is justified and to give proper relief. In case

of dismissal or misconduct the Tribunal does not ever act as a Court of appeal and substitutes its own judgment for that of management. The Court will interfere only (i) when there is want of good faith, (ii) when there is victimisation or unfair labour practice, (iii) when the management has been guilty of the basic error or violation of principles of natural justice, (iv) when the material findings are completely baseless or perverse. However in the instant case from the enquiry proceedings Ex. M3 it is quite apparent that on each and every hearing the workman was himself present even when the Ex. M2 the charge sheet was served along with his representative. However proceedings were conducted in his presence and he has participated fully in it. As many as ten witnesses were examined on behalf of the management and the workman along with his representative was allowed to cross-examine the said witnesses wherever he sought to do so. The workman was also allowed to submit his list of documents and opportunities were given and the workman himself had closed his defence in the proceedings. So it does not lie in the mouth of the workman that he was not afforded reasonable opportunity to defend his case. Another arguments advanced by the rep. of the workman was that a demonstration was held against Mr. G. R. Dargan the then branch manager by the Union for which he belongs and the said Dargan was very close to Mr. Arora was enmity to the petitioner and at the instance of A. P. Arora the case has been fabricated against him. This plea is too far fetched to be accepted. Another plea raised by the workman that the Enquiry Officer Mr. S. K. Abbi did not act impartially and acted as an agent of the management are also not accepted in view of the settled law that the mere fact that the enquiry officer is an employee of the management can not lead to the assumption that he was bound to decide the case in favour of the management as he was biased to decide the case in favour of management. Likewise the fact that the enquiry officer was subordinate to the disciplinary authority would be no ground for holding that he acted mala fide and had bias against the delinquent employee. Thus in the absence of any special bias attributable to a particular officer it can never be held that the enquiry is bad just because it is conducted by an officer of the employer. Further extracts referred by the rep. of the workman in his arguments are neither here nor there and does not go to the root of the case and no prejudice has been caused to the present workman and it is settled law that the domestic enquiry need not to be conducted in accordance with the technical requirement of criminal trials. However they must be fairly conducted, consideration of fair play and natural justice and the same has been done. After perusing the enquiry proceedings Ex. M3 as mentioned above every step of the enquiry was conducted in the presence of the workman and his presence has been marked on each and every proceedings. Mere breach of the bare technicalities can not equated with violation of rules of natural justice. Not only this Tarsem Kumar Aggarwal WW1 when cross-examined he has admitted that regular enquiry was held against him by the Bank authorities. He has also admitted that he was granted opportunity of personal hearing by the disciplinary authority and he has also admitted that he

has participated in the enquiry proceedings throughout. He has also admitted that in the enquiry proceedings he has cross-examined Miss Sukhjeevan Kaur the complainant. He has also admitted that he knew Miss Sukhjeevan Kaur and he has also admitted that she however made three transactions through him. Therefore, in his own admission he has admitted the fairness of the enquiry. However, after pursuing the report of the inquiry officer and the order of the disciplinary authority both are the speaking orders and obviously passed after application of mind.

Much stress has been laid by the rep. of the workman that no reasonable opportunity has been afforded to him in appeal and the same was preponed and the appeal was disposed at the back of the present workman. Again there is no force in this contention. Ex. W3 is the letter fixing the date for hearing on 1-5-1985. However vide Ex. W4 dated 20-4-85 the workman was informed about the preponment of the hearing to 30-4-1985 from 1-5-85 for which the workman has had a knowledge as admitted by him in Ex. W6 letter that he received intimation on 26th April 1985 much prior to the preponed date i.e. 30th April 1985. Written arguments were already with the appellate authority who on the basis of which disposed off the appeal and thus no prejudice has been caused to the present workman being appeal disposed off in his absence on the basis of written arguments filed by the workman although knowingly he did not appear on the preponed dated 30-4-1985.

In view of the discussion made in the earlier paras enquiry has been conducted in all fairness and the workman had been given adequate opportunity to defend his case.

Workman also prayed this Court for the intervention in the punishment U/S 11-A of the I.D. Act 1947 which is again without force. Action was initiated against the present workman on the complaint of Sukhjeevan Kaur to the Bank. It is also not disputed that the petitioner himself had known to Sukhjeevan Kaur as she is his neighbour. There is absolutely no indication of any enmity between her and the present workman, rather she had trusted him while operating her accounts. The petitioner himself has admitted in his cross-examination that she has made three transactions through him. Admittedly from 19-8-79 to 3-5-1982 he was posted in the said branch only. Action of the present workman receiving various amounts from Miss Sukhjeevan Kaur for crediting to her accounts but instead of depositing the same amount used to pocket the same himself and in order to satisfy Miss Sukhjeevan Kaur making relatively entries in her pass book in his own hand and in his own handwriting certainly an act which amounts to misappropriation of banks' funds. Therefore, interference U/S 11-A of the I.D. Act is not called for in the present case.

In view of the discussion made in the earlier paras the action of the management of Central Bank of India in dismissing from service Shri T. K. Aggarwal is fully justified and workman is not entitled to any relief whatsoever.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

[No. L-12012/617/87-D II(A)]

V. K. VENUGOPALAN, Desk Officer

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1991

का. आ. 151 :— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, चन्दा रयातवारी आफ मै. वेस्टर्न कोलफील्ड्स लि. के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर, के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-12-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 20th December, 1991

S.O. 151.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Chanda Rayawari of M/s. Western Coalfields Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on 19-12-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM - LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

CASE No. CGIT/LC(R)(16)/1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of Western Coalfields Ltd. Chanda Rayawari Sub-Area, Post & District Chandrapur (MS) and their workman, Shri Dinesh Govind Prasad Choubey, Driver, represented through the Lal Jhanda Coal Mine Mazdoor Union (CITU), Police Line Thukkam, District Chandrapur (MS).

APPEARANCES :

For Workman.—Shri S. R. Pendre

For Management.—Shri G. R. Bhandari and Shri R. Menon, Advocate.

DISTRICT.—Chandrapur (MS)

INDUSTRY. —Coal Mine

AWARD

Jabalpur, the 29th November, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-22012(121)188-D-4(B) Dated--12-88, for adjudication of the following dispute:—

SCHEDULE

“Whether the action of the Management of Chanda Rayawari Sub-Area of M/s. Western Coalfields Ltd in terminating services of Sri Dinesh Govind Prasad Choubey, Driver w.e.f. 7-2-1984, is justified if not, to what relief the workman concerned is entitled?”

2. Parties filed their respective pleadings and certain documents in the case which I need not con-

der as the parties arrive at the following compromise on 19-11-1991 at Nagpur:—

"The order of terminating is set aside and the workman is reinstated without any back wages and consequential benefits arising thereof. He shall be taken in service within two months from today on producing medical fitness certificate of the company."

3. The above compromise appears to be just and fair and in the interest of the workman concerned. I therefore record my award in terms of the compromise arrived at between the parties and make no order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-22012/121/88-D.IV(B)]

का. आ. 152 :— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सै. एम. सी. सी. एल. नासपुर के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 152.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. S. S. Co. Ltd., Naspur and their workmen, which was received by the Central Government on the 19-12-91.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT
HYDERABAD
PRESENT :

Sr. G. Krishna Rao, B. A., B. L., Industrial Tribunal.

Dated the Tenth day of December, Nineteen hundred and ninety one

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 31 OF 1991

BETWEEN :

The Vice President, S. M. & E. W. Union (HMS), PO Sriampur Colony, D. Adilabad (AP) ... Petitioner

AND

The Project Manager, Coal Chemical Complex, M/s. S. C. Co. Ltd., PC Coal Chemical Complex, Dt. Adilabad (AP) Respondent

APPEARANCES :

None for the petitioner—workmen,
M/s. K. Srinivas Murthy, G. Sucha,
M. Ananthhasen Rao and S. Surfesh,
Advocates for the respondent—management,

AWARD

This is a reference made by the Govt. of India Ministry of Labour, New Delhi by its Order No. L-22012/64/91-IR(C.H) dt 19-7-1991 for adjudication of the dispute between the management of M/s. S. C. Co. Ltd, Naspur and their workmen, setting forth the point for adjudication in the schedule appended thereto as follows:

"Whether the action of the management of Coal Chemical Complex, M/s. S. C. Co. Ltd., Naspur, in refusing to rectify the anomaly of Sri C. Ganapathi Ca. VI Fitter in reference to Sri Ramachander Ca. VI Fitter who is junior to Sri C. Ganapathi is justified? If not, to what relief the workman is entitled to?"

This reference was registered as I. D. No. 31 of 1991 on this file of this Tribunal and notice was issued to both the parties. Having received the notice, the petitioner-workman did not choose to appear before this Tribunal and did not choose to put in appearance and the petitioner-workmen remained ex-parte. The respondent put in appearance but the respondent did not file any counter and reported that the respondent has no counter and no evidence is let in.

2. As stated above, the petitioner did not put in appearance and did not choose to file any claims statement and did not choose to prosecute his case. The respondent also did not choose to file any counter and did not choose to adduce any evidence. So as the things stands, no material is brought on record to adjudicate the matter on the point stated in the schedule appended to the reference. So no award can be passed on merits in this case.

In the result, an award is passed holding that the workman Sri C. Ganapathi is not entitled to any relief in this case since the petitioner-workman did not choose to bring any material facts on record for adjudication of the matter on merits. There will be no order as to costs.

Dictated to the stenotypist, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal this the 10th day of December, 1991.

G. KRISHNA RAO, Industrial Tribunal
[No. L-22012/164/91-IR(C.H)]

Appendix of evidence

NIL

का. आ. 153 :— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम, रायपुर के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-12-91 को प्राप्त हुआ था।

Soni remains to be adjudicated while the cases of the other workmen have been adjudicated in Reference Case No. 32/85 against which a Writ Petition is said to have been pending in the High Court. This reference is said to have been decided on 25th May, 1986 by this Tribunal and M.P. No. 3275/86 is pending before the High Court. Copy of the Award passed by this Tribunal is on record.

2. Workmen are to have been working for the management and with the contractors from time to time. Their services are said to have been terminated with effect from 9-11-1984. The statement of claim para 7 as also the proceedings of this Tribunal dated 19-7-90 disclose that the matter of six workmen viz. (1) Dharam Lal (2) Zakirhussain (3) Kurma Rao (4) Anil Kumar (5) Ganpat Ram & (6) Murali Ram

8. Food Corporation of India had engaged contractors from 11-12-80 to 9-11-1984 as follows :—

- (1) Rakhraj Agarwal from 11-12-80 to 10-12-82.
- (2) Baisaku from 11-12-82 to 3-8-83.
- (3) Railway Shramik Sahakari Samiti Maryadit, Raipur from 4-8-83 to 8-11-83.
- (4) Sai Transport from 9-11-84 and is still continuing.

It appears that the workmen might have been engaged by the above mentioned contractors.

9. It has also come to the notice of the F.C.I. that the above mentioned workers were engaged with some contractors and were gainfully employed with other Companies etc. The management further submits that the workmen mentioned in the Schedule have already preferred a writ for the same cause of action. The petition is pending before the High Court, being MP No. 3488 of 1984, Bishambhar Das son of Sri Raghu and 116 others Vs. Food Corporation of India and others and therefore this reference does not lie. Reference is therefore liable to be rejected.

10. Reference was the issue in this case.

Findings with Reasons :

11. The workmen have examined four witnesses viz., Bhagwati Bai (W.W.1), Hakim Khan Alias Lala (W.W.2), Prashan Singh Dixit (W.W.3) and Ram Singh (W.W.4) who have also filed five documents Ex.W/1 to Ex.W/5 in support of his case apart from various judgments.

12. There is certified copy of the petition M.P. No. 3488/84 wherein 116 petitioners have prayed for the following relief :—

- (1) The petitioners therefore pray that this Hon'ble Court be pleased to issue the directives to regularise all the petitioners in F.C.I.
- (2) Order the Respondents not to change their service conditions transferring their services to the Private contractor or terminating their services from the management of F.C.I.
- (3) The respondents be further restrained by a writ in nature of mandamus or prohibition from taking any steps for a new contract system. They further be directed not to take any steps during the pendency of this writ petition.
- (4) Any other directions which may be deemed just reasonable may kindly be issued.

The above petition was filed on 7-12-1984. The prayer made in this petition is entirely different than what is the matter under reference. Here the services of the workmen have already been terminated with effect from 9-11-1984 though the petition is said to have been made on 7-12-1984. But what I understand is that this is the

proper forum before which the matter should be adjudicated irrespective of the fact that the Misc. Petition in regard to the above relief has been made which does not come in the way of answering this reference.

13. So far the award relating to 25 workmen is concerned it is in affirmative i.e., in favour of the workmen concerned. It is true that the above referred workmen have not been examined but the evidence adduced shows that these workmen were the workmen and the names of these 25 workmen find place in Ex. M-1. Ex. M/4 relates to Prashan Singh Dixit, according to which this workman worked with FCI for one year. From the above evidence which could neither be shaken in cross-examination nor contrary evidence being there, their evidence must be accepted and it must be held that first these were the workmen of the contractors and therefore they worked for the management and thereafter when they were handed over to the contractors the contractors did not permit them to join. They say that they have been working for last more than couple of years with various contractors and they worked for more than a year with the management.

14. Reference itself is self speaking According to the Schedule of reference it was the F.C.I. Raipur who had retrenched these workmen and whose retrenchment has been questioned. This Tribunal shall certainly not go beyond the order of reference and in this regard we shall look into the relevant provisions of the law which has been enumerated in Sec. 10, Sub-section (4) of Industrial Disputes Act, 1947 which runs as follows :—

Section 10(4) of I.D. Act :

“Where in an order referring an industrial dispute to a Labour Court, Tribunal or National Tribunal under this section or in a subsequent order, the appropriate Government has specified the points of dispute for adjudication, the Labour Court or the Tribunal or the National Tribunal, as the case may be, shall confine its adjudication to those points and matters incidental there.”
(underlined by me).

Thus according to the aforesaid provision the Tribunal while adjudicating upon the dispute shall confine its adjudication to the points referred and matters incidental thereto.

15. So far the question whether these were the contract labourers or the labourers of the employer the pleadings of the management itself go to show that the work was of perennial nature, that these persons were at times employed through the contractors. The relevant part of the pleading in rejoinder is as follows :—

“In case for any reason, Contractors could not be appointed then in that situation a contract is being given to a contractor for supply of Casual Labour. In either case the Labour engaged by the Contractor or

Casual Labour supplied by the Contractor do not become the employees of the F.C.I. and there is no privity of the contract between them and the Food Corporation of India."

It may not make any difference so far the F.C.I. is concerned but it makes a lot of difference in applying the law.

16. While explaining the distinction between the contractor and employee in the case of *Chintaman Rao Vs. State of M.P.* (AIR 1958 SC p. 388) it has been observed that an employee unlike the contractor is under the control and supervision of the employer in respect of the details of work. The contractors, on the other hand, is required to do specific work for other persons; without submitting himself to their control in respect of the details of work. The relation of master and servant and principal and agent may be said to be as thus :—

"A principal has a right to direct what work the agent has to do ; but a master has further right to direct how the work has to be done. (*Lakshminarayan Ram Gopal Vs. Govt. of Hyderabad* (AIR 1954 SC 364) Supreme P. 455 by Surendra Malik.)."

Court Labour & Services Digest (1950-1978)

17. The Contract Labour (Regulation and Abolition Act) is a piece of social legislation for welfare of labourers and should be liberally construed (*Lionel Edwards Ltd. Vs. Labour Enforcement Officer* (1977 Lab. I.C. 1037 Calcutta)).

18. While dealing with the question as to who is the employer, in the case of *Malhotra Enterprises Vs. State of U.P.* (1978-II-LLJ p. 65) it has been observed that where the management or the intermediary contractor is the employer,—whether *vinculum juris* existed between the management and the workmen it was held that in the *Liascz Faire* economy based on common law and the Contract Act the position may be different but in the industrial branch, mere contracts are not decisive and a complex of considerations are relevant in deciding the real dispute (1978-II-LLJ 397 SC) (Labour Law Journal Digest, Editors LLJ Madras, Vol. 9, 1976—82 p. 319).

19. In the case of *Hussainbhai Calicut Vs. Alath Factory Vs. Alath Factory Thizhilali Union and others* (1978 SCC (L&S) p. 506) it has been observed as follows :—

"The true test is—

Where a worker or group of workers labours to produce goods or services and these goods or services are for the business of another, that other is, in fact, the employer. He has economic control over by workers subsistence, skill, and continued employment. If he, for any reason, chokes off, the worker is, virtually laid off. The presence of intermediate contractors with whom among the workers have immediate or direct relationship ex contractu is of no consequence when, on lifting the veil or looking at the conspectus of factors governing employment, we discern the naked truth, though draped in different perfect paper arrangement, that the real employer is the management, not

the immediate contractor, myriad devices half-hidden in fold after fold of legal from depending on the degree of concealment needed, the type of industry, the local conditions and the like, may be resorted to when labour legislation casts welfare obligations on the real employer, based on Arts. 38, 39, 42, 43 and 43A of the constitution. The court must be astute to avoid mischief and achieve the purpose of the law and not misled by the maya of legal appearances.

If the livelihood of the workmen substantially depends on labour rendered to produce goods and services for the benefit and satisfaction of an enterprise, the absence of direct relationship or the presence of dubious intermediaries or the make-believe trappings of detachment from the management cannot snap the real-life bond. The story may vary but the inference defies ingenuity. The liability cannot be shaken off.

Of course, if there is total dissociation in fact between the disowning management and the aggrieved workmen, the employment is, in substance and real-life terms by another. The management's adventitious connections cannot ripen into real employment."

20. In the case of *Western India Automobile Association Versus the Industrial Tribunal, Bombay and others* (1949 Federal Court p. 11) their Lordships have gone out to say that the Tribunal can direct in the case of dismissal that an employee shall have a relationship of employment with the other party although one of them is unwilling to have such relationship.

21. The discretion which an Industrial Tribunal has must be exercised in accordance with the well recognised principle. There is undoubtedly a distinction between Commercial and Industrial Arbitration. As has been pointed out by Ludwig Teller *Labour Dispute and Collective Bargaining* Vol. I page 536, "Industrial arbitration may involve the extension of an existing agreement, or the making of a new one, or in general the creation of new obligations or modifications of old ones, while commercial arbitration generally concerns itself with interpretation of existing obligations and disputes relating to existing agreements."

"A court of law proceeds on the footing that no power exists in the courts to make contracts for people; and the parties must make their own contracts. The courts reach their limit of power when they enforce contracts which the parties have made. An Industrial Tribunal is not so fettered and may create new obligations or modify contracts in the interests of industrial peace, to protect legitimate trade union activities and to prevent unfair practice or victimisation. We cannot, however, accept the extreme position canvassed before us that an Industrial Tribunal can ignore altogether an existing agreement or existing obligations for no rhyme or reason whatsoever (*Roh'tas Industries Ltd Vs. Brijnandan Pandey & others* (1956 -II-LLJ p. 444)). As pleaded in para 2 of reply the FCI obtained the work of loading, un-

loading, shifting, stacking etc. of the food grains of ECI by the workers through the contractors. This is a work of perennial nature and can not be carried out without being under the control and direction of the management.

22. According to Mr. Justice Holmes, social justice is an inarticulate major premise which is personal and individual to every court and every judge. Incensed by this dictum, Bhagwati J. speaking for the Supreme Court in *Muir Mills Ltd. Vs. Suti Mill Mazdoor Union* (1955-I-LLJ p. 1(6)) said—

“the concept of social justice does not emanate from the fanciful notions of any particular adjudication but must be founded on a more solid foundation” (underlining is mine).

But in a later case the Supreme Court assigns a more positive role to the concept of social justice in industrial adjudication. Gajendragadkar J. persistently emphasised the social and economic justice is the ultimate ideal of industrial adjudication and that social and economic justice has been given a place of pride in our Constitution. In *Rai Bahadur Diwan Badridas Vs. Industrial Tribunal, Punjab* (1962-II-LLJ p. 366 (370)) speaking for the majority he further emphasised that—

“the doctrine of the absolute freedom of contract has thus to yield to the higher claims for social justice... under the impact of the demand of social justice the doctrine of absolute freedom of contract has been regulated....”

In other words of Hidayatullah J. Social justice is not based on the contractual relations and is not to be enforced on the principles of contract of service. It is something outside these principles, and is invoked to do justice without a contract to back it. (*Rashtriya Mills Mazdoor Sangh Vs. Apollo Mills Ltd.* (1960-II-LLJ SC p. 263(271)).

23. Industrial Jurisprudence is not static, rigid or textually cold but dynamic burgeoning and warm with life. It answers in emphatic negative the biblical interrogation. What man is there of you whom if his son asks bread will give him a stone? The Industrial Tribunals of India in areas unoccupied by precise block letter law, go by the constitutional mandate of social justice in the claims of the “little people”. It may be one thing to settle a dispute by the agreement which effects only the interest of the parties to the agreement; it is quite a different thing for this Court to lay down a rule which will have a wider application. It would, therefore, be of little significance that these little people could not advance their pleadings without vagueness and could not give all the data of their service. Suffice it to say that from the pleadings and evidence on record, it is established that these little men were workers of the management and they had worked for more than one year with the management.

24. While dealing with the definition of “workman” vis-a-vis “contractors”, “employee” or “employee of

principal employer” in *Basti Sugar Mills Ltd. Vs. Ram Ujagar* (1963-II-LLJ 447 SC) it has been observed that the workers employed by a contractor to remove press-mud from the sugar factory were to be “workmen” employed by the factory because removing press-mud was considered ordinarily to be a part of the sugar factory. Likewise, in *Saraspur Mills Co. Ltd. Vs. Ramanlal Chimanlal* (1973-II-LLJ 130-132-133 SC) the workers of a canteen run by a cooperative society were held to be the workmen of the factory because the factory was under an obligation to maintain and run the canteen for its employees under the Factories Act and rules thereunder. In this regard, discussion at para 11 in the case of *All India Railway Institute Employees Association Vs. Union of India* (1990 S.C.C. Vol. 2, Part V, page 542) is noteworthy.

25. Various tests have been applied to find out the relationship of employer and employee. In the modern world industrial operations have become complex and complicate and for the efficient successful functioning of any industry several “incidental” operations are called in aid and it is the totality of these operations that ultimately constitutes the industry as a whole. Proof existence of relationship can be made out as fairly and fully by circumstantial evidence as it can be by evidence which is direct. While the employee, at the time, when his services were engaged need not have known the identity of employer, there must have been some act or control by the parties recognised one and another as master and servant (See page 471 Malhotra, Vol I).

26. In order to determine the existence of relationship of independent contractor or employee “few problems in the law have given greater variety than the case arising on the borderline between what is clearly an employer-employee relation and what is clearly an independent entrepreneurial dealing”, for “it is often easy to recognise a contract of service when you see it, but difficult to say where the difference lies”. Problems of this kind have come before the court with the advent of social legislation in England during the last ninety years and in India during the last fifty years. Consequently, a considerable body of case law has developed under the recent social welfare legislation. There has been extraordinary variety of relationship which have come in force at one time or another, and it is now clear that it is impossible to define a contract of service in the sense of stating a number of conditions which are both necessary to, and sufficient, for the existence of such a contract. This position has been succinctly stated in the American Jurisprudence. It is the element of control of the work that distinguishes the relationship of master and servant from the independent contract relationship. The most important test in determining whether one employee to do certain work is independent contractor or mere servant is the control over the work which is reserved by the employer. Thus the most satisfactory test is to ascertain as to who is the employer at any particular time is to ask who is entitled to tell the employee the way in which he is to do the work upon which he is engaged.

27. In the words of Roskill, J. “control is obviously an important factor.” The control of the management, which is necessary element of the re-

relationship of master and servant, is not directed towards providing or dictating the nature of the article to be produced or the work to be done, but refers to the other incidents having a bearing on the process of work the person carries out in the execution of the work. The manner of work is to be distinguished from the type of work to be performed."

28. The distinction is also drawn between "contract for service" and "contract of service". The distinction is in the case of master can order or require what is to be done, while in the other case he cannot any order or require what is to be done, but how it shall be done. In the words of Lord Denning "under the contract of service, a man is employed as a part of the business, and his work is done as an integral part of the business; whereas, under a contract for service, his work, although done for the business, is not integrated into it but is only assessor to it."

29. What in fact matters is lawful authority or command so as there is scope for it. And there must always be some room for it if only in incidental or collateral matters. The question, therefore, is not whether the control is exercised; it is where is the right of control? and the distinction between the physical control and the right of control is important. The control includes the powers to decide the term, the way it will be done, the means employed in doing it, the time and place where it shall be done. All these aspects of control must be considered in deciding whether the rights exist in a sufficient degree to make on party a master and the other his servant. However, it has for long been apparent that analysis of the extent and the degree of such control is not in itself decisive. It is left to the courts of law to decide what the contract of employment or service is in the circumstances of each case.

30. Halsbury describes the test: "to distinguish between an independent contractor and the servant, the test is whether the employer retains the power, not only of directing what work is to be done. But also of controlling the manner of doing the work. If a person can be overlooked and directed in regard to the manner of doing his work, that person is not a 'contractor' (Halsbury's Laws of England, 3rd Edn. Vol. 25, p. 498). See Malhotra, Vol. I, pages 470 to 477).

31. Having noticed the entire spectrum of case law on the subject, it has a caution to the employers that in view of the changing socio-economic environment the legal position as regards the status of contract labours cannot be shepherded and since the socio-economic justice is, the signature tune of the preamble of the Constitution, they would in time to come have to be conceived as full workmen of the establishment if prescribed formalities are lacking. The tone and temper of time shall also warrant this. The old theory of job of judges to confine to only interpreting the law not to make law has long been bundled of the stage like a broken tool. We should, therefore, be prepared to face the realities that would unfold on this front. The dice is overloaded against the employer.

It may be a tragic scenario that stairs employers in fact but in this vast changing society when the social justice is to be given to the poorer, this Court shall not sit to find itself to the mere contract, but shall create contract.

32. It is pointed out that the case of these six workmen concerned is not subjudice before the High Court.

33. It is true that these six workmen should have been included in the earlier references but that by itself does not take away the right of these workmen. These workmen had never raised their dispute earlier before this Tribunal. As I have already pointed out above, management could not specifically deny that these workmen did work with the contractor for the alleged period. It is also not questioned that the provision of Sec. 25-F of the I. D. Act has not been complied with. Thus their retrenchment is void ab initio. I therefore hold as follows:—

The following six workmen are the workmen of the management. Otherwise also the management being the principal employer by operation of law they have become employees of the management and they are entitled to be reinstated and regularised. But in the particular circumstances of this case when they could have raised this dispute earlier they are not awarded any back wages. They shall be entitled to wages from the date they join.

WORKMEN CONCERNED

1. Dharam Lal
2. Zakir Hussain
3. Kurma Rao
4. Anil Kumar
5. Ganpat Ram
6. Murali Ram Soni

The case of other workmen under reference has already been adjudicated upon (See para 2 of the Award). Award is made accordingly. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-42011/18/84-D.VD/D/II(B)]

का. आ. 154—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार गीरमिन्ट कोलियरी आफ मै. ई. सी. एल. के प्रबन्ध-तंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 19-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 154.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Girmint Colliery of M/s. E.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 19-12-1991.

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL AT CALCUTTA
Reference No. 2 of 1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of Girmint Colliery of M/s. Eastern Coalfields Limited.

AND

Their workmen.

PRESENT :

Mr. Justice Manash Nath Roy.—Presiding Officer.

APPEARANCES :

On behalf of Management.—Mr. P. Banerjee, Advocate.

On behalf of Workmen.—Mr. S. K. Bose, Advocate.

STATE : West Bengal. INDUSTRY : Coal.

AWARD

By order No. L-19012/44/86-D.IV(B) dated 24th December, 1986, the Government of India, Ministry of Labour, referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the Management of Girmint Colliery of M/s. E.C. Ltd., P.O. Charanpur, District Burdwan in issuing notice to Shri Doman Mia, Fitter to superannuate him with effect from 21-12-1984 without accepting his age recorded as 15-6-1929 both in the School Leaving Certificate as also Certificate issued by Engineer, Ponihati Workshop on 5-1-1945 and 31-7-1957 respectively is justified. If not, to what relief the workman is entitled?"

After the reference, notices being received, the parties filed their pleadings and thereafter, tendered their evidence, both oral and documentary.

2. It was the case of the employee, represented by the Indian National Coal Mines Engineering Workers Association (hereinafter referred to as the said Association) that the employee concerned, was initially appointed in November, 1949, when Girmint Colliery was under the management of Messrs Bengal Coal Company Limited. It has also been stated by the said Association that the service particulars of the employee concerned were recorded in the Form 'B' Register of the said Messrs Bengal Coal Co. Ltd. and his date of birth was recorded therein, as June 15, 1929. It has been stated that the age of superannuation of the employees of the Company being 60 years, the employee in this case, was due to retire on June 15, 1989.

3. In the written statement, the other service particulars of the employee concerned have been mention-

ed, wherefrom it would appear that he was working at Banksimullia No. 11 and 12 pits under the management of the said Bengal Coal Co. Ltd. and Girmint Banksimullia Collieries were under Ponihati Group during the management of the said Bengal Coal Co. Ltd. and were under the Sripur area. The said Association has referred to a certificate dated July 31, 1957, issued by the Engineer, Ponihati Group, for the purpose of establishing the date of birth of the employee concerned as June 15, 1929. The said certificate was marked in this proceeding as Ext. W-2. It has also been contended that such date of birth would also correspond with the certificate Ext. W-1, as produced in this proceeding and which was issued by the Head Master, Dare School, Hazaribag, dated January 5, 1945.

4. It has been stated that the employee concerned got his appointment in November 1949 and he obtained the said Ext. W-1, 4 years earlier than his appointment and it was claimed that this Ext. W-1 was produced by him at the time of appointment, to support his age and accordingly, the Management of the said Bengal Coal Co. Ltd., made necessary entries regarding age as January 15, 1929. But, subsequently and that too after take-over of the non-cocking coal mines by the Central Government on January 31, 1973, after nationalisation, his employer reconstructed the Form 'B' Register. It has been alleged that such reconstruction was made and got authenticated by the employee concerned by keeping the column regarding age blank and the same was filled up at a later date, whereby his age was recorded in the reconstructed Form 'B' Register which was initially noted as 1922, was subsequently re-written as 1924.

5. Admittedly, a dispute was sought to be raised regarding age and there was necessary conciliation proceedings, wherein, it has been alleged that the management was asked to produce the Form 'B' Register with intimation and it was indicated that such reconstruction of the register, was a copy from the old Form 'B' Register of the erstwhile employer. Apart from the above, various statements were made as to the happenings before the Assistant Labour Commissioner(C) during the conciliation proceeding, which I feel would not be very material for our purposes. But one thing is certain that the employee concerned contended that he does not place reliance on the age as assessed by the age assessment committee. It has also agreed that as per Company's practice and procedure, age assessed by the said Committee should be considered as final. But the employee concerned has said that at Girmint Colliery, there were many instances, while ages were assessed time and again.

6. It has been prayed that the employee concerned was superannuated wrongly and consequently, he should be reinstated at once with continuity of service with all back wages and necessary ancillary benefits, on taking his date of birth as January 15, 1929 and also that he should have been retired on January 15, 1989.

7. The employer has stated that Exts. W-1 and W-2 were and are not valid and acceptable documents as the norms of the Company and guidelines

followed by them were age as assessed by the assessment committee, and that being the position, they have no obligation, statutory or otherwise, to take into consideration those records for assessment of age of the employee concerned. It has also been alleged that the Manager, Ponhati Workshop was also not a person authorised, to issue any certificate with regard to age or date of birth and if at all, the same should have been obtained from the Agent of the colliery concerned, who has admitted to have employed the employee concerned.

8. It has been stated that the age of the employee concerned, at the time of commencement of his service in 1949, was duly recorded in the B-Form Register as 1922 and 1981, he raised a dispute over such recording of date of birth and prayed for assessment of his age by Age Assessment Committee. Such being the position, it has been stated if it was so wanted, the management could have intentionally or otherwise ignored the above representation and superannuated the employee concerned, on the basis of the age, which was originally recorded in the B-Form Register. But it has been stated, by taking sympathetic view towards the employee concerned, the management referred his case to the Age Assessment Committee and on December 21, 1981, the said Committee assessed his age as 57 years, which was accepted by the employee concerned and he completed his service upto December 20, 1987, without any protest on that basis.

9. It has been stated further that on the basis of such assessment, the B-Form was corrected and accordingly, the employee concerned was superannuated on reaching his superannuation age as per such assessment and such being the position, there was no illegality or any irregularity and on the other hand, the management was justified to have the employee concerned superannuated and as such, there cannot be any ground of interference, with such assessment, as made. It has also been stated that the employee concerned having accepted the said assessment and having worked on the basis of such assessment, is estopped from challenging the same on the grounds as alleged or on any ground what-so-ever.

10. Apart from the above, it has also been stated that the employee concerned, never produced any school leaving certificate or certificate of Ponhati Workshop i.e. Exts. W-1 and W-2 respectively, before the Age Assessment Committee. In view of the above, it has claimed that the action as taken by the employer, should be held and found to be legal, bonafide and justified.

11. As stated earlier, parties lead both oral and documentary evidence and it would appear that there has been a statement made by MW-2 Padmalachan Mahanti, that on the basis of the latter Ext. M-3, the employee concerned was retired on December 12, 1984 and Mr. Banerjee wanted to have the said recording corrected and said that instead of 1984, the year as mentioned should be 1986. Such submissions were opposed by Mr. Bose and he stated that at this stage, the corrections asked for must not be allowed. But, since on a reference to the evidence of the employee concerned WW-1, it would appear

that he has without any doubt agreed that he was retired in 1986. That being the position, I think, the recording of year 1984 as made in the evidence of MW-2, should be 1986, as that was the year agreed to by the employee concerned and so, I direct that the said year 1984 be corrected and read as 1986.

12. On a reference to the pleadings and records, Mr. Banerjee indicated that an assessment of age by the concerned Committee, the employee concerned was to retire initially in 1982 on completion of his 60th year. But, he received the benefits of the conciliation preceding as raised and pending finally upto 1984 and apart from the above, he has also received the benefits of the conciliation proceeding of this dispute and has worked upto 1986. Thus, Mr. Banerjee claimed that even without any determination, the employee concerned has gained about 4 years of service and all the benefits thereunder, without any protest.

13. It was indicated by Mr. Banerjee that the employee concerned WW-1, has stated to have read upto Class-III till December 31, 1944 and on the basis of such evidence and if 15 years 6 months and 17 days as mentioned to be his age in Ext. W-1 is taken into consideration, his date of birth would naturally come to June 15, 1929 as claimed. But if the evidence of that employee concerned is considered duly, then that cannot be synchronized with his date of birth as declared and there is no doubt that the recording of age in the documents Exts. W-1 and W-2 were really contradicted by his evidence.

14. It was also pointed out by Mr. Banerjee that if Ext. W-1 was produced at the time of entry, there should have been some mentioning of such fact in the evidence of WW-1. But unfortunately, no such statement was available.

15. Mr. Banerjee, then referred to the Medical Report Ext. M-4 and submitted that the same was a due and bonafide document and on the basis thereof, on December 21, 1981, the employee concerned was aged 57 years & soon the fact, he was made to retire on attaining 60 years on 21-12-1984 and such action was bonafide and duly supported by documentary evidence. He then pointed out that the spacing of Ext. W-2 and more particularly the last sentence, appeared to have been incorporated later on, as there is very little gap from the end of the said last sentence and the words Engineer, Ponhati Group, as typed thereunder and such fact, will also be evident from the admitted position that the signature of the Engineer concerned has actually been over the said last sentence. Mr. Bose of course stated that when Ext. W-2 was marked, no exception was taken regarding such spacing.

16. The abovementioned Ext. M-4, has been proved according to Mr. Banerjee by MW-3, the Senior Medical Officer, Incharge of Ningha Colliery Medical Dispensary under Srinur area, who has also testified that in such area, as Medical Officer he was to attend the Age Assessment Committee Board and has also stated that in his capacity as such, he was in the Committee, which has reported Ext. M-4. Mr. Banerjee also referred to the evidence of MW-1, Shri

Mukti Pade Mukherji, clerk in the Personnel Dept. of the Girmint Colliery and has stated that the said 'B'-Form in respect of the employee concerned, was written by him and another colleague Pran Gopal Chakraborty after nationalisation, on the basis of the old B-Form.

17. Mr. Bose, appearing for the said Association, after placing the pleadings and more particularly paragraph 2 of the written statement of the said Association pointed out that Exts. W-1 and W-2 were genuine documents and in any event, such character of the said documents, not having appropriately denied by the employer, the employee concerned can very well claim to have established his case and consequently, to receive the benefits as prayed for. He also indicated that the employer, not having produced the B-Form as maintained, the necessary presumption should go in favour of the employee concerned with regard to his date of birth as declared by him viz. 15th June 1929. But, it should be noted that the said union never called for or summoned the employer to produce the said record and as such, I feel, it would be difficult to appreciate the submissions of Mr. Bose on the question of presumption, for non-production of the concerned record by the employer.

18. In my view, excepting the production of Ext. W-1, the same was not duly proved viz. either the execution or the contents thereof and apparently, from the evidence of WW-1, it prima facie appeared that the contents were not absolutely correct as the employer said he read upto Class-III, but the contents of the said exhibit indicated that he read upto IIIrd class, as it was stated that the word "Darja", according to the employee himself will mean class. Coming now to Ext. W-2, it appears to me that the submissions on the Engineer concerned, or his authority to issue such certificate, were of substance. The employee concerned admitted in his evidence that at the time of his entry in the services, there was an Agent in the Colliery and I see no reason to disagree with the submissions of Mr. Banerjee when there was admittedly an Agent in the colliery, why the certificate was obtained from the Engineer concerned and at that too, at a time when he was leading. The execution and the contents of the exhibit have not also been duly and legally proved.

19. Ext. M-1 is the copy of the B-Form Register. It was prayed to have been written by Sri Prem Gopal Chakraborty, a colleague of MW-1 Sri Mukti Pada Mukherjee, on the basis of the old B-Form, and this witness identified the writing therein, to have been made by the said Shri Chakraborty, and has stated to be familiar with the handwritings of the said Shri Chakraborty. The exhibit also contained the signature of the employee concerned, which was admitted by him, apart from admitting that in the said Form, year of birth has been duly noted, but has stated that he signed the same without knowing the contents. On the basis of the above stated of facts as appearing from the evidence, it is difficult to disbelieve the said exhibit, when the same appeared to have been duly prepared from the old B-Form Register which has been taken away by the custodian and the contents of the exhibit were made known communicated and informed to the employee concerned.

20. MW-3, the Senior Medical Officer in charge of Ningha Colliery Medical Dispensary under Sripur Area, within which the colliery in question comes, has proved the Medical Report Ext. W-4 to be under his signature and has also stated that the same was signed by the other members of the Board. This exhibit will show, on assessment, the date of birth of the employee concerned was held to be 57 years on 24th December 1991 and the report was communicated to him. The witness has also established that the employee concerned was duly identified before the Age Assessment Committee and has also indicated, the tests, on the basis whereof, the age was assessed as above. It is very difficult to disbelieve or discard this evidence and the said Ext. M-4. The assessment of age for all practical purposes was alleged to have been done at the request of the employee concerned and from the facts as indicated earlier, it cannot also be denied and disputed that he has derived and enjoyed some benefits without any objection on that basis.

21. For the view as recorded here-in-before, I feel that the employee concerned is not entitled to any relief and as such, the reference should be answered against him.

This is my Award.

Dated, Calcutta,

The 6th December 1991.

MANASH NATH ROY Presiding Officer
[No. L-19012/44/86-D.IV(B)]

का.आ. 155.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सी. डब्ल्यू. सी. एल. बल्लारपुर एरिया के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 155.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. W. C. Ltd., Ballarpur Area and their workmen, which was received by the Central Government on the 20-12-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M. P.)

1. CASE NO. CGIT/LC(R)(207)/89.
2. CASE NO. CGIT/LC(R)(29)/90.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Western Coalfields Ltd. (Ballarpur Area)
Post Ballarpur, District Chandrapur (MS)

and their workmen mentioned under the Schedule to the Reference Order, represented through the Bhartiya Koyla Khadan Mazdoor Sangh (BMS), Anchareshwar Ward No. 3, Chandrapur (Maharashtra).

was received twice as Case No. 207/89 and 29/90 because two reference orders were received separately, one on 20-10-89 and another on 2-2-90, but the Schedule to the reference orders is one and the same.

APPEARANCES :

For Workmen.—Shri T. V. Deopoojari

For Management.—Shri G. R. Bhandari, Director (Personnel)

INDUSTRY : Coal Mining DISTRICT : Chandrapur (MS)

AWARD

Dated : November, 29th 1991.

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. N-22(12)(108)/89-IR(Coal-I) Dated 6-10-1989, for adjudication of the following dispute. This reference

THE SCHEDULE

“Whether the demand of the Union that 28 workmen of Dhoptala Open Cast Mine and 81 workmen of Ballarpur Open Cast Mine (List enclosed) are entitled to get the 50% wages and 50% adjustment of leave for the period from 3-4-88 to 15-4-88 as per understanding reached in the terms of settlement dated 15-4-1988 from the Sub-Area Manager, Ballarpur Area of W. C. Ltd., P. O. Ballarpur, Distt. Chandrapur Area is justified ? If so, what relief the workmen concerned are entitled ?”

No work no pay

Dhoptala Open Cast Mine

| Sl.No. | Name | Date | Date | Date | Date |
|--------|--------------------|---------|--------|--------|---------|
| 1. | Shri D.S. Dongre | 4-4-88 | 3-4-88 | 5-4-88 | |
| 2. | Harisingh Vashisth | 4-4-88 | 5-4-88 | | |
| 3. | S.D. Deshmukh | 4-4-88 | 7-88 | | |
| 4. | B.B. Pusdekar | 4-4-88 | 7-4-88 | | |
| 5. | K.B. Gakre | 4-4-88 | | | |
| 6. | B.K. Gungewar | 4-4-88 | 5-4-88 | 7-4-88 | |
| 7. | D.G. Angde | 4-4-88 | 5-4-88 | | |
| 8. | Y.V. Kamatkar | 4-4-88 | | | |
| 9. | A.B. Bhandarkar | 4-4-88 | 5-4-88 | | |
| 10. | V.K. Mulakarwar | 4-4-88 | | | |
| 11. | P.G. Kumbhe | 4-4-89 | 6-4-88 | 7-4-88 | 10-4-88 |
| 12. | A.B. Singh | 4-4-88 | 5-4-88 | | 11-4-88 |
| 13. | A.K. Dhale | 4-4-88 | 5-4-88 | 6-4-88 | 7-4-88 |
| 14. | R.T. Parekar | 4-4-88 | 6-4-88 | | |
| 15. | S.B. Taulkar | 5-4-88 | | | |
| 16. | A.S. Asarwar | 4-4-88 | | | |
| 17. | R.M. Petkar | 5-4-88 | 6-4-88 | | |
| 18. | D.G. Ghare | 5-4-88 | | | |
| 19. | Ramesh Bhandariwar | 4-4-88 | 5-4-88 | 6-4-88 | |
| 20. | A.N. Dudhe | 4-4-88 | 5-4-88 | 6-4-88 | |
| 21. | G.B. Sharma | 4-4-88 | 5-4-88 | 6-4-88 | |
| 22. | G.R. Mathure | 5-4-88 | | | |
| 23. | G. Madnemma | 5-4-88 | | | |
| 24. | V.U. Belde | 4-4-88 | | | |
| 25. | D.V. Upalchiwar | 4-4-88 | | | |
| 26. | Maroti Chirkut | 5-4-88 | 4-4-88 | | |
| 27. | G.R. Vashishtha | 4-4-88 | | | |
| 28. | S.G. Ramteke | 10-4-88 | | | |

No work no pay

Ballarpur Open Cast Mine

| Sl. | Name | Date | Date | Date | Date |
|-----|-----------------------|---------|--------|--------|--------|
| 1. | Shri.P. S. Talukdar | 3-4-88 | 4-4-88 | | |
| 2. | Shri P.T. Pati. | 3-4-88 | 4-4-88 | 5-4-88 | 2-4-88 |
| 3. | Shri S.K. Shende | 3-4-88 | 4-4-88 | | |
| 4. | Shri D.V. Chivande | 3-4-88 | | | |
| 5. | Shri A.G. Bhimte | 3-4-88 | | | |
| 6. | Shri A.S. Bandiwar | 3-4-88 | 4-4-88 | 5-4-88 | |
| 7. | Shri V.U. Shende | 3-4-88 | 5-4-88 | | |
| 8. | Shri T.S. Asurkar | 3-4-88 | 5-4-88 | | |
| 9. | Shri N.S. Kushvaha | 5-4-88 | 3-4-88 | | |
| 10. | Shri S.K. Bharadwaj | 4-4-88 | | | |
| 11. | Shri R.S. Allewar | 3-4-88 | | | |
| 12. | Shri L.S. Bagadkar | 3-4-88 | | | |
| 13. | Shri R.K. Mohurle | 3-4-88 | 4-4-88 | | |
| 14. | Shri B.S. Gedam | | | | |
| 15. | Shri R.G. Shukla | 5-4-88 | 4-4-88 | | |
| 16. | Shri R.S. Pavde | 5-4-88 | | | |
| 17. | Shri S.R. Sakharkar | 5-4-88 | 4-4-88 | | |
| 18. | Shri V.S. Sapot | | | | |
| 19. | Shri M.B. Nagarale | 3-4-88 | | | |
| 20. | Shri V.S. Allewar | | | | |
| 21. | Shri M.M. Ugde | 3-4-88 | 4-4-88 | | |
| 22. | Shri G.B. Shende | | | | |
| 23. | Shri K. Shambashivrao | 5-4-88 | 6-4-88 | | |
| 24. | Shri S.V. Kite | 5-4-88 | | | |
| 25. | Shri S.N. Moharkar | 5-4-88 | | | |
| 26. | Shri V.M. Thakre | 5-4-88 | | | |
| 27. | Shri H.S. Prasad | 5-4-88 | | | |
| 28. | Shri Mohammad Nasim | | | | |
| 29. | Shri P.B. Channe | | | | |
| 30. | Shri S.K. Maheshkar | | | | |
| 31. | Shri D.S. Jadhav | | | | |
| 32. | Shri V.T. Kujarkar | 6-4-88 | 5-4-88 | | |
| 33. | Shri R.M. Chopde | 5-4-88 | | | |
| 34. | Shri G.R. Rao | 5-4-88 | | | |
| 35. | Shri N.P. Chauke | | | | |
| 36. | Shri A.K. Pal | | | | |
| 37. | Shri A.V. Mohitkar | | | | |
| 38. | Shri Gopal Binda | | | | |
| 39. | Shri Sarfraz Uddin | | | | |
| 40. | Shri K.V. Kawade | 7-4-88 | | | |
| 41. | Shri V.S. Pathak | | | | |
| 42. | Shri B.D. Thakre | | | | |
| 43. | Shri Mohammad Rafiq | 5-4-88 | 6-4-88 | 7-4-88 | 8-4-88 |
| 44. | Shri M.S. Vais | | | | |
| 45. | Shri Abdul Rahman | 16-4-88 | 7-4-88 | | |
| 46. | Shri Abbas Hussain | | | | |
| 47. | Shri Musafa Khan | | | | |
| 48. | Shri V.B. Pahalke | | | | |
| 49. | Shri G.T. Katkar | | | | |
| 50. | Shri V.M. Bansod | 3-4-88 | 5-4-88 | | |
| 51. | Shri V.M. Dikondawar | | | | |
| 52. | Shri R. N. Duthhe | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-----|---------------------------|-----------|---------|---|---|
| 53. | Shri A.G. Kosre | | | | |
| 54. | Shri M.S. Vankhede | 4-4-88 | | | |
| 55. | Shri V.D. Shakhre | | | | |
| 56. | Shri L.N. Lade | | | | |
| 57. | Shri R.N. Giratkar | 7-4-88 | | | |
| 58. | Shri Sukhvindra Singh | 6-4-88 | 7-4-88 | | |
| 59. | Shri A.B. Dube | | | | |
| 60. | Shri S.S. Ambadkar | | | | |
| 61. | Shri V.J. Pandilwar | 5-4-88 | | | |
| 62. | Shri A.V. Maske | | | | |
| 63. | Shri Ajitsingh | | | | |
| 64. | Shri M.V. Sonekar | | | | |
| 65. | Shri P.S. Purvatkar | 5-4-88 to | 15-4-88 | | |
| 66. | Shri A.K. Choudhary | | | | |
| 67. | Shri Mohammad Ali | 5-4-88 to | 15-4-88 | | |
| 68. | Shri M.G. Sonekar | | | | |
| 69. | Shri R.V. Mankar | 6-4-88 | | | |
| 70. | Shri V.M. Nagrale | 5-4-88 | | | |
| 71. | Shri O. Vijaykumar | 5-4-88 | | | |
| 72. | Shri Kishan Sadu Shende | | | | |
| 73. | Shri R.S. Umak | | | | |
| 74. | Sari Rambhau Gulam Wandre | | | | |
| 75. | Shri R.G. Bhandekar | 7-4-88 | | | |
| 76. | Shri U.S. Bam | | | | |
| 77. | Shri R.P. Vasalwar | | | | |
| 78. | Shri R.D. Padlamwar | | | | |
| 79. | Shri Abdul Vashir | 9-4-88 | | | |
| 80. | Shri A.G. Harne | | | | |
| 81. | Shri R.D. Burande | | | | |

2. Parties filed their pleadings in both the cases registered in this Tribunal, but I need not refer them as the parties appeared on 19-11-1991 at Nagpur and arrived at the following compromise:—

- (1) Parties agreed that the management shall pay Rs. 4000/- as lump sum as Ex-gratia payment to be distributed proportionately on pro rata basis towards the full and final settlement of the claim, between workmen of the disputes. Parties shall bear their own costs. The payment shall be made before 31st December, 1991. This compromise disposes of Case No. 29/90 also."

3. The above compromise as arrived at between the parties themselves appears to be just and fair. I therefore, give by award in terms as agreed to by the parties and make no order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-22012/108/89-JR(C.II)]

का.ग्रा. 156.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सब एरिया मैनेजर आफ सै. डब्ल्यू. सी. लि. सिल्लिवारा के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्म-

कारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचवट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 156.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Sub Area Manager of M/s. W. C. Ltd., Sillewara and their workmen, which was received by the Central Government on the 20-12-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL - CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M. P.)

CASE NO. CGIT/LC(R)(182)/1989.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Sub-Area Manager of W. C. Ltd., Sillewara and their workman Shri Nihal

Ahmed, represented through the Bhartiya Koyla Khadan Mazdoor Sangh No. 542, Dr. Munje Marg, Congress Nagar, Nagpur-12 (MS)

APPEARANCES :

For Workman.—Shri Sirish Pandey.

For Management.—S/Shri R. Menon, Advocate, G. R. Bhandari, B. S. Sekhon and K. K. Shrivastava.

INDUSTRY.—Coal Mine

DISTRICT.—Nagpur (M. S.)

AWARD

Dated : November 29th, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-22012(38)[89-D.IV.B]R(C-II) dated 21-8-89 and subsequent corrigendum dated 21-9-89, for adjudication of the following dispute:—

“Whether the action of the Management of Sub-Area Manager of M/s. W. C. Ltd., Sillewara in demoting Sri Nihal Ahmed from the post of Sand Munshi to Mazdoor Cat. I w.e.f. 24-3-87 is justified ? If not, to what relief the workman concerned is entitled ?”

2. Parties filed their respective pleadings and documents and the case was at the stage of framing issues. On 19-11-1991 parties appeared and filed a Memorandum of Settlement and verified the same. The terms of settlement are as under:—

1. Shri Nihal Ahmed will be deputed to work as clerk Gr. III in acting/officiating capacity anywhere in Nagpur Area for a period of one year. He will be paid officiating/acting allowance as per rules. Subject to successful completion of one year in the said capacity, he will be considered for promotion as Clerk Gr. IIIrd.

1. The dispute stands fully and finally settled. There shall not be any claim either by the workman or union for back wages etc. This settlement will not be quoted as precedence in any case.

3. I have gone through the above terms of settlement and I am of the opinion that the terms are just and fair and as such I record my award in terms of settlement arrived at between the parties. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-22012[38]89-IR(C.II)]

का. आ. 157. - औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुमरण में, केन्द्रीय सरकार सस्ती कोलघरी आफ म. डब्ल्यू. सी. लि. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 157.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Sasti Colliery of M/s. W. C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 20-12-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M. P.)

CASE 10. CGIT[LC(R)(80)]1990.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Sasti Colliery, Sasti Sub-Area of M/s. Western Coalfields Ltd., Post Sasti District Chandrapur (MS) and their workmen Shri Ranjit Singh & Shri Pandurang Keshao Vidhate, Fitters, represented through the Bhartiya Koyla Khadan Mazdoor Sangh (BMS), Sasti Sub-Area of W. C. L. Branch, Post Sasti-442 706, District Chandrapur (MS).

APPEARANCES :

For Workman.—Shri Deo Pujari

For Management.—Shri Rajendra Menon, Advocate & Shri G. R. Bhandari, Director (P)

INDUSTRY.—Coal Mining

DISTRICT.—Chandrapur (MS)

AWARD

Dated : November 29th, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-22012(303)[89-IR(Coal-II)] Dated 5-3-90, for adjudication of the following dispute:—

“Whether Sri Ranjit Singh and Sri Pandurang Keshao Vidhate Fitters of Sasti Colliery No. 3 Incline are entitled to get promotion in Cat. V w.e.f. 26-4-84 as per JBCCI Centre Scheme from the Sub-Area Manager, Sasti Sub-Area of WCL, PO Sasti, District Chandrapur (MS) ? If so, to what relief the workmen concerned are entitled ?”

2. Parties filed their respective pleadings and documents in the case which I need not consider as the parties have arrived at the following compromise at Nagpur on 19-11-1991:—

“Review Committee of Shri B. S. Sekhon, G.I. (I. R.) and Shri D. Adhikari shall decide the claim of the workman concerned which shall be binding on both the parties within a month from today without fail.”

Parties have further prayed that no dispute award be passed.

3. In view of the aforementioned compromise a No Dispute award is passed without any order as to costs

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-22012/303/89-IR(C.II)]

RAJA LAL, Desk Officer

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 1991

[का. अ. — 158 औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 33क के अंतर्गत में इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोपरेटिव लिमिटेड, इलाहाबाद के प्रबंधन के विरुद्ध श्री राजेन्द्र राय द्वारा दायर एक प्रार्थना पत्र के संबंध में नेशनल ट्रिब्यूनल कलकत्ता के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो कि केन्द्रीय सरकार को प्राप्त हुआ।

New Delhi, the 24th December, 1991

S.O. 158.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the National Tribunal, Calcutta in respect of a complaint u/s 33 A of the said Act filed by Shri Rajendra Rai against the management of M/s. Indian Farmers Fertilizer Coop. Ltd., Allahabad which was received by the Central Government on.

ANNEXURE

NATIONAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Misc. Application No. NT-34 of 1988

U/S. 33A of the I. D. Act,

PARTIES :

Shri Rajendra Rai,
S/o Shri Narain Rai,

15/7, Nagar Mahapalika Flats,

Allapur, Allahabad

.... Applicant

—Vs—

M/s. Indian Farmers Fertilizer Coop. Ltd.,
Phulpur Unit, Ghiyanagar, Phulpur,
Allahabad

... Opposite Party

PRESENT :

Mr. Justice Manash Nath Roy

Presiding Officer.

APPEARANCES :

On behalf of Applicant—Mr. Rajendra Rai,
the applicant in person.

On behalf of Opp. Party.—Mr. S. A. Siddique,
Assistant Manager (LL).

STATE :

INDUSTRY : Fertilizer

AWARD

After this application under section 33A of the Industrial Disputes Act, 1947 was filed, a telegram was received by this office indicating that the applicant do not wish to proceed with the application and as such prayed for leave to withdraw the same.

2. In view of that prayer I reject the application but the same should be treated as withdrawn. This is my Award.

3. Let it be noted that the application to the above effect was filed on 7th November, 1991 and as such the proceedings may be treated for disposal as on 8th November, 1991.

Dated : Calcutta,

The 8th November, 1991.

MANASH NATH ROY, Presiding Officer

[No. Z-13011/2/91-IR(Du)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

